वार्षिक प्रतिवेदन

2011-2012

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

वार्षिक प्रतिवेदन 2011-2012 केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्

विषय–सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
प्रस्तावना	1
संकेताक्षर	3
उद्देश्य	4
प्रशासनिक प्रतिवेदन	**5**
– के.हो.अ.प. का संगठनात्मक ढांचा	8
– शासी निकाय	9
– वैज्ञानिक सलाहकार समिति	10
– स्थायी वित्त समिति	12
– नैतिक समिति	13
– नैदानिक अनुसंधान के लिए विशेष समिति	15
– औषध मानकीकरण के लिए विशेष समिति	16
– मानव विकारी परीक्षण (औषध प्रमाणन) के लिए विशेष समिति	18
– परिषद् की सेवाओं में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का प्रतिनिधित्व	18
– बजट	19
– सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005	19
तकनीकी प्रतिवेदन	**21**
• अनुसंधान परियोजनाएँ	23
• नैदानिक अनुसंधान	29
• नैदानिक सत्यापन	40
• औषध प्रमाणन (होम्यापैथिक रोगमूलक परीक्षण)	45
• औषध मानकीकरण	48
• औषधीय पादपों का सर्वेक्षण, संग्रहण और खेती	52
• सहयोगात्मक अनुसंधान अध्ययन	56
• प्रकार बाह्य अनुसंधान अध्ययन	64
• लैंगिक मुद्दे	68

प्रकाशन एवं पुस्तकालय 69

विविध कार्यकलाप

- माता एवं शिशु सुरक्षा के लिए होम्योपैथी पर राष्ट्रीय अभियान 73
- समितियों की बैठकें 75
- होम्योपैथिक भेषज समिति (एचपीसी) 77
- कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/अभिमुखीकरण कार्यक्रम 80
- स्वास्थ्य मेले/प्रदर्शनियाँ 82
- आयुष अनुसंधान पोर्टल 84

कें.हो.अ.प. के अधीनस्थ संस्थानों/इकाइयों की अनुसूची 86

वित्तीय विवरण 88

91

प्रस्तावना

मेरे लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि मैं केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् का वर्ष 2011–12 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रहा हूँ। यद्यपि मैंने जुलाई 2012 में परिषद् में कार्यभार संभाला लेकिन मुझे परिषद् से जुड़े हुए अधिक समय नही हुआ है। मेरे पदभार संभालने से पूर्व हुई बैठकों में परिषद् के कार्यकलापों के बारे में मुझे अवगत करवाने के लिए मैं अपनें सहकर्मियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। परिषद् की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों को इस वार्षिक प्रतिवेदन में प्रस्तुत किया गया है।

वर्ष 2011–12 के दौरान नीति निर्धारक समितियों जैसे शासी निकाय, वैज्ञानिक परामर्श समिति, स्थायी वित्त समिति और नैतिकता समिति का कार्यकाल पूर्ण हुआ और इनके पुर्नगठन हेतु कदम उठाये गये। जनवरी 2012 में वैज्ञानिक परामर्श समिति, स्थायी वित्त समिति, नैतिकता समिति और नैदानिक अनुसंधान, औषध मानकीकरण एवं मानव रोग मूलक परीक्षण पर विशेष समितियों का पुर्नगठन किया गया।

परिषद् पूरे देश अपने 28 संस्थानों/इकाईयों के माध्यम से कार्य कर रही है। अतः इन इकाईयों/संस्थानों में आधार सुविधाएं जैसे भवन, बाह्य रोगी विभाग, आंतरिक रोगी विभाग और सामान्य प्रयोगशाला सुविधाएँ उपलब्ध होनी चाहिए। प्रतिवेदित वर्ष के दौरान परिषद् ने क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.) मुम्बई और गुड़ीवाड़ा के लिए भवन निर्माण कार्य का आरंभ किया। परिषद् को कोयम्बटूर में क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.) की स्थापना करने हेतु मार्टिन चेरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा 2 एकड़ भूमि देने का प्रस्ताव भी मिला। क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.) गुड़ीवाड़ा और कोलकाता में रोगी शय्याओं में वृद्धि, चूंकि राजस्व विभाग त्रिपुरा सरकार द्वारा परिषद् को 2 एकड़ भूमि प्रदान की गई है अतः नैदानिक अनुसंधान इकाई, अगरतला को क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.) अगरतला के रूप में प्रोन्नत करने के प्रस्ताव भी परिषद् को प्राप्त हुए।

परिषद् के संस्थानों/इकाईयों में कार्यरत अधिकारियों को गत एवं प्रतिवेदित वर्ष के दौरान विभिन्न प्रकार अनुसंधान कार्य सौपें गए। प्रस्तुत प्रतिवेदन नैदानिक अनुसंधान, नैदानिक सत्यापन, औषध प्रमाणन, औषध मानकीकरण, औषधीय पादपों का सर्वेक्षण, संग्रहण एवं खेती के क्षेत्रों में परिषद् की उपलब्धियों को प्रस्तुत करता है। इन पहलुओं के अतिरिक्त परिषद् आयुष विभाग की प्राकार आंतरिक अनुसंधान योजना के अंतर्गत अनुमोदित होम्योपैथी अनुसंधान परियोजनाओं का समन्वय करती है। प्रतिवेदित वर्ष के दौरान प्राकार आंतरिक अनुसंधान एवं सहयोगात्मक अनुसंधान के अंतर्गत परियोजनाओं का विविरण एवं उनका स्तर प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन में दिया गया है। अनुसंधान अध्ययनों से संबंधित परिषद् के शोध पत्र जिनका की प्रतिवेदित वर्ष के दौरान प्रकाशन हुआ, उनका विवरण भी संबंधित अनुभाग में दिया गया है।

परिषद् ने जेन्डर स्पेसिफिक तीन अनुसंधान परियोजनाओं का आरंभ किया और अपने अनुसंधान केन्द्रों के माध्यम से माता एवं शिशु स्वास्थ्य निदानगृहों और समुदाय जागरूकता शिविरों का आयोजन किया। आयुष विभाग के निर्देशों के अनुसार परिषद् ने जेन्डर बजट सैल की स्थापना की है और जेन्डर स्पेसिफिक मुद्दों का रिकार्ड रखती है। इससे संबंधित सूचना भी प्रतिवेदन में प्रस्तुत की गई है।

वर्ष 2007 में आरंभ हुए 'माता एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल हेतु होम्योपैथी पर राष्ट्रीय अभियान' प्रतिवेदित वर्ष के दौरान संपूर्ण हुआ। परिषद् ने इन वर्षों के दौरान माता एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल में होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति की भूमिका के बारे में सामान्य जन में जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से समुदाय जागरूकता शिविर और माता एवं शिशु स्वास्थ्य निदानगृहों का आयोजन किया। इस अभियान के अन्तर्गत होम्योपैथी चिकित्सकों हेतु विभिन्न स्तरों पर कार्यशालाओं और अभिमुखी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अभियान के अतिरिक्त प्रतिवेदित वर्ष के दौरान परिषद् ने स्वास्थ्य मेलों/ प्रदर्शनियों आदि में भाग ले कर सामान्य जन तक पहुँच दर्ज की। परिषद् के अधिकारियों ने संदर्भ व्यक्तियों, प्रतिनिधियों के रूप में विभिन्न सम्मेलनों, कार्यशालाओं और

निरन्तर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम में भाग लिया। लीगा मेडिकोरम होम्योपैथिका इण्टरनेशनलिस सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण अवसर था जिसमें परिषद् ने संपूर्ण सामर्थ्य के साथ भाग लिया।

अनुसंधान परिणामों को होम्योपैथिक चिकित्सकों तक पहुँचाने और ज्ञान में वृद्धि हेतु पुस्तकालय अनुभाग के साथ प्रलेखन एवं प्रकाशन अनुभाग का महत्वपूर्ण योगदान है। परिषद् के प्रकाशनों, पुस्तकों, पत्रिकाओं और अन्य प्रकाशित सामग्री जिनको पुस्तकालय द्वारा संरक्षित रखा गया है, आदि की सूचना भी प्रतिवेदन में प्रस्तुत की गई है। अनुसंधान सूचनाओं के प्रसार हेतु आयुष विभाग के द्वारा आयुष अनुसंधान पोर्टल विकसित किया गया जिस पर परिषद् ने शोध पत्रों और उनके सार को पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध करवाया है।

मैं आयुष विभाग के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ जिसके सहयोग और प्रोत्साहन के कारण अपने लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर सके। मैं होम्योपैथिक अनुसंधान में महत्त्वपूर्ण कार्य करने वाले परिश्रमी समूह भावना से परिपूर्ण अपने सहकर्मियों के प्रति धन्यवाद प्रकट करता हूँ। सबसे अन्त में मैं विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने अनुसंधान को सुगम बनाने में मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया।

(डा. आर.के. मनचन्दा)
महानिदेशक

संकेताक्षर

एड्स	एक्वायर्ड इम्यूनों डेफिसिएन्सी सिन्ड्रोम
सीएसी	कम्युनीटि अवेयरनेस कैंप्स
सीसीआरएच	सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी
सीओएलएल	कोलाबोरेटिव स्टडीज
सीआर	क्लिनिकल रिसर्च
सीआरआई (एच)	सेंट्रल रिसर्च इंस्टि्टयूट फॉर होम्योपैथी
सीआरयू (एच)	क्लिनिकल रिसर्च यूनिट फॉर होम्योपैथी इन जनरल एरिया
सीआरयू (टी)	क्लिनिकल रिसर्च यूनिट इन ट्राइबल एरिया
सीवी	क्लिनिकल वेरिफिकेशन
सीवीयू	क्लिनिकल वेरिफिकेशन यूनिट
डीओसी	डॉक्यूमेंटेशन एण्ड पब्लिकेशन
डीपी	ड्रग प्रूविंग
डीपीआरयू	ड्रग प्रूविंग रिसर्च यूनिट
डीएस	ड्रग स्टेन्र्डडाइजेशन
डीएसयू	ड्रग स्टेण्र्डडाइजेशन यूनिट
ईसी	विस्तरित इकाई
ईएमआर	एक्ट्रा म्यूरल रिसर्च
जीडीवी	गैस डिफयुजन विजुअलाइजेशन
एचडीआरआई	होम्योपैथिक ड्रग रिसर्च इंस्टि्टयूट
एचआईवी	ह्यूमन इम्यूनों डेफिसिएन्सी सिन्ड्रोम
एचपीटी	होम्योपैथिक पैथेजेनेटिक ट्रायल
एचटीसी	होम्योपैथिक ट्रीटमेंट सेंटर
आईईसी	इंफोरमेशन एजूकेशन एण्ड कम्यूनिकेशन
आईएसएमएण्डएच	इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसन एण्ड होम्योपैथी
जेआईपीएमईआर	जवाहर लाल इंस्टि्टयूट ऑफ पोस्ट–ग्रेजुएट मेडिकल एजूकेशन एण्ड रिसर्च
एमसीएच	मदर एंड चाइल्ड हेल्थ
एमडीएनआईवाई	मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान
एनई	नार्थ इस्ट
आरओ (एच)	रिसर्च आफिसर (होम्योपैथी)
आरओ(पी)	रिसर्च आफिसर (भेषज–अभिज्ञान)
आरआरआई (एच)	रीजनल रिसर्च इंस्टि्टयूट फॉर होम्योपैथी
एससीसीएमपी	सर्वे कलेक्शन एण्ड कलटिवेशन ऑफ मेडिसिनल प्लांट
डब्ल्यूएचओ	वर्ल्ड हैल्थ आर्गेनाइजेशन

उद्देश्य

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् की स्थापना 30 मार्च, 1978 को सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1860 का XXI के अंतर्गत निम्नलिखित मुख्य उद्देश्यों से की गई थी :

- होम्योपैथी में कोई अनुसंधान या अन्य कार्यक्रम शुरू करना।
- होम्योपैथी में अनुसंधान से संबंधित सूचना का प्रसार करना और जानकारी का प्रचार करना।
- रोगों के कारणों, फैलने के तरीके, निवारण और उपचार के संबंध में प्रयोगात्मक उपाय प्रारंभ करना।
- होम्योपैथी के विभिन्न पहलुओं–मूलभूत एवं अनुप्रयुक्त में, वैज्ञानिक अनुसंधान प्रारंभ करना, उसमें सहायता, विकास और समन्वय करना।
- के.हो.अ.प. के उद्देश्यों के समान उद्देश्यों में रूचि रखने वाले अन्य संस्थानों, एसोसिएशनों, समितियों के साथ सूचना का आदान प्रदान करना।

प्रशासनिक प्रतिवेदन

वार्षिक प्रतिवेदन 2011-2012 केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्

परिषद् का प्रबंधन

शासी निकाय

अध्यक्ष
(केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री)

उपाध्यक्ष–I
(केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री)

उपाध्यक्ष–II
(होम्योपैथी में कोई प्रतिष्ठित अनुसंधाता/अध्यापक/व्यवसायविद्)

- स्थाई वित्त समिति
- वैज्ञानिक परामर्श समिति
- नैतिकता समिति

संगठनात्मक ढांचा

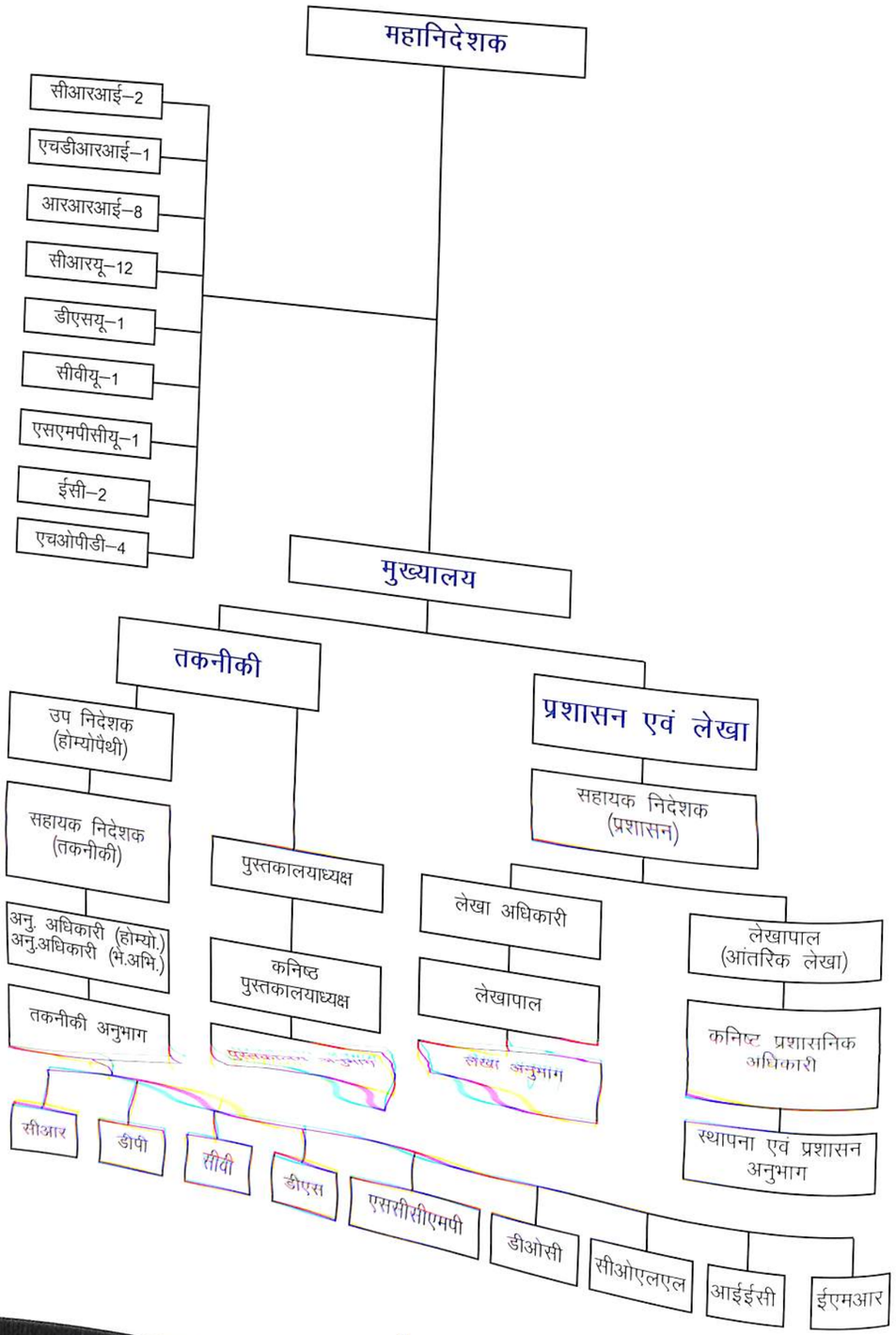

शासी निकाय

परिषद के शासी निकाय का पुनर्गठन, शासी निकाय के अध्यक्ष की हैसियत से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री द्वारा 26 फरवरी, 2009 को किया गया था।

नामांकनों के परिणामस्वरूप के.हो.अ.प. का पुनर्गठित शासी निकाय निम्नलिखित होगा :

1	**अध्यक्ष**	माननीय, केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री,
2	**उपाध्यक्ष–I** (सरकारी)	केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री,
3	**उपाध्यक्ष–II** (गैर–सरकारी)	डा. दीवान हरीश चन्द 1, हनुमान रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली–110 001.

सरकारी सदस्य

1. अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली।
2. संयुक्त सचिव (आयुष), आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, आईआरसीएस बिल्डिंग, नई दिल्ली।

गैर–सरकारी सदस्य

1. होम्योपैथी विशेषज्ञ

क) डा. वी.के. गुप्ता,
सी–3/29, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली

ख) प्रोफेसर (डा.) के. जनार्दन रेड्डी,
भूतपूर्व अपर निदेशक (होम्यो.) आंध्र प्रदेश सरकार,
म.सं. 3–5–199/ए15, गली सं. 5,
नारायणगुडा, एस बी एच, हिमायतनगर लेन,
हैदराबाद।

ग) डा. आर. ज्ञानसंबंदम,
अध्यक्ष, तमिलनाडु होम्योपैथी चिकित्सा परिषद्,
भूतपूर्व अपर निदेशक (होम्यो.) आंध्र प्रदेश सरकार,
6, लॉयड द्वितीय लेन, रॉयापेटा,
चेन्नई–600 014 (तमिलनाडु)।

घ) डा. पा.यू. लेनिन,
110, चौथा क्रॉस, जवाहर नगर, बूमियनपेट,
पुददुचेरी–605 001.

ड) डा. वी.टी. रुद्रेश,
'माडिलु' 54 ई, द्वितीय क्रास, बी एस के तृतीय स्टेज,, तृतीय फेज,
चतुर्थ ब्लॉक, काथरीगुप्पा,
बंगलौर–85.

2. वनस्पति विज्ञान और भेषज–विज्ञान में विशेषज्ञ

क) डा. आर.के. शर्मा,
विभागाध्यक्ष, केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान,
लखनऊ–226 001.

ख) डा. मोहनासुद्रम,
प्रोफसर भेषज–विज्ञान एवं डीन, राजकीय स्टैनले मेडिकल कालेज एंव अस्पताल,
चेन्नई–600 001.

3. आधुनिक औषधि में विशेषज्ञ

क) डा. डी. सैन गुप्ता,
औषधि सलाहकार, 83, लखनऊ रोड़,
तिमारपुर, दिल्ली–110 054.

4. पदेन सदस्य

1. निदेशक, राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान, कोलकाता।
2. निदेशक, केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, –सदस्य सचिव।

परिषद् के शासी निकाय का कार्यकाल 25 फरवरी, 2012 को समाप्त हो चुका है। परिषद् में अपने पत्र संख्या 1–20/2012–के. हो.अ.प./एमओएन/शा.नि. गठन/1162 दिनांक 17.02.2012 के माध्यम से माननीय स्वास्थय एवं परिवार कल्याण मंत्री को शासी निकाय के पुनर्गठन हेतु प्रस्ताव भेजा है।

माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री द्वारा परिषद् के शासी निकाय की बैठक की अध्यक्षता

वैज्ञानिक सलाहकार समिति एवं विशेष समितियां

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् के शासी निकाय के अध्यक्ष की हैसियत से माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री द्वारा परिषद् की वैज्ञानिक सलाहकार समिति और विशेष समितियों का पुनर्गठन दिनांक 21 जुलाई, 2006 से तीन वर्ष के लिए किया गया था जो 20 जुलाई, 2009 को समाप्त हो गया। सचिव (आयुष) ने नई वैज्ञानिक सलाहकार समिति गठित होने तक विद्यमान वैज्ञानिक सलाहकार समिति को जारी रखने पर सहमति दी।

1 डा. दीवान हरीश चन्द,
1, हनुमान रोड,
नई दिल्ली–110 001। — अध्यक्ष

2 डा. एस.पी. सिंह, सलाहकार (होम्यो.)
आयुष विभाग,
आई.आर.सी.एस. बिल्डिंग,
1, रेड क्रास रोड, नई दिल्ली। — सदस्य

3 डा. वी.के. गुप्ता,
सी–3/29, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली। — सदस्य

4 डा. एम.पी. आर्य, — सदस्य
67/2, ओबेराय हाउस,
नल स्टाप, कार्वे रोड़, पुणे (महाराष्ट्र)

5 डा. वी.वी. नागराज राव, — सदस्य
फ्लैट नं. 5 और 8,
नंदिनी मेन्सन, 1–10–234,
अशोक नगर, हैदराबाद।

6 डा. रथिन चक्रवर्ती, — सदस्य
5, सुबल कोले लेन, पी.एस. शिबपुर,
हावड़ा–711 101 (पश्चिम बंगाल)।

7 डा. सत्य नारायण सिंह, — सदस्य
प्रधानाचार्य,
नारायणश्री होम्योपैथिक मेडिकल कालेज,
पुष्पा नगर, भोपाल।

8 डा. पा.यू. लेनिन, — सदस्य
110, चौथा क्रॉस,
जवाहर नगर, बूमियनपेट, पुडुचेरी–605 001।

9 प्रो. एल.के. नन्दा, प्रोफेसर, — सदस्य
डा. ए.सी. होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल,
यूनिट–3, भुवनेश्वर–751 001 (उड़ीसा)।

10 डा. आदित्य कौशिक, — सदस्य
ओ–14, परवाना विहार, सैक्टर–9,
रोहिणी, नई दिल्ली–110 085।

11 महानिदेशक, केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद — सदस्य–सचिव

माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने 17 जनवरी, 2012 को वैज्ञानिक सलाहकार समिति का पुनर्गठन किया जिसका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा।

1. डा. वी.टी. अगस्तीन, — अध्यक्ष
401, मंदाकिनी इन्कलेव,
अल्कनंदा, नई दिल्ली–110019

2. सलाहकार/सयुक्त सलाहकार/उप सलाहकार– (होम्यो.), — सदस्य
आयुष विभाग में परिषद् के मामलों से संबंधित,
नई दिल्ली–110001

3. डा. वी.के. गुप्ता, — सदस्य
सी–3/29, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली–110027

4. डा. एम.पी. आर्य — सदस्य
67/2, ऑबरोय हाउस,
नल स्टॉप, कर्व रोड़,
पूना, महाराष्ट्रा–411004

5. प्रो. (डा.) सी. नायक — सदस्य
पूर्व महानिदेशक, सीसीआरएच,
हाउस नं. 47सी, सी–4डी ब्लाक,
जनकपुरी, नई दिल्ली–110058

6. डा. रथिन चक्रवर्ती — सदस्य
5, सुबल कोले लेन,
पी.एस. सिबपुर, हावडा–711101
पश्चिम बंगाल

7. डा. आर. के. मनचन्दा — सदस्य
उप–निदेशक,
सीएससी बिलडिंग, ब्लाक–बी,
भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी के होम्योपैथी विभाग
प्रीत विहार, दिल्ली–110092

8. प्रो. एल.के. नन्दा — सदस्य
प्लाट नं. 409–बी,
पाइका नगर, डेल्टा स्क्वायर,
पोस्ट बारामुण्डा,
भुवनेश्वर–751003

9. डा. वी.के. चौहान — सदस्य
प्रधानाचार्य, डा. बी.आर.सूर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज,
अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र,
नानक पुरा, नई दिल्ली–110021

10. डा. डी.के. शर्मा — सदस्य
आचार्य एवं औषधी परामर्शदाता
वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज एवं सफदरजंग अस्पताल,
(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय)
नई दिल्ली–110029

11. महानिदेशक, — सदस्य–सचिव
केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद,
61–65, संस्थागत क्षेत्र, डी–ब्लाक,
जनकपुरी, नई दिल्ली–110058

स्थायी वित्त समिति

परिषद् का निम्नलिखित सदस्यों के साथ वित्त समिति:

1. संयुक्त सचिव — अध्यक्ष,
आयुष विभाग,
आईआरसीएस बिल्डिंग,
रेड क्रॉस रोड़, नई दिल्ली

2. अतिरिक्त सचिव सह वित्त सलाहकार — सदस्य
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
निर्माण भवन, नई दिल्ली

3. डा. दिवान हरीश चन्द — सदस्य
1, हनुमान रोड़, कनॉट प्लेस,
नई दिल्ली–110001

4. डा. वी.के. गुप्ता — सदस्य
सी–3/29, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली

5. महानिदेशक, — सदस्य सचिव
केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिशद्
नई दिल्ली

नैतिक समिति

1. डा. डी. सेन गुप्ता — अध्यक्ष
2/3–4, रूप नगर,
दिल्ली–110001

2. डा. आर.के. वार्षेनेय — सदस्य
4649/21, दरिया गंज,
नई दिल्ली–110002

3. श्री सुधीर गंदोत्रा — सदस्य
आर–10, तृतीय तल, खिडकी एक्टेंशन,
मालवीय नगर, नई दिल्ली–110017

4. डा. उमेश कंसरा — सदस्य
अतिरिक्त आचार्य,
औषध विभाग,
सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली–110029

5. डा. डी.आर. लोहार — सदस्य
निदेशक, होम्योपैथी भेषजकोश प्रयोगशाला,
एम–ब्लाक के सामने, संजय नगर,
एन.टी.एच. के पास, कमला नेहरू,
गाजियाबाद

6. डा. एस.सी. गोस्वामी — सदस्य
67, वैशाली, पीतमपुरा,
दिल्ली–110034

7. आचार्य पी.आर. मंगला — सदस्य
ईबी 210, माया इन्क्लेव,
नई दिल्ली–110064

8. डा. पी. रॉय वैद — सदस्य
1490/21डी, जिम खाना क्लब के पास,
फरीदाबाद

9. डा. (श्रीमती) लुबना खान — सदस्य
बी–3, सेक्टर–19, नोएडा

10. डा. सुरेन्द्र सिंह
सहायक आचार्य भेषजगुण विज्ञान
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली — सदस्य

11. डा. एस.एन साहू
उप सलाहकार (होम्यो.)
आयुष विभाग, आईआरसीएस बिल्डिंग,
नई दिल्ली — सदस्य

12. डा. विक्रम सिंह
उप निदेशक
केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्,
नई दिल्ली — सदस्य

13. डा. अनिल खुराना
सहायक निदेशक (होम्यो.),
केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली — सदस्य

14. महानिदेशक,
केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् — सदस्य सचिव

माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने 17 जनवरी, 2012 को नैतिक समिति का पुनर्गठन किया जिसका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा।

1. डा. डी. सेन गुप्ता
2/3–4,रूप नगर,
दिल्ली–110001 — अध्यक्ष

2. डा. आर.के. वार्ष्णेय
4649/21, दरिया गंज,
नई दिल्ली–110002 — सदस्य

3. श्री सुधीर गंदोत्रा
आर–10, तृतीय तल, खिडकी एक्टेंशन,
मालवीय नगर, नई दिल्ली–110017 — सदस्य

4. डा. उमेश कंसारा
अतिरिक्त आचार्य,
औषध विभाग,
सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली–110029 — सदस्य

5. डा. एस.सी. गोस्वामी
67, वैशाली, पीतमपुरा,
दिल्ली–110034 — सदस्य

6. डा. पी. रॉय वैद
1490/21डी, जिम खाना क्लब के पास,
फरीदाबाद — सदस्य

7. डा. सुरेन्द्र सिंह
सहायक आचार्य भेषजगुण विज्ञान
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली — सदस्य

8. डा. श्रीमती मधु अग्रवाल
आचार्य, प्रसूती एवं स्त्रीरोग विज्ञान
डा. बी.आर. सूर होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल
नानक पुरा, नई दिल्ली–110021 — सदस्य

9. डा. राजेश सागर
अतिरिक्त आचार्य, मनोरोग विभाग,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा संस्थान,
अंसारी नगर, नई दिल्ली–110029 — सदस्य

10. डा. अनिल खुराना
सहायक निदेशक (होम्यो.),
केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली — सदस्य

11. निदेशक, होम्योपैथी भेषजगुण विज्ञान प्रयोगशाला
एम–ब्लाक के सामने, संजय नगर,
एन.टी.एच. के पास, कमला नेहरू, गाज़ियाबाद — सदस्य

12. महानिदेशक,
केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् — सदस्य सचिव

माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने 17 जनवरी, 2012 को विशेष समिति का पुनर्गठन किया जिसका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा।

नैदानिक अनुसंधान के लिए विशेष समिति

1. डा. वी.के. गुप्ता
सी–3/29, राजौरी गार्डन
नई दिल्ली–110027 — अध्यक्ष

2. डा. के.एम. धावले
डा. एम.एल. धावले मेमोरियल ट्रस्टस बीएमसी मदर
एण्ड चाईल्ड केयर सेन्टर, तृतीय तल,
हरीशंकर जोशी मार्ग, दहीसर ईस्ट, मुम्बई–400068 — सदस्य

3. डा. वी.के. चौहान
प्रधानाचार्य,
डा. बी.आर.सूर होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय,
अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र
नानक पुरा, नई दिल्ली–110021 — सदस्य

4. निदेशक
राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान,
जीई–ब्लाक, सेक्टर–3,
साल्ट लेक सिटी–कोलकाता–700106 — सदस्य

5.	डा. हर्ष निगम 37/51, शिवाला रोड़, कानपुर–208001	सदस्य
6.	परिषद् से संबंधित मामलों के सलाहकार/ संयुक्त सलाहकार/उप सलाहकार (होम्यो.) आयुष विभाग, दिल्ली–110001	सदस्य
7.	डा. मौ. कासिम बी–36, हज़रत निजामुद्दीन पश्चिम, नई दिल्ली–110013	सदस्य
8.	डा. एस.के. भट्टाचार्य विभागाध्यक्ष, मेट्रिया मेडिका, राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान, कोलकाता–700106	सदस्य
9.	डा. आलोक पारीक पारीक अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र, 4/10, बाग फरजाना, सिविल लाईन, आगरा–282002	सदस्य
10.	महानिदेशक केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, 61–65, संस्थागत क्षेत्र, डी–ब्लाक, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058	सदस्य

माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने 17 जनवरी, 2012 को अन्य तीन विशेष समिति का पुनर्गठन किया जिसका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा।

औषध मानकीकरण के लिए विशेष समिति

1.	डा. पी.एन. वर्मा तकनीकी सलाहकार डा. विलियम सवाबे इंडिया प्रा.ल. (वि.स.इ.) ए–36, सेक्टर–60, फेस–3, नोएडा–201304	सदस्य
2.	डा. सी.डी. त्रिपाठी विभागाध्यक्ष, फार्माकोलॉजी विभाग, वर्धमान महावीर चिकित्सा महाविद्यालय, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली–110029	सदस्य
3.	डा. राकेश शुक्ला वरिष्ठ वैज्ञानिक, केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ–226001	सदस्य

4.	डा. डी.एस. भार प्रबंध निदेशक, हेनीमैन प्रकाशन कम्पनी प्रा.ल., 165, बिपिन बेहरे गांगुली स्ट्रीट, कोलकाता–700012	सदस्य
5.	डा. वीरब्रह्मचारी डा. ब्रह्मचारी होम्योपैथी केन्द्र, 358, 3 स्टेज, ब्लाक– 4, मेन 8, बासवदेसवरी नगर, बैंगलौर–560049 कर्नाटक	सदस्य
6.	डा. पी.वी. वेंकटरमन अध्यक्ष तमिलनाडू होम्योपैथिक चिकित्सक संघ 33, फर्स्ट मेन रोड़, लेक एरिया, (वेलुवर कोटम के पास), नुनगमबक्कम, चेन्नई–600034	सदस्य
7.	निदेशक औषध एवं सुगंधित पौधे के केन्द्रीय संस्थान, पी.ओ. सीआईएमएपी, नियर कुकरेल पिकनिक स्पोट, लखनऊ–226015	सदस्य
8.	निदेशक होम्योपैथिक औषधकोश प्रयोगशाला, कमला नेहरू नगर, जिला गाज़ियाबाद, गाज़ियाबाद–201002	सदस्य
9.	डा. जी.पी. गर्ग वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ, आयुष विभाग–110001	सदस्य
10.	डा. सुरेन्द्र सिंह सहायक आचार्य, फार्माकोलॉजी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली–110029	सदस्य
11.	महानिदेशक केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, 61–65, संस्थागत क्षेत्र, डी–ब्लाक, जनकपुरी नई दिल्ली–110058	सदस्य सचिव

माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने 17 जनवरी, 2012 को अन्य तीन विशेष समिति का पुनर्गठन किया जिसका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा।

मानव विकारी परीक्षण (औषध प्रमाणन) के लिए विशेष समिति

1. डा. एन. मोहन्ती — अध्यक्ष
   प्लाट नं. 92, धर्मा विहार, कंधागिरि स्क्वायर,
   भुवन्नेश्वर–751013, ओडिशा
2. डा. गिरीश गुप्ता — सदस्य
   गोरंग क्लिनिक एवं होम्योपैथी अनुसंधान केन्द्र,
   बी–1/16, सेक्टर–ए, राजश्री टॉकिस के पास,
   कपूरथला, अलीगंज, लखनऊ–226024
3. डा. मधु अग्रवाल — सदस्य
   आचार्य,
   डा. बी.आर. सूर होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं
   अस्पताल, नई दिल्ली–110021
4. डा. अरविन्द कोठे — सदस्य
   प्रधानाचार्य,
   श्री कामाक्षीदेवी होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल
   शिव शाल, शिरोदा, गोवा–403103
5. डा. अजीत कुलकर्णी, — सदस्य
   होम्योपैथिक परामर्शदाता,
   प्रेस्टिज चेम्बरस्, पोवाई नाका,
   रविवर पेठ, सतारा, महाराष्ट्र–415110
6. डा. जी.आर. मोहन — सदस्य
   प्रधानाचार्य,
   देव होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय,
   देव नगर, अंकी, रेडी पेली,
   किसारा मंडल, आरआर डिस्ट्रीक,
   आन्ध्र प्रदेश–501301
7. डा. डी.के. गुप्ता — सदस्य
   होम्योपैथिक परामर्शदाता,
   बी1ए/33ए ब्लाक,
   जनकपुरी, नई दिल्ली–110058
8. महानिदेशक — सदस्य सचिव
   केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्,
   61–65, संस्थागत क्षेत्र, डी–ब्लाक,
   जनकपुरी, नई दिल्ली–110058

परिषद् की सेवाओं में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व

परिषद् की सेवाओं में अनुसूचित जाति/जनजाति के आरक्षण तथा प्रतिनिधित्व के संबंध में भारत सरकार द्वारा समय–समय पर जारी किए गए आदेशों एवं दिशा–निर्देशों का पालन परिषद् कर रही है। दिनांक 31.3.2012 को यथास्थिति परिषद् में स्वीकृत पदों, भरे गए पदों की संख्या और कार्यरत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों की संख्या निम्नलिखित थी :

समूह	स्वीकृत पदों की संख्या	भरे गए पदों की संख्या	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
क	127	01	–	–	–
ख	52	00	–	–	–
ग	178	08	–	01	02
घ	99	06	02	–	01

बजट

निम्नलिखित सारणी परिषद् के वर्ष 2011–12 के बजट को दर्शाती है:

आवंटित बजट आंकलन	योजना (लाखों में)					कुल योजना (लाखों में)	गैर–योजना (लाखों में)
2011–12 (बजट आंकलन)	सामान्य क्षेत्र योजना	पूंजी परिसंपत्ति	अनुसूचित जाति हेतु एस.सी.पी.	जनजातीय क्षेत्र योजना	चिकित्सा, शिक्षा प्रशिक्षण एवं अनुसंधान		
	1,861.51	977.50	279.99	158.00	115.00	3392.00	1480.00

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005

सूचना की पहुँच को बेहत्तर और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 14 अक्तूबर, 2005 से केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 लागू किया गया। यह अधिकार नागरिकों को संसद सदस्यों एवं राज्य विधानसभा के सदस्यों के समान सूचना प्राप्त करने का अधिकार प्रदान करता है। अधिनियम के तहत लोक सेवक पहले से हो और लोक सेवक के पास उपलब्ध हो। लोक सेवक को सूचना उत्पन्न करने, सूचनाओं की व्याख्या करने, अपीलार्थी की समस्याओं को हल करने या परिकल्पित प्रश्नों के उत्तर देने की आवश्यकता नहीं है। वर्ष 2011–12 के दौरान, नागरिकों से 151 सूचना संबंधी आवेदन प्राप्त हुए और उनका उत्तर दिया गया। इनमें से एक अपील को कन्द्रीय सूचना आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसका निस्तारण 'केन्द्रीय सूचना आयोग लोक सूचना अधिकारी के जवाब से संतुष्ट है' की टिप्पणी के साथ किया गया।

तकनीकी प्रतिवेदन

वार्षिक प्रतिवेदन 2011-2012 केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद

वर्ष 2011–12 के दौरान परिषद् ने निम्नलिखित अनुसंधान कार्यकलाप किए हैं:

- नैदानिक अनुसंधान
- नैदानिक सत्यापन अनुसंधान
- औषध प्रमाणन अनुसंधान
- औषध मानकीकरण अनुसंधान
- औषधीय पादपों का सर्वेक्षण, संग्रहण और खेती
- सहयोगात्मक अनुसंधान
- प्राकार बाह्य अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं (2011–12)
(इकाई / संस्थान के आधार पर)

क्र.सं.	राज्य एवं संघ शासित क्षेत्र के नाम	संस्थान / इकाई के नाम	परियोजनाएं एवं अन्य गतिविधियां
1.	अंडमान एवं निकोबार	नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), एम.बी. 31, मिडिल पॉईट, महात्मा गाँधी रोड़, पोर्ट ब्लेयर	**अनुसंधान परियोजनाएं** 1. नैदानिक अनुसंधान क) लेप्टोस्पाइरोसिस (आरसीटी) ख) सुसाध्य प्रॉस्टेट अतिवृद्धि (आरसीटी) 2. 23 औषधियों का नैदानिक सत्यापन अनुसंधान **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर
2.	आंध्र प्रदेश	क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), डा. जीजीएच चिकित्सा महाविद्यालय केम्पस, इलूरू रोड़, जिला कृष्णा, गुड़ीवाड़ा–521301	**अनुसंधान परियोजनाएँ** 1 नैदानिक अनुसंधान क) सुसाध्य प्रॉस्टेट अतिवृद्धि (आरसीटी) ख) मधुमेह दूरस्थ सममित बहुतंत्रिका रोग (आरसीटी) ग) ग्रीवा कशेरूका संधिग्रह पीडा (आरसीटी) 2 औषध प्रमाणन अनुसंधान कार्यक्रम 3 23 औषधियों का नैदानिक सत्यापन अनुसंधान **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर 3. प्राकार बाह्य अनुसंधान क) अवसाद
3.		औषध मानकीकरण इकाई (होम्यो.), क्यू.यू.बी. 32, कमरा न.4, विक्रम पुरी, हबसीगुडा, हैदराबाद–500007	**अनुसंधान परियोजनाएँ** 1. नैदानिक अनुसंधान क) मधुमेह दूरस्थ सममित बहुतंत्रिका रोग (आरसीटी) 2. औषध मानकीकरण **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर
4.		**डी. एस. यू. एक्सटेन्शन यूनिट,** प्रिंसेस दूरू शहवार चिल्ड्रन होस्पिटल, पुरानी हवेली, हैदराबाद–500002	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. नैदानिक अनुसंधान क) ग्रीवा कशेरूका संधिग्रह पीडा (आरसीटी) **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर

क्र.सं.	राज्य एवं संघ शासित क्षेत्र के नाम	संस्थान/इकाई के नाम	परियोजनाएं एवं अन्य गतिविधियां
5.		नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), ओल्ड मेटरनिटी होसपिटल केम्पस, त्रिरूपति–517507	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. नैदानिक अनुसंधान क) सुसाध्य प्रॉस्टेट अतिवृद्धि (आरसीटी) ख) मधुमेह दूरस्थ सममित बहुतंत्रिका रोग (आरसीटी) **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर
6.	अरूणाचल प्रदेश	केन्द्रीय अनुसंधान इकाई (होम्यो.), विवेक विहार, ईटानगर–791113	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. 23 औषधियों का नैदानिक सत्यापन अनुसंधान **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह, 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर
7	असम (उ.पू.)	क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), सभा भवन, खालीपारा, ओडल बकारा, गुवाहाटी–781019	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. नैदानिक अनुसंधान क) चिरकालिक नासा विवरशोथ (आरसीटी) ख) गर्भाश्य फाईब्राइड **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर
8	बिहार	नैदानिक सत्यापन इकाई (होम्यो.), गुरू गोविन्द सिंह अस्पताल, पटना–800008	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. 23 औषधियों का नैदानिक सत्यापन अनुसंधान **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर
9	हिमाचल प्रदेश	क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), सी–12, लेन–1, सेक्टर–1, बी.सी.एस. के नीचे, न्यू शिमला–171009	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. नैदानिक अनुसंधान क) गर्भाश्य फाईब्राइड ख) चिरकालिक नासा विवरशोथ (आरसीटी) ग) मूत्राश्यमता (आरसीटी) 2. 23 औषधियों का नैदानिक सत्यापन अनुसंधान **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर 3. प्राकार बाह्य अनुसंधान क) एलोक्सन के अल्ट्रा आणविक अवमिश्रणों के मधुमेह प्रतिरोधी कार्यों की पद्धति और तरीकों की पहचान

क्र.सं.	राज्य एवं संघ शासित क्षेत्र के नाम	संस्थान/इकाई के नाम	परियोजनाएं एवं अन्य गतिविधियां
10	झारखण्ड	नैदानिक अनुसंधान इकाई (टी.), अरसंडे, बोरया रोड, पोस्ट– बोरया, रांची–835240	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. नैदानिक अनुसंधान क) रजोनिवृति वर्षो के दौरान अवसाद (आरसीटी) ख) खण्डित मनस्कता (आरसीटी) **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर
11	केरला	नैदानिक अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), साचीवोथामापुरम, कोट्टायम–686532	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. नैदानिक अनुसंधान क) खण्डित मनस्कता (आरसीटी) ख) ग्रीवा कशेरूका संधिग्रह पीड़ा (आरसीटी) ग) ध्यान में कमी संबंधी अतिसक्रियता विकार घ) गर्भाशय फाईब्राइड ङ) सुसाध्य प्रॉस्टेट अतिवृद्धि (आरसीटी) च) स्वपरायणता छ) शराब के दुरूपयोग 2. औषध प्रमाणन अनुसंधान कार्यक्रम **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर
12	महाराष्ट्र	क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), एम.टी.एन.एल. हॉल नं.–4, शोपिंग सेन्टर, सेक्टर–9, सीबीडी बेलापुर, नवी मुम्बई–400614	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. नैदानिक अनुसंधान क) ग्रीवा कशेरूका संधिग्रह पीड़ा (आरसीटी) ख) रजोनिवृति वर्षो के दौरान अवसाद (आरसीटी) ग) एचआईवी/एड्स (आरसीटी) **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. बीएआरसी के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान अध्ययन 2. मातृ एवं शिशु निदानगृह 3. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर 4. प्राकार बाह्य अनुसंधान क) एचआईवी
13.	मणिपुर (उ.पू.)	क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), न्यू चेकोन, मेरिंग लैंड, त्रिवल कलोनी के सामने, इम्फाल–795001	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. 23 औषधियों का नैदानिक सत्यापन अनुसंधान **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर

क्र.सं.	राज्य एवं संघ शासित क्षेत्र के नाम	संस्थान/इकाई के नाम	परियोजनाएं एवं अन्य गतिविधियां
14.	मेघालय(उ.पू.)	नैदानिक अनुसंधान इकाई (टी.), धनखेती, शिलोंग लॉ कॉलेज के पास, शिलोंग–793001	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. 23 औषधियों का नैदानिक सत्यापन अनुसंधान **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर
15	मिज़ोरम	नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), आयुष विभाग, सिविल अस्पताल, आइजॉल–796001 शिलांग	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. 23 औषधियों का नैदानिक सत्यापन अनुसंधान **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर
16	नागालैंड	नैदानिक अनुसंधान इकाई (जनजातीय), मकान न. 408, श्री एम. इमती एओ एडीसी कोर्ट जंक्शन, दनकन क्लोनी, दिमापुर–797172	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. 23 औषधियों का नैदानिक सत्यापन अनुसंधान **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर
17	उड़ीसा	क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), सीसीआरएच बिल्डिंग, मराची कोट लेन, लामानिखिया चाक, पुरी–752001	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. नैदानिक अनुसंधान क) गर्भाशय फाईब्राइड ख) फालेरिया रोग (आरसीटी) ग) रजनोवृत्ति के दौरान अवसाद (आरसीटी) 2. 23 औषधियों का नैदानिक सत्यापन अनुसंधान **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर
18		क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), पुरी का विस्तार केन्द्र, पुरी, डा. अभिन चन्द्र होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल इकाई–3, खरवेका नगर, भुवनेश्वर–751001	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. औषध प्रमाणन अनुसंधान कार्यक्रम 2. 23 औषधियों का नैदानिक सत्यापन अनुसंधान **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. प्राकार बाह्य अनुसंधान क) पौधो पर आधारित बायोसिस का प्रयोग करते हुए होम्योपैथिक औषधियों का प्रभाव ख) राउवोलफिया का उच्च रक्तचाप पर मूल्याकंन 2. सहयोगात्मक अनुसंधान क) मेडिकल ऐनलाइजर– एचआर, बीएफवी–डा. ए. सी. होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल

क्र.सं.	राज्य एवं संघ शासित क्षेत्र के नाम	संस्थान/इकाई के नाम	परियोजनाएं एवं अन्य गतिविधियां
19	राजस्थान	क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), डा. मदन प्रताप खुटेटा राजस्थान होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, स्टेशन रोड़, जयपुर–302006	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. नैदानिक अनुसंधान क) मूत्राश्यमता (आरसीटी) ख) ग्रीवा कशेरूका संधिग्रह पीड़ा (आरसीटी) ग) चिरकालिक रिहनो भवसनीशोथ (आरसीटी) **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर
20.	सिक्किम (उ.पू.)	नैदानिक अनुसंधान इकाई (जनजातीय), समपाल होटल के सामने, संग्राम भवन के पास, विकसित क्षेत्र, गंगटोक–737101	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. नैदानिक अनुसंधान क) सुसाध्य प्रॉस्टेट अतिवृद्धि (आरसीटी) ख) मूत्राश्यमता (आरसीटी) मार्च 2012 तक **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर
21.	तमिलनाडु	नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), न. बी–32, 3 क्रोस स्ट्रीट, ए.जी.एस. कलोनी (सि साईड) कोटीवक्कम, चेन्नई–600041	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. नैदानिक अनुसंधान क) मधुमेह दूरस्थ सममित बहुतंत्रिका रोग (आरसीटी) ख) गर्भाशय फाईब्राइड ग) एचआईवी/एड्स (आरसीटी) **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर **सहयोगात्मक अनुसंधान** क) सिजिजियम और सिफलेंड्रा इंडिका के मधुमेह प्रतिरोधी गुण – मद्रास विश्वविद्यालय ख) मूत्राश्यमता के लिए बरबैरिस वैलगैरिस – मद्रास विश्वविद्यालय
22.		औषधीय पादपों का सर्वेक्षण, संग्रहण एवं खेती इकाई (होम्यो.), 3/126, इंदरा नगर, इमिरलड पोस्ट, उटी, जिला नीलगिरी–643209	औषधीय पादपों का सर्वेक्षण, संग्रहण एवं खेती 1. सौंपी गई 8 औषधियों की परिषद् की विभिन्न औषध मानकीकरण इकाईयों को आपूर्ति 2. होम्योपैथी में विशेषकर अन्यस्थानिक और सरलता से उपलब्ध न होने वाले औषधीय पादपों की खेती
23.	पुद्दुचेरी	होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान इकाई (जनजातीय), प्रथम क्रॉस, मंगालक्ष्मी नगर, (नया बस स्टैंड के पीछे), पुद्दुचेरी–605013	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. नैदानिक अनुसंधान क) मधुमेह दूरस्थ सममित बहुतंत्रिका रोग (आरसीटी) ख) ग्रीवा कशेरूका संधिग्रह पीड़ा (आरसीटी) **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर

क्र.सं.	राज्य एवं संघ शासित क्षेत्र के नाम	संस्थान/इकाई के नाम	परियोजनाएं एवं अन्य गतिविधियां
24.	त्रिपुरा (पूर्वोत्तर क्षेत्र)	होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान इकाई (जनजातीय), 1/4, मेन रोड़ कर्नल चऊमुंहानी, कृष्णा नगर, पोस्ट–अगरतला–799001	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. 23 औषधियों का नैदानिक सत्यापन अनुसंधान **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर
25.	उत्तर प्रदेश	होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), राष्ट्रीय होम्योपैथिक चिकित्सा कॉलेज और अस्पताल परिसर, 1, विराज खण्ड़, गोमती नगर, लखनऊ–226010 (यू.पी.)	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. नैदानिक अनुसंधान क) मूत्राश्यमता (आरसीटी) 2. औषध प्रमाणन अनुसंधान कार्यक्रम 3. 23 औषधियों का नैदानिक सत्यापन अनुसंधान **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर 3. सहयोगात्मक अनुसंधान क) होम्योपैथी i) होम्योपैथी औषधि का इम्युनो नियंत्रणकारी और एंटीऑक्सिडेंड प्रभाव–आईवीआरआई– इज्जतनगर ख) होम्योपैथी औषधियों के औषधीय मूल्यांकन– सीडीआरआई, लखनऊ
26.		होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, गोरखपुर	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. नैदानिक अनुसंधान क) वायरल इनसेफेलाइटिस **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. प्राकार बाह्य अनुसंधान ख) स्तन का सुसाध्य नियोप्लास्टिक घाव
27.		केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), ए–1/1, सेक्टर–24, नोएडा	**अनुसंधान परियोजनाएँ:** 1. नैदानिक अनुसंधान क) ग्रीवा कशेरूका संधिग्रह पीडा (आरसीटी) ख) गर्भाशय फाईब्राइड ग) सुसाध्य प्रॉस्टेट अतिवृद्धि (आरसीटी) घ) चिरकालिक रिहनो श्वसनीशोथ रोग (आरसीटी) ड.) मूत्राश्यमता (आरसीटी) च) खण्डित मनस्कता (आरसीटी) छ) रजोनिवृत्ति वर्ष के दौरान अवसाद 2. औषध प्रमाणन अनुसंधान कार्यक्रम 3. 23 औषधियों का नैदानिक सत्यापन अनुसंधान 4. औषध मानकीकरण **सौंपी गई अन्य गतिविधियाँ** 1. मातृ एवं शिशु निदानगृह 2. मातृ एवं शिशु रक्षा पर समुदाय जागरूकता शिविर

1
नैदानिक अनुसंधान

परिषद् ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य महत्त्व की कुछ रोग स्थितियों में और ऐसे रोगों में जिनका परंपरागत औषधियों में कोई संतोषजनक उपचारात्मक ईलाज उपलब्ध नहीं है तथा देश के विभिन्न भागों में आमतौर पर होने वाली कुछ अन्य बिमारियों में होम्योपैथिक औषधियों के नैदानिक मूल्यांकन पर बल दिया है। परिषद् ने आधुनिक औषधि प्रणाली और होम्योपैथी के विशेषज्ञों के परामर्श से तैयार किए गये संलेखों पर 16 नए बहु–उद्देश्यीय केन्द्र और 20 एकल–केंद्रिक अनुसंधान नैदानिक अध्ययन प्रारंभ किए गए हैं। ये अध्ययन सामान्य क्षेत्रों तथा जन जातीय क्षेत्रों, दोनों में स्थित संस्थानों और इकाईयों में आयोजित किए जा रहे हैं।

प्रतिवेदित वर्ष के दौरान गर्भाश्य फायब्रायड, ध्यान में कमी संबंधी अतिसक्रियता विकार, इनफ्लूऐंजा जैसी बीमारी और बवासीर पर अध्ययन पूर्ण किये गये और आँकडों का संकलन किया गया। शोध पत्र 'रजोनिवृत्ति काल में अवसाद' जर्नल ऑफ आल्टनेटिव एंड कंमलिमेंट्री मेडिसन में, 'मधुमेह फुट अल्सर' अमेरिकन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल रीसर्च में और 'तीव्र मध्य कर्ण शोथ' होम्योपैथी पत्रिका में प्रकाशन हुआ। सुसाध्य प्रोस्टेट अतिवृद्धि और चिरकालिक श्वसनी शोथ अध्ययन की पाण्डुलिपि प्रकाशन हेतु प्रस्तुत की गई और खंडित मनस्कता, अवसादक घटना, लेप्टोस्पाईरा रोग और भवेत कुष्ठ पर पाण्डुलिपि पूर्ण कर ली गई है व उसको संकलित किया जा रहा है।

प्रतिवेदित वर्ष के दौरान परिषद् की नैतिकता समिति एवं वैज्ञानिक परामर्श समिति द्वारा निम्न वर्णित 13 नये अध्ययनों पर प्रोटोकाल का अनुमोदन किया गया। ग्रीवा कशेरूका संधिगृह पीड़ा एवं रजोनिवृत्ति अध्ययनों में नामांकन क्रमशः फरवरी, 2012 व मार्च, 2012 में शुरू किया गया। एलोपैथिक सलाहकारों, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येताओं (होम्यो.) की भर्ती में प्रशासनिक, अनुमोदन में देरी के कारण शेष अध्ययनों में नामांकन प्रारंभ नहीं हो सका। अध्ययनों को आरंभ करने हेतु पूर्व तैयारी (अनुसंधान औषधियों की आपूर्ति, अनुसंधाताओं का प्रशिक्षण, एलोपैथिक परामर्शकों की भर्ती और कुछ प्रोटोकालों में आंशिक संशोधन) शुरू की गई।

1. अध्ययनरत अनुसन्धानः

(अ) नामांकन प्रारंभ किया गयाः

1. ग्रीवा कशेरूका संधिग्रह पीड़ा के उपचार में पूर्व चिन्हित होम्योपैथी औषधियों का बहुकेंद्रिक यादृच्छिक डबल ब्लांइड प्लासिबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण
2. रजोनिवृत्ति लक्षणों में सेपिया : एक बहुकेंदिक यादृच्छिक डबल ब्लांइड प्लासिबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।

(ब) नामांकन हेतु पूर्व–परीक्षण तैयारियाँः

1. खंडित मनस्कता के उपचार में मानक परम्परागत चिकित्सा की सहायक के रूप में होम्योपैथी औषधियों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन एक खुला यादृच्छिक प्लासिबों नियन्त्रित क्रॉस आवर परीक्षण।
2. चिरकालिक नासा वायु विवर शोथ पर होम्योपैथी औषधियों के प्रभाव पर एक यादृच्छिक डबल ब्लाइड प्लासिबों नियंत्रित बहुकेंद्रिक परीक्षण।
3. विषाणु जनित मस्तिष्क शोथ के उपचार में संस्थागत उपचार की सहायक के रूप में प्लासिबो बनाम होम्योपैथी औषधियों की प्रभावकारिता –एक यादृच्छिक, प्लासिबो नियंत्रित परीक्षण।

4. शराब के आदियों के उपचार का तुलनात्मक अध्ययन : मानक एलोपैथी चिकित्सा बनाम होम्योपैथी – एक यादृच्छिक परीक्षण।
5. सुसाध्य प्रोस्टेट अतिवृद्धि से पीड़ित रोगी में निम्न मूत्रमार्गीय लक्षणों के उपचार हेतु होम्योपैथी चिकित्साः एक खुला यादृच्छिक बहुकेन्द्रिक प्लासिबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।
6. स्वापरायणता के उपचार में होम्योपैथी औषधियों का एक यादृच्छिक, प्लासिबो नियंत्रित, क्रॉस ओवर, नैदानिक परीक्षण।
7. किमोथैरपी के दुष्प्रभावों से ग्रसित स्तन कैंसर के रोगियों हेतु सहयोगी होम्योपैथी चिकित्सा – एक प्रेक्षणात्मक अध्ययन
8. मूत्राश्मरता के उपचार में लाइकोपोडियम क्लेवेटम : एक यादृच्छिक, डबल ब्लांइड, प्लासिबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण
9. एच आई वी संक्रमण (प्री ए. आर. टी.) के उपचार में होम्योपैथी औषधियों की प्रभावकारिता के मूल्यांकन हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण – बहुकेन्द्रिक अध्ययन
10. लसिका संबंधी फाइलेरिया रोग के कारण तीव्र एडिनो लिम्फाग्नाइटिस के उपचार में पूर्व चिन्हित होम्योपैथी औषधियों का यादृच्छिक खुला नियंत्रित परीक्षण।
11. गंभीर लेप्टोस्पाईरा रोग से पीडित रोगी के परम्परागत उपचार में सहायक चिकित्सा के रूप में होम्योपैथी औषधियों का एक सिंगल–ब्लांइड खुला यादृच्छिक, प्लासिबो–नियंत्रित परीक्षण।

2. पूर्ण कर लिये गये अध्ययन

1. शतांश पोटेंसियों की तुलना में लाक्षणिक गर्भाशय फायब्रायड पर एल.एम. पोटेंसियों में होम्योपैथिक औषधियों का बहुकेंद्रिक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
2. ध्यान में कमी संबंधी अतिसक्रियता के विकार का होम्योपैथिक उपचार– एक यादृच्छिक प्लासिबो नियंत्रित पायलेट अध्ययन।
3. इंफ्लुएंजा जैसी बीमारियों में होम्योपैथिक उपचार की प्रभावकारिता–एक यादृच्छिक, सिंगल ब्लाइंड, प्लासिबो नियंत्रित–अध्ययन
4. बवासीर रोग की अत्यधिक गंभीरता में एल.एम. पोटेंसियों का प्रभाव–एक बहु–केन्द्रिक यादृच्छिक सिंगल ब्लाइंड, प्लासिबो नियंत्रित परीक्षण।

1. अध्ययनरत अनुसन्धानः

अ) नामांकन प्रारंभ किया गयाः

1. **ग्रीवा कशेरूका संधिग्रह पीड़ा के उपचार में पूर्व चिन्हित होम्योपैथी औषधियों का बहुकेंद्रिक यादृच्छिक डबल ब्लांइड प्लासिबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण**

ग्रीवा कशेरूका संधिग्रह आयु एवं व्यवसाय से जुडी एक अत्यंत गंभीर बीमारी है। वृद्धों की बढ़ती हुई आबादी और शारीरिक क्रिया रहित व्यवसाय ग्रीवा कशेरूका संधिग्रह पीड़ा की घटनाओं में वृद्धि करते है। ग्रीवा कशेरूका संधि ग्रह पीड़ा के उपचार में होम्योपैथी औषधियों की भूमिका को सिद्ध करने हेतु परिषद् ने पूर्व चिन्हित होम्योपैथी औषधियों का डबल ब्लांइड प्लासिबो नियंत्रित परीक्षण आरंभ किया।

यह बहुकेंद्रिक अध्ययन औषध मानकीकरण (विस्ता.), इकाई, हैदराबाद ; क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, नवी मुम्बई; क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान जयपुर; केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.) नोएडा और नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.) और नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), पुदुचेरी में किया जाएगा। अध्ययन के दो पक्ष है– होम्योपैथी औषध और प्लासिबो। औषधियों की दो श्रंखलाएं अपनाई जाएगी – एक लाईसेंस शुदा होम्योपैथी औषधि कम्पनी द्वारा निर्मित 30सी अवमिश्रण होम्योपैथी औषधि और दूसरी तरफ उसके सदृश्य प्लासिबों। मूल्यांकन विजुअल एनालॉग स्केल (वीएएस) और ग्रीवा कशेरूका संधि ग्रह पीडा मापक के आधार पर किया जाएगा। रोगी के 'ग्लोबल इंप्रेशन ऑफ चेंज' (पीजीआईसी) स्केल और क्लीनिक ग्लोबल

इंप्रेशन (सी जी आई) का प्रयोग मूल्यांकन हेतु किया जाएगा। अध्ययन का आरंभ मार्च, 2012 में किया गया। अब तक 54 मरीजों की जॉच की गई और 22 मरीजों को अध्ययन में शामिल किया गया।

2. रजोनिवृत्ति लक्षणों में सेपियाः एक बहुकेंदिक यादृच्छिक डबल ब्लांइड प्लासिबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।

महिलाओं में रजोनिवृत्ति लक्षणों हेतु होम्योपैथी उपचार सुरक्षित, किफ़ायती और अत्यधिक सुलभ है।

परिषद् द्वारा रजोनिवृत्ति पर किये गये पूर्व अध्ययन में सेपिया को अत्यधिक उपयोगी एवं लाभदायक पाया गया। इसलिए इस डबल ब्लांड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण के लिए सेपिया को चुना गया। यह बहुकेंद्रिक अध्ययन क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), नवी मुम्बई, महाराष्ट्र; नैदानिक अनुसंधान इकाई (आ.), राँची, झारखंड; क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), पुरी, ओडिशा और केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), नोएडा में किया जाएगा। अध्ययन के दो पक्ष हैः होम्योपैथी औषध व प्लासीबो। दो श्रृंख्लाओं में औषधियों का सेवन किया जाएगा– एक परिषद् द्वारा अनुमोदित लाइसेंसशुदा होम्योपैथिक औशधि कम्पनी से निर्मित सेपिया 200सी अवमिश्रण में और दूसरी तरफ सदृश्य प्लासिबो लक्षणों के मूल्यांकन हेतु 'ग्रीन क्लाइमेट्रिक स्केल' प्रयुक्त किया जाएगा। अध्ययन का आरंभ फरवरी, 2012 में किया गया। प्रतिवेदित समय के दौरान अब तक 32 मरीज़ों की जाँच की गई है।

(ब) नामांकन हेतु परीक्षण – पूर्व तैयारी

1. खंडित मनस्कता के उपचार में मानक परम्परागत चिकित्सा की सहायक के रूप में होम्योपैथी औषधियों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन एक खुला यादृच्छिक प्लासिबो नियन्त्रित क्रॉस ओवर परीक्षण।

परिषद् ने अक्तूबर, 2005 से अक्तूबर, 2010 में अपने अनुसंधान केन्द्रों में से सकारात्मक परिणाम दर्शाने वाले एक अनुसंधान केन्द्र पर खंडित मनस्कता पर एक खुला अध्ययन किया है। इसलिए परिषद् ने अपने तीन केन्द्रों जिनमें से 2 में अन्तःरोगी विभाग सुविधा उपलब्ध है, पर खंडित मनस्कता के उपचार में मानक परम्परागत चिकित्सा की सहायक पद्धति के रूप में होम्योपैथी औषधियों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक खुला यादृच्छिक प्लासिबो नियंत्रित क्रॉस ऑवर परीक्षण आरंभ किया। राँची स्थित तीसरा केन्द्र मनोरोग विज्ञान संस्थान, राँची के सहयोग से अध्ययन की शुरूआत करेगा। अध्ययन की प्रस्तावित अवधि 3 वर्ष 6 मास है। अध्ययन का उद्देश्य खंडित मनस्कता के उपचार में परम्परागत औषधियों की सहयोगी के रूप में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभावों की तुलना करना है।

2. चिरकालिक नासा वायु विवर शोथ पर होम्योपैथी औषधियों के प्रभाव पर एक यादृच्छिक डबल ब्लाइड प्लासिबो नियंत्रित बहुकेंद्रिक परीक्षण।

परिषद् ने अक्तूबर, 2005 से मार्च, 2010 में सकारात्मक परिणाम देने वाले 8 केन्द्रों पर चिरकालिक श्वसनी शोथ पर एक खुला अध्ययन किया। इसलिए परिषद् ने अपने चार संस्थानों पर 18 माह (6 माह नामाकंन हेतु + 3 महीने उपचार + 3 महीने निरीक्षण अवधि + आंकडों का विश्लेशण पाण्डुलिपि तैयार करने हेतु) के लिए चिरकालिक नासा वायुविवरशोथ पर होम्योपैथी औषधियों के प्रभाव के मूल्यांकन हेतु एक यादृच्छिक डबल ब्लांइड प्लासिबो नियंत्रित बहुकेंद्रिक नैदानिक परीक्षण आरंभ किया, जिसका प्रांरभिक उद्देश्य टोटल सिम्टोम्स स्कोर (टीएसएस) और सिनो नेजल आउट कम टेस्ट–22 (एसएनओटी–22) में आय परिवर्तनों का मूल्यांकन करना है।

3. विषाणु जनित मस्तिष्क शोथ के उपचार में संस्थागत उपचार की सहायक के रूप में प्लासिबों बनाम होम्योपैथी औषधियों की प्रभावकारिता –एक यादृच्छिक, प्लासिबो नियंत्रित परीक्षण।

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् द्वारा विषाणु जनित मस्तिष्क शोथ के उपचार में संस्थागत उपचार की सहायक के रूप में प्लासिबो बनाम होम्योपैथी औषधियों की प्रभावकारिता की जाँच हेतु एक यादृच्छिक, प्लासिबो नियंत्रित परीक्षण भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् और बीआरडी चिकित्सा महाविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश के सहयोग से किया जाएगा। अध्ययन की अवधि 3 वर्ष होगी। अध्ययन का उद्देश्य विषाणु जनित मस्तिष्क शोथ के उपचार में बीआरडी चिकित्सा महाविद्यालय के आधुनिक चिकित्सा के अनुसंधाताओं द्वारा प्रद्धत मानकीकृत

संस्थागत उपचार प्रोटोकाल की सहयोगी औषधि के रूप में होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति की प्रभावकारिता का पता लगाना है।

4. शराब के आदियों के उपचार का तुलनात्मक अध्ययनः मानक एलोपैथी चिकित्सा बनाम होम्योपैथी – एक यादृच्छिक परीक्षण।

वर्ष 2010 में केरल राज्य में 15 वर्ष के ऊपर आयु वर्ग द्वारा एल्कोहल सेवन का प्रतिशत 11.1 लीटर/व्यक्ति है। अतः केरल राज्य में एल्कोहल के बढते हुए प्रयोग को देखते हुए परिषद् ने केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कोट्टायम में एल्कोहल आदि के उपचार में होम्योपैथी औषधियों की प्रभावकारिता और एलोपैथी मानक चिकित्सा से उनकी तुलना करने हेतु एक यादृच्छिक तुलनात्मक परीक्षण प्रस्तावित है। इस परीक्षण में 15 से 60आयु वर्ग के एल्कोहल के आदी चिह्नो और लक्षणों को प्रकट करने वाले महिला एवं पुरूषों को सम्मिलित किया जाऐगा। एल्कोहल के आदीयों का उपचार आईसीडी–10 मापदण्डों के आधार पर किया जाऐगा। रोगियों का परीक्षण संस्थान के बाह्य रोगी विभाग में केज पैमाने का उपयोग करते हुए किया जायेगा। नामांकित मरीजों को यादृच्छिकता के आधार पर दो समूहों होम्योपैथी समूह एवं एलोपैथी समूह में बांटा जाऐगा। अध्ययन में नामांकित मरीजों का उपचार एक वर्ष हेतु किया जाऐगा और एक वर्ष की अनुवर्तन अवधि होगी। अध्ययन के दौरान सुधार के मूल्याकंन हेतु अन्तर्राष्ट्रीय रूप से स्वीकृत पद्धति 'स्वीयरटी ऑफ एल्कोहल डिपेंडेंस (एसएडीक्यू)' का प्रयोग किया जायेगा। आधार रेखा पर और अध्ययन के अन्त में दोनों समूहों की जीवन गुणवत्ता के मूल्यांकन हेतु लघु प्रश्न पुस्तिका डब्लूएचओक्यूओएल का प्रयोग किया जायेगा।

5. सुसाध्य प्रोस्टेट अतिवृद्धि से पीड़ित रोगी में निम्न मूत्रमार्गीय लक्षणों के उपचार हेतु होम्योपैथी चिकित्साः एक खुला यादृच्छिक बहुकेन्द्रिक प्लासिबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।

सुसाध्य प्रोस्टेट अतिवृद्धि अधिक आयु के लोगों में अत्यधिक प्रचलित रोग है। रोग की वृद्धि को रोक देना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यद्यपि यह प्राणघातक नहीं है लेकिन रोग की वृद्धि से बचाव महत्वपूर्ण लक्ष्य होता है। उपलब्ध परम्परागत पद्धतियों जैसे अल्फा एडरेनजिक, अवरोधक कारक, 5 अल्फा–कमी कारकों से प्रोस्टेट ग्रंथि में 25% संकुचन लक्षणों के मान में 20% सुधार होता है। परिषद् द्वारा संस्थानों इकाईयों में साक्ष्य आधारित प्रेक्षणात्मक अध्ययन अक्तूबर 2005 से सितम्बर, 2010 (अप्रकाशित आँकडें) एवं जुलाई 2006 से सितम्बर, 2009 में होम्योपैथिक अनुसंधान फांउडेशन, लखनऊ के सहयोग से भारतीय होम्योपैथी अनुसंधान पत्रिका में प्रकाशन और भुवनेश्वर में प्राकार बाह्य अनुसंधान योजना उपयोगी एवं सकारात्मक परिणाम सामने आये।

अध्ययन का उद्देश्य यादृच्छिक प्लासिबो नियंत्रित परिस्थितियों में होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति की प्रभावकारिता को सिद्ध करना है। अध्ययन का प्रांरभिक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य आधार रेखा पर इंटरनेशनल प्रोस्टेट सिम्पटोम स्कोर के परिवर्तनों को ज्ञात करना है। यह अध्ययन नोएडा एवं कोट्टायम के केन्द्रीय अनुसंधान संस्थानों, क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, गुडीवाडा और वैज्ञानिक अनुसंधान इकाई, तिरूपति, गंगटोक और पोर्टब्लेयर में किया जाएगा और अध्ययन के तीन पक्ष होगें। एक पक्ष में यादृच्छिकता के आधार पर होम्योपैथी संस्थागत औषधियों का सेवन, दूसरे पक्ष में ऑरगन चिकित्सा के साथ होम्योपैथी संस्थागत चिकित्सा और तीसरे पक्ष में प्लासिबो प्रयुक्त की जाएगी।

6. स्वपरायणता के उपचार में होम्योपैथी औषधियों का एक यादृच्छिक, प्लासिबो नियंत्रित, क्रॉस ओवर, नैदानिक परीक्षण।

स्वपरायणता एक गंभीर विकासात्मक बीमारी है जो कि विकास को बुरी तरह से प्रभावित करती है। यह बाल्य अवस्था की एक गंभीर बीमारी है जिससे कि जीवन की गुवत्ता नाकारात्मक रूप से प्रभावित होती है। यह बीमारी शुरू में बाल्य अवस्था में प्रकट होती है और धीरे–2 विकसित होती है। लगभग 10,000 बच्चों में से प्रत्येक 8 बच्चे स्वपरायणता के शिकार होते है। स्वपरायणता को 3 साल के बच्चें में पहचाना जा सकता है यद्यपि अन्य बच्चों में यह आयु ज्यादा हो सकती है।

यह कहा जाता है कि भेषजचिकित्सा विज्ञान की लघु भूमिका होती है लेकिन स्वपरायणता के उपचार में इसकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। स्वपरायणता की ऐसी कोई औषधि नही है जिसके लाभ के साथ में

दुष्प्रभाव न हो। प्रायः उपयोग की जाने वाले औषधियां विट बी 6, स्नायु प्रणाली को प्रभावित करने वाली औषधियां और शांति प्रदायक औषधियां प्रयोग की जाती है। होलोपिरिऑडल स्वपरायणता में प्रायः दी जाने वाली स्नायु प्रणाली को प्रभावित करने वाली औषधि है, लेकिन इन में कोई भी औषधि स्वपरायणता का उपचार नही कर सकी है।

स्वपरायणता से पीड़ित बच्चों के उपचार हेतु उनके माता–पिता द्वारा वैकल्पिक और सहायक चिकित्सा पद्धतियों का उपयोग किया जाता है। अभिभावक समान्यतया स्वपरायणता के उपचार हेत होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति का प्रयोग करते है। लेकिन वैज्ञानिक मूल्याकंन हेतु हमे मान्य अध्ययनों और प्रलेखित परिणामों की आवश्यकता होती है। इसलिए होम्योपैथिक उपचार की प्रभावकारिता को स्थापित करना समय की मांग है। अतः होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के लिए आवश्यक है कि पीड़ित मानवता के लाभ हेतु प्रत्येक रोगी के उपचार हेतु लघु और प्रभावकारी उपचार उपलब्ध करवायें। इस हेतु होम्योपैथी औशधियों का एक सुव्यवस्थित नियंत्रित परीक्षण किया गया। इस अध्ययन से बच्चों में स्वपरायणता के उपचार में होम्योपैथिक उपचार की प्रभावशीलता को पुनः प्रमाणित करने में सहायता मिलेगी। इस एकल ब्लांइड यादृच्छिक प्लासिबो नियंत्रित क्रोस ओवर नियंत्रण के परिणामों को चिकित्सकों तक पहुंचा दिया जायेगा।

इस पहलु को ध्यान में रखते हुए –स्वपरायणता के उपचार में होम्योपैथिक औषधियों की प्रभावकारिता के मूल्यांकन हेतु केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), कोट्टायम में एक यादृच्छिक प्लासिबो नियंत्रित, क्रोस ओवर, नैदानिक अध्ययन किया गया।

यह अध्ययन रोग के प्रत्येक पहलु के आधार पर अलग–2 होम्योपैथी औषधि के निर्धारण पर केन्द्रित है।

अध्ययन का प्रारंभिक उद्देश्य स्वपरायणता के उपचार में होम्योपैथिक औषधियों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना और द्वितीय उद्देश्य स्वपरायणता के उपचार में प्रभावकारी औषधियों के समूह का पता लगाना, स्वपरायणता में उपयोगी पायी गई औषधियों के विशेष लक्षणों को पहचानना और जीवन गुणवता में सुधार का पता लगाना है।

स्वपरायणता के उपचार में होम्योपैथी औषधियों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), कोट्टायम में एक यादृच्छिक प्लासिबो नियंत्रित क्रॉस ऑवर नैदानिक अध्ययन शुरू किया गया। विभिन्न सामाजिक आर्थिक स्तरों के 3–16 वर्षो के लड़के–लड़कियों को अध्ययन में सम्मिलित किया गया। निदान और जॉच स्वपरायणता हेतु आईसीडी–10 कसौटी के आधार पर की जाएगी। कसौटी को पूरा करने वाले छांटे हुए मामलों को अध्ययन में सम्मिलित किया जाएगा। नामांकन की अवधि एक वर्ष होगी जिसके बाद क्रॉस ऑवर परीक्षण सहित 2 वर्ष का अनुवर्तन काल होगा। चुने हुए मरीजों को यादृच्छिकता के आधार पर होम्योपैथी समूह और प्लासिबों समूह में बाँटा जाएगा। स्वपरायणता से पीड़ितो (आई सी डी–10 के आधार पर) एक यादृच्छिक एकल ब्लांइड़ क्रास ओवर नैदानिक परीक्षण किया जाएगा।

दो समूह बनाये जाएगें–व्यक्ति आधारित होम्योपैथी औषधियों का सेवन करने वाला और इसका प्लासिबो समूह। समूहों का आबंटन यादृच्छिक संख्या टेबल, यादृच्छिक टेबल चार्ट (डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू. रेन्डमाइजर. ऑरग) के आधार पर यादृच्छिकता द्वारा किया गया। एक वर्ष के अनुवर्तन के पश्चात् क्रास ऑवर परीक्षण किया जाएगा।

परीक्षण की अवधि तीन वर्ष की होगी जिसमें एक वर्ष नामांकन हेतु एक वर्ष अनुवर्तन हेतु और इसके बाद एक वर्ष का क्रॉस ऑवर परीक्षण सम्मिलित है।

स्वपरायणता रोग के लक्षणों को प्रकट करने वाले 3 से 16 वर्ष के लड़के–लड़कियों दानों को अध्ययन में सम्मिलित करने के मापदण्डों के आधार पर अध्ययन में नामांकित किया जाएगा। परियोजना सलाहकार द्वारा सम्मिलित करने के मापदण्डों की उपस्थिति और नामांकन न करने के कारणों की उपस्थिति के आधार पर जॉच अधिकारी की उपस्थिति में विस्तृत परीक्षण किया जाएगा।

अध्ययन के लिए योग्य पाये गये व्यक्तियों का परियोजना सलाहकार द्वारा सीएआरएस, एटीइसी, वीएसएमएस, एएचएस, सीजीआई पैमाने के आधार पर आधार रेखा मूल्यांकन किया जाएगा। प्रोटोकॉल में दिये गये निर्देशों के

अनुसार परीक्षण किये गये मरीजों नैदानिक परीक्षण किया जाएगा। अध्ययन पूर्ण होने के पश्चात् आधार रेखा माना के आधार पर तुलना की जाएगी।

प्रारंम्भिक अध्ययन का अंत सीएआरएस और एटीईसी के अनुसार आधार रेखा मान में 50 प्रतिशत की कमी और द्वितीयक अध्ययन का अंत बिन्दु दो समूहों में सुधार या राहत, मरीज की वातावरण में ढलने की क्षमता, किसी दुष्प्रभाव की उत्पत्ति और जीवन की गुणवत्ता के आधार पर तुलना करना है।

7. किमोथैरपी के दुष्प्रभावों से ग्रसित स्तन कैंसर के रोगियों हेतु सहयोगी होम्योपैथी चिकित्सा – एक प्रेक्षणात्मक अध्ययन

कई प्रकार के कैंसर का उपचार करने में किमोथेरपी अत्यन्त कारगर है, लेकिन औषधि केवल कैंसर कोशिकाओं को ही प्रभावित नहीं करती अन्य कोशिकाओं पर भी उसका असर पडता है जिसके कारण उपचार के कई दुष्प्रभाव भी उत्पन्न होते हैं। वर्तमान अध्ययन स्तन कैंसर हेतु किमोथैरपी के दुष्प्रभावों से लड़ने में होम्योपैथी औषधियों की उपयोगिता का पता लगाने के लिए यह अध्ययन प्रस्तावित है।

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् द्वारा अपने अनुसंधान केन्द्र डा. अंजली चेटर्जी क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), कोलकाता मे स्तन कैंसर से पीड़ित रोगियों में किमोथैरपी के दुष्प्रभावों से लडने में होम्योपैथी औषधियों की उपयोगिता का पता लगाने के लिए एक प्रक्षेणात्मक पायलट अध्ययन किया जा रहा है। इस अध्ययन में 18 वर्ष और इससे ऊपर के आयु वर्ग की महिला जो कि स्तन कैंसर से पीडित एवं किमोथेरपी के दुष्प्रभावों से ग्रस्त को अध्ययन में नामांकित किया गया। लक्षणों की संपूर्णता के आधार पर रोग उपचार के लिए होम्योपैथी औषधियां दी गई। आधार रेखा और उपचार के उपरांत मूल्यांकन एडमोन्टन सिम्पटोम असेसमेंट स्केल (संशोधित), इ ओ आर टी सी क्यू एल क्यू–सी 30 और क्यू एल क्यू–बीआर 23 के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। कैंसर पीड़ित रोगियों में किमोथैरपी के दुष्प्रभावों के उपचार में होम्योपैथी औषधियों की उपयोगिता दर्शाने हेतु अध्ययन के पूर्ण होने पर प्राप्त आंकड़ों को एक उपयुक्त सांख्यिकी पद्धति (एसपीएसएस सांख्यिकी पैकेज वर्जन 16) का उपयोग किया गया।

8. मूत्राश्मरता के उपचार में लाइकोपोडियम क्लेवेटम : एक यादृच्छिक, डबल ब्लांइड, प्लासिबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण

मूत्राश्य की पत्थरी के निष्कासन और गुर्दे की पत्थरी उपचार में होम्योपैथी औषधियों की चिकित्सीय उपयोगिता दर्शाने हेतु 2005 से 2010 में परिषद् द्वारा एक बहुकेंद्रिक अग्रदर्शी प्रेक्षणात्मक अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में लाइकोपोडियम क्लेवेटम सर्वाधिक उपयोगी औषधि पायी गई। इस अध्ययन के परिणामों के आधार पर परिषद् ने मूत्राश्य की पत्थरी के उपचार में प्लासिबों की तुलना में होम्योपैथी औषधि लाइकोपोडियम क्लेवेटम की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक डबल ब्लांइड प्लासिबो नियंत्रित परीक्षण करने के निश्चय किया।

यह अध्ययन केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), नोएडा, होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), शिमला, जयपुर व कोलकाता और नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), सिलिगुडी में किया जाएगा। सम्मिलित करने की कसौटी को पूर्ण करने वाले मूत्राश्य की पत्थरी से पीड़ित मरीजों को यादृच्छिकता के आधार पर लाइकोपोडियम क्लेवेटम और प्लासिबो में बांटा गया। दोनों समूहों का मूल्यांकन यू एस एस स्कोरिंग चार्ट और अल्ट्रासोनोग्राफी के आधार पर किया गया। यह इस औषधि के लक्षणों के सत्यापन करने में सहायक होगा, जो कि इस अध्ययन का द्वितीयक उददेश्य है।

9. एच आई वी संक्रमण (प्री ए. आर. टी.) के उपचार में होम्योपैथी औषधियों की प्रभावकारिता के मूल्यांकन हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण – बहुकेन्द्रिक अध्ययन

परिषद् ने एच आई वी संकुचित (प्री ए. आर. टी.) मरीजों के अध्ययन हेतु एक अध्ययन शुरू करने का प्रस्ताव किया है। यह अध्ययन 18 से 50 आयु वर्ग के एच आईवी मरीजों (प्री एआरटी) में होम्योपैथी औषधियों और

प्लासिबो में तुलनात्मक यादृच्छिकता के आधार पर किया जाएगा। समूह में पुरूष एवं महिला दोनो को धर्म अथवा जाति से अनजान होगें एवं इन्होंने अभी तक एन्टी रीट्रोवायरल थैरेपी (एआरटी) की शुरूआत नही की है। परिषद् के अध्ययन केन्द्रों के समीप स्थित एआरटी केन्द्रो से सीडी4 गणना 350/सीएमएम से 500/सीएमएम (प्री एआरटी समूह) वाले एचआईवी ग्रसित मरीजों को अध्ययन अनुसंधाताओं के पास भेजा जाऐगा। अध्ययन की अवधि 2 वर्ष 6 माह होगी जिसमें 1 वर्ष का नामांकन, 1 वर्ष का अनुवर्तनकाल और आंकड़ो के संकलन हेतु 6 माह की अवधि सम्मिलित है।

यादृच्छिकता चार्ट के आधार पर मरीजों को दो समूहों में बांटा जाएगा। एक समूह को होम्योपैथी उपचार दिया जाएगा और दूसरे को प्लासिबों एन्टीरिट्रोवायरल थैरपी केन्द्र से प्रभारी अधिकारी अध्ययन में सह–अनुसंधाता के रूप में सम्मिलित होगें और परामर्शदाता/सलाहकार अनुसंधाताओं मरीजों के उपचार में सहायता करेगें। अध्ययन के अन्त में सीडी 4 कोशिकाओं की संख्या और विषाणु संख्या में परिवर्तन गंभीर अवस्था की बारम्बारता और मरीजों के जीवन की गुणवता में परिवर्तन के आधार पर परिणामों का विश्लेशण किया गया।

इस अध्ययन का प्रोटोकॉल होम्योपैथी एवं एलोपैथी विशेषज्ञों के परामर्श से किया गया। अध्ययन का आरंभ परिषद् के क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), मुम्बई और नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), चेन्नई में होगा। परिषद् की नैतिकता एवं वैज्ञानिक परामर्श समितियों द्वारा प्रोटोकोल का अनुमोदन कर दिया गया है और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन को उनकी नैतिकता समिति की सहमति हेतु प्रस्तुत किया गया है।

10. लसिका संबंधी फाइलेरिया रोग के कारण तीव्र एडिनो लिम्फाग्नाइटिस के उपचार में पूर्व चिन्हित होम्योपैथी औषधियों का यादृच्छिक खुला नियंत्रित परीक्षण।

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् द्वारा 1980 से 2003 में किया गया बहुकेन्द्रीक खुला नैदानिक परीक्षण अध्ययन लसिका संबंधी फाइलेरिया रोग में होम्योपैथी औषधियों की सकारात्मक भूमिका को दर्शाता है। चूंकि परिषद् ने लसिका संबंधी फाइलेरिया रोग के कारण तीव्र एडिनो लिम्फाग्नाइटिस पर यादृच्छिक खुला नियंत्रित परीक्षण नही किया है। अतः पूर्ण रूप से परिभाषित मापदण्डों के आधार पर यह अध्ययन प्रारंभ किया गया है।

यह अध्ययन क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), पुरी, ओडिशा में किया जाएगा। इस अध्ययन में तीव्र एडिनो लिम्फाग्नाइटिस के लक्षणों वाले 15–60 वर्ष की आयु के पुरूष एवं महिला दोनों को सम्मिलित किया जाएगा। इस अध्ययन के दो पक्ष होगें। एक पक्ष को यादृच्छिकता के आधार पूर्व चिन्हित होम्योपैथी औशधियों का उपयोग किया जाएगा। दूसरे पक्ष को रोगी की अवस्था के अनुसार एलोपैथिक परामर्शदाता द्वारा परम्परागत उपचार दिया जाएगा। अध्ययन का प्रारम्भिक उद्देश्य तीव्र एडिनोलिम्फाग्नाइटिस का नैदानिक उपचार जो कि तीव्र एडिनोलिम्फाग्नाइटिस स्कोरिंग पैमाने से स्पष्ट है।

11. गंभीर लेप्टोस्पाईरा रोग से पीडित रोगी के परम्परागत उपचार में सहायक चिकित्सा के रूप में होम्योपैथी औषधियों का एक सिंगल–ब्लांइड खुला यादृच्छिक, प्लासिबो–नियंत्रित परीक्षण।

परिषद् ने अगस्त 2009 से दिसम्बर 2010 में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के सहयोग से अपने पोर्ट ब्लेयर स्थित केन्द्र और अंडमान और निकोबार, (डिगलिपुर, मायाबन्दर और रंगत) स्थित समुदाय केन्द्रों के माध्यम से लेप्टोस्पाईरा रोग पर सकारात्मक परिणामों सहित एक खुला पायलट अध्ययन किया। इसलिए लेप्टोस्पाईरा रोग में होम्योपैथी औशधियों की प्रभावकारिता के मूल्यांकन हेतु 'गंभीर लेप्टोस्पाईरा रोग से पीडित रोगी के परम्परागत उपचार में सहायक चिकित्सा के रूप में होम्योपैथी औषधियों का एक सिंगल–ब्लांइड खुला यादृच्छिक, प्लासिबो–नियंत्रित परीक्षण' भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के सहयोग से अपने पोर्ट ब्लेयर स्थित केन्द्र और अंडमान और निकोबार, (डिगलिपुर, मायाबन्दर और रंगत) स्थित समुदाय स्वास्थ्य केन्द्रों के माध्यम से लेप्टोस्पाईरा रोग पर अध्ययन प्रारंभ किया। अध्ययन अवधि एक वर्ष और तीन माह है। अध्ययन का उददेश्य गंभीर लेप्टोस्पाईरा रोग से पीडित रोगी के परम्परागत उपचार में सहायक चिकित्सा के रूप में होम्योपैथी औषधियों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना है।

2. पूर्ण कर लिये गये अध्ययन

1. शतांश पोटेंसियों की तुलना में लाक्षणिक गर्भाशय फाईब्राइड पर एल॰एम॰ पोटेंसियों में होम्योपैथिक औषधियों का बहुकेंद्रिक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।

अध्ययन की अवधि–जून 2009 से नवम्बर 2011

गर्भाशय फाईब्राइड (लियोमियोमास) गर्भाशय का सुसाध्य मांसपेशीय अर्बुद (ट्यूमर) होता है। यह लगभग 25 प्रतिशत से 35 प्रतिशत महिलाओं में प्रजनन कालिक अवस्था में पाया जाता है जो कि महिला स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता है। उपचार के अभाव में मरीज की हालत बिगड जाती है और उपचार का एकमात्र साधन गर्भाशयोच्छेदन बचता है। फाईब्राइड का उपचार काफी मंहगा होता है और इसके दोबारा होने की आंशका रहती है बहुत से अध्ययनों से यह सिद्ध हुआ है कि गर्भाशय फाईब्राइड के उपचार मे होम्योपैथी औषधियां कारगर है। चिकित्सकों द्वारा एलएम पोटेंसी और शतांश पोटेंसी दोनो का सफलतापूर्वक प्रयोग किया गया है। लेकिन दोनो पोटेंसियों की प्रभावकारिता का तुलनात्मक रूप से मानकीकृत व्यवस्था में मूल्यांकन नही किया गया है। इसलिए केन्द्र होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् ने जून 2009 से नवम्बर 2011 मे अपने छः अनुसंधान केन्द्रों अर्थात केन्द्र अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), कोट्टायम और नोएडा एवं शिमला, गुवाहाटी, पुरी के क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.) और नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), चेन्नई में 'होम्योपैथी औषधियों की एलएम पोटेंसी की तुलना में शतांश पोटेंसी का बहुकेंद्रीक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण' किया। अध्ययन की अवधि एक वर्ष के अनुवर्तन काल सहित 2 वर्ष 6 माह थी। अध्ययन के दौरान कुल 878 मरीजों की जांच की गई और 216 मरीजों का अध्ययन में नामांकन किया गया (एलएम समूह संख्या = 108, सीएम समूह संख्या 108)। अध्ययन नवम्बर 2011 में पूर्ण हुआ और आंकड़ों का संग्रहण किया गया। आंकड़ों के सत्यापन का कार्य प्रगति पर है जिसके उपरान्त आंकड़ों का विश्लेषण और पाण्डुलिपि तैयार की जाएगी। अध्ययन का पंजीकरण भारतीय नैदानिक पंजीकरण, सीटीआरआई/2011/12/002211 में किया गया है।

2. ध्यान में कमी संबंधी अतिसक्रियता के विकार का होम्योपैथिक उपचार – एक यादृच्छिक प्लासिबो नियंत्रित पायलेट अध्ययन।

अध्ययन की अवधि जून 2009 से नवम्बर 2011

ध्यान में कमी संबंधी अतिसक्रियता के विकार 19 वर्ष की आयु तक के बच्चों और किशोरों में पाई जाने वाली मानसिक असमर्थता है जो कि विश्व स्तर पर 5 प्रतिशत लोगो मे पाई जाती है। भारत में इसका फैलाव 15.6 प्रतिशत तक है। अभिभावकगण ध्यान में कमी संबंधी अतिसक्रियता के विकार का उपचार सामान्यता होम्योपैथी पद्धति से करवाते है। इसलिए केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् ने जून 2009 से नवम्बर 2011 में अपने अधीन मनोवैज्ञानिक/मानसिक विकार उपचार में अग्रणी संस्थान केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो), कोट्टायम, केरल में ध्यान में कमी संबंधी अतिसक्रियता के विकार के उपचार में चिन्हित होम्योपैथी औषधियों की प्रभावकारिता के मूल्यांकन हेतु अध्ययन आरंभ किया। इस अध्ययन की एक वर्ष के अनुवर्तन काल सहित 2 वर्ष 6 माह थी।

कुल 133 बच्चों की जांच की गई, जिनमें से 61 बच्चों का इस रोग में अध्ययन हेतु नामांकन किया गया। नामांकित किये गये 61 बच्चों में से 18 बच्चों के आंकड़ों का विश्लेषण निम्न कारणों से नही किया जा सका– 7 बच्चों के उपचार में यादृच्छिकता का पालन नही किया गया, 12 बच्चे अध्ययन के दौरान बीच में छोड़ गये। इसलिए कुल 42 बच्चों (होम्योपैथी समूह संख्या = 22, प्लासिबों संख्या = 20) का विश्लेषण किया गया। होम्योपैथी समूह के 22 मरीजों के उपचार में 9 औषधियों का उपयोग किया गया– केल्केरिया कारबोनिका (संख्या = 8), लाइकोपोडियम कलेवेटम (संख्या = 5), फासफोरस (संख्या = 3), हायोसियामस नाईगर (संख्या = 2), अरजेन्टम नाईटरिकम (संख्या = 1), बेलाडोना (संख्या = 1), पलसाटिला निगरिकेन्स (संख्या = 1) और सल्फर (संख्या = 1)। 12 महिनों के उपचार के उपरान्त ध्यान

में कमी संबंधी अतिसक्रियता के विकार तालिका में परिणामों की गणना कि गई। केवल होम्योपैथी समूह के 77 प्रतिशत मरीजों में अल्प सुधार देखा गया। होम्योपैथी समूह के 23 प्रतिशत और प्लासिबो समूह के 25 प्रतिशत मरीजों की हालत स्थिर रही। होम्योपैथी समूह के 55 प्रतिशत और प्लासिबो समूह के 20 प्रतिशत मरीजों में महत्वपूर्ण सुधार अथवा हालत का बिगड़ना नही पाया गया। अध्ययन का पंजीकरण भारतीय नैदानिक पंजीकरण, सीटीआरआई/2011/12/002305 में किया गया है।

3. इन्फ्ल्यूऐंज़ा जैसी बीमारियों मे होम्योपैथिक उपचार की प्रभावकारिता – एक यादृच्छिक, सिंगल ब्लाइंड प्लासिबो नियंत्रित – अध्ययन

अध्ययन की अवधि जून 2009 से दिसम्बर 2010

परिषद् ने जून 2009 से अपने 9 केन्द्रों – केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), नोएडा, क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), पुरी, कोलकाता, इम्फॉल, शिमला और गुवाहाटी, नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), चेन्नई, पोर्ट ब्लेयर और सिलिगुरी में इंफुलुन्जा जैसी बिमारी के उपचार में चिन्हित होम्योपैथी औशधियों का बहुकेन्द्रीक यादृच्छिक प्लासिबो नियंत्रित अध्ययन किया गया। अध्ययन का उद्देश्य इंफुलुन्जा जैसी बिमारियों का होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव से उपचार करना था। इस अध्ययन की अवधि 30 दिनों के अनुवर्तन काल सहित 2 वर्ष थी। इस अध्ययन में कुल 447 मरीजों का नामांकन किया गया जिनमें से 399 मरीजों ने इस अध्ययन का अनुगमन किया, 30 मरीजों ने छोड़ दिया, 16 मरीजों को कुछ कारणों से उचित चिकित्सा देखभाल के लिए भेजा गया और बचे 2 मामलों में प्रोटोकाल के उल्लंघन का उल्लेख किया गया। नामांकित मरीजों के आंकड़ों का सत्यापन पूरा किया गया है और आंकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण चल रहा है। अध्ययन का पंजीकरण भारतीय नैदानिक पंजीकरण, सीटीआरआई/2012/04/002590 में किया गया है।

4. बवासीर रोग की अत्यधिक गंभीरता में एल॰एम॰ पोटेंसियों का प्रभाव – एक बहु–केन्द्रिक यादृच्छिक सिंगल ब्लाइंड प्लासिबो नियंत्रित परीक्षण।

अध्ययन की अवधि जून 2009 से दिसम्बर 2010

बवासीर एक साधारण गुदामलाशीय रोग है। एलएम पोटेन्सी में होम्योपैथिक उपचार की प्रभावकारिता में तीव्र बवासीर रोग को एक बहु–केन्द्रिय यादृच्छिक सिंगल ब्लांइड प्लासिबो नियंत्रित परीक्षण को केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् के अन्तर्गत 6 केन्द्रों में संचालित किया गया; विषयों को केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् के अन्तर्गत 6 केन्द्रों से जून 2009 और सितम्बर 2010 के बीच से नामांकित किया गया: क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), जयपुर; गुडीवाडा; कोलकाता, नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), सिलिगुडी; अगरतला और तिरूपत्ति। बवासीर रोग के तीव्र दर्द के साथ मरीजों का एलएम पोटेंसी में या तो यादृच्छिक होम्योपैथी औषधि या प्लासिबो को 90 दिन के लिए निदान किया गया। मरीजों के आंकड़ों के लिए दृष्टिकोण के इलाज के इरादे के साथ विश्लेषण किया गया। अध्ययन को भारतीय चिकित्सीय परीक्षण रजिस्ट्री, सीटीआरआई/2012/04/002541 में पंजीकृत किया गया।

कुल 501 मरीजों की जांच की गई, जिनमें से 279 मरीजों (होम्योपैथी, संख्या = 140, प्लेसिबो, संख्या = 139) को नामांकित किया गया। नामांकित किये गये मरीजों में से 264 मरीजों के आंकडो का विश्लेषण और तुलना (होम्योपैथी: 137; प्लेसबो : 127) किया गया। होम्योपैथी समूह के बीच सांख्यिकीय महत्व अन्तर के रूप अलग अलग लक्षण और कुल लक्षण स्कोर में प्लासिबो (पी = 0.0001) की तुलना है। 18 औषधियों के लिए इन 137 मरीजों, होम्योपैथी के लिए यादृच्छिक का इलाज करने के लिए प्रयोग किया गया। सबसे उपयोगी दवाओं : फास्फोरस (एन=30), सल्फर (एन=25), नक्स वोमिका (एन=21), और एसी. नाईट्रिक (एन=16) है। अध्ययन का पंजीकरण भारतीय नैदानिक पंजीकरण सीटीआरआई/2012/04/002541 में किया गया है।

अनुवीक्षण

एच.आई.वी. – आर.सी.सी. प्रोटोकॉल पर विशेषज्ञों के साथ चर्चा

मधुमेह दूरस्थ सममित बहुतंत्रिका रोग प्रोटोकॉल के निर्धारण हेतु बैठक

13 नये नैदानिक अनुसंधान अध्ययन प्रगति पर है और 04 विभिन्न केन्द्रों में पिछले वर्ष 01.04.11 से 31.03.2012 जारी इस अवधि के दौरान यह निष्कर्ष निकाला गया। निम्नलिखित नैदानिक अनुसंधान अध्ययन के लिए संबंधित जांचकर्ताओं द्वारा किए गये कार्यो की समीक्षा भी परिषद् के मुख्यालय में कार्यालय प्रासगिंक रिकॉर्ड या निरीक्षण टीम की साइट के दौरे के साथ–2 उन्हे फोन करके किया गया। नैदानिक अनुसंधान 2011–12 के दौरान किए गए अध्ययन की अनुवीक्षण की सूची नीचे दी गई है।

1. आन्तरिक और बाह्य समीक्षा

निम्नलिखित अध्ययनों की परिषद् मुख्यालय में समन्वयकों द्वारा समीक्षा की गई।

क्र. सं.	लघु अध्ययन शीर्षक	संस्थान/ इकाई	अध्ययन का स्थान	दिनांक/समीक्षा का स्थान	विशेषज्ञों के नाम जिन्होंने समीक्षा की
1	गर्भाशय फाईब्राइड	क्षे.अ.स. (होम्यो.)	गुवाहाटी	10 से 12 अक्तूबर, 2011/सीसीआरएच, मुख्यालय	डा. एस.एन. साहू, उप सलाहकार, आयुष विभाग
		क्षे.अ.स. (होम्यो.)	शिमला		डा. कुसुम चन्द, मानद आचार्य, नेहरू होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, दिल्ली
		क्षे.अ.स. (होम्यो.)	पुरी		डा. मधु अग्रवाल, आचार्य, डा. बी.आर.सूर होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय, दिल्ली
		नै.अ.इ. (होम्यो.)	चेन्नई		डा. संगीता अजमानी, प्रसूतिशास्त्री, कस्तूरबा अस्पताल, दिल्ली
		के.अ.स. (होम्यो.)	नोएडा		
		के.अ.स. (होम्यो.)	कोट्टायम		

क्र. सं.	लघु अध्ययन शीर्षक	संस्थान/ इकाई	अध्ययन का स्थान	दिनांक/समीक्षा का स्थान	विशेषज्ञों के नाम जिन्होंने समीक्षा की
2	ध्यान में कमी संबंधी अति सक्रियता विकार	के.अ.स. (होम्यो.)	कोट्टायम	10 से 13 अक्तूबर, 2011/सीसीआरएच, मुख्यालय	डा. एस.एन. साहू, उप सलाहकार, आयुष विभागडा. के.एम. धावले, निदेशक, डा. एम.एल. धावले मेमोरियल ट्रस्ट, मुम्बई। डा. राजेश सागर, सहायक आचार्य, मनोरोग विभाग, अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली। डा. सरन कोच्चर, आचार्य, गोंदिया होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय, नागपुर।

अध्ययन स्थल पर अनुवीक्षण

क्र. सं.	लघु अध्ययन शीर्षक	संस्थान/ इकाई	अध्ययन का स्थान	दिनांक/समीक्षा का स्थान	विशेषज्ञों के नाम जिन्होंने समीक्षा की
1	गर्भाशय फाईब्राइड	नै.अ.इ. (होम्यो.) क्षे.अ.स. (होम्यो.) क्षे.अ.स. (होम्यो.) के.अ.स. (होम्यो.)	चेन्नई पुरी गुवाहाटी कोट्टायम	7 एवं 8 जुलाई, 2011 14 एवं 15 जुलाई,2011 25 अप्रैल, 2011 18–20 अप्रैल, 2011	नै.अ.इ. (होम्यो.), चेन्नई क्षे.अ.स. (होम्यो.), पुरी क्षे.अ.स. (होम्यो.), गुवाहाटी के.अ.स. (होम्यो.), कोट्टायम
2	ध्यान में कमी संबंधी अति सक्रियता विकार	के.अ.स. (होम्यो.)	कोट्टायम	18–20 अप्रैल, 2011	के.अ.स. (होम्यो.), कोट्टायम
3	विषाणु जनित मस्तिष्क शोथ	एचडीआरआई	लखनऊ	16–18 दिसम्बर, 2011	एचडीआरआई, लखनऊ, बी.आर.डी. मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, गोरखपुर

2

नैदानिक सत्यापन

होम्योपैथिक मेटिरिया मेडिका में, स्वस्थ मानव स्वयंसेवकों पर औषध के प्रमाणन के दौरान परिलक्षित लक्षणों, औषध के लम्बे समय तक इस्तेमाल या प्रासंगिक विषाक्तन के दौरान अवलोकन किए गए विषैले प्रभाव और नैदानिक रोगलक्षण दिए गए हैं। इस पहलू को ध्यान में रखते हुए परिषद् ने इन औषधियों के प्रमाणिकरण से प्राप्त रोग लक्षण संबंधी आंकडों का सत्यापन और इनके नैदानिक लक्षणों का सत्यापन करने के उद्देश्य से नैदानिक सत्यापन कार्यक्रम आरम्भ किया है।

परिषद् द्वारा प्रमाणित की गई औषधियों सहित 86 औषधियों के रोगमूलक प्रभावों (संलक्षणों) का नैदानिक रूप से सत्यापन हेतु नैदानिक सत्यापन कार्यक्रम आरंभ किया। इन औषधियों पर अनुसंधान अध्ययन पहले ही पूर्ण कर लिये गये हैं। शेष 34 औषधियों पर मेटिरीया मेडिका तैयार करने का कार्य प्रगति पर है।

प्रतिवेदित वर्ष के दौरान 23 औषधियों पर अध्ययन प्रगति पर है जो कि जून 2010 में परिषद के निम्न 10 केन्द्रों पर आरंभ किये गये।

1. केंद्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), नोएडा
2. होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ
3. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), शिमला
4. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), गुड़िवाडा
5. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), पुरी
6. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), इम्फाल
7. औषध प्रमाणन अनुसंधान संस्थान, कोलकाता
8. नैदानिक सत्यापन इकाई (होम्यो.), पोर्ट ब्लेयर
9. नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), शिलॉंग
10. नैदानिक सत्यापन इकाई (होम्यो.), पटना

अप्रैल, 2011 में इस अध्ययन में 4 अन्य केन्द्रों को सम्मिलित किया गया जो कि निम्न है:

1. नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), अगरतला
2. नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), इटानगर
3. नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), दिमापुर
4. नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), आईजोल

परिषद् द्वारा प्रमाणित की गई औषधियों सहित 23 औषधियों के रोगमूलक प्रभावों (संलक्षणों) का नैदानिक रूप से सत्यापन हेतु कार्यक्रम आरंभ किया। इन औषधियों पर अनुसंधान अध्ययन पहले ही पूर्ण कर लिये गये हैं। शेष 34 औषधियों पर मेटिरीया मेडिका तैयार करने का कार्य प्रगति पर है।

प्रतिवेदित वर्ष के दौरान, परिषद् द्वारा प्रमाणित 23 अन्य औषधियों पर नैदानिक सत्यापन निम्न 9 केन्द्रों पर आरंभ कियाः रोगलक्षणों का नैदानिक सत्यापन करने के लिए कुल 3440 रोगियों का पंजीकरण किया गया। अध्ययन केंद्रों से प्राप्त औषधि–वार आंकड़ों को नीचे सारणीकृत किया गया है :

क्र.सं.	औषधियों के नाम	(अप्रैल 2011 से मार्च 2012 तक) रिर्पोटिंग के दौरान नामांकित मरीजों की संख्या	नैदानिक सत्यापित शर्तें
1.	अगेव अमरिकाना	105	अपच, अमाश्यशोथ, पीठ दर्द, सिर दर्द
2.	एन्डोग्राफिस पेनिक्यूलेटा	322	एर्ल्जिक नासाशोथ, अपच, सिर दर्द, इंफ्लूएंजा जैसी बिमारी, ग्रसनीशोथ
3.	आर्जिमोन मेक्सिकाना	304	उदर शूल, सूजन, पेचिश, अमाश्यशोथ
4.	बकोपा मोनियर	89	ग्रीवा कशेरूका संधिग्रह पीडा, डिसमेनोरिया, सिर दर्द
5.	चिलोन गलेब्रा	45	कब्ज, सिर दर्द
6.	क्लेरोडेन्ड्रोन इनफोरट्यूनेटम	30	पेचिश, अनिद्रा
7.	कोलियस अरोमेटिक्स	56	पेचिश, अपच, बवासीर
8.	कोरनुअस सरसिनाटा	59	कंजंक्टिवाईटिस, पेचिश, अमाश्यशोथ
9.	क्यूपरम ऑक्सीडेटम नाइग्रम	87	त्वक्शोथ, अपच, पेचिश, पित्ति
10.	फाइकस रेलिजिओसा	62	अमाश्यशोथ, मसूडे की सूजन, सिर दर्द, बवासीर, अंजनी, ऊपरी श्वास पथ के संक्रमण, चक्कर आना
11.	फोरमिक एसिड	101	अपच, गैसट्रालिगिया, सिर दर्द, वात रोग, अज्ञात में शुक्रपात
12.	हाइड्रोकोटाइल एसियाटिका	117	श्वसनीशोथ, कब्ज, मूत्रकश्च्छ, लम्बर स्पोंडिलोसिस, अस्थिसंधिशोथ, नासाशोथ
13.	जुगलैन्स रेजिया	116	पनसिका, बृहदांत्र शोथ, त्वक्शोथ, अपच, पेचिश, गैसट्रालिगिया, सिर दर्द, पिटिका
14.	लियाट्रिस स्पिकैटा	116	तीव्र कर्ण शोथ, संधिशोथ, कब्ज, सूजन, दस्त, पेचिश, कृच्छार्तव, अपच, अमाश्यशोथ ,सिरदर्द उष्माघात
15.	मिमोसा ह्युमेलिस	92	कब्ज, सिर दर्द, अपच, आमवात रूमेटिज्म, यू.आर.टी. आई., मूत्र पथ के संक्रमण
16.	ओसिमम सेंक्टम	329	पनसिका, तीव्र नासाशोथ, केशाभाव, मुंह के अन्दर एपथस्स, कब्ज, अमाश्यशोथ, ग्रसनीशोथ
17.	पैराफिन	228	ए.पी.डी., श्वसनीशोथ, कब्ज, अपच, अमाश्यशोथ, सिरदर्द, स्वरयंत्रशोथ, ग्रसनीशोथ, नासाशोथ, ऊपरी श्वास पथ का संक्रमण

क्र.सं.	औषधियों के नाम	(अप्रैल 2011 से मार्च 2012 तक) रिर्पोटिंग के दौरान नामांकित मरीजों की संख्या	नैदानिक सत्यापित शर्तें
18.	पैथोस फोइटिडस	68	तीव्र और जीर्ण नासाशोथ, श्वास दमा, अमाश्यशोथ, इंफ्लूऐंजा जैसी बिमारी, ग्रसनीशोथ, ऊपरी श्वास पथ के संक्रमण
19.	सेनेगा	498	पनसिका, ए.पी.डी., संधिशोथ, श्वास दमा, श्वसनीशोथ, ग्रीवा कशेरूका संधिग्रह पीडा, कब्ज, अपच, सिरदर्द, ग्रसनीशोथ, दांतदर्द, ऊपरी श्वास पथ के संक्रमण, वायरल बुखार
20.	स्कूकम चक	211	त्वक्शोथ, दस्त, अपच, अमाश्यशोथ, जी.इ.आर.डी., सिरदर्द, माइग्रेन, चक्कर आना
21.	थाइमोल	101	माइग्रेन, वात रोग, वायुविवरशोथ, ऊपरी श्वास पथ के संक्रमण, चक्कर आना
22.	थाइरायोडिनम	59	संधि आर्ति, अपच, ग्रसनीशोथ, चक्कर आना
23.	टिनोस्पोरा कोरडिफोलिया	245	ए.पी.डी., पेचिश, अमाश्यशोथ, मसूड़ों की सूजन, सिरदर्द, ग्रसनीशोथ, नासाशोथ, खुजली, दांतदर्द, यू.टी.आई., वायरल बुखार
	कुल अनुसंधान मामले	3440	

प्रकाशन–

लेख:

1. **अध्ययन का शीर्षक: केसिया फिसटुला**– एक बहु नैदानिक सत्यापन अध्ययन
   जर्नल का नाम: इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन होम्योपैथी खंड 5 नं. 2, अप्रैल–जून 2011, पीपी. 20–29

सार

परिचय: नैदानिक सत्यापन कार्यक्रम केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् के अन्तर्गत इसकी स्थापना से चलने वाला अनुसंधान कार्यक्रम है। जिसमें बहुत सी भारतीय और दुर्लभ होम्योपैथिक औषधियों का सत्यापन किया गया। केसिया फिसटूला एक फूल वाला पौधा है और पारंपरिक रूप से इसका प्रयोग टयूमर के लिए, जलना, रक्तमेह, मलेरिया, गठिया, उपदंश और कुष्ठ रोग, दाने, अल्सर, विसर्प और यहा तक की कैंसर के लिए किया जाता है। परिषद् ने कैसिया फिसटूला पर अक्तूबर 2005 से मार्च 2010 तक नैदानिक सत्यापन के माध्यम से इसके चिकित्सीय प्रभाव को निर्धारित करने के लिए पर्यवेक्षणीय अध्ययन किया है।

उद्देश्य: परिषद् द्वारा औषध प्रमाणन के दौरान पाये गये लक्षणों के अनुसार केसिया फिसटूला के चिकित्सीय लक्षणों को नैदानिक रूप प्रमाणित करना प्राथमिक उद्देश्य और नैदानिक लक्षणों का पता लगाना द्वितीय उद्देश्य था।

विधि: इस बहुकेंद्रीय अध्ययन में सभी आयु समूह से और दोनो लिंगो के 129 मरीजों का नामांकन किया गया। परिषद् के विभिन्न संस्थानों और इकाईयों के बाह्य रोगी विभागों से इन मरीजों का चुनाव किया गया जो कि प्रोटोकॉल के अनुसार अध्ययन में सम्मिलित होने के मापदण्ड को पूरा करते थे। इन मरीजों से लिखित सहमति पत्र भी प्राप्त किये गये। मरीजों के चिन्हों और लक्षणों को पूर्वनिर्धारित रोग मामला रिर्कोडिंग प्रारूप में दर्ज किया गया और होम्योपैथी दृष्टिकोण के अनुसार मरीजों के शारीरिक, मानसिक लक्षणों पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके उपरान्त, यदि रेपर्टराजिंग लक्षण केसिया फिसटूला नांमाकित मामलों के निकटतम सिमिलिमम औषधियों के लिए पाये जाते है तो, उसको विभिन्न प्रकार की पोटेंसी में जैसे 6सी, 60सी और 200सी को अवरोही क्रम में मामले की जरूरत के अनुसार निर्धारित किया गया और होम्योपैथी सिद्धान्तों और औषधियों के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए प्रगति को पेपर पर लिपिबद्ध किया गया।

परिणाम: अध्ययन के पूर्ण होने के उपरान्त अध्ययन परिणामों का विश्लेषण किया गया। यह पाया गया कि परिषद् द्वारा औषध प्रमाणन के बहुत से लक्षण नैदानिक रूप से मरीजों मे पाये गये और उनका सत्यापन किया गया। इसके अलावा अध्ययन के दौरान कुछ नैदानिक लक्षण भी सामने आये, जिससे की इस औषधि के व्यापक चिकित्सकीय क्षेत्र उपयोगिता का पता चलता है।

चर्चा: यह पाया गया की अध्ययन के दौरान केसिया फिसटूला के 95 प्रमाणन लक्षणों का सत्यापन किया गया। ज्यादातर लक्षण आंत्रशोथ प्रणाली, श्वसन तंत्र, सिर, कान और पेशीयकंकालीय तंत्र के थे। इस औषधि के लक्षण जकड़न, नजला–जुकाम, पीड़ादायक, गैस बनना, गठिया, तंत्रिका रोग और दांयी तरफ की अधिक तकलीफ।

निष्कर्ष: केसिया फिसटूला विभिन्न नैदानिक अवस्थाओं जैसे एनोरेक्सिया, असमंजस, कब्ज, कोराईजा, कर्ण पीड़ा, ज्वर, सिर दर्द, आलस्य, बंद नाक, पेट दर्द, छिंक, अनिद्रा, जड़ों का अकड़ना, गठिया, गर्दन का दर्द, टोंसिलाईटस एवं कमजोरी के उपचार में सहायक है। यह भी पाया गया की औषध प्रमाणन के लक्षणों को प्राप्त रूप से सत्यापित किया गया और अध्ययन के दौरान सामने आये नैदानिक लक्षणों ने विभिन्न चिकित्सीय अवस्थाओं में इसके उपयोग के क्षेत्र को और बढा दिया।

खोजशब्द: होम्योपैथी; नैदानिक सत्यापन; केसिया फिसटूला

2. **अध्ययन का शीर्षक : अल्फाल्फा**– एक बहुकेन्द्रिक नैदानिक सत्यापन अध्ययन
   जर्नल का नाम: इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन होम्योपैथी खंड 5 नं. 3, जुलाई–सितम्बर 2011, पीपी. 36–43

सार

परिचय: अल्फाल्फा एक फूल वाला पौधा है और इसका प्रयोग एक औषधि के रूप में भूख बढ़ाने और पचाने और पोषण को दुरूस्त करने के लिए किया जाता है। एनोरेक्सिया, घबराहट, अनिद्रा, मधुमेह, सुस्ती और कुपोषण जैसे विकार इसकी चिकित्सकीय सीमा के भीतर मुख्य रूप से है। परिषद् ने अल्फाल्फा के चिकित्सीय प्रभावों को नैदानिक रूप से सत्यापन हेतु अक्तूबर 2005 से मार्च 2010 तक एक पर्यवेक्षणीय अध्ययन किया।

उद्देश्य: परिषद् द्वारा औषध प्रमाणन के दौरान पाये गये लक्षणों के अनुसार अल्फाअल्फा के चिकित्सीय लक्षणों को नैदानिक रूप प्रमाणित करना प्राथमिक उद्देश्य और नैदानिक लक्षणों का पता लगाना द्वितीय उद्देश्य था।

विधि: इस बहुकेंद्रीय अध्ययन में सभी आयु समूह से और दोनो लिंगो के 169 मरीजों का नामांकन किया गया। परिषद् के विभिन्न संस्थानों और इकाईयों के बाह्राय रोगी विभागों से इन मरीजों का चुनाव किया गया जो कि प्रोटोकॉल के अनुसार अध्ययन में सम्मिलित होने के मापदण्ड को पूरा करते थे। रोगियों से लिखित सहमति भी प्राप्त की गई। उनके चिह्नों और लक्षणों को पूर्वनिर्धारित रोग मामले रिर्कोडिंग प्रारूप में दर्ज किया गया। इसके उपरान्त, यदि रेपर्टराजिंग लक्षण अल्फाल्फा नांमाकित मामलों के निकटतम सिमिलिमम औषधियों के लिए पाये जाते है तो, उसको विभिन्न प्रकार की पोटेंसी में जैसे 6सी, 30सी और 200सी को अवरोही क्रम में मामले

की जरूरत के अनुसार निर्धारित किया गया और होम्योपैथी सिद्धान्तों और औषधियों के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए प्रगति को पेपर पर लिपिबद्ध किया गया।

परिणामः नामांकित रोगियों से प्राप्त परिणामों का विश्लेषण किया गया और यह पाया गया कि औषधि के प्रमाणन (परिषद् द्वारा किये गये) से प्राप्त लक्षण रोगियों में नैदानिक रूप से मौजूद थे और इस तरह सत्यापित किये गये। इसके अलावा अध्ययन के (जो लक्षण अल्फाल्फा को सिद्ध करने के दौरान प्रदर्शित नही हुए, लेकिन औषधि के सेवन के उपरान्त मरीज में उनका उपचार हुआ) दौरान कुछ नैदानिक लक्षण उभर रहे थे, जिससे की इस औषधि के व्यापक चिकित्सकीय क्षेत्र उपयोगिता का पता चलता है।

चर्चाः अल्फाल्फा के 55 लक्षणों सहित इसके प्रमाणन लक्षणों का अध्ययन के दौरान सत्यापन किये गया और इनमें ज्यादातर लक्षण अमाश्य आंत्र प्रणाली, श्वसन प्रणाली, तंत्रिका तंत्र, सिरदर्द, पीठदर्द और नींद के थे। दवा की प्रकृति पाचन, विरोधी शोथयुक्त, विक्षिप्त और ज्वरहर की तरह है।

निष्कर्षः अल्फाल्फा विभिन्न नैदानिक अवस्थाओं जैसे भोजन के प्रति अरूचि, सर्दी जुकाम, तनाव, सूखी खाँसी, बुखार, सिर दर्द, चिड़चिड़ापन, सुस्ती, अनिद्रा, छींकना, ग्रीवा दर्द और कमजोरी के उपचार में सहायक है। अध्ययन के दौरान इस औषधि के 55 प्रमाणन लक्षणों को सत्यापित किया गया, अतः निष्कर्ष रूप में औषध लक्षणों कर पर्याप्त रूप से सत्यापित किये गये।

खोजशब्दः होम्योपैथी; नैदानिक सत्यापन; अल्फाल्फा

3

होम्योपैथिक रोगमूलक परीक्षण (औषध प्रमाणन)

मुख्य उद्देश्य होम्योपैथी औषधियों द्वारा स्वस्थ मानव स्वयंसेवकों पर लाक्षणिक प्रतिक्रिया प्रकाश में लाना है। औषध प्रमाणन एवं होम्योपैथिक रोगमूलक परीक्षण (एचपीटी) एक महत्वपूर्ण क्रिया है और परिषद् ने अपनी स्थापना के बाद से एक सतत अनुसंधान कार्यक्रम के रूप में शुरूआत की है। यह एक बहुकेन्द्रीक डबल ब्लाईड यादृच्छिक अध्ययन है और परिषद् के छः केन्द्रों केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), नोएडा (उत्तर प्रदेश), केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), कोट्टायम, होम्योपैथी औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (उत्तर प्रदेश), डा. अंजली चटर्जी क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), कोलकाता (पश्चिम बंगाल), क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), गुड़ीवाड़ा (आंध्रप्रदेश) और क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), पुरी की विस्तार इकाई, डा. ए.सी. होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, भुवन्नेश्वर (ओडिशा) में यह अध्ययन किया गया है।

इन में स्वदेशी मूल की औषधियों के प्रमाणन पर जोर दिया गया जिनके मानकीकरण अध्ययन (भौतिक–रासायनिक और भेषज–अभिज्ञानिक) परिषद् द्वारा पूरे कर लिये गए है।

निम्नलिखित पांच औषधियों का 6 सी एवं 30 सी पोटेंसी में प्रमाणन वर्ष 2011–12 में पूरा कर लिया गया है।

क्र. सं.	औषध का नाम	केन्द्र	रोगजनक (6सी और 30सी पोटेंसी के लिए)
1.	दतुरा मिटेल	• औषध प्रमाणन अनुसंधान इकाई, कोलकाता • होम्योपैथिक औषधि अनुसंधान इकाई, लखनऊ • क्षेत्रीय अनुसंधान इकाई, गुड़ीवाड़ा	उत्पन्न लक्षणों में विभिन्न विशेषताओं के साथ सिरदर्द जैसे, नाक और आंख में जलन के साथ छींक, सूखी खाँसी, पेट का बढाव, पेट फूलना, जलन के साथ दस्त, विभिन्न तकलीफों के साथ मोच, ठंड के साथ ज्वर, त्वचा में खुजली का आकस्मिक आर्विभाव आदि सम्मिलित है।
2.	फिनिकुलम वलगेर	• औषध प्रमाणन अनुसंधान इकाई, कोलकाता • होम्योपैथिक औषधि अनुसंधान इकाई, लखनऊ • केंद्रीय अनुसंधान संस्थान, (होम्यो.), कोट्टायम • केंद्रीय अनुसंधान संस्थान, (होम्यो.), नोएडा	उत्पन्न लक्षणों में दिल धड़कने सहित, विभिन्न विशेषताओं के साथ सिरदर्द (सिर फटने जैसा), तंग पट्टी, कान दर्द, छींकने के साथ सर्दी–जुकाम, मुँहासे, गले मे दर्द, टोंसिलाईटिस, कृच्छातर्व, शीर्ष मासिक धर्म, सूखी खांसी, पीठ दर्द, हाथ और पैर मे दर्द, अनिद्रा आदि सम्मिलित है।
3.	जिमनेमा सिलवेस्ट्री	• औषध प्रमाणन अनुसंधान इकाई, कोलकाता • होम्योपैथिक औषधि अनुसंधान इकाई, लखनऊ • क्षेत्रीय अनुसंधान इकाई गुड़ीवाड़ा • औषध प्रमाणन इकाई, भुवनेश्वर	उत्पन्न लक्षणों में चिड़चिड़ेपन सहित, चक्कर आना, विभिन्न विशेषताओं के साथ सिरदर्द, छींकने के साथ सर्दी–जुकाम, दांत दर्द, मंसूडों से खून बहना, गले में दर्द, मुखपाक, मतली, उल्टी आना, अधिजठर, पेट में दर्द, कृच्छातर्व, सूखी खाँसी, पीठ दर्द, अनिद्रा, सामान्य उष्मा के साथ बुखार और पसीना, शरीर दर्द, पूरे शरीर में लाल चकते के साथ खुजली आदि सम्मिलित है।

क्र. सं.	औषध का नाम	केन्द्र	रोगजनक (6सी और 30सी पोटेंसी के लिए)
4.	हाईग्रोफिला स्पिनोसा	• औषध प्रमाणन अनुसंधान इकाई, कोलकाता • औषध प्रमाणन इकाई, भुवनेश्वर • केंद्रीय अनुसंधान संस्थान, (होम्यो.), नोएडा	उत्पन्न लक्षणों में व्यग्रता के साथ चक्कर आना, कमजोरी, मंदस्वनता, सिर भारी होना और विभिन्न तकलीफों के साथ सिर दर्द, कान दर्द, आँख में जलन, नाक, गला, मुँह में जलन के साथ अल्सर, प्रतिश्याय, पानी बहने के साथ छींक, मतली, उल्टी, पेट में दर्द, दस्त, कब्ज, जलन के साथ पित्त, बुखार के साथ शरीर दर्द आदि सम्मिलित है।
5.	मैंगनोलिया ग्रेन्डिफ्लोरा	• केंद्रीय अनुसंधान संस्थान, (होम्यो.), कोट्टायम • औषध प्रमाणन इकाई, भुवनेश्वर • केंद्रीय अनुसंधान संस्थान, (होम्यो.), नोएडा	उत्पन्न लक्षणों में चक्कर आने सहित विभिन्न तकलीफें जैसे सिर दर्द, पानी बहने के साथ सर्दी–जुकाम, गले मे दर्द, पेट मे दर्द, दस्त, कब्ज, हाथ और पैर में दर्द, बुखार, शरीर दर्द, दिल धड़कना, आवाज का भारीपन आदि।

प्रकाशनः–

वर्ष 2011–12 के दौरान इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन होम्योपैथी में निम्नलिखित औषधियों का औषध प्रमाणन पर लेख प्रकाशित हुआ।

1. अमूरा रोहितुकाः एक बहुकेन्द्रीक डबल ब्लाइंड होम्योपैथी रोगमूलक परीक्षण। इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन होम्योपैथी खंड 5 सं.1: पृष्ठ 6–14

सारः *अमूरा रोहितुका* को केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् द्वारा डबल ब्लाइंड प्लासिबो–नियंत्रित विधि के माध्यम से प्रमाणित किया गया। यह अध्ययन तीन केन्द्रों औषध प्रमाणन अनुसंधान इकाई, कोलकाता, भुवनेश्वर में क्षेत्रीय अनुसंधान इकाई (होम्यो.), पुरी की विस्तार इकाई और केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.) कोट्टायम में किया गया। औषध का प्रमाणन दो पोटेंसियों (6सी और 30सी) में चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा चिकित्सीय परीक्षण और नियमित प्रयोगशाला परीक्षणों के उपरांत योग्य पाये गये 53 स्वस्थ स्वयंसेवकों पर किया गया। अध्ययन के तीन स्तर थे। औषध प्रमाणन की प्रथम अवस्था में प्लासिबो की 56 खुराकें 4 खुराक प्रतिदिन 14 दिनों तक स्वयंसेवकों को दी गई। अगली दो अवस्थाओं में पूर्व में चुनी हुई पोटेन्सियों या प्लासिबों की 56 खुराके यादृच्छिकता के आधार पर प्रथम स्तर के अनुसार ही दी गई। परीक्षण काल के दौरान उत्पन लक्षणों को स्वयंसेवको द्वारा लिखा गया और विशेषज्ञ द्वारा सविस्तारित किया गया। प्रमाणन के बाद कुछ लक्षणों को दोबारा प्रमाणित किया गया जो विभिन्न साहित्य में भिन्न साबित किया गया। औषध प्रमाणन के दौरान औषधि ने मानसिक लक्षणों जैसे चिडचिडापन, जल्दी गुस्सा आना, व्यग्रता, मन मे बदलाव, आवेग और घबराहट को उत्पन्न किया। विभिन्न प्रकार के लक्षण जैसे सिर दर्द, छींक आना, सर्दी–जुकाम, सूखी खासी, चिडचिडापन और गले की व्यथा, टॉसिलाइटिस रोगजनक के दौरान विकसित हुए है। औषधि ने अमाश्यी आंत्र शोथ और खाने के बाद पेट की तकलीफों के लक्षणों को प्रकट किया। प्रमाणन परीक्षण के दौरान प्राप्त रोगमूलक प्रतिक्रियाएं इस औषधि अमूरा रोहितुका के प्रयोग क्षेत्र को विस्तारित करते रूप से सत्यापन के पश्चात् इस औषधि से उत्पन्न लक्षणों का और अधिक महत्त्व होगा। नैदानिक

2. एन्ड्रोग्राफिस पेनिकुलाटाः एक बहुकेन्द्रीक डबल ब्लाइंड होम्योपैथी रोगमूलक परीक्षण। इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन होम्योपैथी खंड 5 सं.2: पृष्ठ 9–14

सारः *एन्ड्रोग्राफिस पेनिकुलाटा* को केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद द्वारा डबल ब्लाइंड प्लासिबो–नियंत्रत विधि के माध्यम से प्रमाणित किया गया था। अध्ययन को तीन केन्द्रों औषध प्रमाणन अनुसंधान इकाई, कोलकाता, औषध प्रमाणन अनुसंधान इकाई, मिदनापुर और औषध प्रमाणन अनुसंधान इकाई, गाजियाबाद में किया गया। औषध

का प्रमाणन दो पोटेंसियों (6सी और 30सी) में चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा चिकित्सीय परीक्षण और नियमित प्रयोगशाला परीक्षणों के उपरांत योग्य पाये गये 39 स्वस्थ स्वयंसेवकों पर किया गया। अध्ययन के तीन स्तर थे। औषध प्रमाणन की प्रथम अवस्था में प्लासिबो की 56 खुराकें 4 खुराक प्रतिदिन 14 दिनों तक स्वयंसेवकों को दी गई। अगली दो अवस्थाओं में पूर्व में चुनी हुई पोटेन्सियों या प्लासिबों की 56 खुराकें यादृच्छिकता के आधार पर प्रथम स्तर के अनुसार ही दी गई। परीक्षण काल के दौरान उत्पन लक्षणों को स्वयंसेवको द्वारा लिखा गया और विशेषज्ञ द्वारा सविस्तारित किया गया। प्रमाणन के दौरान औषधि ने मुख्य रूप से नाक, गैस्ट्रो आंत्र शोथ और बुखार के लक्षणों को प्रकट किया। औषधि ने विभिन्न प्रकार के सिरदर्द, ठंड के साथ बुखार, बेचैनी और कमजोरी जैसे लक्षणों को भी प्रकट किया। प्रमाणन परीक्षण के दौरान प्राप्त रोगमूलक प्रतिक्रियाएं इस औषधि अमूरा रोहितुका के प्रयोग क्षेत्र को विस्तारित करते है और अनुसंधान विद्वानों और चिकित्सकों के लिए बहुत लाभदायक है। नैदानिक रूप से सत्यापन के पश्चात् इस औषधि से उत्पन्न लक्षणों का और अधिक महत्त्व होगा।

3. एसक्लिपियस कुरासाविकाः एक बहुकेन्द्रीक डबल ब्लाइंड होम्योपैथी रोगमूलक परीक्षण। इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन होम्योपैथी खंड 5 सं.3: पृष्ठ 6–14

सारः *एसक्लिपियस कुरासाविका* को केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् द्वारा डबल ब्लाइंड प्लासिबो–नियंत्रत विधि के माध्यम से प्रमाणित किया गया। अध्ययन को तीन केन्द्रों औषध प्रमाणन अनुसंधान इकाई, कोलकाता, औषध प्रमाणन अनुसंधान इकाई, मिदनापुर और केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.) कोट्टायम और क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), गुड़ीवाड़ा में किया गया। औषध का प्रमाणन दो पोटेंसियों (6सी और 30सी) में चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा चिकित्सीय परीक्षण और नियमित प्रयोगशाला परीक्षणों के उपरांत योग्य पाये गये 39 स्वस्थ स्वयंसेवकों पर किया गया। अध्ययन के तीन स्तर थे। औषध प्रमाणन की प्रथम अवस्था में प्लासिबो की 56 खुराकें 4 खुराक प्रतिदिन 14 दिनों तक स्वयंसेवकों को दी गई। अगली दो अवस्थाओं में पूर्व में चुनी हुई पोटेन्सियों या प्लासिबों की 56 खुराकें यादृच्छिकता के आधार पर प्रथम स्तर के अनुसार ही दी गई। परीक्षण काल के दौरान उत्पन लक्षणों को स्वयंसेवको द्वारा लिखा गया और विशेषज्ञ द्वारा सविस्तारित किया गया। औषधि ने मानसिक लक्षणों जैसे बेचैनी, अकेले और भूत होने का डर, कठिनाई अवसाद, एकाग्रता और सुस्ती को प्रकट किया। औषधि ने विभिन्न प्रकार के सिरदर्द, ऊपरी श्वास पथ के संक्रमण जैसे छींक, सर्दी–जुकाम, सूखी खासी, गुदगुदी और गले में दर्द आदि लक्षणों को प्रकट किया। औषधि ने अमाश्यी आंत्र पथ में दर्द के साथ पेट में जलन के साथ अपचे हुए खाने की उल्टी, पेट फूलना, उदरवायु और पेट का बढ़ना जैसे लक्षणों को प्रकट किया। प्रमाणन परीक्षण के दौरान प्राप्त रोगमूलक प्रतिक्रियाएं इस औषधि एसक्लिपियस कुरासाविका के प्रयोग क्षेत्र को विस्तारित करते है और अनुसंधान विद्वानों और चिकित्सकों के लिए बहुत लाभदायक है। नैदानिक रूप से सत्यापन के पश्चात् इस औषधि से उत्पन्न लक्षणों का और अधिक महत्त्व होगा।

4. बकोपा मोनयरीः एक बहुकेन्द्रीक डबल ब्लाइंड होम्योपैथी रोगमूलक परीक्षण। इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन होम्योपैथी खंड 5 सं.4: पृष्ठ 22–27

सारः *बकोपा मोनयरी* को केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् द्वारा डबल ब्लाइंड प्लासिबो–नियंत्रत विधि के माध्यम से प्रमाणित किया गया। अध्ययन को दो केन्द्रों औषध प्रमाणन अनुसंधान इकाई, कोलकाता और औषध प्रमाणन अनुसंधान इकाई, मिदनापुर में किया गया। औषध का प्रमाणन दो पोटेंसियों (6सी और 30सी) में चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा चिकित्सीय परीक्षण और नियमित प्रयोगशाला परीक्षणों के उपरांत योग्य पाये गये 32 स्वस्थ स्वयंसेवकों पर किया गया। अध्ययन के चार स्तर थे। औषध प्रमाणन की प्रथम अवस्था में प्लासिबो की 56 खुराकें 4 खुराक प्रतिदिन 14 दिनों तक स्वयंसेवकों को दी गई। अगली तीन अवस्थाओं में पूर्व में चुनी हुई पोटेन्सियों या प्लासिबो की 56 खुराकें यादृच्छिकता के आधार पर प्रथम स्तर के अनुसार ही दी गई। परीक्षण काल के दौरान उत्पन लक्षणों को स्वयंसेवको द्वारा लिखा गया और विशेषज्ञ द्वारा सविस्तारित किया गया। औषधि ने विभिन्न प्रकार के सिरदर्द, गले में सूखापन और चूभने वाला दर्द, आंखों में जलन, गुद्दा में जलन, दस्त के साथ नाभि में दर्द आदि लक्षणों को प्रकट किया। प्रमाणन परीक्षण के दौरान प्राप्त रोगमूलक प्रतिक्रियाएं इस औषधि एसक्लिपियस कुरासाविका के प्रयोग क्षेत्र को विस्तारित करते है और अनुसंधान विद्वानों और चिकित्सकों के लिए बहुत लाभदायक है। नैदानिक रूप से सत्यापन के पश्चात् इस औषधि से उत्पन्न लक्षणों का और अधिक महत्त्व होगा।

4

औषध मानकीकरण

औषध मानकीकरण से किसी औषधि की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावोत्पादकता सुनिश्चित होती है। इसमें एसे अनेक मापदंड शामिल होते हैं जो होम्योपैथिक औषधि की गुणवत्ता और भेषजीय एकरूपता को परिभाषित करते हैं। होम्योपैथिक औषधियों के भेषज–अभिज्ञान और भौतिक–रसायन मूल्यांकन के लिए केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), नोएडा और औषध मानकीकरण इकाई (होम्यो.), हैदराबाद में ये शोध जारी रखे गये। वर्ष 2011–12 के दौरान निम्नलिखित औषधियों पर मानकीकरण आरम्भ किया गया:

क्र. सं.	फार्माकोग्नोटिक अध्ययन	सामान्य नाम
1.	एमीगाडालस परसिका	पीच, आडू
2.	हिलियोट्रोपियम पिरूवायानम	हिलियोट्रोप
3.	पायरस मलस	सेब
4.	कोफिया टोसटा	रोस्टिड कॉफी
5.	रोसामेरिनस ऑफिसिनालिस	रोसमेरी, रूसमरी
6.	फिकस करिका	अंजीर, अंजिर
7.	बक्सस सेमिपिरवारन	बॉक्सवुड
8.	सिट्रस लेम्नम	लेंमन, बडानींबू
9.	विटेक्स ट्रिफला	पानी–की–सम्भालू
10.	सिफाइलिस इपिकाकुनहा	इपिक
11.	सिम्पलोकोस रेसिमोसा	लोध

क्र. सं.	रासायनिक भौतिक अध्ययन	सामान्य नाम
1.	एमीगडेलस परसिका	पीच, आडू
2.	हिलियोट्रोपियम पिरूवायानम	हिलियोट्रोप
3.	पायरस मलस	एपल, सेब
4.	कोफिया टोसटा	रोस्टिड कॉफी
5.	रोसामारिनस ऑफिसिनालिस	रोसमेरी, रूसमरी
6.	फिकस करिका	कॉमन फिग, अंजिर
7.	बक्सस सेमिपैरवारेनस	बॉक्सवुड
8.	सिट्रस लेम्नम	बड़ानींबू
9.	विटेक्स ट्रिफला	पानी–की–सम्भालू
10.	पाइमिनटा ऑफिसिनालिस	ऑल स्पाइस
11.	यूरिया प्यूरा	यूरिया
12.	मेथिलिन ब्लू	मेथिलिन ब्लू
13.	एसिडम बुटिरिक्म	बुटिरिक एसिड

प्रकाशन

1. ऐमी विसनागा एल. फ्रूट का मानकीकरण– एक होम्योपैथिक औषधी, इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन होम्योपैथी, 2011, खण्ड 5 (1) 15–18

सार: ऐमी विसनागा एल. एपिएसी परिवार से संबंधित एक वार्षिक औषधीय पादप है। इस पौधे का सूखा फल एक मजबूत फोटोसेनसिटाइजर के अलावा श्वसनी मरोड़ में राहत देने वाला, दमे का उपचार में लाभदायक होता

है। यह फल छोटा 2–2.5 मी.मी. व्यास, अंडाकार और दीर्घवृत्ताभ का होता है। प्रत्येक मेरिकर्प में उपविभाग होते है जो कि पेंटागन की तरह दिखाई देते है। द्वितीयक किनारों में विटे पाया जाता है। प्राथमिक किनारों में ग्रंथियां कमियां पाई जाती है। भ्रूणपोश बीजकवच के द्वारा जुडा हुआ होता है। कुछ सफरेफाइडस के अतिरिक्त भ्रूणपोश में ऐल्यूरोन कण पाये जाते है। सूक्ष्मदर्शी व ओरगेनोलेपटिक प्रकृति का पाउडर बनता है। कच्चे औषधियों के भौतिक रासायनिक मापदंड जैसे कि सत्व मान, भस्म की मात्रा, मिश्रण प्रत्येक मि.ली. भार, कुल ठोस, पतली परत क्रोमोटोग्राफिक्स के साथ एलकोहलिक तत्व और पराबैगंनी स्पेकट्रोस्कोपी अध्ययन मदर टिंचर हेतु आरंभ किया गया।

2. बेलिस परिनिस एल के फार्माकोग्निस्टिक और भौतिक–रसायनिक मूल्यांकन– एक होम्योपैथिक औषधियां, जे. आरइएस. इडीयूसी. इंडियन एमइडी., 2011, खण्ड 17 (3 एवं 4):1–8

सार: बेलिस परिनिस एल के भेषजगुण वैज्ञानिक और भौतिक रसायनिक मानकीकरण एक पोटेंट होम्योपैथिक औषधी का प्रस्तुतिकरण है। इसकी पत्तियां मांसल और आकार अंडाकार होता है। ये प्रकंद से बेसल गुच्छे के रूप में उत्पन्न होती है। इसकी जड़े मजबूत और कठोर होती है। पत्तियों की सतह पर लहरदार ऐपिडरमल कोशिकाएं होती है। दोनो पक्षों पर रंध्र होते है। पत्तियों की सतह पर यूनिसेरिएट शंक्वाकार बाल होते है। मध्य तल में एक नलि होती है। कटघरों के कमजोर पेच के साथ मेसोफिल को पहचानना कठिन होता है। एरेंचीमेटस मध्य तल में नीचे कि ओर होता है। संवहनी बंडल इंडोडर्मिस और पेरीसाइकिल द्वारा मध्य में संलग्न होता है। पत्ते का आधार रसीला और अच्छादित होता है। प्रकंद 0.6 सेमी मोटा और अण्डाकार होती है। संवहनी ऊतक संपाश्रिर्विक वी. बंडलों की एक अंगूठी के आकार के होते है। पत्ता ट्रेस बंडलों ओर शाखा निशान अंगूठी आकार संवहनी के बाहर होते है। इसकी जडी 0.7 सेमी मोटी अण्डाकार, आयताकार, रूपरेखा में लहरदार होती है। कोटेक्स में विभिन्न उप गुहिकाओं के द्वारा बटा हुआ होता है। वी. बंडल साथ–साथ जुडे हुए होते है और एक श्रंखला के रूप में दिखाई देते है। जडों के समूह और शाख समूह अंगूठी आकार की संवहनी के बाहर होते है। कच्ची औषधियों के भौतिक रसायनिक मापदण्डों जैसे सप्त मूल्यों, राख मूल्यों अल्कोहल की मात्रा के अलावा निर्माण, वजन एमएल प्रति, कुल ठोस टीएलसी और यूवी को मदर टींचर हेतु दिया जाता है।

3. होम्योपैथिक औषधी एक्यूलेगिया वलगैरिस एल. का मानकीकरण, आईजेआरएच, 2011,5(2): 15–19।

सार: इस परीक्षण में होम्योपैथी औषधि एक्यूलेगिया वलगैरिस की गुणवत्ता, विश्वसनीयता के लिए औषध मानकीकरण का अध्ययन किया गया। इस औषधी के चिकित्सकीय लक्षण महिलाओं में सूचीवेध हिस्टीरिया और श्वासरोधी हिस्टीरिया, अनिद्रा और कष्टदायी माहवारी है। औषधि को स्थापित करने के लिए मानकीकरण अध्ययन अत्यन्त आवश्यक होता है। इसमें भारतीय होम्योपैथी औषधकोश के मानको के आधार पर औषधीय पादप के उपयोगिता वाले हिस्सों का विश्लेषण किया जाता है। इस अध्ययन में पत्ते और डंठल का भेषजगुण वैज्ञानिक भौतिक–रसायनिक अध्ययन किया गया है। पत्तों के नैदानिक मैक्रो और सूक्ष्मदर्शीय विशेषताएं और डंठल, नमी सामग्री, राख और कच्ची औशधियों सारत्व मूल्यों के अतिसूक्ष्म पात्र प्रस्तुत होते है। मदर टिंचर तैयार करने दिया जाता है। औषधियों के भेषज मानको को स्थापित करने के लिए भी पतली परत क्रोमैटोग्राफी (टीएलसी) और पराबैंगनी स्पेक्ट्रोमेट्री (यूवी) को लिया जाता है।

4. होम्योपैथिक प्रणाली में बोरागा ऑफिसिनलिस एल. का गुणवत्ता नियंत्रण और भेषज मानकीकरण। एशियन जर्नल ऑफ होम्योपैथी। (2011), 5(2):22–25।

सार: पौधों का उपयोग मानव रोगों के इलाज के रूप में मानव सभ्यता से पुराना है। कच्ची औषधियों व अच्छी तरह से तैयार उत्पादों (मदर टिंचर) की वास्तविकता का पता लगाने के लिए गुणवत्ता, प्रभावकारिता और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक मापदण्डों का पूर्णरूप से पालन किया जा रहा है। प्रस्तुत शोथ पत्र बोरागा ऑफिसिनलिस एल. के पूर्ण पादप का भौतिक रासायनिक मानकीकरण प्रस्तुत करता है।

कच्ची औषधियों के अध्ययन के लिए अध्ययन किये गये मापदंड सारत्व मूल्यों कुल राख सल्फर राख, अम्लीय अघुलनशील राख टपकन विधि द्वारा मदर टिंचर तैयार करना, भौतिक रसायनिक गुण, यूवी दृश्य स्पेक्ट्रोस्कोपी,

पीएच के अलावा टीएलसी अध्ययन प्रति मी.ली. वजन कुल ठोस तैयार उत्पादों हेतु अल्कोहल प्रदान किये गए। प्राप्त आंकड़ों से औषधि की वास्तविकता और गुणवत्ता को प्रमाणित करने में सहायता मिलेगी।

5. **ओइनेथेरा बेनिस की भेषजीय संरचना के साथ होम्योपैथी में प्रयुक्त भारतीय वनस्पतियों की गुणवत्ता विश्वसनीयता औषधीय तथा सुगन्धित विज्ञान जर्नल (2011), 33 (2): 198–203**

प्रस्तुत शोध पत्र होम्योपैथी में प्रयुक्त भारतीय औषधीय वनस्पतियों का भेषजकोशीय मानक स्तर और उनकी गुणवत्ता विश्वसनीयता के कारकों को प्रकट करता है। होम्योपैथी औषधियों के गुणवत्ता नियंत्रण पर भारतीय परिदृश्य पर प्रकाश डाला है। होम्योपैथी में कच्ची औषधि को प्रामाणित कर औषधि के रूप में स्थापित करना अत्यधिक महत्व का विषय है। इसकी आवश्यकता इसलिए भी है कि पूरे विश्व में औषधि विशेषकर उच्च अवमिश्रण औषधि में पोटेंसी की समस्या अधिक है। प्रस्तुत अध्ययन भी गुणवत्ता के विश्वसनियता को स्थापित करने के उद्देश्य से ऑनग्रेसी परिवार के पौधे ओइनेथेरा बेनिस एल. का भेषजिय विश्लेषण अध्ययन प्रस्तुत करता है। होम्योपैथी मे इस पादप का उपयोग दस्त की पुरानी बिमारी के उपचार में किया जाता है। यह अध्ययन इस पादप की जड़, तना, पत्ती का समग्रता पर आधारित, गुणात्मक, मात्रात्मक विशेषताएं प्रस्तुत करता है। अध्ययन से प्राप्त परिणामों को भेषज कोषीय मानकों के समान प्रयोग किया जा सकता है।

6. **प्रमाणित एचपीसीएल विधि द्वारा होम्योपैथिक टिंचर में फोरस्कोलिन का विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एरोमेटिक प्लांटस, 2012, 2(1): 195–199**

सारः होम्योपैथिक मदर टिंचर जिसमें की फोरस्कोलिन एक सक्रिय तत्व के रूप में मौजूद था का मूल्यांकन करने के लिए और घरेलू और बाह्य दवा के नमूनों में फोरस्कोलिन की मात्रा के निर्धारण हेतु परीक्षण किया गया। इस तरीके में कोलियस जेनयुन और कोलियस बाजार नमूना से प्राप्त फोरस्कोलिन सम्मिलित है और इसका विश्लेषण यूवी और एचपीसीएल विधि द्वारा किया जाता है। फोरस्कोलिन को आंतरिक मानक के रूप में उपयोग किया गया। इस तरीके का उपयोग कोलियस फोरस्कोलिन से प्राप्त मदर टिंचर के सफलतापूर्वक विश्लेषण और फोरकोलिन के मानक के साथ तुलना के लिए किया गया था। इस प्रकार फोरकोलिन का निर्धारण चयनित होम्योपैथिक मदर टिंचर के मानकीकरण का एक सुविधाजनक और पर्याप्त विधि के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

7. **स्ट्रिपटोजोटोसीन मधुमेह चूहों में भारतीय औषध पादपों की हाईपोग्लासेकेमिक गतिविधियां। जर्नल ऑफ रिसर्च और एजुकेशन इन इंडिया मेडिसन, 2012, 18(1): 33–43।**

सारः प्रस्तुत अध्ययन में एम.चरनसिया, ए मारमोलोस और ई. जम्बोलेना के अल्कोहलिक सार का होईपोग्लाइसेमिक प्रभाव का अध्ययन स्ट्रिपटोजोटोसीन जनित मधुमेह में किया गया। चूहों को सिटरेट बफर में स्ट्रिपटोजोटोसीन (30 मी.ग्रा./कि.लो.) के इन्ट्रपेरिटोनियल इंजेक्शन देकर मधुमेह ग्रस्त किया गया। इंजेक्शन देने के 48 घण्टों के बाद मधुमेह की पुष्टि हो जाने के उपरान्त चूहों को 30 दिनो तक औषधीय पादप के अल्कोहलिक सार (250 एवं 500 मी.ग्रा./कि.लो.) मुख द्वारा सेवन करवाया गया। इन 3 पौधो ने खुराक और अवधि आधारित होईपोग्लाइसेमिक उत्पन्न किया जो कि गिलिबेनकेलेमाइड के समान था। एक माह के बाद 500 मी.ग्रा./कि.लो. अल्कोहलिक सार का प्रयोग करने वाले चूहों मे स्ट्रिपटोजोटोसीन का सिरम ग्लुकोज स्तर समान्य चूहों से 'कम और ज्यादा' था। इन पादपो का मधुमेह रोधी प्रभाव लेंगरहेंग्स कोशिकाओं की बीटा कोशिकाओं से इंसुलिन मात्रा में वृद्धि के कारण हो सकता है जैसा कि बीटा कोशिकाओं की अधिक उपस्थिति और नियंत्रित मधुमेह चूहों की तुलना में अग्नाश्य में कम परिगलित परिवर्तनों से पता चलता है। इस प्रकार ये पादप कृत्रिम होईपोग्लाइसेमिक औषधियों का निरन्तर सेवन से उत्पन्न दुष्प्रभावों से ग्रसत हो सकने वाले मरीजों के लिए एक बेहतर विकल्प है क्योंकि इन पादपों का कोई भी दुष्प्रभाव/विषाकत प्रभाव नहीं होता है।

- **भारतीय होम्योपैथी भेषजकोष के लिए विनिबंधों का सृजन**

वर्ष 2011–12 के लिए होम्योपैथिक भेषजकोश की योजना के तहत परिषद द्वारा निम्न 10 मोनोग्राफ तैयार किये गये और होम्योपैथिक भेषजकोश समिति को पेश किये गये। यह मोनोग्राफ समिति द्वारा दिनांक

23.08.2012, 04.01.2012 और 19.03.2012 को क्रमशः 99वीं, 100वीं और 101वीं बैठक में अनुमोदित किये गये।

1. सिटरस डेकुमिना
2. यूफोरबिया हापरिसिफोलिया
3. ओरिगेनम मेजोराना
4. वनिला पलानिफोलिया
5. यूजिनिया जम्बोस
6. विटेक्स ट्रिफोलिया
7. राइटिया टिनक्टोरिया
8. सिट्रस लिमोनुम
9. सोलेनम टुबरोसम
10. साइसर अरिटिनम

होम्योपैथिक भेषजकोश समिति की उप–समिति की बैठक

विनिबंधों को तैयार करने हेतु होम्योपैथिक भेषज प्रयोगशाला, गाजियाबाद को औषध मानकीकरण पर परिषद् का योगदानः

विनिबंधों को तैयार करने और 100वीं और 101वीं बैठक में विचार विमर्श हेतु निम्नलिखित आठ (08) औषधियों के औषध मानकीकरण आकड़ें होम्योपैथिक भेषज प्रयोगशाला गाजियाबाद को प्रदान किया गए।

होम्योपैथिक भेषजकोश समिति की 100वीं बैठक में

1. केसिया फिसटुला
2. कोफिया टोस्टा
3. सियाटिसस स्कोपारियस
4. मियुलिन फ्लावर

होम्योपैथिक भेषजकोश समिति की 101वीं बैठक में

1. एक्यूलिगिया वलगैरिस
2. गैलिनसोगा परवीफ्लोरा
3. कुकुरबिटा सिटरूलस (सिटरूलस लेनाटस)
4. अननथुरम मुरूकाटस (विटिविरा जिजानिओड)

वार्षिक प्रतिवेदन 2011-2012 केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्

5

औषधीय पादपों का सर्वेक्षण, संग्रहण और खेती

इमेराल्ड, जिला नीलगिरि (तमिलनाडु) में स्थित औषधीय पादपों की सर्वेक्षण और संग्रहण इकाई (एस सम पी सी यू) में होम्योपैथी में प्रयोग किए जाने वाले औषधीय पादपों का सर्वेक्षण और संग्रहण किया जाता है और केंदीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), नोएडा तथा औषध मानकीकरण इकाई (होम्यो.), हैदराबाद को अपरिष्कृत औषधियों के नमूनों की आपूर्ति की जाती है। यह इकाई होम्योपैथी में प्रयुक्त देशी और विदेशी पादपों की खेती करती है और औषधियों के उद्यान का रखरखाव देखती है। वर्ष 2011–12 के दौरान निम्न कार्य किये गये :

अ) अपरिष्कृत औषधियों का सर्वेक्षण, संग्रहण एवं उनकी आपूर्ति:

1. खेतों से 14 अपरिष्कृत औषधीय पादप सामग्री एकत्र की गई।
2. निम्नलिखित अपरिष्कृत औषध पादप सामग्री को औषध मानकीकरण के लिए केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), नोएडा और औषध मानकीकरण इकाई, हैदराबाद को आपूर्ति की गई।

औषध मानकीकरण इकाई, VI हैदराबाद		केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), नोएडा	
क्र.स.	औषधियों के नाम	क्र.स.	औषधियों के नाम
1.	बेरागो ऑफिसिनालिस एल.	1.	कोफिया अरबिका एल. (=कोफिया टोसटा)
2.	सिटरस लेमन (एल.) बुरम.एफ.	2.	फिकस करिका एल.
3.	सिसर एरिटिनम एल.	3.	हिलियोट्रोपियम अरबोरिसेंस एल.
4.	कोफिया अरबिका एल. (=कोफिया टोसटा)	4.	मलस सेलिवेसट्रिस (एल) मील.
5.	फिकस करिका एल.	5.	पूरूनस परसिका (एल) बेटस्च
6.	हिलियोट्रोपियम अरबोरिसेंस एल.	6.	रोसमेरिनस ओफिसिनालिस एल.
7.	मलस सेलिवेसट्रिस (एल) मील.		
8.	पूरूनस परसिका (एल) बेटस्च		
9.	रोसमेरिनस ओफिसिनालिस एल.		
10.	विटेक्स ट्रिफोलिया एल.		
11.	राईटिया टिनक्टोरिया (रोक्सब.) आर.बीआर.		

3. होम्योपैथिक भेषजकोष प्रयोगशाला, गाजियाबाद के निदेशक को निम्नलिखित चार (4) अपरिष्कृत औषध सामग्री की आपूर्ति की गई है।

क्र.स.	औषधियों के नाम
1.	वक्सस सेमपरवायरनस एल.
2.	सारोथामनस स्कोपारियस (एल.) डब्लू.डी.जे कोच
3.	वरवैसकम थाप्सस एल.
4.	कोफिया अराबिका एल.

4. अनुसंधान औषधि उद्यान में उत्पादित निम्न चार (04) अपरिष्कृत औषध पादप सामग्री विभिन्न होम्योपैथिक फार्मेसियों को विक्रय कर दिया गया।

क्र.स.	औषधियों के नाम
1.	सिनिरारिया मारिटिमा एल.
2.	डिजिटलिस पुरपुरिया एल.
3.	अचिलिया माईलिफोलियम एल.
4.	रोजमारिनस ओफिसिनालिस एल.

ब. औषधीय पादपों की खेती

इकाई के पास तमिलनाडु राज्य के नीलगिरि जिले की इमेराल्ड पोस्ट में इमेराल्ड पोस्ट में होम्योपेथी में प्रयोग किये जाने वाले औषधीय पादपों की खेती के लिए 12.7 एकड़ भूमि में एक अनुसंधान उद्यान है। वर्ष 2011–12 के दौरान इस अनुसंधान उद्यान में होम्योपैथी में प्रयोग किये जाने वाले कुल 72 औषधीय (62 विदेशी एवं 10 देशी) पादपों की खेती की गई :

विदेशी पौधे निम्नलिखित हैः

1. अचीलिया मेलीफोलियम
2. एगेव अमेरिकाना
3. एग्रोपाइरोन रेपेंस
4. एमी विसनागा
5. एंगालिस अर्वेंसिस
6. एंथोक्सन्थम ओडोरेटम
7. एपियम ग्रेवियालेंस
8. अर्जिमोन मेक्सिकाना
9. अर्जिमोन ओव्रोल्युका
10. अर्मोरेशिया रस्टिका
11. अर्टेमिसिया एनुआ
12. अर्टेमिसिया ड्रेकुन्कुलस
13. एस्क्लेपियस क्युरासविका
14. एस्परगेस ओफिसनेलिस
15. बेरेगो ओफिसनेलिस
16. केप्सेला बुर्सा–पेस्ट्रोरिस
17. च्रराइसेंथिमम ल्युकेंथिमम
18. च्रराइसेंथिमम पारथेनियम
19. सिनकोना ओफिसनेलिस
20. सिनरेरिया मरिटिमा

अचीलिया मेलीफोलियम

अर्टेमिसिया एनुआ एल. की कयारी

च्रराइसेंथिमम पारथेनियम

21. कोशलेरिया अर्मोरेशिया
22. दतुरा अर्बोरिया
23. डिजिटेलिस पर्पुरिया
24. इचिनेशिया पर्पुरिया
25. एशकोल्टज़िया केलिफोरनिका
26. एक्सोगोनियम पर्गा
27. फेगोपाइरम एस्क्यूलेंटम
28. फ्रगेरिया वेस्का
29. फ्युमेरिया ओफिसनेलिस
30. गिंको बिलोबा
31. हेड्रा हेलिक्स
32. हेलियोट्रोपियम पेरूवियानम
33. आईरिस फ्लोरेन्टिना
34. आईरिस ज़रमेनिका
35. लाइकोपर्सिक्युम एस्क्युलेंटम
36. मगनोलिया ग्रेंडिफ्लोरा
37. मेट्रिकारिया चामोमिला
38. मेल्सिया ऑफिसिनेलिस
39. मैंथा स्पाइकेटा
40. नेस्टूटियम ओफिसनेलिस
41. ओइनोथेरा बेन्निस
42. ओरिगनम वुलगैरे
43. पास्टिनाका सैटिवा
44. पेट्रोसेलिनम क्रिस्प्म
45. प्रुनुस परसिका
46. रेफानस सेटाइवस
47. रोजमैरिनस ऑफिसिनेलिस
48. रूमेक्स एसिटोसेला
49. सिम्फाइटम ओफिसनेलिस
50. सेलिया ओफिसनेलिस
51. सम्बूकस नाइग्रा
52. सेन्टोलिना चामीसिपारिसस

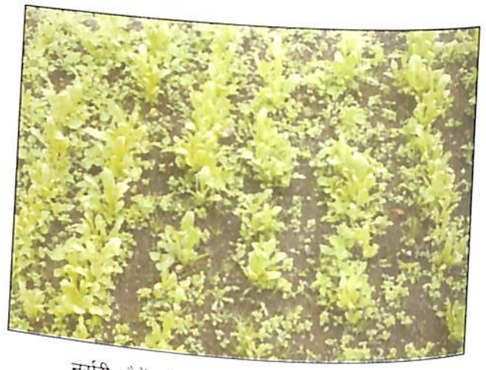

नर्सरी पौधे: केलनडुला ऑफिसनेलिस एल.

सिनरेरिया मरिटिमा

उत्पादित डिजिटल परपुरिया एल. की पत्तियों को सूखना

53. सिलिबम मैरियानम
54. सोलैनम नाइग्रम
55. सिम्फाइटम ओफिसनेल
56. टरैसैकम ऑफिसीनेल
57. थाइमस वल्गेरिस
58. ट्राईफोलियम प्रिटेंस
59. ट्राईफोलियम रेपेंस
60. ट्रोपायोलम मेजस
61. वर्बास्कम थैपसस
62. विओला ओडोराटा

हेलियोट्रोपियम पेरूवियानम एल.

अनुसंधान उद्यान में निम्न दस देशी होम्योपैथी औषधीय पादपों की खेती भी की गई:

1. अधाटोडा वसिका
2. एंड्रोग्राफिस पेनिक्युलेटा
3. सेंटेला एशियाटिका
4. साइट्रस ओरेंटियम
5. कोलियस फोर्सकोली
6. धतुरा मेटेल
7. पोलिगोनम हाइड्रोपाईपर
8. पोलिगोनम पंकटेटम
9. सिज़िगियम क्युमिनी
10. वेटिवरिया जिजेनोयड्स

आधाटोडा जेलनिका मेडिकस

स. वनस्पति–संग्रहालय पत्र (हरबेरियम शीट):

भारत के तमिलनाडु राज्य के इमेराल्ड जिले में स्थित औषधीय पादपों की सर्वेक्षण और संग्रहण इकाई के वनस्पति संग्रहालय को राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्त्रोत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्रदान की गई है और 'हेंडबुक ऑन हरबेरिया–इन इण्डिया एण्ड नेबरिंग कंटरीज़' सूचना पुस्तिका में सम्मिलित की गई है। इसको एक अंतर्राष्ट्रीय संक्षिप्त नाम 'एसएमपीआरजीएच' दिया गया है।

वर्ष 2011–12 में 113 वनस्पति–संग्रहालय पत्रों की अवाप्ति की गई जिससे कुल वनस्पति–संग्रहालय पत्रों की संख्या 8732 हो गई।

6

सहयोगात्मक अनुसंधान

अपनी नैदानिक प्रभावकारिता के कारण होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति दिन–प्रतिदिन लोकप्रियता हासिल कर रही है। यद्यपि इसके कार्य करने की पद्धति स्पष्ट रूप में प्रकट नहीं होने के कारण विवाद बना रहता है। आरंभ से ही होम्योपैथी में अनुसंधान का अधिक महत्त्व रहा है। हाल ही में होम्योपैथी के आधारभूत सिद्धांतो को स्पष्ट करने के लिए अनुसंधान हुए है। आधारभूत/पूर्व–नैदानिक और नैदानिक स्तरों पर विभिन्न अनुसंधान किये गये है।

इस आवश्यकता होती है। चूँकि कि परिषद् के पास ये सुविधाएँ सीमित है अतः परिषद् ने अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए आधारभूत सुविधाओं वाले उत्कृष्ठ संस्थानों के साथ मिलकर अध्ययन करती है। सहयोगात्मक अनुसंधानो का प्रमुख उद्देश्य साक्ष्य–आधारित अन्तर–विषयक अनुसंधान अध्ययन करना और होम्योपैथी की प्रभावकारिता/अवधारणा को वैज्ञानिक मापदण्डों पर सात्यापिक करना है। सहयोगात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत कार्यकलापों का संक्षिप्त विवरण निम्न है–

पूर्ण कर लिये गये अध्ययन

1. "कैंसर के प्रत्यागमन और अवनमित प्रतिरक्षण प्रणाली के नवीनीकरण में होम्योपैथी औषधियों की भूमिका" (अवधि : जुलाई 2008–जून 2011)

कैंसर के प्रत्यागमन और अवनमित प्रतिरक्षण प्रणाली के नवीनीकरण में होम्योपैथी औषधियों की भूमिका का पता लगाने के लिए बोस संस्थान, कोलकाता के सहयोग से चूहा प्रतिरूप (मॉडल) पर आधारित एक अध्ययन किया गया। इसका उद्देश्य अर्बुद (ट्यूमर) की वृद्धि होम्योपैथी औषधियों की भूमिका और रोग प्रतिरोधक क्षमता–नियंत्रणकारी गुणों की खोज करते हुए कैंसर कोशिकाओं पर होम्योपैथी औषधियों के उपचारात्मक प्रभावों का मूल्यांकन करना है।

परिणामों से स्पष्ट है कि होम्योपैथी औषधियाँ प्रत्यागमित कैंसर कोशिकाओं और अवनमित रोग प्रतिरक्षण क्षमता को नवीनीकरण करने में सक्षम है। परिणामों द्वारा हमें अध्ययन में उपयोग की गई होम्योपैथी औषधियों के बारे में भी जानकारी मिलती है :–

- थूजा 30सी और मर्स्क.सोल.30सी. ने पी 53 वाइल्ड टाइप एम सी एफ–7 स्तन कैंसर कोशिका रेखा में एपोप्टोसिस प्रवृत्त किया।
- सल्फर 6सी, 30सी और 200सी नॉन–लघु–कोशिका फेफड़ें का कैंसर कोशिका रेखा में प्रभावकारी पायी गई।
- सिलिरिया 200सी पी 53 + /रस जीवी क्यूटेशन को दर्शाते हुए वृहदआंत्र कार्सिनोमा पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव डाला।
- कलकेरिया कार्ब 6सी ने विभिन्न प्रतिरक्षण अंगों की अर्बुद धारित कोशिकाओं को ठीक कर दिया।

इसने टी कोशिकाओं को टी कोशिकाओं के बहुप्रसरण द्वारा उन्हें पुनः एकत्रित किया।

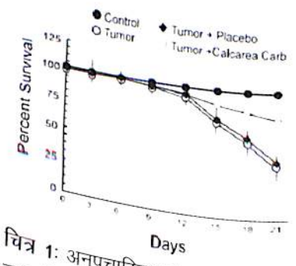

चित्र 1: अनुपचारित एवं कलकेरिया कार्ब से उपचारित अर्बुद ग्रस्त चूहों में जीवन प्रत्याशा प्रतिशत का ग्राफ द्वारा प्रदर्शन।

2. "सिजिगियम जम्बोलेनम और सिफालेन्ड्रा इंडिका होम्योपैथिक औषधियों के मधुमेह प्रतिरोधी गुणों का अध्ययन" (अवधिः जुलाई, 2008–जून, 2011)

टाइप–2 मधुमेह रोग 21वीं शती का सर्वाधिक भंयकर रोग बनकर उभर रहा है। कुछ उत्तकों के द्वारा इन्सुलिन ग्रहण न करने की विकारी भारीर क्रिया के कारण टाइप–2 मधुमेह रोग होता है, जिसका कारण इन्सुलिन का अप्रर्याप्त स्राव भी हो सकता है। सिजिगियम जम्बोलेनम और सिफालेण्ड्रा इंडिका होम्योपैथिक औषधियों मदर टींचर 6सी, 30सी में मधुमेह प्रतिरोधी गुणों का पता लगाने के लिए डा. ए एल एम स्नातकोत्तर आधारभूत चिकित्सा विज्ञान संस्थान, मद्रास विश्वविद्यालय में एक अध्ययन की शुरूआत की गई है। अध्ययन का उद्देश्य इन दोनों औषधियों के टाइप–1 और टाइप–2 मधुमेंह मे प्रतिरोधी गुणों का चूहा प्रतिरूप (मॉडल) में अध्ययन करते हुए इसके आणिवक क्रियाविधी के महत्व को स्पष्ट करना है। वर्तमान अध्ययन इस अवधारणा पर आधारित है कि सिजिगियम जेम्बोलेनम और सिफालेण्ड्रा इंडिका से तैयार होम्योपैथी औषधियाँ से मधुमेह ग्रस्त चुहों में इंसुलिन हार्मोन को नियंत्रित व नियमित किया जा सकता है।

प्रयोगात्मक अवस्था में 30 दिनों के उपचार उपरांत इंसुलिन, कॉलेस्टोल, ट्राईग्लिसराइड्स, लिपोप्रोटीन्स, ग्लूकोन, आक्सीकरण, इंसुलिन स्राव का आंत्र पेशी में मूल्यांकन किया गया। मधुमेह ग्रस्त चहों ने ग्लूकोस के स्तर एवं ऑक्सीकरण में महत्त्वपूर्ण कमी और आईआर, आइ आर एस–1, पी–आई आर एस–1, टी बाय आर 632, ए के टी, पी –ए के टी एस इ आर 473 और जीएलयूरी 4 प्रोटीन का मूल्यांकन किया गया। होम्योपैथी औषधियों द्वारा परिवर्तनों को सामान्य अथवा सामान्य के बराबर स्तरों पर लाया गया।

अध्ययन से यह निष्कर्ष निकला कि सिजिगियम जेम्बोलेनम (6सी, 30सी) और सिफलेण्ड्रा इंडिका (30सी) से तैयार होम्योपैथी औषधियाँ इंसुलिन के स्राव और ग्लूकोस के स्तरों को नियंत्रित व नियमित करती है। यद्यपि यह टाइप–1 एनिमल मॉडल की अपेक्षा टाइप–2 एनिमल मॉडल में अधिक कारगर है।

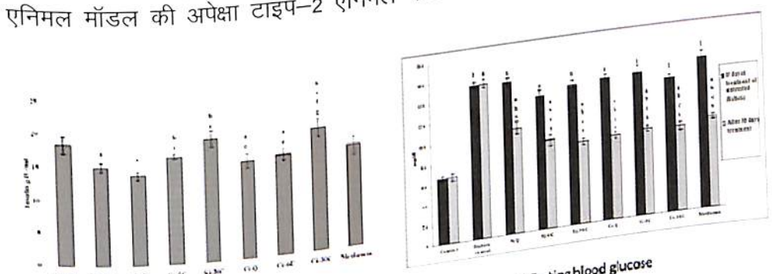

अ) सिरम इंसुलिन ब) रक्त में शर्करा

चित्र–2: सिजिगियम जम्बोलेनम और सिफालेण्ड्रा इंडिका से निर्मित होम्योपैथी औषधि का (अ) सिरम इंसुलिन (ब) व्यस्क मधुमेह ग्रस्त चूहे की रक्त में शर्करा स्तर पर प्रभाव

3. "गुर्दे की पत्थरी के रोग के निदान में होम्योपैथी औषधि बरबैरीज वुलगैरीज की रक्षात्मक भूमिका और आण्विक घटनाओं, जिनके कारण केल्सियम ऑक्सॉलेट क्रिस्टल का निक्षेपण होता है, पर इसका प्रभाव" (अवधि : फरवरी 2010–जनवरी 2012)

बेरबैरीज वलगैरीज होम्योपैथी चिकित्सा में सामान्यतः उपयोग की जाने वाली औषधि है जिसका उपयोग विभिन्न पोटेन्सियों से गुर्दे की पत्थरी के उपचार में किया जाता है। गुर्दे की पत्थरी के रोग के निदान में होम्योपैथी औषधि बेरबैरीज वलगैरीज की रक्षात्मक भूमिका और आण्विक घटनाओं, जिनके कारण कैल्सियम ऑक्सॉलेट क्रिस्टल का निक्षेपण होता है पर इसका प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए डा. ए.एम.एम. स्नातकोत्तर आधारभूत चिकित्सा विज्ञान संस्थान मद्रास विश्वविद्यालय में चूहा मॉडल पर एक पूर्व–नैदानिक अध्ययन आरम्भ किया गया। चूंकि गुर्दे की पत्थरी का संबंध ऑक्सलेट दबाव और अवसाद से होता है अतः अध्ययन क्यू 6 एक्स, 30सी और

200सी पोटेंसी में बरबेरीज वुलगैरीज की इन लक्षणों के विरूद्ध प्रभावकारिता की जाँच हेतु लक्षित है। अध्ययन परिणामों का संक्षेप निम्न है–

- यह अध्ययन दर्शाता है कि बेरबैरीज वलगेरीज अपने एन्टी ऑक्सीडेंट गुणों के कारण गुर्दे पर ऑक्सालेट के विषकारी प्रभाव को कम करता है।
- बरबैरीज वुलगेरीज की 30सी पोटेंसी की तुलना में 200 सी पोटेंसी से मूत्र संघटकों को सामान्य स्तर पर लाया जा सकता है।
- 30 सी पोटेंसी से मूत्र मार्कर एजाइम को सामान्य स्तर पर एवं 200सी पोटेंसी से पूर्णतः सामान्य स्तर पर लाया जा सकता है।
- बरबेरीज क्लगैरीज से हाइपरोक्सलुरिया जनित मेक्रो आण्विक क्षति को नियंत्रित किया जा सकता है।
- उपचारित चूहों के गुर्दे पर ऑक्सालेट के विशकारी प्रभावों का पता लगाने हेतु एथीलीन ग्लाईकॉल में महत्त्वपूर्ण उतकीय परिवर्तनों को दर्ज किया गया, लेकिन बरबेरीज वुलगैरीज ने इस रूपतामक परिवर्तन को रोका, जिससे इसकी गुर्दे की रक्षात्मक भूमिका सिद्ध होती है।
- बेरबैरीज वलगेरीस के उपयोग ने महत्वपूर्ण परिवर्तनों जैसे टी एच पी और आई जी जी कप्पा के स्तर को भी नियंत्रित किया, जिससे पत्थरी बनने की संभावनाएँ कम हुई। इसने एन्टी और प्रो–एयोप्टोरिक प्रोटीन्स के स्तरों का भी परिवर्तन किया जिससे एपोप्टोसिस की संभावनाएँ कम हुई जिससे कोशिकाओं की क्षति को रोकने इसकी लाभदायक भूमिका का पता चलता है।

औषधि की मात्रा	आण्विकता	संघटकता
मदर टिंचर	49.78629	–228.7
6सी	22.29685	पूर्ण इनहिबिशन
30सी	35.53871	पूर्ण इनहिबिशन
200सी	63.25563	पूर्ण इनहिबिशन

चित्र–3: अन्तःपात्र केल्सियम ऑक्सलेट आण्विक और एकत्रीकरण पर विभिन्न पोटेंसियों में बेरबेरीज क्लगैरीज का प्रभाव।

4. "होम्योपैथी औषधियों की प्रतिरक्षण अनुकूलन और प्रति ऑक्सीकारक संभाव्यता के लिए कुछ होम्योपैथी औषधियों का मूल्यांकन करना" (अवधि : अप्रैल 2009–मार्च, 2012)

यह माना जाता है कि होम्योपैथी औषधियाँ अपनी प्रतिरक्षण अनुकुलन और प्रति ऑक्सीकारक गुणों से मरीज को फायदा पहुँचाती है लेकिन इस तथ्य को सिद्ध करने के लिए प्रयोगशाला साक्ष्यों का अभाव है। वर्तमान अध्ययन हर्बल विथानिया सोमनिफेरा और कोमिफोरा मुकुल के साथ होम्योपैथी औषधियों जैसे अजादिरक्ता इंडिका, सेलेनियम, मर्क्यूरियस सोल्युबिलिस, एम्बलिका, ऑफिसनैलिस का अतः पात्र और अंतर्जीव प्रतिक्षेपों (मॉडल) प्रतिरक्षण अनुकूलन और प्रति ऑक्सीकारक गुणों के मूल्यांकन हेतु लक्षित है। अध्ययन की शुरूआत भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, ईज्जत नगर के सहयोग से की गई।

इस अध्ययन से निम्न परिणाम प्राप्त हुए:

अन्तः पात्र

प्रयुक्त की गई सभी पोटेंसियों में 6सी पोटेंसी सर्वाधिक उपयुक्त अन्य पोटेंसियों 30सी, 200सी और 1एम थी। प्रतिरक्षण अनुकूलन और प्रतिआक्सीकरण दोनों के लिए प्रकृति समान थी।

एन्टीऑक्सिडेंट गुण

➢ विभिन्न पोटेंसियों औषधीय पादपों में होम्योपैथी औषधियों के एंटीऑक्सिडेंट गुण अवरोही क्रम में अजादिरक्ता इंडिका (6सी), सेलेनियम (6सी), शर्क्यूरियस सोल्युबिलिस (6सी), विथानिया सोमनिफेरा,

अजादिरचता इंडिका (30सी), सेलेनियम (30सी), मर्क्यूरियस सोल्युबिलिस (30सी), एम्बलिका ऑफिसनैलिस, सेलेनियम (200सी), कोमिफोरा मुकुल, मर्क्यूरियस सोल्यूबिलिस (200सी), अजादिरक्ता इंडिका (1एम), सेलेनियम (1एम) और मर्कयूरियस सोल्युबिलिस (1एम) है।

प्रतिरक्षण अनुकूलन गुण

➢ विभिन्न पोटेंसियों औषधीय पादपों में होम्योपैथी औषधियों के प्रतिरक्षण अनुकूलन गुण अवरोही क्रम में– सेलेनिय (6सी), सेलेनियम (30सी), अजादिरक्ता इंडिका (6सी), अजादिरक्ता इंडिका (30सी), मर्क्यूरियस सोल्युबिलिस (6सी) और अच्छे औषधीय पादप विथानिया सोमनिफेरा और कोमिफोरा मुकुल सहित।

अंतर्जीव

एन्टीऑक्सीडेंट क्रिया मूल्यांकन

➢ विभिन्न पोटेंसियों और औषधीय पादपों में होम्योपैथी औषधियों के एन्टीआक्सिडेंट गुण अवरोही क्रम में – अजादिरक्ता इंडिका (6सी), सेलेनियम (6सी), मर्क्यूरियस सोल्युबिलिस (6सी), विथानिया सोमनिफेरा, अजादिरचता इंडिका (30सी), सेलेनियम (300सी) और एम्बलिका ऑफिसनैलिस।

प्रतिरक्षण अनुकूलन मूल्यांकन

सेलुलर इम्यून प्रतिक्रिया : होम्योपैथी इम्यूनोमॉइयूलेटर्स और औषधीय पादपों का सेलुलर इम्यून प्रतिक्रिया का प्रभावकारी क्रमः सेलेनियम (6सी), विथानिया सोमनिफेरा, सेलेनियम (30सी), अजादिरयता इंडिका (6सी) कोमिफोरा मुकुल (प्रभावकारिता के घटते क्रम में)।

5. "चिन्हित होम्योपैथी औषधियों की प्रभावकारिता के मूल्यांकन हेतु बहुकेन्द्रिक खुला नैदानिक परीक्षण।" 1) शराब एवं अफीम के आदियों में इनको छोड़ने पर होने वाले दुष्प्रभावों के उपचार हेतु 2) शराब एवं अफीम के आदियों में शराब एवं अफीम को छोड़ने पर उत्पन्न होने वाले नकारात्मक लक्षणों के उपचार हेतु और 3) शराब और अफीम को छोड़ने पर होने वाले सामयिक दुष्प्रभाव (अवधिः सितम्बर 2008–अगस्त 2011)

सोसायटी फॉर प्रोमोशन ऑफ यूथ एंड मासेस के साथ निम्न उद्देश्यों हेतु होम्योपैथी औषधियों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए दिल्ली व दार्जिलिंग स्थित इकाईयों पर अध्ययन आरंभ किया गया।

1. शराब एवं अफीम के आदियों में इनको छोडने पर होने वाले दुष्प्रभावों का उपचार
2. शराब एवं अफीम के आदियों में इनकों छोडने पर होने वाले प्रतिकूल लक्षणों का उपचार
3. शराब और अफीम के दुरूपयोग एवं मांस में इनको छोडने पर होने वाले दुष्प्रभावों से बचाव

अध्ययन में 147 मरीजों को नामांकित किया गया जिसमें से 198 शराब के आदी मरीज और 127 नामांकित मरीजों मे से 97 अफीम के आदी मरीज थे। आंकडों का विश्लेषण प्रगति पर है।

चल रहे अध्ययन

1. "होम्योपैथी औषधियों का भेषज गुण वैज्ञानिक मूल्यांकन"

होम्योपैथी औषधियों का भेषजगुण वैज्ञानिक मूल्याकंन केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के साथ फरवरी 2011 से *"होम्योपैथी औषधियों का भेषज गुण वैज्ञानिक मूल्यांकन"* पर अध्ययन चल रहा है। जिसका उद्देश्य चूहों पर औषधि की विभिन्न मात्रा का भेषजगुण वैज्ञानिक कार्य कलापों का मूल्यांकन करना है। अध्ययन के अंतिम परिणाम अच्छे है, जो कि संक्षेप में निम्न है।

- लाइकोपोडियम 30सी ने अनुशिथिलन, प्रंकुचन और धमनी रक्त चाप का मान कम किया, हृदय मापदण्डों को महत्त्वपूर्ण रूप से नियंत्रित किया। संक्षेप में हृदय वाहिका कार्यो को सुचारू करने में लाइकोपोडियम 30सी कुछ हद तक प्रभावकारी है।

- स्मृति कार्यो में यह पाया गया की चूहों की सीखने एवं स्मृति शक्ति में लाइकोपोडियम के निस्तर से फायदा हुआ।
- शोथ रोधी कार्यो में लाइकोपोडियम का परीक्षण किया गया और यह पाया गया कि इसने चूहे के पंजे के प्रथम एच 3 व 4 एच में शोधरोधी कार्य किया। लाइकोपोडियम 30सी ने 3 व 4 एच लाइकोपोडियम 200सी ने 1एच और लाइकोपोडियम 200सी ने 1 एच और लाइकोपोडियम 1 एम ने 1 एच में महत्त्वपूर्ण शोथ रोधी प्रभाव दर्शाये।
- अमाशय व्रण मॉडल में, लाइकोपोडियम (क्यू 30सी, 200सी और 1एम) ने शराब के कारण होने वाले अमाशय व्रण के विरूद्ध महत्त्वपूर्ण सुरक्षा (55–67%) सुरक्षा दर्शायी।

2. **"चिकित्सा विश्लेषक प्रणाली से हृदय गति परिवर्तनशीलता (एच आर वी) और रक्त प्रवाह परिवर्तनशीलता (वी एफ वी) पर होम्योपैथी औषधियों और पोटेंसियों की अभिक्रिया पर एक बहुकेंद्रिक अध्ययन"**

शरीर क्रियात्मक परिवर्तनशीलताओं पर होम्योपैथी औषधियों के प्रभाव के प्रमाणीकरण का पता लगाने के लिए चिकित्सा विश्लेषक प्रणाली से हृदय गति परिवर्तनशीलता (एचआरवी) और रक्त प्रवाह परिवर्तनशीलता (वी एफ वी) पर होम्योपैथी औषधियों और पोटेंसियों की अभिक्रिया पर एक बहुकेंद्रिक अध्ययन शुरू किया गया है। इस अध्ययन के अंतरिम परिणाम वैकल्पिक एवं सहायक चिकित्सा पत्रिका, 2011 (अंक 17 (8)) में प्रकाशित हुए जिसमें होम्योपैथी औषधियों के स्वचालित तंत्रिका तंत्र पर प्रभावों को प्रस्तुत किया गया। अब तक 138 नमूने प्राप्त कर लिये गये है और भविष्य के अध्ययनों को ध्यान में रखते हुए कई अन्य पायलट अध्ययन शुरू किये गये है।

3. **वैद्युत–शरीर क्रियात्मक संकेतकों का प्रयोग करते हुए मांसपेशियों की थकान में होम्योपैथी औषधि आर्निका मोन्टाना की प्रभावकारिता : एक यादृच्छिक, डबल ब्लांइड और क्रॉस–ऑवर परीक्षण– एक पायलट अध्ययन**

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् द्वारा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान की जैव चिकित्सा प्रोद्यौगिकी इकाई के सहयोग से "वैद्युत भारीर क्रियात्मक संकेतकों का प्रयोग करते हुए मांसपेशियों की थकान में होम्योपैथी औषधि आर्निका मोन्टाना की प्रभावकारिता एक यादृच्छिक, डबल ब्लांइड और क्रॉस–ऑवर परीक्षण"–एक पायलट अध्ययन किया गया। अध्ययन ने शरीर उपयुक्त बहुस्तरीय मापदण्डों का प्रयोग करते हुए मांसपेशियों की थकान के मूल्यांकन हेतु उचित उपकरणों का प्रयोग करते हुए वैज्ञानिकता पर आधारित परिणामों को प्रस्तुत किया। इस अन्वेक्षण अध्ययन का उद्देश्य इमंपेडेन्स रक्त संचार मापन (आई पी जी), विद्युत पेशी लेखन (इ एम जी), फोटोप्लेथिसिमोग्राफी (पीजीजी) पल्स ट्रांजिट समय (पी टी टी), इलेक्ट्रो कार्डियोग्राफी (इ सी जी) और मापक जैसे विजुअल एनालॉग स्केल (वी ए एस) प्राप्त थकान दर (आर पी इ) आदि का प्रयोग करते हुए मांसपेशियों की थकान को मापना था। अध्ययन अभी अनअंतिम अवस्था में है जहां की बहुत से उद्देश्य प्राप्त करने हेतु लक्षित है।

शुरू किये गये अध्ययन

1. **"गर्भावस्था पीड़ा में होम्योपैथी चिकित्सा की प्रभावकारिता'**

गर्भावस्था पीड़ा सहित प्रसूति की विभिन्न अवस्थाओं में होम्योपैथी चिकित्सा का उपयोग होता रहा है लेकिन अभी इस क्षेत्र में प्रतिवेदित याद च्छिक परीक्षणों का अभाव है। सर अरबिन्दो समग्र स्वास्थ्य एवं अनुसंधान संस्थान, कटक के साथ मिलकर 'गर्भावस्था पीड़ा पर होम्योपैथी चिकित्सा पद्धत्ति की प्रभावकारिता' शीर्शक से एक यादृच्छिक प्लासिबो नियंत्रित परीक्षण किया गया। इस अध्ययन का प्राथमिक उद्देश्य गर्भावस्था पीड़ा के उपचार में होम्योपैथी चिकित्सा की प्रभावकारिता का पता लगाना है। गर्भावस्था पीड़ा के उपचार में 7 होम्योपैथी औषधियों (असटिय रेसमोसा, बेलाडोना, कोलोफाईलम, जलसिमियम, नक्स वोमिका, पल्सैटिला और सिकेल कोर.) पर प्रकाश डाला गया।

2. **"तंत्रिका स्टेम सेल के बहुप्रसरण और पृथक्करण पर कुछ होम्योपैथिक औषधियों का अन्तःपात्र अध्ययन"**

परिषद् ने पश्चिम बंगाल तकनीकी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के साथ एक अग्रणी अध्ययन "तंत्रिका स्टेम सेल के बहुप्रसरण और पृथक्करण पर कुछ होम्योपैथिक औषधियों का अन्तःपात्र अध्ययन (**मार्च 2012**)" किया गया। अध्ययन तंत्रिका स्टेम कोशिकाओं के बहुप्रसरण और पृथक्करण पर होम्योपैथिक दवाओं के प्रभाव और पोटेंटिकृत होम्योपैथिक औषधियों का अन्तःपात्र में तंत्रिका स्टेम कोशिकाओं पर संभावित असर और प्रभावकारिता के निर्धारण को प्रदर्शित करता है। अध्ययन तथ्य इस वजह से महत्व रखते है कि अगर होम्योपैथी औषधियों तंत्रिका स्टेम कोशिकाओं के पृथक्करण पर प्रभावी है तो ये विभिन्न मानसिक बीमारियां जैसे मोटर न्यूरॉन रोग, पार्किन्सनिज्म, अल्जाइमर और अन्य डिमेन्टिस आदि के उपचार में सहायक हो सकती है।

3. **"होम्योपैथिक औषधियों के सुरक्षा और प्रभावकारिता अध्ययनों" और "होम्योपैथिक औषधियों के प्रारंभिक भेषजगुण अध्ययन"**

चिकित्सीय सफलताओं के विभिन्न स्तरों पर कुछ होम्योपैथिक औषधियों जैसे बेलिस पेरिनिस, कुरकुमा लोंगा, राउवोलफिया सरपेनटाइन, रिसिनस कम्युनिस, ट्रिबुलस टिररेसट्रिस और ट्रमिनालिया अर्जुना का उपयोग होता रहा है, लेकिन पशु मॉडल पर उनका सुरक्षा प्रभावकारिता अध्ययन और भेषजगुण वैज्ञानिक कार्यों का अध्ययन शायद ही किया गया है। इस विचार को ध्यान मे रखते हुए और आगे का पता लगाने के लिए परिषद् ने "होम्योपैथिक औषधियों के सुरक्षा और प्रभावकारिता अध्ययनों" और "होम्योपैथिक औषधियों के प्रारंभिक भेषजगुण अध्ययन" नामक दो अध्ययनों को भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के औषध विभाग के साथ आरंभ किया। इन दो अध्ययन से बेलिस पेरिनिस, कुरकुमा लोंगा, राउलफिया सरपेनटाइन, रिसिनस कम्युनिस, ट्रिबुलस टररिसट्रिस, ट्रिरमिनालिया अर्जुना के मदर टिंचर के आक्षेपक, हृदय एवं रक्तवाहिकाओं की गतिविधि, विरोधी शोथयुक्त, एनाल्जेसिक और तीव्र एवं अर्धचिरकारी विषालुता आदि को प्रकट किया। यह उल्लेखित औषधियों और उनके नैदानिक उपयोगों के मानकीकरण में सहायता करेगा।

प्रकाशनः

1. **चिकित्सा विश्लेषक का प्रयोग करते हुए होम्योपैथी में वैज्ञानिक परीक्षणों पर एक अनवेक्षणात्मक अध्ययन। वैकल्पिक और सहायक चिकित्सा पत्रिकाः 2011;17(8): 705–710।**

हृदय स्पन्दन दर और रक्त प्रवाह की शारीरिक क्रिया विज्ञान विभिन्नता पर होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव जिसको की अन्यथा मापा नही जा सकता, के अवलोकन हेतु यह अध्ययन किया गया। यह अध्ययन चिकित्सा विश्लेषक प्रणाली (एमएएस) (इलेक्ट्रोनिक डिविजन, भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर, मुम्बई, भारत) का प्रयोग करते हुए स्वस्थ्य व्यक्तियों में चयनात्मक होम्योपैथिक औषधियों की स्वचालित प्रतिक्रिया का पता लगाने का एक प्रयास था। एकोनिटम नेपलस (6सी, 10एम), अरसेनिकम एलबम (200सी, 1एम), जेलसिमियम सेमपरवायरनस (200सी, 1एम), फासफोरस (200सी, 1एम), पुलसाटिला निगरिकेनस (200सी) और सल्फर (200सी, 1एम) बनाम प्लासिबो नियंत्रण का उपयोग कर चिकित्सा विश्लेषण प्रणाली की सहायता लेते हुए 77 व्यक्तियों की उपचार से पूर्व एवं उपचार के उपरांत हृदय स्पन्दन दर और रक्त प्रवाह को दर्ज किया गया। उपचार के उपरान्त विश्लेषण के लिए चोटियों के आयाम अर्थात कम आवृत्ति, मध्यम आवृत्ति और उच्च आवृत्ति को मापा गया। किसी भी वैध अधिकता या कमी में 100% वृद्धि या 50% कमी को महत्वपूर्ण परिवर्तन माना गया। यह देखा गया है कि एकोनाइटम नेपलस ने 30सी पोटेंसी में हृदय स्पन्दन दर परिवर्तनशीलता पर और 1एम पोटेंसी में रक्त प्रवाह परिवर्तनशीलता पर डाला। सल्फर 200सी और 1एम, जेलसिमियम 200सी और पलसाटिला 200सी ने हृदय दर परिवर्तनशीलता पर प्लासिबो के 16.6% प्रभाव की तुलना में 62.5 प्रतिशत प्रभाव डाला। जेलसिमियम, फासफोरस और सल्फर ने एक पोटेंसी में रक्त प्रवाह परिवर्तनशीलता पर प्रभाव डाला (चित्र 4) जो कि एकोनाइटम नेपलस 1एम के प्रभाव के समान था। इन आंकड़ो से पता चलता है कि स्वयनियंत्रणकारी तंत्रिका तंत्र के शारीरिक क्रिया विज्ञान मापदण्डों पर होम्योपैथिक औषधियों के प्रभावों को दर्ज करना संभव है।

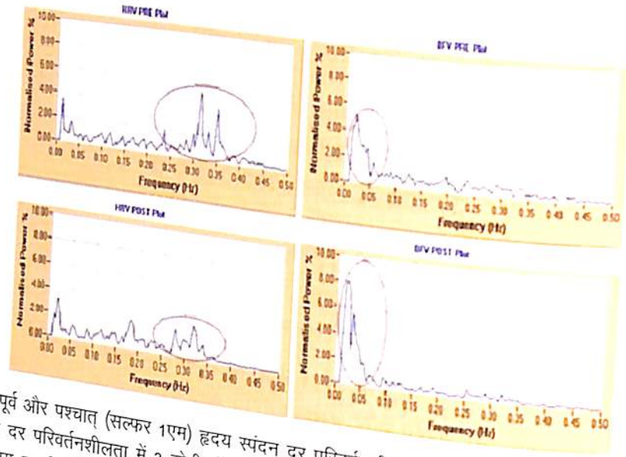

चित्र–4: उपचार से पूर्व और पश्चात् (सल्फर 1एम) हृदय स्पंदन दर परिवर्तनशीलता और रक्त प्रवाह दर परिवर्तनशीलता का औसत विस्तार। हृदय स्पंदन दर परिवर्तनशीलता में 3 चोटी के आयाम में आधे तक कमी होती है जबकि रक्त प्रवाह दर भिन्नता में प्रथम चोटी आयाम में लगभग दुगनी वृद्धि होती है।

2. **"बेलाडोना 200" का सेवन करने वाली माताओं के नवजात चूहों का वायरूलेंट नाकयम स्ट्रेन जापानी मस्तिष्क शोथ विषाणु संक्रमण से बचाव। अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्मजीवविज्ञान अनुसंधान पत्रिका 2 (3): 252–257, 2011।**

बहुत से देशों में जापानी मस्तिष्क शोथ (जेई) का प्रसार अभी भी हो रहा है जो कि बहुत से लोगो की मृत्यु और विकलांगता से युक्त जीवन का कारण बन रहा है। इस रोग की कोई प्रभावकारी औषधि नहीं है और गरीब ग्रामीण जनसंख्या एवं अत्यधिक जनाधिक्य वाले महामारी संभावित क्षेत्र में टीकाकरण संभव नहीं है। अतः इस बीमारी का उपचार खोजने हेतु समस्त संभव उपायों को अपनाना समय की मांग है। यह अध्ययन नवजात चूहा मॉडल में जापानी मस्तिष्क शोथ पर बेलाडोना 200सी के बचावात्मक प्रभाव का पता लगाने हेतु लक्षित था। प्रयोगात्मक समूह में, माता चूहों का उपचार बेलाडोना 200सी से दो समूहों–प्रथम समूह का उपचार 7 दिनों के लिए और द्वितीय समूह का उपचार 14 दिनों के लिए किया गया। नियंत्रित समूह में माता चूहों का उपचार बेलाडोना 200सी से नही किया गया। प्रत्येक समूह के नवजात चूहों को मानक प्रोटोकॉल के अनुसार जापानी मस्तिष्क शोथ विषाणु से ग्रसित किया गया।

नियंत्रित समूह (संख्या = 96) जिसमें माताओं का उपचार औषधि से नही किया गया था, की औसत अस्तित्व दर 47.92 प्रतिशत, नवजात चूहों के प्रयोगात्मक समूह प्रथम (संख्या = 67) जिसमें माताओं का उपचार बेलाडोना 200सी से 7 दिनों के लिए किया गया, की औसत अस्तित्व दर 80.60 प्रतिशत और नवजात चूहों के प्रयोगात्मक समूह द्वितीय (संख्या = 53) जिसमें माताओं का उपचार औषधि से 14 दिनों के लिए किया गया, की औसत

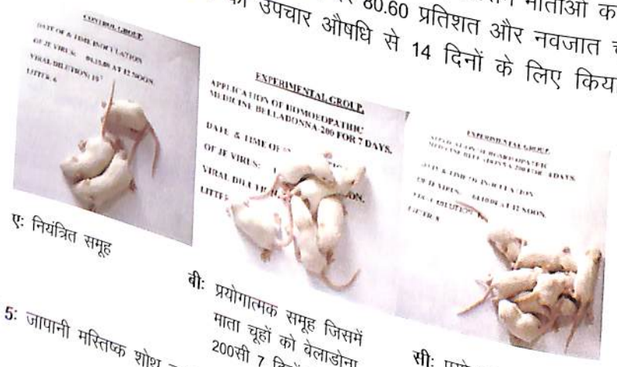

एः नियंत्रित समूह **बीः** प्रयोगात्मक समूह जिसमें माता चूहों को बेलाडोना 200सी 7 दिनों तक दी गई। **सीः** प्रयोगात्मक समूह जिसमें माता चूहों को बेलाडोना 200सी 14 दिनों तक दी गई।

चित्र 5: जापानी मस्तिष्क शोथ वायरस के टीकाकरण के 30 दिन के उपरान्त जीवित नवजात चूहे

अस्तित्व दर 79.24 प्रतिशत थी। नियंत्रित समूह और प्रयोगात्मक समूहों के बीच में अन्तर अत्यधिक महत्वपूर्ण (पी मान <0.01) थे। यद्यपि दोनों प्रयोगात्मक समूहों में कोई महत्त्वपूर्ण अन्तर नही था। (चित्र वी ए, बी, सी)

3. **नेनोमेडिसिन के रूप में उदयीमान होम्योपैथी। इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ हाई डाइल्यूशन रिसर्च 2011: 10(37): 299–310।**

होम्योपैथिक औषधियाँ एक विशेष प्रक्रिया के द्वारा तैयार की जाती है जिसे पोटेंटीकरण कहा जाता है, जिसमें अवमिश्रण के प्रत्येक स्तर पर क्रमिक अवमिश्रणां पर शक्तिशाली प्रहार किये जाते है। होम्योपैथी विवादस्पद है क्योंकि अधिकतर औषधियों में संबंधित प्रारंभिक तत्वों का एक एकल अणु सम्मिलित नहीं होता है। इसलिए, होम्योपैथिक औषधियों की कार्य प्रणाली को स्पष्ट करने वाले एक संभव सूक्ष्म विज्ञान तंत्र की खोज करने हेतु यह अध्ययन किया गया। अत्यंत शुद्ध नमूनों को तैयार किया गया और स्कैनिंग (एसईएम) और संचरण इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (टीईएम) और ऊर्जा फैलाने वाला एक्स–रे विश्लेषण (ईडीएक्स) के अर्न्तगत इनका परीक्षण किया गया। सिलिकॉन हेतु ट्रेस तत्व परीक्षण (टीईए) किया गया। सिलिकॉन हेतु ट्रेस तत्व परीक्षण (टीईए) किया गया। होम्योपैथिक औषधियों ने 'कुछ नहीं' नहीं होने को प्रदर्शित किया, लेकिन सूक्ष्म कणों और उनके सह–सगंठनों को प्रदर्शित किया, जो क्रिस्टलीय प्रकृति के थे और सिलिकॉन से पूर्ण थे। पोटेंटीकरण में शक्तिशाली प्रहारों के दौरान, क्रमिक रूप से अवमिश्रित मूल पदार्थ से प्राप्त जानकारी परिणामतः होम्योपैथिक औषधियों मे मौजूद सिलिकॉन वाले क्रिस्टलीय सूक्ष्म कणों पर एपिटेक्सी द्वारा इन्क्रिप्टेड़ हो सकते है। सूक्ष्म कणों पर इन्क्रिप्टेड सूचना का 'आकार' अवमिश्रण की मात्रा के आधार पर भिन्न हो सकती है। जैसा की होम्योपैथिक औषधियाँ राहतकारी प्रभाव प्रदर्शित करती है, ये सूक्ष्म कण अपनी स्तह पर उक्त तलों के बीच जल द्वारा भी सूचना को ले जा सकता है, जिसको की जैविक व्यवस्था के अर्न्तगत पहचाना व लक्षित किया जा सकता है। जैसा कि सिलिका के विभिन्न रूपों को प्रोटीनों और प्रतिरक्षा प्रणाली की कोशिकाओं से संबंधित माना जाता है, इसमें होम्योपैथी एक सूक्ष्म चिकित्सा पद्धति प्रदर्शित कर सकती है। आगे की संभव पुष्टि हेतु सामग्री और उक्ततलों के बीच के जल के अनुसंधान की आवश्यकता है।

7

प्राकार-बाह्य अनुसंधान

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् आयुष विभाग को प्राकार बाह्य अनुसंधान योजना के अन्तर्गत होम्योपैथी से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं का समन्वय कर रही है।

नये प्रस्तावों और 2 अनुवर्तन प्रस्तावों को चुनने के लिए 5 अप्रैल 2011 को आंतरिक छँटाई समिति की बैठक हुई। प्रस्तावों को संशोधनों के लिए पुनः मुख्य अनुसंधाताओं के पास भेज दिया गया। संयुक्त सचिव, आयुष विभाग की अध्यक्षता में 22 सितम्बर, 2011 को परियोजना मूल्यांकन समिति की एक बैठक आयोजित हुई। परियोजना मूल्यांकन समिति की सिफारिशों के आधार पर 4 अनुवर्तन प्रस्तावों और 3 पूर्ण अध्ययनों योजना के अन्तर्गत अनुदान की सहमति दी गई। आंतरिक छँटाई समिति द्वारा छाँटें गये तीन नये प्रस्तावों में से एक नये अध्ययन का अनुमोदन परियोजना मूल्यांकन समिति द्वारा भी किया गया। आंतरिक छँटाई समिति की एक अन्य बैठक 22 दिसम्बर, 2011 को हुई जिसमें 4 नये प्रस्तावों और 1 नये प्रस्ताव को छाँटा गया।

वर्ष के दौरान निम्न अध्ययन आरंभ किये गये:–

1. पादप आधारित जैव आमापन को एक प्रतिरूप के रूप में उपयोग करते हुए विभिन्न तिथियों को तैयार की गई पोटेंटिकृत होम्योपैथी औषधियों के प्रभाव–मिनरल्स एवं मेटिरियल्स तकनीकी संस्थान, सीएस आई आर, भुवनेश्वर।
2. एलोक्सोन प्रेरित मधुमेह ग्रस्त चूहों में एलोक्सोन के उच्च आण्विक अवमिश्रणों के प्रतिमधुमेह कारक प्रभावों के प्रकार एवं उनकी प्रणाली की पहचान–प्रयोगात्मक औषधि एवं जैव तकनीकी विभाग, पी जी आई एम इ आर, चंड़ीगढ़।

प्राकार बाह्य अनुसंधान समीक्षा समिति

पूर्ण किये गये अध्ययन

क्र.सं.	संगठन एवं प्रमुख अनुसंधाता का नाम	परियोजना का नाम	अध्ययन की अवधि
1	जवाहर लाल नेहरू स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा संस्थान, पुदुचेरी **डा. वी.एस. नेगी**	रूमेटाइड संधि शोथ का होम्योपैथी औषधियों द्वारा उपचार में इम्यूनोलोजिकल अध्ययन	3 वर्ष
2	जवाहर लाल नेहरू स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा संस्थान, पुदुचेरी **डा. वी.एस. नेगी**	रूमेटाइड सन्धिरोग में होम्योपैथी औषधियों द्वारा साइटोकाइन प्रोफाईल का नियंत्रणः अन्तः पात्र (इन विट्रो) अध्ययन	2 वर्ष

चल रहे अध्ययनः

क्र.सं.	संगठन एवं मुख्य अनुसंधाता का नाम	परियोजना का शीर्षक
1	डा. ए.सी. होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, भुवनेश्वर, ओडिशा डा. एल.के. नन्दा	रेट मॉडल्स में उत्पन्न उच्च रक्त दाब पर जैव रासायनिक और आण्विक आधार पर रॉवूल्फिया सर्पेन्टाइन की प्रभावशीलता का इसके मूल (क्यू) और पोटेंटिकृत (6सी और 30सी) रूप में प्रभावकारिता का मूल्यांकन।
2	आंध्रप्रदेश होम्योपैथी एसोसिएशन मल्टी–स्पेशियलिटी क्लिनिक, हैदराबाद डा. डी.जी. मोहन	होम्योपैथी उपागम द्वारा हैदराबाद की नगरीय आबादी में अवसाद जनित विकारों का अध्ययन।
3	बंगाल अभियांत्रिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल आचार्य सी.आर. महाता	पोटेंटिकृत होम्योपैथी औषधियों का वर्ण क्रमीय मानकीकरण।
4	पूर्ति प्रिया मेमोरियल, श्री राम चिकित्सा एवं होम्योपैथी अनुसंधान केन्द्र, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश डा. पूर्णिमा शुक्ला	स्तन की सुसाध्य नियोप्लास्टिक विक्षति का होम्योपैथी द्वारा अध्ययन।
5	मिनरल्स एवं मैटीरियल्स तकनिकी संस्थान, सी एस आई आर, भुवनेश्वर डा. एन के ढाल	पदप आधारित जैव आमापन को एक प्रतिरूप का प्रयोग करते हुए पोटेंटिकृत होम्योपैथी औषधियों का अध्ययन।
6	स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंड़ीगढ डा. दिव्यज्योति बनर्जी	एलोक्सोन प्रेरित मधुमेह ग्रस्त चूहों में एलोक्सोन के उच्च आण्विक अवमिश्रणों के प्रतिमधुमेह कारक प्रभावों के प्रकार एवं उनकी प्रणाली की पहचान।

प्रकाशनः

क्र.सं.	प्रकाशन	सार
1	अनाक्सीकृत गतिविधियों की जाँच हेतु होम्योपैथी औषधियों का अन्तः पात्र अध्ययन भारतीय औषधिया, 2011:48 (12) : 45–47	प्रस्तुत अन्तः पात्र अध्ययन में 5 होम्योपैथी औषधियों एसिड फोस, इगनाटिया अमरा, नक्स वोमिका, फॉस्फोरस और जिंकम मेटालिकम का चार विभिन्न पोटेंसियों में उनके एन्टीऑक्सीडेंट का कार्यकलाप उनकी पावर आमापन कम करते हुए मूल्यांकन किया गया। नक्स वोमिका (30सी) सर्वाधिक प्रभावकारी रही। सामान्य रूप से 5 चयनित औषधियों में से 4 औषधियों ने निम्न पोटेंसी (30सी) कम करने की क्षमता का सर्वाधिक प्रदर्शन किया।
2	"डिम्बपुटी (ओवेरियन सिस्ट) में होम्योपैथी औषधि की प्रभावकारिता का साक्ष्य आधारित अध्ययन" भारतीय होम्योपैथी अनुसंधान पत्रिका 2011; 5(1): 36–42	**पृष्ठ भूमि एवं उद्देश्यः** मरीज जो कि चिरकालिक डिम्ब पुटी से 6 महिनों से अधिक समय से पीडित है और जिन पर हार्मोन चिकित्सा का कोई प्रभाव नही पड रहा है, उनको शल्य चिकित्सा द्वारा उपचार की आवश्यकता होती है। अविवाहित और संतान रहित महिलाओं का शल्य क्रिया अधिकतर नहीं की जाती है क्यों कि उनमें भविष्य में प्रजनन अंगों का अत्यधिक महत्त्व होता है। कुछ ऐसे मामले है जिनमें होम्योपैथी चिकित्सकों ने डिम्ब पुटी का होम्योपैथी चिकित्सा द्वारा उपचार के दावे किये है। ऐसे दावों को ना तो वैज्ञानिक रूप से दस्तावेजिकृत किया गया और ना ही उन्हें प्रकाशित किया गया। ऐसे कतिपय दावों को वैज्ञानिक समर्थन प्रदान करने के लिए डिम्ब पुटी के मरीजों के उपचार में होम्योपैथी औषधियों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक नैदानिक परीक्षण किया गया।

क्र.सं.	प्रकाशन	सार
		पद्धतिः अध्ययन मापदण्डों के आधार डिम्ब पुटी से पीड़ित 73 मरीजों का नामांकन किया गया, जिनमें 48 मरीजों ने प्रोटोकोल के अनुसार अध्ययन पूरा किया। होम्योपैथी के सिद्धांतो के आधार पर चयनित औषधियां मरीजों को दी गई डिम्ब पुटी के आकार में परिवर्तनों को उपचार के एक वर्ष से पहले और बाद की अल्टासोनोग्राफी रिपोर्टों और हार्मोन परीक्षणों के आधार पर मूल्यांकित किया गया। परिणाम : उपचार से पहले व बाद की सोनोग्राफी रिपोर्टो की तुलना करने पर डिम्ब पुटी के आकार के माध्यम में रूप से महत्त्वपूर्ण (मान <0.05) परिवर्तन देखा गया। 8 (16.67%) मरीजों में पुटी पूर्ण रूप से वियोजित (समाप्त) हो गया। 10 (20.83%) मरीजों में पुटी के आकार में कमी हुई, 21 (43.75%) मरीज स्थिर रहे जबकि 9 (18.75%) मरीजों की हालत नहीं सुधरी। सर्वाधिक उपयोगी पाई गयी औषधियां नेट्रम म्युराटिकम (सं.=7), पल्साटिला (सं.=3), सेपिया (सं.=3), कलकेरिया कार्बोनिकम (सं.=2) थी। **निष्कर्षः** इस अध्ययन से प्राप्त आरंभिक परिणाम उत्साहजनक है। यह अध्ययन डिम्ब पुटी के उपचार में होम्योपैथी चिकित्सा की सकारात्मक भूमिका को दर्शाता है। आगे वैधीकरण हेतु इस अध्ययन को बडे आकार में यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण द्वारा किया जाना चाहिए। **मूल शब्दः** होम्योपैथी, प्रेक्षणात्मक अध्ययन डिम्ब पुटी, नेट्रम म्युराटिकम, पल्साटिला, सेपिया
3	"पी सी 12 कोशिकाओं पर बैलिस पेरेनिस और हाइपेरिकम परफोरेटम का तंत्रिका रक्षात्मक प्रभाव" भारतीय होम्योपैथी अनुसंधान पत्रिका 2011; 8(3) 27–35	तंत्रिकाओं के कार्यकलापों के अध्ययन के लिए चूहा फियोक्रोमोसिटोमा (पी सी 12) कोशिका रेखा को बहुतायत से आदर्श रूप में स्वीकार किया जाता है। तंत्रिका वृद्धि कारक (एन एफ जी) के अतिरिक्त इन कोशिकाओं में पृथ्करण एसिटीचोलाइनस्टरेज गतिविधि वृद्धि और न्यूराइट जैसी प्रक्रिया में विस्तार होता है। तंत्रिका अवसाद विकार के रोगमूलक में उपचयन स्पष्ट नहीं होता है और इस अध्ययन का उद्देश्य स्वस्थ तंत्रिका कोशिकाओं पर बेलिस पेरेनिस (वी इ) और हाइपेरिकम परफोरेटम (एच वाय) (6सी और 30सी) के प्रभावों का मूल्यांकन करना है। दोनों होम्योपैथी औषधियों अपनी तीन विभिन्न पोटेंसियों 2, 4 और 8 एन जी एफ से पृथक पी सी 12 कोशिकाओं पर अध्ययन किया गया। कोशिकाओं की जीवन क्षमता एम टी टी (3–{4,5 डीमेथिलथाइजोल–2–वाय एल}–2,5, डिफिनाइल टेराजोलियम ब्रोमाइड) और एनआरयू (न्यूटरल रेड अपटेक) से जाँची गई। ऑक्सीडेटिव क्षति के परीक्षण और होम्योपैथी औषधियों के सेवन के बाद थियोबारबिटरिक एसिड प्रतिक्रिया प्रजातियाँ (टी बी ए आर एस), ग्लूटेथाइन स्तर, ग्लेटेथाइन पराक्साइडेस की गतिविधि, ग्लेटेथाइन रेडुक्टेस (जी आर), एसिटीलकोलाइन एस्टरेस, ए टी पी फेस और मोनोमाइन ऑक्सीडेस का विश्लेषण किया गया। इन परिणामों की तुलना सकारात्मक परिणामों (9 प्रतिशत एल्कोहल) से की गयी। औषधियों द्वारा उपचारित समूह में एल पी ओ संघटक में महत्त्वपूर्ण रूप से कमी हुई जबकि एच सकारात्मक समूह में जी एस एच का स्तर महत्त्वपूर्ण रूप से अधिक हुआ। सकारात्मक

क्र.सं.	प्रकाशन	सार
		निंयत्रित समूह की तुलना में औषधि द्वारा उपचारित समूह ये अन्य सभी एन्जाइमों की गतिविधि पुनः संचालित हुई। संक्षेप में, इन औषधियों का पृथ्थकृत पी सी 12 कोशिकाओं पर बचावात्मक प्रभाव पड़ता है। **मूलशब्दः** होम्योपैथी औषधियों पी सी 12 कोशिका; एन एफ जी, ऑक्सीडेटिव अवसाद

निरीक्षणः

क्र.सं.	अनुसंधान स्थल	विशेषज्ञ
1	"होम्योपैथी औषधियों से उपचारित रूमेटाइड गठिया में रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता अध्ययन" और "रूमेटाइड गठिया में होम्योपैथी औषधियों द्वारा साइटोकाईन प्राफाईल का नियंत्रण" जवाहर लाल नेहरू स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पुदुचेरी 27 जुलाई 2011	1. डा. वी.के. गुप्ता,सदस्य, वै.प.स., के.हो.अ.प. 2. डा. पी. सचदानन्दम, विभागाध्यक्ष, जैव–रसायन विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय 3. डा. अनिल खुराना, सहायक निदेशक (होम्यो.) के.हो.अ.प. मुख्यालय, नई दिल्ली
2	"सुसाध्य नियोप्लास्टिक स्तन घावों का होम्योपैथी उपचार–एक साक्ष्य आधारित अध्ययन पूर्तिप्रिया मेमोरियल, श्री राम मेडिकल एवं होम्यो. अनुसंधान केन्द्र, गोरखपुर, उ.प्र. 19 मार्च, 2012"	1. डा. वी.के. गुप्ता, सदस्य, वै.प.स. के.हो.अ.प. 2. डा. गिरीश गुप्ता, लखनऊ सदस्य, औषध प्रमाणन उप समिति; के.हो.अ.प., नई दिल्ली 3. डा. निलिमा सिंह, एम डी. (ओ एवं जी) लखनऊ 4. डा. अनिल खुराना, सहायक निदेशक (होम्यो.), के.हो.अ.प. मुख्यालय, नई दिल्ली
3	"पोटेंटिक त होम्योपैथी औषधियों का स्पेकट्रल मानकीकरण बंगाल अभियांत्रिकी एवं विज्ञान पश्चिम बंगाल 7 सितम्बर 2011"	1. डा. आलोक कुमार, प्रभारी महानिदेशक, के.हो.अ.प., नई दिल्ली 2. डा. अनिल खुराना, सहायक निदेशक (होम्यो.) के.हो.अ.प. मुख्यालय, नई दिल्ली

8
लैंगिक मुद्दे

परिषद् द्वारा किये गये अधिकांश अनुसंधान अध्ययनों में पुरूषों और महिलाओं के बीच भेदभाव नहीं किया गया है। केवल जेंडर विशिष्ट नैदानिक अनुसंधान अध्ययन है। उनमें से एक पुरूषों में 'सुसाध्य प्रोस्टेट अतिवृद्धि' और दो महिलाओं में रजोनिवृत्ति और स्तन कैंसर के दुष्प्रभाव' अन्य सभी नैदानिक अनुसंधानों और औषध प्रमाणन अध्ययनों में लिंग विभाजन यादृच्छिक है।

परिषद् ने आयुष विभाग के निर्देशों के अनुसार, लिंग विशिष्ट मुददों के अनुवीक्षण के लिए एक जेंडर बजटिंग सेल भी गठित किया है।

परिषद् 2007 में माता एवं शिशु रक्षा हेतु होम्योपैथी की शुरूआत होने के बाद वर्ष 2009–10 से अपने विभिन्न संस्थानों/इकाईयों के माध्यम माता एवं शिशु स्वास्थ्य निदानगृह और समुदाय जागरूकता शिविरों को आयोजन कर रही है।

निम्नलिखित सारणी परिषद् के संस्थानों/इकाईयों के बाह्य रोगी विभाग में मरीजों की कुल उपस्थिति, बाह्य रोगी विभाग में महिलाओं के प्रतिशत और परिषद् के अनुसंधान क्षेत्रों में उनकी तुलनात्मक प्रतिभागिता को दर्शाती है।

क्रियाकलाप	कुल	महिलाएं	महिलाओं का प्रतिशत
सामान्य बाह्य रोगी विभाग में उपस्थिति	453019	262296	57.90%
नैदानिक अध्ययन में नामांकित मरीज	3679	1894	51.48%
माता एवं शिशु स्वा. निदानगृह एवं समुदाय जागरूकता शिविर	57201	17142	29.97%
योग	**513899**	**281332**	**54.74%**

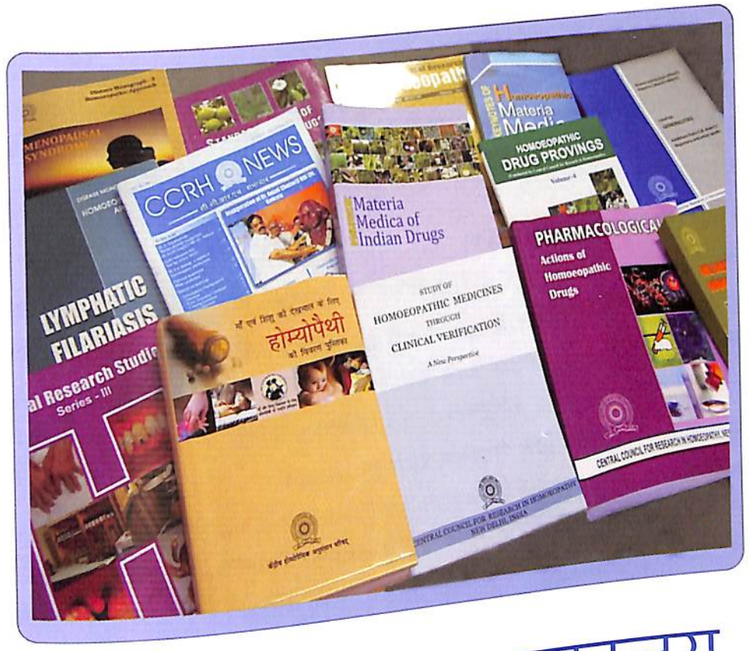

प्रकाशन एवं पुस्तकालय

9
प्रकाशन

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् के वैज्ञानिकों द्वारा किये गये अनुसंधानों को भारतीय होम्योपैथी अनुसंधान पत्रिका सी सी आर एच समाचार पत्रिका और पुस्तकों में प्रकाशित किया। परिषद् ने होम्योपैथी से जुडे विषयों और परिषद् के वैज्ञानिकों द्वारा किये गये अनुसंधानों के साथ–साथ होम्योपैथी को लोकप्रिय बनाने हेतु होम्योपैथी व्यवसाय विदों के लिए सूचनात्मक परचों का प्रकाशन भी करवाया। इस प्रतिवेदित वर्ष के दौरान परिषद् के प्रकाशन निम्न है:–

1. **भारतीय होम्योपैथी अनुसंधान पत्रिका**

क) खंड 5 संख्या 1 की विषयवस्तु

- उच्च अवमिश्रणों की उपस्थिति में जल में बढ़ी हुई सुपर कॉन्टीनम जेनरेशन्स
- अमूरा होहिटुका : एक बहुकेन्द्रिक डबल ब्लांइड होम्योपैथी रोगमूलक परीक्षण
- एमी विसनागा एल फ्रूट का मानकीकरण–एक होम्योपैथी औषधि
- क्रकुमा लोंगा– एक बहुकेंद्रिक नैदानिक सत्यापन अध्ययन
- जठरांत्र शोथ के उपचार में पूर्व चिन्हित होम्योपैथी औषधियों के एक समूह के साथ होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति की भूमिका का मूल्यांकन करने हेतु एक अग्रदर्शी बहुकेंद्रिक प्रेक्षणात्मक अध्ययन
- डिम्ब पुटी के उपचार में होम्योपैथी औषधियों की प्रभावकारिता पर साक्ष्य आधारित नैदानिक अध्ययन।

ख) खंड 5 संख्या 2 की विषय वस्तु

- केडमियम क्लोराइड के उच्च सांद्रण से प्रभावित एल एल सी–पी के 1 कोशिका पर इसी धातु के उच्च अवमिश्रण की तथाकथित रक्षात्मक भूमिका: अंत: पात्र आमापन में एक सदृश्य चिकित्सा
- एन्ड्रोग्राफिस पेनिकुलेटा – एक बहुकेन्द्रिक, यादृच्छिक, डबल ब्लांइड
- होम्योपैथी औषधि एक्वीलेजिया वलगेरिस एल का मानकीकरण
- केसिया फिस्टुला – एक बहुकेंद्रिक नैदानिक सत्यापन अध्ययन
- मूत्राश्यता के उपचार मे होम्योपैथी चिकित्सा की भूमिका के मूल्यांकन हेतु एक बहुकेंद्रिक प्रेक्षणात्मक अध्ययन
- कोलॉयडल पर्ववत् घेंघा का एक रोग मामला

ग) खंड 5 संख्या 3 की विषय वस्तु

- एल्युमिनियम के विषकारी स्तरों के प्रति काहु बीजों का अंकुरण और विगोर जिनके ऊपर होम्योपैथी औषधियों एलुमिना और कलकेरिया कार्बोनिका का लेप हो।
- एस्क्लेपियास कर्रासविका– एक बहुकेंद्रिक, यादृच्छिक डबल ब्लांइड होम्योपैथी रोगमूलक परीक्षण।
- होम्योपैथी औषधि का मानकीकरण सिजिगियम जम्बोस (एल.) अलस्टोन

- चिरकालिक श्वसनी शोथ के उपचार में होम्योपैथी औषधियों के एक समूह की उपयोगिता के मूल्यांकन हेतु एक अग्रदर्शी बहुकेंद्रिक प्रेक्षणात्मक अध्ययन।
- पी सी 12 कोशिकाओं पर बेलिस पेरेनिस और हाइपरिकम पर्फोरेटम का तंत्रिका रक्षात्मक प्रभाव
- अल्फाल्फा–एक बहुकेंद्रिक नैदानिक सत्यापन अध्ययन
- नैदानिक सत्यापन द्वारा होम्योपैथी औषधियों का अध्ययन – एक नवीन परिप्रेक्ष्य (खंड–1 व 2)

2. सीसीआरएच समाचार; अंक संख्या 58, 59, 60, 61 (प्रेस में)
3. वार्षिक प्रतिवेदन (2010–11)
4. परचें / कर पत्रक

सामान्य जनता को विभिन्न रोग अवस्थाओं और उनके उपचार एवं रोगों से बचाव में होम्योपैथी चिकित्सा की भूमिका में जानकारी देने के लिए परिषद् परचों / कर पत्रकों का प्रकाशन करती है। स्वास्थ्य मेलों एवं प्रदर्शनियों में इन परचों / कर पत्रकों को सामान्य जन में बांटा जाता है। प्रतिवेदित वर्ष के दौरान तीन अंग्रेजी परचों / कर पत्रकों का हिन्दी में अनुवाद किया गया।

ये निम्न है–

- डेंगू : अपराधी (मच्छर) आपके पडोस में पनप रहा है।
- होम्योपैथी के संग चोट में भी मुस्कान
- मलेरिया : अपराधी (मच्छर) आपके नजदीक हो सकता है।

5. मूल्याधारित प्रकाशनों का एक सूचीपत्र प्रकाशित किया गया और होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालयों को इसका प्रेशण किया गया।

पुस्तकालय

पुस्तकें

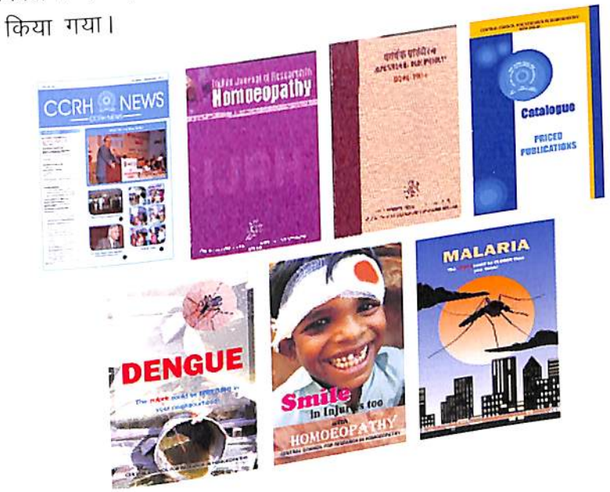

– प्राप्ति क्रमांक दिये गये शीर्षकों की संख्या	– 156
– विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रकाशन	– 035
– अनुपूरक के रूप में प्राप्त पुस्तकों की संख्या	– 011
– अधिप्राप्त पुस्तकों की संख्या	– 110
दिनांक 31.03.2012 को यथास्थिति कुल पुस्तकें	– 10449

वार्षिक प्रतिवेदन 2011-2012 केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्

पत्रिकाएं

पूर्वक्रीत पत्रिकाओं की संख्या

- विदेशी — 25
- भारतीय — 03
- वि.स्वा.स.की पत्रिकाएं — 13

प्रलेखन — 06

सूचना संबंधी सेवाएं

- रेप्रोग्राफिक सेवा उपलब्ध कराना
- संदर्भ संबंधी सेवा उपलब्ध कराना
- डाक/दूरभाष के माध्यम से प्राप्त प्रच्छाओं का उत्तर देना
- पाठकों को अपेक्षित सूचना समय पर उपलब्ध कराने में सहायता करना।

संदर्भिका संबंधी सेवाएँ

- सामयिक स्वास्थ्य साहित्य जागरूकता सेवाएँ — 04
- मेडिको अब्सट्रेक्टस (समय–समय पर नवीनीकृत)

वेबसाइट — 08

- जब कभी आवश्यक हो परिषद् की वेबसाइट को अद्यतन बनाना।

विविध कार्यकलाप

मातृ एवं शिशु सुरक्षा के लिए होम्योपैथी राष्ट्रीय अभियान

आयुष विभाग ने जन स्वास्थ्य हेतु होम्योपैथी को प्रचारित और प्रोत्साहित करने के लिए नवम्बर, 2007 में माता एवं शिशु सुरक्षा के लिए होम्योपैथी पर राष्ट्रीय अभियान की शुरूआत निम्न उद्देश्यों के लिए की:

- माता एवं शिशु सुरक्षा के लिए होम्योपैथी की भूमिका से नीति निर्माताओं, कार्यक्रम मूल्यांकन कर्ताओं, विचारकों, होम्योपैथी एवं एलोपैथी के साथ अन्य चिकित्सा पद्धतियों के चिकित्सकों और गैर सरकारी संगठनों को अवगत करना।
- माता एवं शिशु स्वास्थ्य सुरक्षा में होम्योपैथी की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढाने एवं चिकित्सा शास्त्र की विभिन्न धाराओं के चिकित्सकों होम्योपैथिक, एलोपैथिक एवं अन्य के बीच समन्वय के बेहतर मार्ग प्रशस्तीकरण हेतु।

अभियान के प्रथम स्तर में नवम्बर, 2007 में नई दिल्ली में 'स्वस्थ माता और खुशहाल शिशु' हेतु होम्योपैथी पर **राष्ट्रीय कार्यशाला** का आयोजन किया गया। यह अभियान होम्योपैथी के प्रसार एवं उसके लाभों के प्रचार और होम्योपैथिक चिकित्सकों के कौशलों में वृद्धि हेतु राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का एक आंरभ मात्र था। आयुष विभाग के दिशा निर्देशों के अनुसार समुदाय जागरूकता शिविर और मात्र एवं शिशु स्वास्थ्य निदानगृहों के आयोजन हेतु होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालयों को भी आंमत्रित किया गया।

उक्त कार्यों के द्वारा वर्ष 2011–12 में जमीनी स्तर पर एक बहुत बड़े जन समूह को होम्योपैथिक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करायी गई। चूंकि मार्च 2012 में यह अभियान समाप्त हो गया है अतः अब कोई भी समुदाय जागरूकता शिविर आयोजित नहीं किया जायेगा। यद्यपि लोगों में अत्यधिक लोकप्रियता और पूर्व स्थापित आधारभूत सुविधाओं के कारण परिषद् अपने विभिन्न केन्द्रों पर माता एवं शिशु स्वास्थ्य निदानगृहों की व्यवस्था करती रहेगी।

समुदाय जागरूकता शिविर

समुदाय जागरूकता शिविरों के आयोजन हेतु 57 होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालयों और परिषद् के 26 अनुसंधान केन्द्रों को धनराशि स्वीकृत की गई। यह शिविर राष्ट्रीय अभियान का एक बहुत महत्त्वपूर्ण भाग है जिसमें माता एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल में होम्योपैथी की भूमिका के बारे में जागरूकता उत्पन्न की जाती है। शिविरों का आयोजन दूरस्थ ग्रामीण स्थानों पर किया जाता है ताकि आवश्यकता वाले लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जा सके। समुदाय जागरूकता शिविरों के माध्यम से प्राप्त उपलब्धियां नीचे तालिका में उपलब्ध है।

क्र.सं.	विवरण	कुल शिविरों की संख्या	कुल लाभांवित मरीजों की संख्या
1	होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालयों द्वारा आयोजित समुदाय जागरूकता शिविर	300	36,530
2	परिषद् की इकाईयों/संस्थानों द्वारा आयोजित समुदाय जागरूकता शिविर	235	28,450

माता एवं शिशु स्वास्थ्य बाह्य रोगी विभाग

अभियान के दौरान 96 होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालयों और परिषद् के 26 अनुसंधान केन्द्रों ने माता एवं

शिशु स्वास्थ्य बाह्य रोगी विभाग का आयोजन किया जिसमें बहुत बडी संख्या में मरीज लाभांवित हुए और जिन्होंने माता एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति की भूमिका को जाना। निदानगृहों में उपचार करवाने वाले मरीजों के आंकड़े नीचे तालिका में प्रस्तुत है।

माता एवं शिशु निदान गृह	परिषद् के अधीनस्थ संस्थानों/इकाईयाँ	होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय
निदानगृहों की संख्या	26	30
जाँचे गये मरीज		
प्रसूति	11,110	7,012
बाल रोग	25,620	11,310
कुल	**36,730**	**18,322**

प्रतिपुष्टि प्रारूप

राष्ट्रीय अभियान मार्च 2012 में पूर्ण हुआ। इस अभियान की महत्त्वपूर्ण गतिविधियों और उपलब्धियों को दर्शानें वाली एक विस्तरित रिपोर्ट परिषद् द्वारा तैयार की जा रही है। इस उद्देश्य हेतु परिषद् द्वारा अभियान पर विचारों को जानने हेतु एक प्रतिपुष्टि प्रारूप तैयार किया गया और अभियान में सम्मिलित समस्त होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालयों, परिषद् के अनुसंधान संस्थानों/इकाईयों एवं राज्य आयुष निदेशालयों को प्रेषित किया गया।

समिति की बैठकें

क्र.सं.	बैठक	स्थान	दिनांक
1.	शासी निकाय की 16वीं बैठक	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली	28 अक्तूबर, 2011
2.	**वैज्ञानिक परामर्श समितिः**		
	• वैज्ञानिक परामर्श समिति की 50वीं बैठक	परिषद् मुख्यालय	30 जून, 2011
	• वैज्ञानिक परामर्श समिति की 51वीं बैठक		23 मार्च, 2012

वैज्ञानिक परामर्श समिति की बैठक

3.	**स्थायी वित्त समितिः**		
	• स्थायी वित्त समिति की 55वीं बैठक	आयुष विभाग	21 अक्तूबर, 2011
	• स्थायी वित्त समिति की 56वीं बैठक		09 दिसम्बर, 2011
	• स्थायी वित्त समिति की 57वीं बैठक		9 मार्च, 2012
4.	**नैतिक समितिः**		
	• नैतिक समिति की 13वीं बैठक	परिषद् मुख्यालय	07 जून, 2011
	• नैतिक समिति की 14वीं बैठक		28 जून, 2011
	• नैतिक समिति की 15वीं बैठक		28 फरवरी, 2012

परिषद् में नैतिक समिति की बैठक

क्र.सं.	बैठक	स्थान	दिनांक
5.	**विविध तकनीकी बैठकें:**		
	• 2011–2012 में आरसीटी अध्ययन को शुरू करने, गंभीर वायुविकारशोथ के नमूना आकार को अंतिम रूप देने के लिए बैठक	परिषद् मुख्यालय	9 मई, 2011
	• हिन्दी कार्यशाला में व्याख्यान अनुवीक्षण	केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.) कोट्टायम	17 से 20 मई, 2011
	• 2011–2012 में आरसीटी अध्ययन को शुरू करने, गंभीर वायुविकारशोथ पर प्रोटोकॉल का प्रशिक्षिण एवं अन्तिम रूप देने के लिए समन्वयकों के साथ बैठक	परिषद् मुख्यालय	18 और 19 मई, 2011
	• 2011–2012 में आरसीटी अध्ययन को शुरू करने, सुसाध्य प्रॉस्टेट अतिवृद्धि पर प्रोटोकॉल का प्रशिक्षिण एवं अन्तिम रूप देने के लिए विशेषज्ञों के साथ बैठक	परिषद् मुख्यालय	23 और 24 मई, 2011
	• 2011–2012 में आरसीटी अध्ययन को शुरू करने, खडित मनस्कता पर प्रोटोकॉल का प्रशिक्षिण एवं अन्तिम रूप देने के लिए विशेषज्ञों के साथ बैठक	परिषद् मुख्यालय	30 और 31 मई, 2011
	• संक्रामी कामला पर आरसीटी के प्रोटोकॉल को अंतिम रूप देने के लिए बैठक	परिषद् मुख्यालय	20 जून, 2011
	• परिषद् की अन्तर भित्ति अनुसंधान निति पर बैठक	परिषद् मुख्यालय	23 जून, 2011
	• एकीकृत अस्पताल प्रबंधन प्रणाली के लिए मॉड्यूल कार्य पर बैठक	परिषद् मुख्यालय	18 और 19 जुलाई, 2011
	• परिषद् की 12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए तकनीकी अधिकारियों की बैठक	परिषद् मुख्यालय	9 अगस्त, 2011
	• आरसीटी पर अध्ययन के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), गुवाहाटी, क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), जयपुर, न्यू शिमला और केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), नोएडा से क्लीनिसिस्ट (एस)/ डिस्पेंसर (एस) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	परिषद् मुख्यालय	18 और 19 अगस्त, 2011
	• मलेशियन प्रतिनिधी श्री एस. सेवनथिननथन, प्राचार्य सहायक निदेशक, टीसीएम विभाग, मलेशिया के साथ बैठक	केन्द्रीय आयुर्वेदिक एवं सिद्ध अनुसंधान परिषद्	26 अगस्त, 2011
	• एई–पीसीओएस बैठक	अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली	29 से 30 अगस्त, 2011
	• नैदानिक परीक्षण रजिस्ट्री की आचार समिति के सदस्यों के लिए कार्यशाला	भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली	26 सितम्बर, 2011

क्र.सं.	बैठक	स्थान	दिनांक
	• होम्योपैथी औषध अनुसंधान संस्थान लखनऊ के विस्तार केन्द्र की स्थापना हेतु आरंभिक तैयारियों के लिए गोरखपुर में बैठक	गोरखपुर	16 से 18 दिसम्बर, 2011
	• मूत्राश्मता (यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण) के एलोपैथिक भाग पर प्रोटोकॉल पर विचार–विमर्श हेतु केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), नोएडा में बैठक	केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), नोएडा	4 जनवरी, 2012
	• सुसाध्य प्रोस्टेट अतिवृद्धि लेप्टोस्पाइरोसिस, चिकिनगुनियां और मधुमेह दूरस्थ प्रतिसम बहुतंत्रिका रोग शोध पत्र का पुनः विश्लेषण हेतु डा. सी.एम. पाण्ड़े के साथ बैठक	परिषद् मुख्यालय	27 से 28 जनवरी, 2012
	• प्राकार आंतरिक अनुसंधान नीति के मुद्दे पर बैठक	परिषद् मुख्यालय	17 फरवरी, 2012

होम्योपैथिक भेषजकोश समिति

भारतीय होम्योपैथी भेषजकोश तैयार करने हेतु वर्ष 1962 में होम्योपैथी भेषजकोश समिति का गठन किया गया। अब तक भारतीय होम्योपैथी भेषजकोश के 9 खण्ड व एक होम्योपैथिक फार्मास्युटिकल कोडेक्स का प्रकाशन किया जा चुका है। भेषजकोश हेतु कार्य योजना के अनुसार होम्योपैथी भेषजकोश समिति ने 250 नई औषधियों पर विनिबंधों की सिफारिश की गई जिनमें से वर्ष 2011–12 में 45 (होम्योपैथी भेषजकोश प्रयोगशाला, गाजियाबाद के द्वारा 35 और परिषद् द्वारा 10) औषधियों पर तैयार किये गये।

होम्योपैथी भेषजकोश समिति द्वारा निम्न 45 विनिबंधों का अनुमोदन किया गया।

क्र.सं.	औषधियों के नाम
1.	सिटरस डेकुमिना
2.	यूफ़ोरबिया हापरिसिफोलिया
3.	ऑरिगेनम मजोराना
4.	वनिला पलानिफोलिया
5.	एकोनिटम रेडिक्स
6.	एकोरस केलामस
7.	अरनिका रेडिक्स
8.	आजादीरक्ता इंडिका
9.	बोटुलिनम
10.	बक्सस सेमपरवायरनस
11.	फ्रेगारिया वेस्का
12.	रहुस गल्बरा
13.	रोसमारिनस ऑफिसिनालिस
14.	सिटरस लिमोनम
15.	यूजिनिया जम्बोरस
16.	विटेक्स ट्रिफोलिया
17.	राइटिया टिंक्टोरिया
18.	एग्रिमोनिया इयूपाटोरिया फलोस
19.	केन्डीडा एलबिकेन्स
20.	कसिया फिसटुला
21.	कोफिया टोसटा
22.	कनवोलवुलस अरविन्सिस
23.	सपारटियम स्कोपरियूम
24.	यूफोरबिया पिलुलिफेरा
25.	जरानियम रोर्बटियानम
26.	रोसा डमोसिना
27.	एक्यूलिगा वलगैरिस
28.	एनथुरम मुरियाटिकेटस
29.	एनेथरासिनम
30.	टेट्नोटोक्सिनम
31.	कराया एलबा
32.	सिरिस सरपेनटाइनस
33.	कुकुरबिटा सिटरूलस
34.	डिक्टामनस
35.	डोरफोरा डिसिमलिनेटा
36.	ग्लिनसोगा परविफलोरा
37.	गेलियम एपराइन
38.	जियुम रिवेल
39.	हेडिओमा पिलिगिओडस
40.	जुनिपेरस वरजिनिनस
41.	माइरिस्टिका सेविफेरा
42.	फाइसालिस एलकेकंगी
43.	रिहस एरोमेटिका
44.	सिसर अरिटिनम
45.	सोलेनम टयूबरोसम

भारतीय होम्योपैथी भेषजकोश को दो खण्डों में संकलित करने और कोडेक्स में संशोधन एवं सुधार करने का कार्य प्रगति पर है।

प्रकाशनः

निम्न प्रलेखों के प्रकाशन का कार्य प्रगति पर है।

1. भारतीय होम्योपैथी औषधकोश का दसवां खण्ड जिसमें 101 औषधियाँ उल्लेखित है–मसौदा तैयार किया जा रहा है और आगे जांच होगी।
2. भारतीय होम्यापैथी भेषजकोश में औषधीय पादपों के देशी नामों को सम्मिलित किया गया–मसौदे की जाँच की जा रही है।

कार्यशाला/सम्मेलन/निरन्तर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

वर्ष 2011–12 के दौरान एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। परिषद् ने होम्योपैथिक चिकित्सकों को अनुसंधान परिणामों से अवगत करवाने एवं प्रशिक्षित करने हेतु 9 चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों को उत्तरी–पूर्वी क्षेत्र में आयोजन किया गया।

क्र. सं.	गतिविधियाँ	स्थान	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
1.	माता एवं शिशु रोगों पर निरन्तर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम	क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), गुवाहाटी	26 से 27 अप्रैल, 2011	29
2.	मधुमेह एलर्जी जनित गठिया और चिरकालिक श्वसनी शोथ पर निरंतर चिकित्सा कार्यक्रम	नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), दीमापुर	27 से 28 अप्रैल, 2011	40
3.	श्वसन तंत्र विकारों पर निरन्तर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम	नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), शिलोंग	28 से 29 अप्रैल, 2011	20
4.	मलेरिया, मधुमेह और मूत्राश्यता पर निरन्तर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम	क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), इम्फाल	29 से 30 अप्रैल, 2011	48
5.	प्रयोगशाला तकनीशियनों हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम	पुष्पागिरि चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल	19 से 24 सितम्बर, 2011	15
6.	बाल चिकित्सा विकारों पर निरन्तर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम	नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), शिलोंग	26 से 27 सितम्बर, 2011	28
7.	जीवन शैली संबंधी विकार और नैदानिक अनुसंधान के महत्त्व पर निरन्तर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम	क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), गुवाहाटी	28 से 29 सितम्बर, 2011	51
8.	एचआईवी/एड्स और श्वसन तंत्र विकारों पर निरन्तर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम	नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), अगरतला	21 से 22 अक्तूबर, 2011	31
9.	श्वसन तंत्र विकारों पर निरन्तर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम	नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), सिलिगुड़ी	17 से 18 नवम्बर, 2011	24
10.	जीवसांख्यिकी पर कार्यशालाएँ	परिषद् मुख्यालय	26 नवम्बर, 2011	35
11.	लेखा एवं प्रशासन पर तकनीकी कार्यशाला	परिषद् मुख्यालय	7 से 8 दिसम्बर, 2011	40
12.	लेखा एवं प्रशासन पर तकनीकी कार्यशाला	परिषद् मुख्यालय	21 से 23 दिसम्बर, 2011	38
13.	त्वचा विकारों पर निरन्तर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम	क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), इम्फाल	27 से 28 दिसम्बर, 2011	50
14.	जीवसांख्यिकी पर कार्यशालाएँ	परिषद् मुख्यालय	14 जनवरी, 2012	24
15.	जीवसांख्यिकी पर कार्यशालाएँ	परिषद् मुख्यालय	16 फरवरी, 2012	27
16.	जीवसांख्यिकी और अच्छे नैदानिक अभ्यासों पर कार्यशालाएँ	क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), गुवाहाटी	5 से 6 मार्च, 2012	65

इम्फाल में निरन्तर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

शिलोंग में निरन्तर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

गुवाहाटी में निरन्तर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

एलएमएचआई, नई दिल्ली में परिषद् प्रकाशन की स्टॉल

गुवाहाटी में जीवसांख्यिकी पर कार्यशालाएँ

स्वास्थ्य मेला/प्रदर्शनी

वर्ष 2011–12 के दौरान परिषद् द्वारा निम्नलिखित स्वास्थ्य मेलों और प्रदर्शिनियों में भाग लिया गया।

क्र.सं.	स्वास्थ्य मेला/प्रदर्शिनी	स्थान	दिनांक
1	राज्य आरोग्य मेला	मिलिनियम टॉप रूफ, आइजॉल	9 से 12 मई, 2011
2	जन सूचना अभियान	झांसी, उ.प्र.	21 से 24 जून, 2011
3	राज्य आरोग्य मेला	परेड़ ग्रांऊड, देरादून	8 से 11 जुलाई, 2011
4	जन सूचना अभियान	पिंडवाड़ा, सिरोही, राजस्थान	28 से 30 सितम्बर, 2011
5	ए.टी.एन.एल. परफेक्ट हेल्थ मेला	एन.डी.एम.सी. ग्रांऊड, लक्ष्मीबाई नगर, नई दिल्ली	19 से 23 अक्तूबर, 2011
6	भारतीय अतंर्राष्ट्रीय औद्योगिक मेला–2011	प्रगति मैदान, नई दिल्ली	14 से 17 नवम्बर, 2011
7	प्रेस सूचना कार्यालय द्वारा भारत निर्माण अभियान	करूर वानियाचित्यार, तिरूमाना मनदापम, थनथोनद्रीमलाई, करूर, तमिलनाडु	19 से 21 नवम्बर, 2011
8	सिकिटैक्स	गैंगटोक, सिक्किम	24 से 25 नवम्बर, 2011
9	66वां लीगा मेडीकोरम होम्योपैथिका इंटरनैशलनलाइस–2011	सिरिफोर्ट ऑडीटोरियम, नई दिल्ली	1 से 4 दिसम्बर, 2011
10	राज्य आरोग्य मेला	एसएमएस इन्वेस्टमेन्ट ग्राऊंड, जयपुर	6 से 9 जनवरी, 2012
11	प्रेस सूचना कार्यालय द्वारा भारत निर्माण जन सूचना अभियान	गंव निजाम, पाली–जयतरन, राजस्थान	22 से 24 जनवरी, 2012
12	26वां सूरजकुण्ड शिल्प मेला	सूरजकुण्ड, फरीदाबाद, हरियाणा	1 से 15 फरवरी, 2012
13	आरोग्य एक्सपो–2012	गायत्री विहार, पैयलेस ग्राऊंड, बैंगलुरू	9 से 13 फरवरी, 2012
14	ग्लोबल आयुर्वेद प्रदर्शनी	कनकाकुनु पैयलेस, तिरूवेन्द्रम	9 से 14 फरवरी, 2012
15	राष्ट्रीय खेल सप्ताह 2012	मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योगिक संस्थान, अशोका रोड़, नई दिल्ली	12 से 18 फरवरी, 2012
16	राज्य आरोग्य मेला	अर्न्राष्ट्रीय मेला ग्राऊंड, हपानिया, अगरतला, त्रिपुरा	18 से 22 फरवरी, 2012
17	आयुष मेला 2012	डेंगाई पी एच सी, ईस्ट खासी हिल्स, मेघालय	16 मार्च, 2012
18	प्रेस सूचना कार्यालय, रांची द्वारा भारत निर्माण जन सूचना अभियान	एस.एस. मोर कॉलेज ग्राऊंड, गोविन्दपुर, धनबाद, झारखंड	22 से 24 मार्च, 2012

मदुराई में भारत निर्माण अभियान

अगरतला में राज्य आरोग्य मेला

प्रेस सूचना कार्यालय द्वारा सिरोही, राजस्थान में आयोजित अभियान में भाग लेते मरीज।

अगरतला में निरंतर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

आयुष अनुसंधान पोर्टल

आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने आयुष की समस्त चिकित्सा पद्धतियों (आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी) से संबंधित अनुसंधानों की जानकारी के प्रसार एवं वितरण हेतु आयुष अनुसंधान पोर्टल विकसित किया है। पोर्टल विभिन्न पियर–रिव्यूड और अन्य पत्रिकाओं में प्रकाशित उच्च गुववत्ता के शोध–पत्र निम्न 4 श्रेणियों में उपलब्ध करवाता है:

1. नैदानिक अनुसंधान– विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रकाशित "परम्परागत चिकित्सा प्रणाली में अनुसंधान एवं मूल्यांकन की पद्धतियों हेतु सामान्य दिशा–निर्देशों" के आधार पर जिसको आगे साक्ष्य आधारित श्रेणी अ ब स व द में वर्गीकृत किया गया है।
2. पूर्व–नैदानिक अध्ययन
3. औषध अनुसंधान
4. मूलभूत अनुसंधान

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् ने आयुष अनुसंधान पोर्टल में "तकनीकी एडिटिंग एवं शोध पत्रों की गुणवत्ता" नियंत्रण हेतु निम्न 3 समितियों का गठन किया:

1. खोज एवं पीयर–रिव्यू समिति
2. संपादकीय समिति
3. केन्द्रीय समन्वय समिति

परिषद् ने पोर्टल हेतु अनुसंधान शोध पत्रों के चयन और सार अथवा पूर्ण रूप में (जहां तक निःशुल्क हो) उनकों पोर्टल पर उपलब्ध करवाने में सहयोग प्रदान किया है। मूल्याधारित शोध–पत्रों के सम्बन्ध में पूर्ण पेपर हाइपरलिंक उपलब्ध करवाया गया है।

इस वर्ष के दौरान परिषद् ने पोर्टल पर 1100 शोध–पत्र उपलब्ध करवायें। आयुष पोर्टल (http://ayushportal.ap.nic.in/) अनुसंधान आंकड़ों तक पहुँच को सुगम बनाऐगा और विश्व में आयुष में चिकित्सा पद्धतियों में हो रहे नवीन अनुसंधानों से चिकित्सकों अनुसंधाताओं, नीति–निर्माताओं, लेखकों, विद्यार्थियों और सामान्य जनता को जानकारी उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा साक्ष्य और श्रेणीकारण की सिफारिशों के आधार पर नैदानिक अध्ययनों हेतु साक्ष्य स्तर कसौटी निम्न प्रकार से है:–

सिफारिशों का श्रेणीकरण

श्रेणी	अनुशंसा
ए (साक्ष्य स्तर गुणवत्ता एल ए, एलबी)	कम से कम एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण की आवश्यकता होती है जैसा कि सभी प्रकार से ठीक एवं विशिष्ट सिफारिशों की विश्वसनीयता को दर्शातें हुए संपूर्ण।
ब (साक्ष्य स्तर II ए, II बी, III)	भली प्रकार से किये नैदानिक अध्ययन की आवश्यकता पर सिफारिशों के बिन्दुओं पर किसी यादृच्छिक निंयत्रिक परीक्षण की आवश्यकता नही होती है।
सी (साक्ष्य स्तर IV)	विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट या विचार या प्राधिकारियों नैदानिक अनुभव से साक्ष्य की आवश्यकता होती है। अच्छी गुणवत्ता प्रत्यक्ष रूप से लाल अध्ययन की कमी को दर्शाता है।

साक्ष्य के स्तर

स्तर	साक्ष्य के प्रकार
I ए	यादृच्छिक निंयत्रित परीक्षण के मेटा विश्लेषण से प्राप्त साक्ष्य
I बी	कम से कम एक यादृच्छिक निंयत्रित परीक्षण से प्राप्त साक्ष्य
II ए	कम से कम एक अन्य प्रकार के सुव्यवस्थित के यादृच्छिकता रहित नियंत्रित अध्ययन से प्राप्त साक्ष्य
II बी	कम से कम एक अन्य प्रकार के सुव्यवस्थित अर्ध–प्रयोगात्मक अध्ययन से प्राप्त साक्ष्य
III	सुव्यवस्थित गैर प्रयोगात्मक वर्णनात्मक अध्ययनों जैसे तुलनात्मक अध्ययनों, सहसंबन्ध अध्ययनों और केस कंट्रोल अध्ययनों से प्राप्त साक्ष्य
IV	विशेषज्ञ समिति रिपोर्ट या विचार अथवा मान्य प्राधिकारियों के नैदानिक अनुभवों से प्राप्त साक्ष्य

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

1. केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.),
सचिवोथामापुरम,
कोट्टायम–686 532 (केरल)
0481–2436322, 2432238
crihktm@gmail.com

2. केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.),
ए–1/1, सैक्टर–24,
नोएडा (उ.प्र.)
0120–22411320
crihnoida@gmail.com

3. होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान,
राष्ट्रीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं
अस्पताल परिसर,1, विराज खण्ड,
गोमती नगर, लखनऊ–226 010 (उ.प्र.)
0522–2301030
hdri_lko@yahoo.com

4. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.),
एम.टी.एन.एल. हॉल न. 4 शोपिंग सेन्टर,
सेक्टर 9, सी.बी.डी., बेलापुर
नवी मुम्बई, 400 056 (महाराष्ट्र)
022–27579154
rrihmumbai@yahoo.com
inrrimumbai@gmail.com

5. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.),
13/210–ए, क्लब रोड,
गुड़िवाडा–521 301 (आंध्र प्रदेश)
08674–24349108674–240028
rrigudivada@yahoo.com
rrigudivada@gmail.com

6. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.),
सी–12, लेन–1, सैक्टर–1,
बी.सी.एस. के नीचे,
न्यू शिमला–171009 (हिमाचल प्रदेश)
0177–2670450
rrishimla@gmail.com

7. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.),
सी.सी.आर.एच. बिल्डिंग, मारची कोटे लैन,
लवानिखिया चाक, पुरी–752 001 (उड़ीसा)
06752–225571
rri_puri@yahoo.co.in

8. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.),
डा. मदन प्रताप खुटेटा राजस्थान
होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल,
स्टेशन रोड, जयपुर–302 006 (राजस्थान)
0141–2371763
0141–2364661 (कॉलेज कैम्पस)
rrihjaipur@yahoo.co.in
rrihjaipur@gmail.com

9. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.),
राभा भवन खालीपाडा, ओडल बाकाड़ा,
गुवाहाटी–7810034 (असम)
0361–2476202
rrigua@gmail.com
rrigua@yahoo.com

10. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.),
न्यू चेकन, मेरिंग लेण्ड
ट्राइवल कलोनी के सामने
इम्फाल–795 001 (मणिपुर)
0385–2457417
rrihimphal@gmail.com

11. डॉ. अंजली चटर्जी क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान
(होम्यो.),
50, राजेन्द्र चटर्जी रोड, कोलकाता
(पश्चिम बंगाल)–700035
033–25100868
dpru_kolkata@rediffmail.com

12. औषध मानकीकरण इकाई (होम्यो.),
क्यू.यू.बी. 32ए कमरा संख्या 4,
विक्रम पुरी, हबसीगुडा,
हैदराबाद–500 007 (आंध्र प्रदेश)
040–27178188040–27403755
drhafeezullahbaig@gmail.com

13. नैदानिक सत्यापन इकाई (होम्यो.)
गुरू गोविन्द सिंह अस्पताल, दूसरा तल,
पटना शहर–800008 (बिहार)
0612–2631952

14. चिकित्सीय पादपों की सर्वेक्षण एवं संग्रहण
इकाई (होम्यो.), इंदिरा नगर,
डाकखाना इमेराल्ड, उधागमंडलम
उटी– 643 209 (तमिलनाडु)
0423–2595184
mpcuemerald@gmail.com

15. नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
पुराना मातृत्व चिकित्सालय प्रागंण,
तिरुपति–517507 (आंध्र प्रदेश)
0877–2230466
crutpt@yahoo.co.in

16. नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.)
बी.–32, 3 क्रॉस स्ट्रीट,
ए.जी.एस. कालोनी (सी. साइड)
कोटिवक्कम, चेन्नई– 600090
044–24511821
cruchennai@yahoo.com.in

17. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान इकाई
(जनजातीय), आरसंडे, बोरेया रोड़,
डाकघर बोरेया, रांची–835 240 (झारखण्ड)
0651–2450986
crutranchi@rediffmail.com

18. नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
एम.बी.31, मिडल पॉइन्ट, महात्मा गांधी रोड़,
पोर्ट ब्लेयर–744 101 (अंडमान एवं निकोबार)
03192–233073
cruhportblair@yahoo.com

19. नैदानिक अनुसंधान इकाई (जनजातीय)
(होम्योपैथी) गोखिल रोड
(मात्री भंडार के पास) अरोविन्दोपल्ली
सिलिगुडी– 734006
0242–2596065
cruslg@gmail.com

20. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान इकाई
(जनजातीय), सैमफेल होटल के सामने,
संग्राम भवन के निकट, डेवलपमैंट एरिया,
गंगटोक–737 001 (सिक्किम)
03592–220250
crugangtok@gmail.com

21. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान इकाई
(जनजातीय), धान खेती,
शिलांग विधि महाविद्यालय के पास
शिलांग–793 001 (मेघालय)
0364–2504091
dr.crushillong@rediffmail.com

22. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान इकाई
(जनजातीय), 1/4, मेन रोड़,
कर्नल चौउमुहानी, कृष्णानगर,
डाकघर, अगरतला, त्रिपुरा–799 001
(पश्चिम त्रिपुरा)
0381–2309877
crut_agartala@yahoo.com

23. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान इकाई
(जनजातीय), प्रथम क्रास, मंगलाक्ष्मी नगर,
(नये बस स्टैंड के पीछे),
पुदुचेरी–605 013
0413–2206879
cru_homeo_pdy@hotmail.com

24. नैदानिक अनुसंधान इकाई (जनजातीय)
द्वारा श्री एम. इमति ए.ओ.
मकान नं. 408 ए.डी.सी.– कोर्ट जंक्शन,
डंकन कालोनी, दीमापुर
नागालैण्ड– 797113
0–9436442238
0386–2248151

25. नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.)
आयुष विभाग, सिविल अस्पताल
एज़वाल, मिजोरम– 796001
डा. पी.के. कुण्डु – 09436195470
डा. आर.पी. गुप्ता – 09649514780

26. नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.),
उत्तर–पूर्वी एचएमसी, विवेक विहार,
इटानगर, अरूणाचल प्रदेश–791113

विस्तार केन्द्र

1. नैदानिक अनुसंधान औषध मानकीकरण इकाई (होम्यो.), की विस्तार इकाई,
प्रिन्सेस दुरू शेहवार चिल्ड्रन एण्ड जनरल अस्पताल, पुरानी हवेली,
हैदराबाद–500 002 (आंध्र प्रदेश)
040–24567754
extncruhyd@yahoo.com
cruhyd@gmail.com

2. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.) की विस्तार इकाई,
डा. अभिन चन्द्र होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, खारवेला नगर,
भुवनेश्वर–751 001 (उडीसा)
0674–2391390

होम्योपैथी बाह्य रोगी उपचार विभाग

1. होम्योपैथिक उपचार केन्द्र,
कमरा संख्या 139 एवं 140, दूसरी मंजिल,
नई बिल्डिंग, सफदरजंग अस्पताल,
नई दिल्ली–110 016
011–261979860
11–26163072
(M.S. Safdarjung Hospital)
htc_sjh@yahoo.co.in

2. होम्योपैथी बाह्य रोगी उपचार विभाग,
लेडी हार्डिंग चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, नई दिल्ली

3. होम्योपैथी बाह्य रोगी उपचार विभाग,
दिल्ली छावनी अस्पताल, दिल्ली छावनी,
नयी दिल्ली

4. होम्योपैथी बाह्य रोगी उपचार विभाग,
विनोबा निकेतन, नेडुमांगडु,
तिरूअनन्तपुरम्, केरल

वर्ष 2011–2012 हेतु
केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् का
वित्तीय विवरण
(गैर–लाभकारी संगठन)

(आयुष विभाग के अधीन एक स्वायत्तशासी निकाय.)
स्वास्थय एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार)

जवाहर लाल नेहरू भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथिक अनुसंधान भवन,
61–65, संस्थानिक क्षेत्र, 'डी' ब्लाक के सामने, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058.

विषयसूची

विवरण	पृष्ठ सं.	संलग्नक
सामान्य लेखा के तुलन–पत्र	1 से 2	क
तुलन–पत्र की अनुसूचियाँ	3 से 6	
आय एवं व्यय लेखा	7 से 8	ख
आय एवं व्यय लेखा की अनुसूचियाँ	9 से 15	
पिछले वर्ष की अग्रिम राशियों के समायोजन का विवरण	16 एवं 16 ए	
कर्मचारियों को दिए गए अग्रिमों का विवरण	17	
महत्वपूर्ण लेखापालन नीति	18 से 20	
प्राप्ति एवं अदायगी लेखा	21 से 23	ग
प्राप्ति एवं अदायगी लेखा की अनुसूचियाँ	24 से 31	
सामान्य भविष्य निधि हेतु प्राप्ति एवं अदाएगी लेखा	32	घ
सामान्य भविष्य निधि का तुलन–पत्र	33	ड.
पेंशन निधि हेतु प्राप्ति एवं अदायगी लेखा	34	च
पेंशन निधि का तुलन–पत्र	35	छ
गृह निर्माण अग्रिम का तुलन–पत्र और प्राप्ति एवं अदायगी लेखा	36	ज
प्राप्ति एवं अदायगी लेखा और नयी पेंशन योजना का तुलन–पत्र	37 से 38	झ

वार्षिक प्रतिवेदन 2011-2012 केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च 2012 को यथास्थिति तुलन–पत्र

(आंकड़े रुपयों में)

देयताएं	अनुसूची / संलग्नक	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
पूंजीगत निधि	1	565,774,937.00	486,121,033.00
चालू देयताएं	7	369,643.00	442,726.00
सामान्य भविष्य निधि लेखा	संलग्नक–1 (भाग–2)	160,070,308.00	143,900,924.00
पेंशन निधि खाता	संलग्नक–2(भाग–2)	33,242,003.00	20,176,468.00
गृह निर्माण खाता	संलग्नक–3(भाग–2)	5,303,021.00	1,209,285.00
नयी पेंशन योजना	संलग्नक–4(भाग–2)	11,496.00	6,923,405.00
जोड़		**764,771,408.00**	**658,773,841.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वार्षिक प्रतिवेदन 2011-2012 केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च 2012 को यथास्थिति तुलन–पत्र

(आंकड़े रुपयों में)

परिसंपत्तियाँ	अनुसूची/संलग्नक	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
स्थाई परिसंपत्तियाँ	8	136,770,590.00	160,586,536.00
चालू परिसंपत्तियाँ	11	429,373,990.00	325,977,223.00
सामान्य भविष्य निधि लेखा	संलग्नक–1 (भाग–2)	160,070,308.00	143,900,924.00
पेंशन निधि लेखा	संलग्नक–2 (भाग–2)	33,242,003.00	20,176,468.00
गृह निर्माण लेखा	संलग्नक–3 (भाग–2)	5,303,021.00	1,209,285.00
नयी पेंशन योजना	संलग्नक–4 (भाग–2)	11,496.00	6,923,405.00
जोड़		764,771,408.00	658,773,841.00

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च 2012 को तुलन–पत्र का भाग बनने वाली अनुसूची

(आंकड़े रुपयों में)

अनुसूची – 1 पूंजीगत निधि	धनराशि	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
अथ शेष	224,808,636.00		
जोड़िएः वर्ष के दौरान सृजित परिसम्पत्तियां	9,170,762.00		
	233,979,398.00	233,979,398.00	224,808,636.00
व्यय से अधिक हुई आय	261,312,397.00		
अथ शेष	70,483,142.00		
जोड़िएः व्यय से अधिक हुई आय	331,795,539.00	331,795,539.00	261,312,397.00
जोड़		565,774,937.00	486,121,033.00

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च 2012 को तुलन–पत्र का भाग बनने वाली अनुसूची

(आंकड़े रुपयों में)

अनुसूची – 7 चालू देयताएं	धनराशि	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
समूह बीमा योजना निधि			
अथ शेष	5,676.00		
जोड़िएः वर्ष के दौरान प्राप्त	386,428.00		
	392,104.00		
घटाइएः वर्ष के दौरान प्रदत्त	386,428.00	5,676.00	5,676.00
बयाना राशि			
अथ शेष	437,050.00		
जोड़िएः वर्ष के दौरान की गई प्राप्ति	97,562.00		
	534,612.00		
घटाइएः वर्ष केदौरान लौटाया गया	188,500.00	346,112.00	437,050.00
नयी पेंशन योजना की ओर कर्मचारियों का अंशदान			
अथ शेष	-		
जोड़िएः वर्ष के दौरान वसूली गई	2,374,282.00		
घटाइए : वर्ष के दौरान हस्तान्तरित	2,356,427.00		
		17,855.00	-
जोड		369,643.00	442,726.00

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च 2012 को तुलन–पत्र का भाग बनने वाली अनुसूची

(आंकड़े रुपयों में)

अनुसूची–8 स्थिर परिसंपत्तियाँ

क्र. सं.	विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
		वर्ष के शुरू में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के शुरू में	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत तक का जोड़	चालू वर्ष के शुरू में	पिछले वर्ष के अंत में
1	नोयडा एवं मुंबई स्थित पटटाधारी भूमि	7,261,634.00			7,261,634.00	-				7,261,634.00	7,261,634.00
2	पुरी एवं कोलकाता में दान में प्राप्त बिल्डिंग	2,171,041.00			2,171,041.00	721,080.00	144,996.00	-	866,076.00	1,304,965.00	1,449,961.00
3	कोट्टायम, नोयडा ऊटी में बाड़ और चार दिवारी	102,880,977.00			102,880,977.00	549,848.00	10,233,113.00	-	10,782,961.00	92,098,016.00	102,331,129.00
4	कार्यालय उपस्कर	24,968,200.00	2,782,012.00	19,903.00	27,730,309.00	9,450,951.00	4,822,442.00	19,323.00	14,254,070.00	13,476,239.00	15,517,249.00
5	वाहन	3,112,429.00	666,067.00		3,778,496.00	1,960,530.00	595,073.00		2,555,603.00	1,222,893.00	1,151,899.00
6	फर्नीचर और फिक्चर	21,347,613.00	2,234,365.00	25,635.00	23,556,343.00	7,442,806.00	2,357,474.00	21,554.00	9,778,726.00	13,777,617.00	13,904,807.00
7	कंप्यूटर और संबधित सामान	28,636,408.00	743,420.00		29,379,828.00	21,057,216.00	5,244,981.00	-	26,302,197.00	3,077,631.00	7,579,192.00
8	विद्युत संस्थापना	418,581.00	32,777.00		451,358.00	235,725.00	35,104.00	-	270,829.00	180,529.00	182,856.00
9	पुस्त. हेतु पुस्तकें	5,318,847.00	402,775.00		5,721,622.00	5,318,847.00	402,775.00	-	5,721,622.00	-	-
10	नलकूप और जल पाइप	588,953.00	-		588,953.00	32,457.00	55,650.00	-	88,107.00	500,846.00	556,496.00
11	अस्पताल के उपस्कर	28,092,217.00	555,567.00	4,060.00	28,643,724.00	22,240,010.00	2,577,135.00	3,907.00	24,813,238.00	3,830,486.00	5,852,207.00
	जोड़	225,348,407.00	9,170,762.00	66,655.00	234,452,514.00	71,582,698.00	26,160,990.00	61,764.00	97,681,924.00	136,770,590.00	153,765,709.00

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
31 मार्च, 2012 को तुलन–पत्र का भाग बनने वाली अनुसूची

(आंकड़े रुपयों में)

अनुसूचि – 11 परिसम्पतियां		धनराशि	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
बैंक शेष				
परिषद	3,233,602.00			
विश्व स्वास्थ्य संगठन				
यू.सी.एल.ए.	718,703.00			
	3,952,305.00	**3,952,305.00**		
इन्टरनेट बैंकिंग खाता		1,000.00		
		3,952,305.00	**3,952,305.00**	**4,045,365.00**
कर्मचारियों को दिया गया ऋण और अग्रिम				
कम्प्यूटर अग्रिम		955,790.00		
स्कूटर अग्रिम		204,670.00		
कार अग्रिम		757,323.00		
साइकिल अग्रिम				
त्योहार अग्रिम				
वेतन अग्रिम		193,965.00		
चिकित्सा अग्रिम				
		10,000.00		
विभिन्न यूनिटों/संस्थानों को अन्य अग्रिम		**2,121,748.00**	**2,121,748.00**	**2,940,302.00**
आकस्मिक अग्रिम	82,145,191.00			
सहायता अग्रिम में अनुदान	12,355,595.00			
	94,470,786.00			
यात्रा भत्ता अग्रिम		194.563.00		

ह.	ह.	ह.
लेखा अधिकारी के.हो.अ.प., नई दिल्ली	लेखापाल (आ.ले.) के.हो.अ.प., नई दिल्ली	निदेशक के.हो.अ.प., नई दिल्ली

जारी ...

अनुसूचि – 11 परिसम्पतियां	धनराशि	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
	168,770.00		
छुट्टी यात्रा रियायत अग्रिम	94,834,119.00	94,834,119.00	309,797,823.00
		310,337,955.00	
प्रगतिशील कार्य के लिए अग्रिम			
वेतन	9,112,026.00		
अथ शेष	9,112,026.00		
घटाइए – समायोजित किया गया	6,274,635.00		
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्रदत्त योजनागत	**4,258,839.00**	**10,533,474.00**	**9,112,026.00**
गैर–योजनागत			
अग्रदाय अग्रिम अथ शेष जोड़िएः वर्ष के दौरान दिया गया अनुदान घटाइएः वर्ष के दौरान समायोजित	280,411.00 10,000.00 290,411.00 -	290,411.00	
प्रतिभूति जमा अथ शेष जोड़िएः वर्ष के दौरान दिया गया अनुदान घटाइएः पुनः प्राप्त की गई धनराशि	78,833.00 6,292.00 85,125.00 3,780.00	81,345.00	78,833.00
समूह बीमा योजना की बाबत कर्मचारियों से वसूलीयोग्य राशि अथ शेष जोड़िएः वर्ष के दौरान प्रदत्त घटाइएः वर्ष के दौरान वसूली गई धनराशि	2,874.00 578,700.00 581,574.00 577,800.00	3,774.00	2,874.00
व्यक्तिगत एल.आई.सी. के बाबत कर्मचारियों से वसूलीयोग्य धनराशि अथ शेष	-		

वार्षिक प्रतिवेदन 2011-2012 केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद

जारी ...

अनुसूचि – 11 परिसम्पत्तियां	धनराशि	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्रदत्त	231,049.00		
घटाइए : वर्ष के दौरान वसूली गई धनराशि	231,049.00		
मूल्य आधारित प्रकाशन	231,049.00	-	-
अथशेष	6,820,827.00		
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्रकाशित	979,277.00		
घटाइए : वर्ष के दौरान बिक्री	7,800,104.00		
परिषद् के सामान्य खाते में पेन्शनरो द्वारा आयकर के रूप में जमा की गई पेन्शन फंड से वसूली योग्य पुनः प्राप्त राशि	589,651.00	7,210,453.00	
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्रदत्त	7,406.00	-	
घटाइए : वर्ष के दौरान प्राप्त की गई धनराशि	-	7,406.00	-
जोड़		429,373,990.00	325,977,223.00

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च, 2012 को समाप्त अवधि/वर्ष का आय और व्यय लेखा

(आंकड़े रुपयों में)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
अनुदान/आर्थिक सहायता			
योजनागत	322,000,000.00		
गैर–योजनागत	167,000,000.00		
जोड़	489,000,000.00	13	
घटाइए–पूंजीकृत	9,170,762.00	8	354,325,680.00
	479,829,238.00	479,829,238.00	
राष्टीय आयुर्वेद विद्यापीठ से अनुदान		13 492,700.00	
ऊटी के लिए एन.एम.पी.बी. हेतु जी.आई.ए.			1,500,000.00
अर्जित ब्याज		17 3,393,391.00	2,510,586.00
अन्य आय		18 539,873.00	234,933.00
आय से अधिक			37,272.00
जोड़		**484,255,202.00**	**358,608,471.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च, 2012 को समाप्त अवधि/वर्ष का आय और व्यय लेखा

आंकड़े रुपयों में

व्यय			अनुसूची	चालू वर्ष 20011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
स्थापना व्यय					
योजनागत					
समान्य क्षेत्र योजनागत		125,665,438.00	20		
विशेष संघटक योजना		11,565,255.00	20		
जन जातीय क्षेत्र योजना		11,921,707.00	20		
कुल योजनागत		149,152,445.00			
गैर–योजनागत		106,242,467.00			
		255,394,912.00	20 (A)	255,394,912.00	262,311,471.00
अन्य प्रशासनिक व्यय					
योजनागत					
सामान्य क्षेत्र योजना	62,939,679.00				
चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण	2,965,697.00	65,905,376.00	21		
विशेष संघटक योजना		1,558,660.00	21		
जन जातीय क्षेत्र योजना		1,407,038.00	21		
कुल योजनागत		68,871,083.00			
गैर–योजनागत		56,478,533.00			
			21 (A)	125,349,616.00	77,636,708.00
जी.आई.ए. फॉर एन.एम.पी.बी. ऊटी					1,500,000.00
व्यय (यूसीएलए अनुदान के विरूद्ध)			अनुलग्नक–सी	245,946.00	
राष्ट्रीय विद्यापीठ से प्राप्त व्यय के विरूद्ध			अनुलग्नक–सी	172,700.00	
कर्मचारी अंशदान (नई पेंशन स्कीम)				2,356,427.00	1,725,894.00

जारी.....

आंकड़े रुपयों में

व्यय	अनुसूची	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
नई पेंशन स्कीम पर ब्याज		91,469.00	234,646.00
बोली द्वारा ब्रिकी की वस्तुओं पर नुकसान (Rs. 2,01,344.00 (-) 1,87,960.00)		-	13,384.00
गृह निर्माण कोश में स्थानांतिरत राशि		4,000,000.00	
मूल्यह्रास		26,160,990.00	15,186,368.00
व्यय से अधिक हुई आय*		70,483,142.00	
जोड़		**484,255,202.00**	**358,608,471.00**
महत्वपूर्ण लेखा नीति	24		

*अग्रिम पर खर्च की आय व व्यय लेखा में सम्मिलित नही किया गया है।

ह.	ह.	ह.
लेखा अधिकारी	लेखापाल (आ.ले.)	निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली	कें.हो.अ.प., नई दिल्ली	कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च, 2012 को आय और व्यय लेखा का भाग बनने वाली अनुसूची

(आंकड़े रूपयों में)

अनुसूची – 13 अनुदान/आर्थिक सहायता		चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
केन्द्रीय सरकार से			
योजनागत सामान्य क्षेत्र योजना	162,000,000.00		
सामान्य क्षेत्र योजना (मुख्य कार्य)	90,000,000.00		
अनु. जाति हेतु विशेष संगठक योजना	20,000,000.00		
जनजाति क्षेत्रीय योजना	20,000,000.00		
चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान (उ.पू.क्षे.)	30,000,000.00		
	322,000,000.00		
गैर–योजनागत	167,000,000.00	489,000,000.00	487,200,000.00
राष्टीय आयुर्वेद विद्यापीठ से अनुदान		492,700.00	
जोड़		489,492,700.00	487,200,000.00

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद

31 मार्च, 2012 को आय और व्यय लेखा का भाग बनने वाली अनुसूची

आंकड़े रुपयों में

अनुसूची – 17 अर्जित ब्याज	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
बचत बैंक खाते पर		
भारतीय स्टेट बैंक में	2,922,475.00	2,128,685.00
ऋण पर अर्जित ब्याज कर्मचारियों से	470,916.00	381,901.00
जोड	3,393,391.00	2,510,586.00s

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
31 मार्च, 2012 को आय और व्यय लेखा का भाग बनने वाली अनुसूची

(आंकड़े रुपयों में)

अनुसूची – 18 अन्य आय	योजनागत	गैर–योजनागत		चालू वर्ष 2011-2012	पिछला वर्ष 2010-2011
रॉयल्टी				51,162.00	
बीमा दावे	15,550.00			15,550.00	
पौधें की बिक्री		64,250.00		64,250.00	14,325.00
सूचना अधिकार के लिए शुल्क	1,074.00			1,074.00	1,227.00
सी.जी.एच.एस. के लिए की गई वसूली	353,075.00			353,075.00	152,800.00
स्टाफ कार के इस्तेमाल के लिए अंशदान					15,912.00
बोली लगाकर बिकी की गई वस्तुओं पर लाभ		25,784.00		25,784.00	
विविध प्राप्तियां					
पहचान पत्र की लागत	75.00		75.00		
औरिट्रयो काफा, नोएडा से प्राप्त किराया	11,550.00		11,550.00		
केबी, मुम्बई द्वारा चेक का गैर संग्रह	2,194.00				
निविदा पत्रों की बिक्री से	900.00		900.00		
प्रशिक्षण किट की बिक्री से	2,484.00				
ईकाईयों द्वारा माफ अतिरिक्त राशि	3,425.00	200.00	3,625.00		
ईकाईयों द्वारा माफ लौटाई गई विविध राशि	5,300		5,300.00		
रद्दी कागजों की बिक्री -	2,850.00		2,850.00		
जोड.	**28,778.00**	**200.00**	**28,978.00**	28,978.00	50,669.00
जोड.				**539,873.00**	**234,933.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
31 मार्च, 20012 को आय और व्यय लेखा का भाग बनने वाली सामान्य क्षेत्र, अन. जाति एवं अनुं जनजाति विशेष संघटन योजना के अंतर्गत अनुसूची

(आंकड़े रुपयों में)

अनुसूची – 20 स्थापना व्यय	चालू वर्ष 2011-2012			पिछला वर्ष 2010-2011		
	सा.क्षे.यो.	वि.सं.यो.	ज.जा.क्षे.यो.	सा.क्षे.यो.	वि.सं.यो.	ज.जा.क्षे.यो.
वेतन	66,275,883.00	5,632,702.00	5,991,373.00	51,289,708.00	5,341,163.00	4,969,613.00
भत्ते और बोनस	56,223,862.00	5,911,724.00	5,850,067.00	48,367,306.00	4,617,050.00	4,182,267.00
अन्य (स्पष्ट करें)						
समयोपरि भत्ता	16,045.00	-		31,498.00		
चिकित्सा प्रतिपूर्ति व्यय	848,136.00	14,743.00	11,462.00	1,488,630.00	352,400.00	3,237.00
छुट्टी यात्रा रियायत व्यय	979,909.00	6,086.00	68,805.00	2,391,103.00	73,497.00	113,975.00
सी.जी.एच.एस. भुगतान	1,321,648.00			2,575,149.00		
जोड़	**125,665,483.00**	**11,565,255.00**	**11,921,707.00**	**106,143,394.00**	**10,384,110.00**	**9,269,092.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च, 2012 को आय और व्यय लेखा का भाग बनने वाली गैर–योजना के अंतर्गत अनुसूची

(आंकड़े रुपयों में)

अनुसूची – 20 (क) स्थापना व्यय	चालू वर्ष 2011-2012	पिछला वर्ष 2010-2011
वेतन और मजदूरी	57,794,145.00	47,603,932.00
भत्ते और बोनस	47,806,122.00	38,106,523.00
कर्मचारी सेवानिवृति टर्मिनल लाभों पर खर्च		49,600,000.00
अन्य (स्पष्ट करें)		
समयोपरि भत्ता	17,436.00	7,791.00
चिकित्सा प्रतिपूर्ति व्यय	265,567.00	452,875.00
छुट्टी यात्रा रियायत व्यय	359,197.00	743,754.00
जोड़	**106,242,467.00**	**136,514,875.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्

31 मार्च, 2012 को आय और व्यय लेखा का भाग बनने वाली सामान्य क्षेत्र योजना, अनुसूचित जाति और जनजाति क्षेत्र विशेष संघटन योजना के अंतर्गत अनुसूची

((आंकडे रुपयों में)

अनुसूची – 21(क)	चालू वर्ष 2011–2012			पिछला वर्ष 2010–2011		
अन्य प्रशासनिक व्यय	सा.क्षे.यो.	वि.सं.यो.	ज.जा.क्षे.यो.	सा.क्षे.यो.	वि.सं.यो.	ज.जा.क्षे.यो.
मजदूरी	7,664,988.00	25,663.00	146,980.00			
बिजली और विद्युत	2,370,893.00	13,155.00	40,224.00	2,226,705.00	12,016.00	28,460.00
जल प्रभार	192,482.00	14,160.00		152,283.00	16,658.00	
बीमा	15,576.00			25,230.00		
मरम्मत और अनुरक्षण	2,621,115.00	37,003.00	26,454.00	4,226,990.00	95,347.00	25,132.00
किराया, दर और कर	1,635,865.00	866,268.00	401,840.00	1,308,214.00	425,096.00	348,160.00
वाहन संचालन और अनुरक्षण	809,252.00			721,585.00		
कोर्यालय कार्य हेतु वाहन किराया	602,975.00			640,177.00		
डाक, टेलीफोन और संचार प्रभार	787,404.00	56,621.00	76,192.00	918,341.00	115,541.00	47,608.00
मुद्रण और लेखन सामग्री	3,023,680.00	75,336.00	77,721.00	3,314,275.00	119,438.00	106,725.00
यात्रा और सवारी व्यय	2,874,303.00	388,595.00	493,475.00	5,736,289.00	181,056.00	284,516.00
सामूहिक अध्ययन पर व्यय	10,337,066.00			5,317,859.00		
सेमिनार व कार्यशाला पर व्यय	1,624,877.00			8,135,239.00		
अंशदान व्यय	276,314.00		751.00	138,483.00		
शुल्कों पर व्यय	95,700.00			28,050.00	1,600.00	3,500.00
लेखा–परीक्षा संबंधी पारिश्रमिक				36,850.00		
वृत्तिक प्रभार	249,070.00			321,545.00		
हिन्दी संसदीय समिति पर व्यय	889,977.00			56,298.00		

जारी ...

अनुसूची – 21(क) अन्य प्रशासनिक व्यय	चालू वर्ष 2011–2012			पिछला वर्ष 2010–2011		
	सा.क्षे.यो.	वि.सं.यो.	ज.जा.क्षे.यो.	सा.क्षे.यो.	वि.सं.यो.	ज.जा.क्षे.यो.
विज्ञापन और प्रचार पर व्यय	1,107,532.00			8,148,342.00		25,856.00
परामर्शदाता प्रभार	572,222.00	1,000.00	3,500.00	1,629,248.00	43,000.00	20,000.00
अन्वेषण पर व्यय	146,975.00	200.00		400,107.00	380,657.00	4,843.00
औषधि पर व्यय	913,113.00	37,243.00	66,711.00	332,442.00	43,787.00	131,711.00
खुराक पर व्यय	1,506,500.00			1,675,815.00		
फुटकरों पर व्यय	1,471,617.00	13,514.00	18,941.00	1,652,259.00	18,661.00	17,994.00
प्रमाणकों आर परामर्शदाताओ पर व्यय	321,160.00			355,200.00		
अभियान पर व्यय (अनुलग्नक–डी)	19,633,101.00			12,179,767.00		
(अनुलग्नक–इ)	2,965,697.00			3,951,447.00		
विविध व्यय	1,195,922.00	29,911.00	54,249.00	2,400,522.00	22,369.00	54,333.00
जोड़	**65,905,376.00**	**1,558,669.00**	**1,407,038.00**	**66,029,562.00**	**1,475,226.00**	**1,098,838.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

अनुलग्नक – घ
13 (अ)

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्

31 मार्च, 2012 को आय और व्यय लेखा का भाग बनने वाली मृत एवं शिशु स्वास्थ्य रक्षा हेतु होम्योपैथी पर राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत अनुसूची

(आंकडे रुपयों में)

अनुलग्नक (अ) मातृ एवं शिशु रक्षा हेतु राष्ट्रीय अभियान पर खच	चालू वर्ष 2011-2012	पिछला वर्ष 2010-2011
व्यय		
वेतन		54,000.00
यात्रा भत्ता एवं सवारी व्यय	5,436,464.00	3,163,381.00
विविध खर्च	7,015,166.00	7,079,194.00
वाहन मरम्मत एवं किराया		17,546.00
डाक एवं दूरभाष	55,200.00	37,331.00
प्रकाशन एवं प्रलेखन सामग्री	3,663,979.00	978,855.00
किराया		410,231.00
औषधि	1,651,454.00	213,001.00
फुटकर	57,017.00	216,468.00
प्रयोगशाला अन्वेक्षण पर खर्च	55,954.00	5,560.00
विज्ञापन एपं प्रभार पर खर्च	192,471.00	4,200.00
उ.पू.क्षे. में मात् एवं शिशु स्वास्थ्य अभियान पर खर्च यात्रा भत्ता	233,455.00	
उ.पू.क्षे. में मात् एवं शिशु स्वास्थ्य अभियान पर विविध खर्च	931,344.00	
उ.पू.क्षे. में मात् एवं शिशु स्वास्थ्य अभियान पर प्रकाशन एवं प्रलेखन सामग्री	287,806.00	
उ.पू.क्षे. में मात् एवं शिशु स्वास्थ्य अभियान में औषधि चिकित्सा पर खर्च	52,691.00	
जोड़	**19,633,001.00**	**12,179,767.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्

अनुलबनक – घ
13 (ब)

31 मार्च, 2012 को आय और व्यय लेखा का भाग बनने वाली चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण उत्तर–पूर्वी क्षेत्र के अंतर्गत अनुसूची

(आंकड़े रुपयों में)

अनुलग्नक (ब) व्यय विवरण (चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण उत्तर–पूर्वी)	चालू वर्ष 2011-2012	पिछला वर्ष 2010-2011
व्यय		
वेतन	97,700.00	78,400.00
यात्रा भत्ता एवं सवारी व्यय	2,288,472.00	1,898,151.00
विविध खर्च	368,101.00	1,510,895.00
औषधि		85,744.00
फुटकर		43,556.00
जल पर व्यय	2,999.00	
प्रकाशन एवं प्रलेखन सामग्री	204,675.00	334,533.00
डाक एवं दूरभाष		168.00
मरम्मत एवं अनुरक्षण	1,750.00	
किराया	2,000.00	
जोड़	**2,965,697.00**	**3,951,447.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्

31 मार्च, 2012 को आय और व्यय लेखा का भाग बनने वाली गैर योजना के अंतर्गत अनुसूची

(आंकडे रुपयों में)

अनुसूची–21 (क) अन्य प्रशासनिक व्यय	चालू वर्ष 2010-2011	पिछला वर्ष 2009-2010
मजदूरी	1,448,741.00	
सेवानिवृति लाभों पर व्यय	49,200,000.00	
बिजली और विद्युत	348,916.00	302,236.00
जल प्रभार	12,985.00	8,447.00
बीमा	27,156.00	1,597.00
मरम्मत और अनुरक्षण	255,757.00	1,621,941.00
किराया, दर और कर	868,846.00	1,072,918.00
वाहन चालन और रख रखाव	87,477.00	105,533.00
सरकारी उद्देश्य के लिए वाहन किराये पर लेना		12,359.00
डाक, टेलीफोन और संचार प्रभार	342,989.00	397,250.00
मुद्रण आर लेखन सामग्री	381,105.00	696,185.00
यात्रा और सवारी व्यय	1,698,227.00	2,003,118.00
प्रयोगशाला अन्वेषणों पर व्यय	37,074.00	
शुल्क पर व्यय	7,230.00	2,850.00
विज्ञापन और प्रचार पर व्यय	24,363.00	9,056.00
अंशदान व्यय		17,196.00
पट्टा उपकर / किराया	159,313.00	612,097.00
औषधि पर व्यय	409,816.00	358,364.00

जारी ...

अनुसूची–21 (क) अन्य प्रशासनिक व्यय	चालू वर्ष 2011-2012	पिछला वर्ष 2010-2011
खुराक पर व्यय	67,949.00	60,837.00
फुटकरों पर व्यय	496,255.00	817,072.00
परामर्शदाताओं	169,500.00	179,532.00
प्रमाणकों आर परामर्शदाताओं पर व्यय	93,036.00	234,760.00
विविध व्यय	263,816.00	477,186.00
वृत्तिक प्रभार	58,980.00	28,010.00
जोड़	**56,478,533.00**	**9,033,082.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

अनुलग्नक – ग

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)

संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च, 2012 को आय और व्यय लेखा का भाग बनने वाली आरएवी द्वारा निस्तर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत अनुसूची

(आंकड़े रुपयों में)

अनुसूची–21 (ग) निरतर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम पर व्यय विवरण			चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010-2010
वेतन			29,000.00	
मुद्रण आर लेखन सामग्री			8,165.00	शून्य
विविध व्यय			87,332.00	
यात्रा भत्ता पर व्यय			48.203.00	शून्य
जोड़			**172,700.00**	शून्य

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
31 मार्च, 2012 को आय और व्यय लेखा का भाग बनने वाली यू.एल.सी.ए. के अंतर्गत अनुसूची

(आंकड़े रुपयों में)

यू.एल.सी.ए. निधि से अन्य व्यय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	2011–2012	2010–2010
वेतन	72,700.00	
डाक/दूरभाष व्यय	4,546.00	शून्य
लेखन सामग्री	19,998.00	
यात्रा भत्ता एवं सवारी भत्ता	122.534.00	शून्य
विविध खर्च	26.168.00	
जोड़	**245,946.00**	शून्य

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का पफार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
(पिछले वर्ष की अग्रिम राशियों के समायोजन का विवरण)

(आंकड़े रुपयों में)

शीर्ष	सामान्य क्षेत्र योजना	अनुसूचित जाति संघटक योजना	जनजातीय क्षेत्रा योजना	कुल योजना	गैर–योजना	यूसीएलए	बिलों के माध्यम से समायोजित	नकद प्राप्त	कुल समायो नकदी
छुट्टी यात्राा रियायत व्यय	10,238.00		28,245.00	38,483.00			38,483.00	18,917.00	57,400.00
यात्राा भत्ता और सवारी (जी.ए.पी.+एच.एम.)	36,936.00			36,936.00	49,771.00		86,707.00	92,087.00	178,794.00
औषधि खर्च	96,900.00			96,900.00			96,900.00		96,900.00
भत्ते एवं बोनस	2,831,209.00			2,831,209.00		72,700.00	34,242,600.00	4,951,591.00	39,194,191.00
बिजली और विद्युत			-		2,500.00				
यात्रा भत्ता और सवारी व्यय	5,219,430.00	24,000.00		5,243,430.00	21,276.00	122,534.00			
मरम्मत और अनुरक्षण	111,126.00			111,126.00	45,590.00				
जल पर लागत	2,999.00			2,999.00					
वाहन संचालन और अनुरक्षण	28,989.00			28,989.00	10,000.00				
डाक और टेलिफोन	57,230.00		324.00	57,554.00	1,440.00	4,546.00			
मुद्रण और लेखन सामग्री	4,107,636.00	900.00	2,452.00	4,110,988.00	49,999.00	19,998.00			
विविध व्यय	13,960,500.00	400.00	1,040.00	13,961,940.00	27,165.00	26,168.00			
किराया	2,000.00			2,000.00					
बीमा	10,826.00			10,826.00					
औषधि	1,785,477.00			1,785,477.00	44,257.00				
फुटकर	509,825.00			509,825.00	134,441.00				
प्रयोगशाला अन्वेषण पर व्यय	55,954.00			55,954.00					

जारी.....

(आंकड़े रुपयों में)

शीर्ष	सामान्य क्षेत्र योजना	अनुसूचित जाति संघटक योजना	जनजातीय क्षेत्रा योजना	कुल योजना	गैर–योजना	यूसीएलए	बिलों के माध्यम से समायोजित	नकद प्राप्त	कुल समायो नकदी
विज्ञापन और प्रचार प्रसार पर व्यय	192,471.00			192,471.00	9,776.00				
खुराक पर व्यय	49,303.00			49,303.00					
वृत्तिक प्रचार				-	12,000.00				
नि.चि.शि. कार्यक्रम (आरएवी) के लिए	171,928.00				171,928.00				
जोड़	**29,240,977.00**	**25,300.00**	**32,061.00**	**29,298,338.00**	**408,215.00**	**245,946.00**	**34,464,690.00**	**5,062,595.00**	**39,527,285.00**
परिसंपत्तियां									
वाहन / एम्बुलेंस	666,067.00			666,067.00					
फर्नीचर	261,321.00		9,500.00	270,821.00	195,200.00				
कम्प्यूटर / प्रिंटर	366,887.00	129,062.00		495,949.00	44,929.00				
प्रयोगशाला उपकरण	385,985.00			385,985.00	1,465,219.00				
कार्यालय उपकरण	214,378.00			214,378.00	633,994.00				
पुस्तकें					139,649.00				
जोड़ (ब)	1,894,638.00	129,062.00	9,500.00	2,033,200.00	2,478,991.00				
जोड़ (अ) + (ब)	31,135,615.00	154,362.00	41,561.00	31,331,538.00	2,887,206.00	245,946.00	34,464,690.00	5,062,595.00	39,527,285.00

* कृपया सामान्य क्षेत्र योजना, मातृ एवं शिशु रक्षा, स्वास्थ्य मेला, चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण–उत्तरी पूर्वी क्षेत्र के अन्तर्गत व्यय अनुलग्नक एफ का अवलोकन करें।

P. Gadi
ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

Padmini J
ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

अनुलग्नक – एफ
16 (अ)

वित्तीय विवरणों का पफार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
(पिछले वर्ष की अग्रिम राशियों के समायोजन का विवरण)

(आंकडे रुपयों में)

शीर्ष	सामान्य क्षेत्र योजना	एम.सी.सी.एच.	एम.सी.सी. एच.(उ.पू.क्षे.)	स्वास्थ्य मेला	चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण (उ.पू.क्षे.)	सहयोगात्मक अध्ययन	कुल	यू.सी.एल.ए.
छुट्टी यात्रा रियायत व्यय	10,238.00						10,238.00	
यात्रा भत्ता और सवारी (जी.ए.पी+एच.एम)	28,490.00			8,446.00			36,936.00	
चिकित्सा प्रतिपूर्ति व्यय	96,900.00						96,900.00	
भत्ते व बोनस	2,000.00				29,800.00	2,799,409.00	2,831,209.00	72,700.00
बीमा	10,826.00						10,826.00	
यात्रा व सवारी व्यय	2,484.00	4,604,174.00	137,885.00	47,806.00	320,102.00	106,979.00	5,219,430.00	122,534.00
मरम्मत और अनुरक्षण	109,376.00				1,750.00		111,126.00	
जल पर लागत					2,999.00		2,999.00	
वाहन संचालन और अनुरक्षण	28,989.00						28,989.00	
डाक और टेलीफोन	2,030.00	55,200.00					57,230.00	4,546.00
मुद्रण और लेखन सामग्री	7,617.00	3,663,979.00	287,806.00	71,596.00	76,638.00		4,107,636.00	19,998.00
विविध व्यय	117,133.00	5,507,069.00	727,332.00	109,645.00	141,000.00	7,358,321.00	13,960,500.00	26,168.00
किराया					2,000.00		2,000.00	
औषधि	19,392.00	1,651,454.00	52,691.00	61,940.00			1,785,477.00	
फुटकर	447,924.00	57,017.00		4,884.00			509,825.00	
प्रयोगशाला अन्वेक्षण पर व्यय		55,954.00					55,954.00	
विज्ञापन और प्रचार प्रसार पर व्यय		192,471.00					192,471.00	
खुराक पर व्यय	49,303.00						49,303.00	
जोड़ (अ)	**932,702.00**	**15,787,318.00**	**1,205,714.00**	**304,317.00**	**574,289.00**	**10,264,709.00**	**29,069,049.00**	**245,946.00**

वार्षिक प्रतिवेदन 2011-2012 केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद

जारी.....

अनुलब्नक – एफ
16 (अ)
(आंकड़े रुपयों में)

शीर्ष	सामान्य क्षेत्र योजना	एम.सी.सी.एच.	एम.सी.सी. एच.(उ.पू.क्षे.)	स्वास्थ्य मेला	चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण (उ.पू.क्षे.)	सहयोगात्मक अध्ययन	कुल	यू.सी.एल.ए.
परिसंपत्तियां								
वाहन /एम्बुलैंस	666,067.00						666,067.00	
फर्नीचर	175,556.00				85,765.00		261,321.00	
कम्प्यूटर/प्रिंटर	58,137.00				308,750.00		366,887.00	
प्रयोगशाला उपकरण	27,020.00				358,965.00		385,985.00	
कार्यालय उपकरण	173,848.00				40,530.00		214,378.00	
जोड़ (ब)	1,100,628.00	-			794,010.00	-	1,894,638.00	-
जोड़ (अ) + (ब)	2,033,330.00	15,787,318.00	1,205,714.00	304,317.00	1,368,299.00	10,264,709.00	30,963,687.00	245,946.00

P. Gadi
ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

Padmini J
ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
सरकारी कर्मचारियों को दिए गए अग्रिमों का विवरण

(आंकड़े रुपयों में)

शीर्ष	अथ शेष	वर्ष के दौरान स्वीकृत	जोड़	वर्ष के दौरान समायोजित 2011–2012	बकाया शेष 31.03.2012 तक
कम्प्यूटर अग्रिम	1,292,964.00	144,000.00	1,436,964.00	481,174.00	955,790.00
स्कूटर अग्रिम	260,230.00	84,000.00	344,230.00	139,560.00	204,670.00
कार अग्रिम	1,099,228.00		1,099,228.00	341,905.00	757,323.00
चिकित्सा अग्रिम	106,900.00		106,900.00	96,900.00	10,000.00
त्योहार अग्रिम	179,490.00	496,500.00	675,990.00	482,025.00	193,965.00
वेतन अग्रिम	1,490.00	46,738.00	48,228.00	48,228.00	-
जोड़	**2,940,302.00**	**771,238.00**	**3,711,540.00**	**1,589,792.00**	**2,121,748.00**

P. Gadi
ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

Padmini J
ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च, 2012 को तुलन–पत्र का भाग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची – 24 महत्त्वपूर्ण लेखापालन नीतियां

1 **लेखा पालन नीतियाँः** वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक लागत परिपाटी और प्रोद्भवन के आधार पर तैयार किया जाता है।

2 **मालसूची मूल्यांकनः** भंडारों (मशीनरी और अतिरिक्त पुर्जों सहित) का मूल्यांकन लागत के आधर पर किया जाता है।

3 **स्थिर परिसम्पत्तियांः** स्थिर परिसम्पत्तियों का विवरण, अधिग्रहण से संबंधित आनुशांगिक और प्रत्यक्ष व्यय और करों सहित अधिग्रहण लागत के आधार पर दिया जाता है और लागत के आधर पर उन्हें पूंजीकृत किया जाता है।

4 **मूल्यह्रासः** स्थिर परिसंपत्तियों का मूल्यांकन लागतहीन संचयन मूल्यहास के आधार पर किया जाता है। संबंधित वर्ष की स्थाई परिसंपत्तियों का मूल्यहास निम्नलिखित दरों में परिसंपत्तियों का मूल्य दिया गया है।

	मद	दरें
1	कार्यालय उपस्कर	25%
2	विद्युत संस्थापन	15%
3	प्रयोगशाला / अस्पताल उपस्कर	40%
4	वाहन	20%
5	फर्नीचर और फिक्सर	15%
6	कम्प्यूटर और संबधित सामान	60%
7	पुस्तकें	100%
8	भवन	10%
9	नलकूप और जल पाइप	10%

उपरोक्त मूल्यहास से संबंधित दरें आयकर अधिनियम 1962 के अंतर्गत अपनाए गए हैं और सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित की गई हैं।

5 **सामान्य भविष्य निधि** परिषद् सामान्य भविष्य निधि नियम, 1960 में संलग्नक–1 के अनुसार अपने कर्मचारियों के लिए एक अलग सामान्य भविष्य निधि खाता रख रही है।
सामान्य भविष्य निधि खाते का प्राप्ति और भुगतान लेखा तथा तुलन–पत्र परिषद् के वार्षिक लेखे के संलग्नक–1 के साथ संलग्न है।

6 **सेवानिवृत्ति लाभः** सेवा–निवृत्ति संबंधी लाभों को उस राशि से पूरा किया गया है जिसे आयुष विभाग से सहायता अनुदान के रूप में प्राप्त किया गया और क्रेडिट के द्वारा पेंशन निधि खाते में अंतरित किया गया है। एक अलग खाता अर्थात पेंशन निधि खाता रखा जा रहा है। पेंशन निधि खाते का प्राप्ति और भुगतान लेखातथा तुलन–पत्र परिषद् के वार्षिक लेखे के संलग्नक–2 के साथ संलग्न है।

7 **गृह निर्माण अग्रिम** परिषद् अपने कर्मचारियों के लिए एक अलग गृह निर्माण अग्रिम खाता रख रही है।
गृह निर्माण अग्रिम खाते का प्राप्ति और अदायगी लेखा तथा तुलन–पत्र परिषद् के वार्षिक लेखे के साथ अनुबंध–III पर संलग्न है।

8 **निवेश** परिषद् ने भारतीय स्टेट बैंक में नियत / मियादी जमा धनराशि के अतिरिक्त और कोई निवेश नहीं किया है।

9 **समग्र / पूंजीगत निधि :** यह आय के संचित शेष की अधिकता से अतिव्यय का प्रतिनिधित्व करता है। स्थिर परिसंपत्तियों का मूल्य सहायक अनुदान से अर्जित किया गया।

10 **आकस्मिक देयताएँ :** परिषद् के तुलन–पत्र में आकस्मिक देयताएँ नहीं है।

11 लेखाकरण नीतियों और सामग्री प्रभाव में परिवर्तनः

वर्ष के दौरान खाते एक समान फॉर्मेट के आधार पर खाते तैयार किए जाते हैं, जो कि 1.04.02001 से केन्द्रीय स्वायत्त संस्थानों में लागू होगा। क्योंकि सामान्य भविष्य निधि, पेंशन निधि खाता और गृह निर्माण खाता निधि के स्थान पर कोई नया फॉर्मेट उपलब्ध नहीं हुआ है। इसे वित्तीय विवरण से अलग रखा जाता है और इस वित्तीय विवरण (संलग्नक–1,2 और 3 में देखें) को संलग्न करें।

13 चालू परिसंपत्तियों में, नगद और बैंक शेष, कर्मचारियों को दिए गए अग्रिम ओर अन्य इकाईयों/संस्थानों इत्यादि को दिए अग्रिम सम्मिलित हैं।

14. संबंधित वर्ष में विदेशी मुद्रा का संचालन नहीं हुआ है।

15. पिछले वर्ष के आंकड़े आवश्यकतानुसार पुनःसमूहित किए जाते हैं।

16. 2011–2012 में आंकड़ों को रुपयों में पूर्णांकित किया गया है।

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
31 मार्च, 2012 को प्राप्ति एवं अदायगियों का विवरण

(आंकडे रुपयों में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष	अदायगियां 2010–2011	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
अथ शेष			व्यय		
क) बैंक शेष 3,045,621.00 (प्राप्ति और वसूली सहित)			क) स्थापना व्यय		
ख) विश्व स्वास्थ्य संगठन			**योजनागत**		
ग) यू.सी.एल.ए. 718,333.00			सा.क्षे.यो.(स्टेट–अ) 126,407,094.00		
3,763,954.00	3,763,954.00		अ.जा.उप.यो.(स्टेट–अ) 11,711,593.00		
घ) ईन्टरनेट बैकिंग खाता	1,000.00	3,431,370.00	ज.जा.क्षे.यो.अनु.(स्टेट–अ) 11,848,514.00		
प्राप्त अनुदान			**149,967,201.00**		
क) स्वा.एवं.प.क. मंत्रालय, नई दिल्ली			**गैर–यो. (स्टेट–ब) 106,882,546.00**		
योजनागत			**256,849,747.00**	256,849,747.00	263,228,447.00
सा. क्षे. यो. 162,000,000.00			ख) **प्रशासनिक व्यय**		
सा. क्षे. यो. (मुख्य कार्य) 90,000,000.00			**योजनागत**		
अ.जा उप यो. 20,000,000.00			सा.क्षे.यो.(स्टेट–स) 168,103,652.00		
ज.जा.क्षे.यो. 20,000,000.00			अ.जा.उप.यो.(स्टेट–स) 1,563,369.00		
उ.पू.क्षे. 30,000,000.00			ज.जा.क्षे.यो.अनु.(स्टेट–स) 1,435,922.00		
322,000,000.00			171,102,943.00		
गैर–योजनागत 167,000,000.00			**गैर–यो. (स्टेट–13ड)** 59,483,297.00		
489,000,000.00	489,000,000.00	487,200,000.00	230,586,240.00	230,586,240.00	207,268,274.00
राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ			**मूल्याधारित प्रकाशन**	**979.277.00**	
W.H.O. (I) 172,700.00	172,700.00				
W.H.O. (II) 320,000.00	320,000.00				

जारी.....

(आंकड़े रुपयों में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011	अदायगियां	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
ऊटी के एन.एम.पी.बी. हेतु		1,500,000.00	नि.चि.सि.(आरएबी) पर व्यय (अनुलग्नक–सी)	772.00	
			नि.स्वा.स.(II) (अनुलग्नक–सी)		
प्राप्त ब्याज					
क) बैंक जमा पर	2,922,475.00	2,128,685.00	अनुदान (ऊटी हेतु एन.एम.पी.बी.)		1,500,000.00
ख) लोन एवं अग्रिमों पर	470,916.00	381,901.00	यू.एल.सी.ए. (अनुलग्नक–सी)		246,316.00
अन्य आय			स्थाई परिसंपत्तियों पर खर्च		
क) विविध प्राप्तियाँ	28,978.00	50,669.00	योजनागत		
ख) निलाम किए गए मदों से प्राप्ति	30,675.00	187,960.00	सा.क्षे.यो.(स्टेट–ई) 3,678,405.00		
			अनु.जा.उप यो.(स्टेट–ई) 7,225.00		
ग) समूल्य प्रकाशनों की बिक्री	521,478.00	330,389.00	ज.जा.क्षे.यो.(स्टेट–ई) 37,100.00		
घ) पौधों की बिक्री	64,250.00	14,325.00	मा.शि.स्वा.र.रा.अ.(स्टेट–ई) -		
ड.) पुराने वाहनों की बिक्री			मैट (उ.पू.क्षे.).(स्टेट–ई) -		
च) अन्य प्राप्तियाँ / पत्रिका से अभिदान	68,173.00	44,205.00	3,722,730.00		
छ) स्टॉल बुक करना(एनसीएचएमसीसी)			गैर–यो.(एस15) 9,35,841.00		
झ) स्टाफ कार का प्रयोग		15,912.00	4,658,571.00	4,658,571.00	23,650,597.00

जारी.....

(आंकड़े रुपयों में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011	अदायगियां	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
कोई अन्य प्राप्तियाँ					
क) अग्रिम के प्रति नगद प्राप्तियाँ			क) कर्मचारियों को ऋण और अग्रिम		
I. यात्रा भत्ता अग्रिम	92,087.00	165,109.00	i कार अग्रिम		540,000.00
ii छुट्टी यात्रा रियायत अग्रिम	18,917.00	33,278.00	ii स्कूटर अग्रिम	84,000.00	84,000.00
iii आकस्मिक अग्रिम	155,842.00	2,725,396.00	iii कंप्यूटर अग्रिम	144,000.00	390,000.00
iv जी.आई.ए / अकस्मिक अग्रिम	1,516,325.00	1,032,676.00			
v जी.आई.ए / अकस्मिक अग्रिम	1,516,325.00	1,765,034.00			
vi जी.आई.ए अग्रिम (सहयोगात्मक)	52,096.00				
ख) भारतीय जीवन बीमा निगम की ओर से पूरा और अंतिम भुगतान	386,428.00	1,081,652.00	ख) त्योहार अग्रिम		453,000.00
ग)अग्रिमों के प्रति वसूलियाँ			ग) वसूलियों के प्रति अदायगियाँ		
I त्योहार अग्रिम	482,025.00	418,500.00	I. आय कर	20,962,641.00	10,946,604.00
ii स्कूटर अग्रिम	139,560.00	187,694.00	ii. सामान्य भविष्य निधि	38,664,037.00	35,188,805.00
iii कार अग्रिम	341,905.00	381,980.00	iii. समूह बीमा योजना प्रीमियम	578,700.00	551,400.00
iv. साइकिल अग्रिम		1,360.00	iv. व्यक्तिगत जीवन बीमा निगम प्रीमियम	231,049.00	165,443.00
v. कंप्यूटर अग्रिम	481,174.00	508,180.00	v. प्रतिनियुक्ति व्यक्ति वसूली	184,620.00	170,620.00
vi,.वेतन अग्रिम वसूली		80,075.00	vi बचत–उधार समिति	840,796.00	568,684.00
vii.वेतन अग्रिम वसूली (पिछला वर्ष)	1,490.00		vii सांप्रदायिक समरसता के लिए दान	4,074,704.00	58,768.00
			viii गृह.कि.भ. माफी	392,609.00	159,393.00
			ix लाइसेंस शुल्क	16,686.00	4,655.00
			x (पेन्सन कोष में स्थान्तरित एलएस एवं पीसी		200,715.00

वार्षिक प्रतिवेदन 2011-2012 केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्

जारी.....

प्राप्तियां	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
धरोहर जमा राशि	97,562.00	120,000.00
प्रतिभूति	3,780.00	
कर्मचारी अंशदान स्तर–1		
नयी पेंशन योजना	2,374,282.00	1,725,894.00
अन्य वसूलियाँ		
i. आय कर	20,955,235.00	10,946,604.00
ii. सामान्य भविष्य निधि अभि. और अग्रिम	38,664,037.00	35,188,805.00
iii. कर्मचारियों का समूह बी. यो. प्रीमि.	577,800.00	550,450.00
iv कर्म. का व्यक्तिगत जी. बी. नि. प्रीमि.	231,049.00	170,390.00
v. प्रतिनियुक्ति व्यक्तियों की वसूली	184,620.00	170,620.00
vi गृह निर्माण अग्रिम की वसूली	74,704.00	58,768.00
vii. बचत–उधार समिति	840,796.00	568,684.00
viii. सी.जी.एच.एस. की वसूली	353,075.00	152,800.00
ix. सूचना अधिकार के लिए शुल्क	1,074.00	1,227.00
x मॉफी के विरूध गृह किराया भत्ता की वसूली	3,92,609.00	159,393.00
xi. प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत यो./एन.डी.एफ. दान		138.00
xii. लाइसेंस शुल्क	16,686.00	4,432.00
xiii. बैक गारंटी		61,146.00
xiv. तुरन्त राहत की वसूली		8,000.00
xv. एल.एस एवं पी.सी. की वसूली		200,715.00
xvi. रॉयल्टी	51,162.00	
xvii बीमा दावे	51,162.00	
जोड़	**569,093,797.00**	**553,754,416.00**

(आंकड़े रुपयों में)

अदायगियां	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
xi बैंक गारंटी का पुनः भुगतान		61,146.00
घ) जी आई स्कीम फंड की प्राप्ति के विरूद्ध भुगतान	386,428.00	1,125,750.00
ङ.) कर्म.के अंश.का नयी पें.यो.खाते.में अंत.	2,356,427.00	1,725,894.00
च) नयी पेंशन योजना पर ब्याज	91,469.00	234,646.00
छ) परिषद् के अंशदान का नयी पेंशन योजना खाते में अंतरण	2,356,427.00	1,725,894.00
प्रतिभूति जमा	6,292.00	
जमा बयाना की वापसी	188,500.00	
वर्ष के दौरान अग्रदाय अग्रिम	10,000.00	280,411.00
अंत शेष		
क) बैंक शेष		
परिषद् का नियमित अनुदान (प्रा. और वसू. सहित) 3,233,602.00		
वि.स्वा.संग.		
यू.सी.एल.ए. 718,703.00		
	3,952,305.00	3,763,954.00
ख) इंटरनेट बैंकिंग खाता	1,000.00	1,000.00
जोड़	**569,093,797.00**	**553,754,416.00**

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)

संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च, 2012 को प्राप्तियाँ और अदायगियाँ लेखा का भाग बनने वाली सामान्य क्षेत्र योजना, अनुसूचित जाति योजना और जनजाति क्षेत्र के लिए योजना

(आंकड़े रुपयों में)

अनुसूची–(क) स्थापना व्यय	चालू वर्ष 2011-2012			पिछला वर्ष 2010-2011		
	सा.क्षे.यो.	अ.जा.सं.यो.	जन.जा.क्षे.यो.	सा.क्षे.यो.	अ.जा.सं.यो.	जन.जा.क्षे.यो.
वेतन	66,275,883.00	5,632,702.00	5,991,373.00	51,252,708.00	5,334,138.00	4,969,613.00
भत्ते और बोनस	56,223,862.00	5,911,724.00	5,850,067.00	48,367,306.00	4,617,050.00	4,182,267.00
अन्य (स्पष्ट करें)				31,498.00		
समयोपरि भत्ता	16,045.00			1,488,630.00	152,400.00	3,237.00
चिकित्सा प्रतिपूर्ति	751,236.00	14,743.00	11,462.00	2,308,283.00	73,497.00	113,975.00
छुट्टी यात्रा रियायत व्यय	969,671.00	6,086.00	40,560.00	10,400.00		47,000.00
छुट्टी यात्रा रियायत अग्रिम	84,070.00	-	-	10,000.00		
चिकित्सा अग्रिम				2,575,149.00		
सी.जी.एच.एम. अदायगी	1,321,648.00			**106,043,974.00**	**10,177,085.00**	**9,316,092.00**
जोड़	**125,642,415.00**	**11,565,255.00**	**11,893,462.00**	3,138,773.00	602,319.00	455,144.00
(–) पूर्व प्रदत्त वेतन संबंधी समायोजन	4,152,957.00	603,322.00	652,287.00	4,152,957.00	603,322.00	652,287.00
(+) 2009–2010 वर्ष के दौरान का बकाया वेतन	4,917,636.00	749,660.00	607,339.00	**107,058,158.00**	**10,178,088.00**	**9,513,235.00**
जोड़	**126,407,094.00**	**11,711,593.00**	**11,848,514.00**			

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च, 2012 को प्राप्ति और अदायगी लेखा का भाग बनने अनुसूचित जाति संघटक योजना के अंतर्गत अनुसूची

(आंकड़े रुपयों में)

अनुसूची –(ख) स्थापना व्यय	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
वेतन	57,794,145.00	47,594,027.00
भत्ते और बोनस	47,806,122.00	38,106,523.00
कर्मचारियों सेवानिवृत्ति एवं टर्मिनल लाभा पर व्यय		49,600,000.00
अन्य (स्पष्ट करें)		
समयोपरि भत्ता	17,436.00	7,791.00
चिकित्सा प्रतिपूर्ति	265,567.00	452,874.00
छुट्टी यात्रा रियायत व्यय	359,197.00	625,549.00
छुट्टी यात्रा रियायत अग्रिम	84,700.00	
जोड़	**106,327,167.00**	**106,327,167.00**
(–) पूर्व प्रदत्त वेतन संबंधी समायोजन	3,703,460.00	3,611,258.00
(+) 2011–2012 वर्ष के दौरान का बकाया वेतन	4,258,839.00	3,703,460.00
जोड़	**106,327,167.00**	**136,478,966.00**

ह.	ह.	ह.
लेखा अधिकारी	लेखापाल (आ.ले.)	निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली	कें.हो.अ.प., नई दिल्ली	कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च, 2012 को प्राप्ति एवं अदायगी लेखा का भाग बनने वाली सामान्य क्षेत्र योजना के अंतर्गत अनुसूची जाति और जनजातीय क्षेत्र योजना के अंतर्गत अनुसूची

(आंकडे रुपयों में)

अनुसूची–(स) अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	चालू वर्ष 2011-2012			पिछला वर्ष 2010-2011		
	सा.क्षे.यो.	अ.जा.सं.यो.	जन.जा.क्षे.यो.	सा.क्षे.यो.	अ.जा.सं.यो.	जन.जा.क्षे.यो.
मजदूरी	7,662,988.00	25,663.00	146,980.00			
बिजली और विद्युत	2,370,893.00	13,155.00	40,224.00	2,226,705.00	9,747.00	28,460.00
जल प्रभार	192,482.00	14,160.00		152,283.00	16,598.00	
बीमा	4,750.00			25,230.00		
मरम्मत और अनुरक्षण	2,511,739.00	37,003.00	26,454.00	4,140,291.00	92,316.00	21,782.00
किराया, दर और कर	1,635,865.00	866,268.00	401,840.00	1,295,714.00	398,732.00	348,160.00
वाहन संचालन और अनुरक्षण	780,263.00			721,585.00		
वाहन किराया	602,975.00					
डाक, टेलीफोन और संचार प्रभार	785,374.00	56,621.00	75,868.00	914,171.00	115,541.00	47,608.00
मुद्रण आर लेखन सामग्री	3,016,063.00	74,436.00	75,269.00	3,299,023.00	119,122.00	74,275.00
यात्रा और सवारी व्यय	2,843,329.00	364,595.00	493,475.00	5,420,990.00	149,010.00	235,284.00
सहयोगात्मक अध्ययन पर व्यय (टीए रू. 72357)	72,357.00			130,887.00		
वाहन किराये पर व्यय			640,177.00			
स्वास्थ्य मेला संगोष्ठी और कार्यशालाओं पर व्ययभ (या.भ.–रु. 579955 + अंश. रु 740605)	1,320,560.00		7,550,225.00			
अंशदान व्यय	276,314.00		751.00	138,483.00		
शुल्कों पर व्यय	95,700.00			12,050.00	1,600.00	3,500.00
लेखा–परीक्षा संबंधी पारिश्रमिक				36,850.00		
परामर्शदाता व्यय	572,222.00	1,000.00	3,500.00	1,629,248.00	43,000.00	20,000.00

जारी.....

(आंकड़े रुपयों में)

अनुसूची–(स) अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	चालू वर्ष 2011-2012			पिछला वर्ष 2010-2011		
	सा.क्षे.यो.	अ.जा.सं.यो.	जन.जा.क्षे.यो.	सा.क्षे.यो.	अ.जा.सं.यो.	जन.जा.क्षे.यो.
अन्वेषण पर व्यय	146,975.00	200.00		400,107.00	147,001.00	4,843.00
वृत्तिक प्रभार	249,070.00			317,545.00		
विज्ञापन और प्रचार पर व्यय	1,107,532.00			7,805,842.00		25,856.00
हिन्दी समिति पर व्यय (या.भ.–रु. 360531 + अंश. रु 529446)	889,977.00			56,298.00		
चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण पर व्यय (उ.पू.क्षे.) (परिशिष्ट–ब)	2,391,408.00			1,628,853.00		
मा. एवं शि.सुरक्षा के लिए हो. पर रा. अभि. पर व्यय(संलग्नक–क देखें)	2,640,069.00			2,473,239.00		
औषधि	893,721.00	37,243.00	66,711.00	316,568.00	40,065.00	124,267.00
खुराक	1,457,197.00			1,625,815.00		
फुटकर	1,023,693.00	13,514.00	18,941.00	1,643,191.00	18,661.00	17,994.00
प्रमाणक	321,160.00			355,200.00		
विविध व्यय	1,078,789.00	29,511.00	53,209.00	2,211,733.00	21,681.00	49,333.00
यात्रा भत्ता अग्रिम भ(सा.क्षे.यो. रु. 30000.00 + सी.एस. रु. 1853.00 + एचएम 5810.00)	54,563.00	30,000.00	5,000.00	36,000.00		40,000.00
एन.सी.एच.एम.सी.सी. हेतु आकस्मिक अग्रिमभ (अधिक जान. के लिए संलग्नक.–क देखें)	7,137,895.00			26,492,718.00		
आकस्मिक अग्रिम (सा.क्षे.यो.रु. 554061 + एच.पी.सी रू 17000.00)	571,061.00		27,700.00	9,412,035.00	154,362.00	15,000.00
सी.आर.आई.(होम्यो0), नोयडा, कोट्टायम, गुडीवाडा., और कोलकाता में पूजीगत कार्य हेतु अग्रिम	90,000,000.00			99,069,008.00		
सामूहिक अध्ययन हेतु अग्रिम एवं जी.आई.ए. (रू 6345700)	6,345,700.00			2,867,600.00		
चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण मेट हेतु अग्रिम एवं अनुदान (उ.पू.क्षे.) अनुलग्नक–ब	27,050,968.00			8,896,250.00		
जोड़	168,103,652.00	1,563,369.00	1,435,922.00	193,941,914.00	1,327,436.00	1,056,362.00

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)

संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च, 2012 को प्राप्ति एवं अदायगी लेखा का भाग बनने वाली अनुसूचित

(आंकड़े रुपयों में)

अनुसूची – (द) – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
मजदूरी	1,448,741.00	
बिजली और विद्युत	346,416.00	302,236.00
जल प्रभार	31,987.00	11,985.00
बीमा	27,156.00	11,597.00
मरम्मत और अनुरक्षण	210,167.00	951,753.00
किराया, दर और कर	868,846.00	1,071,818.00
वाहन चालन और अनुरक्षण	77,477.00	100,033.00
डाक, टेलीफोन और संचार प्रभार	341,549.00	393,658.00
मुद्रण आर लेखन सामग्री	331,106.00	636,006.00
यात्रा और सवारी व्यय	1,627,180.00	1,974,704.00
अभिदान पर व्यय		17,196.00
शुल्क पर व्यय	7,230.00	2,000.00
वृत्तिक प्रभार	46,980.00	28,010.00
विज्ञापन और प्रचार पर व्यय	14,587.00	9,056.00
ऊटी के लिए पटटा किराया	159,313.00	612,097.00
विविध व्यय	236,651.00	405,054.00
प्रयोगशाला अन्वेषण पर व्यय	37,074.00	-
औषधि	365,559.00	335,306.00
खुराक	67,949.00	60,837.00
फुटकर	361,814.00	761,381.00

जारी.....

(आंकड़े रुपयों में)

अनुसूची – (द) – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
प्रमाणक और परामर्शदाता	93,036.00	234,760.00
वाहन किराया		12,359.00
परामर्शक	169,500.00	78,000.00
यात्रा भत्ता अग्रिम	105,000.00	27,794.00
आकस्मिक अग्रिम	3,307,979.00	2,904,922.00
सेवानिवृत्ति लाभों पर व्यय	49,200,000.00	
जोड़	**59,483,297.00**	**10,942,562.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

संलग्नक–अ

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)

संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च, 2012 को प्राप्ति और अदायगी लेखा का भाग बनने वाली, मातृ एवं शिशु हेतु राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत अनुसूची

(आंकड़े रुपयों में)

अनुसूची – 14 (क) मातृ एवं शिशु सुरक्षा हेतु राष्ट्रीय अभियान की व्यय विवरण	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
व्यय		
यात्रा और सवारी व्यय	832,290.00	369,396.00
विविध व्यय	1,508,097.00	2,103,843.00
मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य हेतु होम्यो. (उ.पू.क्षे.) पर यात्रा भत्ता व्यय	95,570.00	
मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य हेतु होम्यो. (उ.पू.क्षे.) पर आकस्मिक व्यय	204,112.00	
जोड़	2,640,069.00	2,473,239.00
अग्रिम		
मातृ एवं शिशु सुरक्षा हेतु राष्ट्रीय अभियान के लिए अनुदान	6,009,895.00	26,492,718.00
आकस्मिक अग्रिम	1,128,000.00	
जोड़	**7,137,895.00**	**26,492,718.00**
जोड़	**9,777,964.00**	**28,965,957.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

संलग्नक–ब

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)

संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च, 2012 को प्राप्ति और अदायगी लेखा का भाग बनने वाली, चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण (उ०पू०क्षे०) के अंतर्गत अनुसूची

(आंकड़े रुपयों में)

अनुसूची –14 (ब) व्यय लेखा (चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण –उत्तर पूर्व क्षेत्र)		
	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
खर्च		
मानदेय	67,900.00	68,400.00
यात्रा भत्ता व्यय	1,968,370.00	903,644.00
विविध खर्च	227,101.00	597,699.00
प्रकाशन एवं लेखन सामग्री	128,037.00	59,110.00
जोड़	**2,391,408.00**	**1,628,853.00**
अग्रिम		
अनुदान		388,000.00
आक्समिक अग्रिम	12,914,968.00	8,508,250.00
आक्समिक अग्रिम (केपिटल तर्क)	14,136,000.00	
जोड़	**27,050,968.00**	**8,896,250.00**
जोड.	**29,442,376.00**	**10,525,103.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

संलग्नक–स

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)

संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च, 2011 को प्राप्ति और अदायगी लेखा का भाग बनने वाली, विश्व स्वास्थ्य संगठन के अंतर्गत अनुसूची

(आंकडे रुपयों में)

अनुसूची –(ग) विश्व स्वास्थ्य संगठन का विवरण	वि.स्वा.सं–I	वि.स्वा.सं.–II	वि.स्वा.सं–I	वि.स्वा.सं.–II
	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2011–2012	चालू वर्ष 2010–2011	पिछला वर्ष 2010–2011
भत्ते				शून्य
मुद्रण आर लेखन सामग्री			772.00	शून्य
विविध व्यय				
यात्रा और सवारी व्यय			772.00	शून्य
जोड़				

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
31 मार्च, 2012 को प्राप्ति एवं अदायगी लेखा का भाग बनने वाली यू.एल.सी.ए. के अन्तर्गत बनने वाली अनुसूची

(आंकड़े रूपयों में)

अनुसूची – (सी) यूएलसीए व्यय विवरण	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
यात्रा भत्ता पर व्यय	-	-
विविध व्यय	-	-
आकस्मिक अग्रिम		246,316.00
जोड़		**246,316.00**

H. Gadi
ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

Padmini J
ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधन परिषद्, नई दिल्ली
31 मार्च, 2012 को प्राप्ति और अदायगी लेखा का भाग बनने वाली सा. क्षेत्र यो., अनु.जा.उप यो., जन जा.क्षे.यो., गैर यो. के अंतर्गत अनुसूची

(आंकड़े रुपयों में)

अनुसूची–ई– वर्ष 2011–12 के दौरान सृजित परिसम्पत्तियां शीर्ष	सामान्य क्षेत्र योजना	अनु.जा. संघटक यो.	जनजातीय क्षेत्र सामान्य	स.शि.स्वा. हेतु रा.	कुल योजना	गैर क्षेत्र योजनागत	मेट (उ.पू.क्ष.)
भूमि और भवन							
प्रयोगशाला उपस्कर	22,689.00				22,689.00	435,453.00	
फर्नीचर और फिक्चर							
केबीनेट / रैक	91,651.00				91,651.00	3,640.00	
मेज / कुर्सी	261,386.00	3,000.00	1,600.00		265,986.00	86,450.00	
वुडन पार्टीशन / साईन बोर्ड	1,320,617.00				1,320,617.00		
कंप्यूटर और संबंधित सामान							
यू.पी.एस. / वोल्टेज स्टेबिलाइजर	28,188.00	4,225.00			32,413.00	22,845.00	
कंप्यूटर / सर्वर	133,385.00				133,385.00		
प्रिंटर					-	2,399.00	
सॉफ्टवेयर	4,000.00				4,000.00	7,500.00	
पुस्तकें	260,840.00				260,840.00	2,286.00	
कार्यालय उपस्कर							
स्कैनर / वी फोन / एम्पलीफायर	23,816.00				23,816.00		
फोटोकोपियर मशीन	488,452.00				488,452.00	227,391.00	
कैमरा / टी.वी. / डी.वी.डी.	511,879.00				511,879.00		
वाटर पम्प	265,000.00				265,000.00		
रेफ्रिजरेटर / जलशीतलक					-	15,200.00	

वार्षिक प्रतिवेदन 2011-2012 केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्
ANNUAL REPORT 2011-2012

जारी.....

अनुसूची–ई– वर्ष 2011–12 के दौरान सृजित परिसम्पत्तियां

(आंकड़े रुपयों में)

शीर्ष	सामान्य क्षेत्र योजना	अनु.जा. संघटक यो.	जनजातीय क्षेत्र सामान्य	स.शि.स्वा. हेतु रा.	कुल योजना	गैर क्षेत्र योजनागत	मेट (उ.पू.क्ष.)
रेफ्रिजरेटर/ जलशीतलक	3,528.00				-	15,200.00	
रसोईघर उपस्कर	67,980.00				3,528.00		
विविध	38,998.00				67,980.00	14,960.00	
फैक्स मशीन	111,529.00				38,998.00		
एयर कंडिश्नर	10,250.00		35,500.00		111,529.00	39,708.00	
ईपी बीएक्स बोर्ड/इन्वर्टर/जरनेटर	10,000.00				45,750.00	69,449.00	
एल.सी.डी. प्रोजेक्टर/प्लाज्मा	24,217.00				10,000.00		
बिजली संस्थापन	**3,678,405.00**	**7,225.00**	**37,100.00**	-	24,217.00	8,560.00	
जोड़					**3,722,730.00**	**935,841.00**	

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)

संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्

सामान्य भविष्य निधि के लेखा के संबंध में 31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष का प्राप्ति और अदायगी लेखा

(आंकड़े रुपयों में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
अथ शेष		
बैंक शेष	12,616,995.00	2,433,611.00
सामान्य खाते से सामान्य भविष्य निधि अंशदान खाते में अंतरित धनराशि	38,664,037.00	35,188,805.00
पेन्शन निधि से अन्तरित राशि (पेन्शन से प्राप्त सा.भ.नि. खाते की अधि राशि सा. भ. नि. खाते में अन्तरित)	66.00	
सा.भ.नि. के बाबत प्राप्त राशि		200,000.00
श्री आर.आर. बैनर्जी		176,288.00
चैन्नई से श्री एस. योबू		
वर्ष के दौरान एस.टी.डी.आर. की परिपक्व धनराशि और नकदीकरण	9,000,000.00	107,412,932.00
निवेश और जमा पूंजी पर आय	2,578,048.00	
एस.टी.डी.आर. पर ब्याज रु.	116,080.00	19,419,935.00
बचत खाते पर ब्याज रु.		75.00
बैंक के द्वारा अतिरिक्त क्रेडिट		
कुल जोड़	**62,975,226.00**	**164,831,646.00**

अदायगियां	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
सा.भ.नि. खाते से अदायगी		
(1) वर्ष के दौरान अग्रिम और निकासी	36,330,446.00	32,285,121.00
वर्ष के दौरान किया गया निवेश	26,009,999.00	119,929,530.00
बैंक प्रभार	-	
इति शेष		
बैंक शेष	634,781.00	12,616,995.00
कुल जोड़	**62,975,226.00**	**164,831,646.00**

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
सामान्य भविष्य निधि के खाते के संबंध में 31 मार्च, 2012 को यथास्थिति तुलनपत्र

संलग्नक-I (भाग-II)

(आंकड़े रुपयों में)

देयताएं	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
सामान्य भविष्य निधि पूंजी निधि		
क) अथ शेष	136,203,633.00	123,004,779.00
ख) जोड़िएः कर्मचारियों का अंशदान	38,664,037.00	35,565,093.00
ग) जोड़िएः जी.पी.एफ.खाते के अंशदान पर अनुज्ञेय ब्याज	11,407,882.00	9,918,882.00
	186,275,552.00	168,488,754.00
घ) घटाइएः निकासी पद्ध निकासी	36,330,446.00	32,285,121.00
(क)	149,945,106.00	136,203,633.00
आरक्षित और अधिशेष		
क) अथ शेष	7,697,291.00	8,305,056.00
ख) बचत बैंक खाते पर ब्याज की वसूली	116,080.00	86,150.00
ग) एस.टी.डी.आर. से प्रोद्भूत ब्याज	13,719,647.00	9,224,892.00
घ) अधि राशि वसूली	66.00	75.00
	21,533,084.00	17,616,173.00
घटाइएः जी.पी.एफ. खाते पर अनुज्ञेय ब्याज	11,407,882.00	9,918,882.00
(ख)	**10,125,202.00**	**7,697,291.00**
जोड़(क)+(ख)	**160,070,308.00**	**143,900,924.00**

देयताएं	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
निवेश खाते		
क) अथ शेष	127,929,530.00	115,412,932.00
ख) घटाइएः वर्ष के दौरान परिपक्व एस.टी.डी.आर धनराशि	9,000,000.00	107,412,932.00
	118,929,530.00	8,000,000.00
ग) जोड़िएः वर्ष के दौरान क्रय की गई एस.टी.डी.आर. धनराशि	26,009,999.00	119,929,530.00
(क)	**144,939,529.00**	**127,929,530.00**
एस.टी.डी.आर. से प्रोद्भूत ब्याज की राशि लेकिन अप्राप्त		
क) अथ शेष	3,354,399.00	13,463,292.00
ख) जोड़िएः वर्ष के दौरान	13,719,647.00	9,224,892.00
	17,074,046.00	22,688,184.00
घटाइएः वर्ष के दौरान प्राप्त राशि	2,578,048.00	19,333,785.00
(ख)	14,495,998.00	3,354,399.00
इति शेष बैंक शेष (ग)	**634,781.00**	**12,616,995.00**
जोड़(क)+(ख)+(ग)	**160,070,308.00**	**143,900,924.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

संलग्नक-II (भाग-I)

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
पेंशन निधि खाते के संबंध में 31 मार्च 2012 को यथास्थिति तुलनपत्रा

(आंकड़े रुपयों में)

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
अथ शेष बचत बैंक खाता नं.19806	20,176,468.00	2,222,094.00
छुट्टी वेतन और पेंशन अंशदान की बाबत प्राप्त राशि		
आचार्य च. नायक (प्रो–राटा)		956,535.00
आचार्य च. नायक (एल.एस. एवं पी.सी.)		200,715.00
बचत बैंक खाते पर ब्याज		
बैंक खाता	412,540.00	77,299.00
सामान्य खाते से पेंशन निधि खाते में अंतरित राशि	49,200,000.00	49,600,000.00
आयकर वसूली से प्राप्त धनराशि	440,916.00	
सामान्य खाते में हस्तांतरणीय धनराशि	7,406.00	
कुल जोड़	**70,237,330.00**	**53,056,643.00**

अदायगियाँ	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
वर्ष के दौरान की गई पेंशन अदायगियाँ	20,618,972.00	15,836,097.00
पेंशन पर एरियर	1,239,237.00	
सेवा–निवृत्ति उपदान, पेंशन के संराशित मूल्य की बाबत वर्ष के दौरान की गई अदायगियाँ	14,184,339.00	17,044,078.00
मंहगाई भत्ता एरियर	511,797.00	
सरकार को पेन्शन निधि खाते से अदा किया गया आयकर	433,510.00	
सरकार को सामान्य खाते से अदा किया गया आयकर	7,406.00	
सा.भ.नि. की अधि राशि पेशन से वसूली और सा.भ.नि. में स्थानान्तिरित	66.00	
बैंक प्रभार		
इति शेष बचत बैंक खाता नं.19806	33,242,003.00	20,176,468.00
कुल जोड़	**70,237,330.00**	**53,056,643.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

संलग्नक-II (भाग-II)

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
पेंशन निधि खाते के संबंध में 31 मार्च 2012 को यथास्थिति तुलनपत्रा

(आंकड़े रुपयों में)

देयताएं	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
पेंशन निधि खाता अथ शेष	20,176,468.00	2,222,094.00
जोड़िएः बचत बैंक खाते पर प्राप्त ब्याज	412,540.00	77,299.00
सामान्य खाते से अंतरित राशि	49,200,000.00	49,600,000.00
परिषद् के सामान्य खाते में हस्तान्तरणीय धनराशि	7,406.00	
आचार्य च. नायक के सम्बंध में सीसीआरएस व पीएओ, बीबीएसआर से छुट्टी वेतन एवं पेन्शन अंशदान की प्राप्त धनराशि		1,157,250.00
जोड़	**69,796,414.00**	**53,056,643.00**
घटाइएः की गई अदायगियाँ मृत्यु–व–सेवा–निवृत्ति उपदान, पेंशन का संराशित मुल्य बैंक प्रभार	14,184,339.00	17,044,078.00
पेंशन अदायगियाँ एवं एरियर	22,370,072.00	15,836,097.00
(-)	36,554,411.00	32,880,175.00
कुल जोड़	**33,242,003.00**	**20,176,468.00**

परिसम्पत्तियां	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
इति शेष	33,242,003.00	20,176,468.00
कुल जोड़	**20,176,468.00**	**2,222,094.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

अनुबंध-III (भाग-I)

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
गृह निर्माण अग्रिम के संबंध में 2011–2012 का प्राप्ति एवं अदायगी लेखा

(आंकड़े रुपयों में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
अथ शेष	642,339.00	563,756.00
सामान्य खाते से अंतरित धनराशि	4,000,000.00	
बचत बैंक खाते पर प्राप्त ब्याज	93,736.00	19,815.00
गृह निर्माण अग्रिम की वसूली समान्य सामान्य खाते से अंतरित राशि	74,704.00	140,000.00 58,768.00
जोड़	**642,339.00**	**563,756.00**

अदायगियां	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
गृह निर्माण अग्रिम वर्ष के दौरान अदा किए गए	64,804.00	-
इति शेष	4,745,975.00	642,339.00
जोड़	**642,339.00**	**563,756.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

संलग्नक-III (भाग-II)

गृह निर्माण अग्रिम के संबंध में 31 मार्च 2012 को यथास्थिति तुलन–पत्र

(आंकड़े रुपयों में)

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
पूंजीगत निधि गृह निर्माण अथ शेष	1,209,285.00	1,189,470.00
जोड़िएः बचत बैंक खाते पर प्राप्त ब्याज	93,736.00	19,815.00
गृह निर्माण अग्रिम पर ब्याज परिषद् के सामान्य खाते में	4,000,000.00	
जोड़	**5,303,021.00**	**1,209,285.00**

अदायगियाँ	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
स्टापफ से वसूलीयोग्य गृह निर्माण अग्रिम अथ शेष रु. 566946.00 (+) वर्ष के दौरान अदायगी रू 64804.00 जोड़ रू 631750.00 (–) वसूल रू 74,704.00	557,046.00	566,946.00
इति शेष बैंक शेष	4,745,975.00	642,339.00
जोड़	**5,303,021.00**	**1,209,285.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

संलग्नक-IV (भाग-I)

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधन परिषद्, नई दिल्ली

नयी पेंशन योजना के संबंध में 2011–2012 का प्राप्ति और अदायगी लेखा

(आंकड़े रुपयों में)

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
अथ शेष	3,616,536.00	3,087,368.00
कर्मचारियों के अंशदान के बाबत सामान्य खाते से अंतरित राशि	2,356,427.00	1,725,894.00
कर्मचारियों के अंशदान के बाबत सामान्य खाते से अंतरित राशि वर्ष 2010–11 में बाकी रही राशि पर ब्याज सामान्य खाते से अंतरित राशि	2,356,427.00 91,469.00	1,725,894.00 42,312.00
कर्मचारियों के अंशदान पर ब्याज एस.टी.डी.आर. पर ब्याज बैंक जमा पर ब्याज	196,694.00 24,682.00	192,334.00 106,869.00 42,734.00
वर्ष के दौरान एसटीडीआर का नगदी	7,256,869.00	
जोड़	**15,899,104.00**	**6,923,405.00**

अदायगियाँ	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
निवेश खाता एस.टी.डी.आर. खरीदा गया जोड़िए ब्याज	3,950,000.00	3,200,000.00 106,868.00
जोड़	**3,306,869.00**	
सीआर ऐजंसी, पीएआरडीए को नई पेंशन योजना का भुगतान	11,937,608.00	
इति शेष	11,496.00	3,616,536.00
जोड़	**15,899,104.00**	**6,923,405.00**

ह.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

ह.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

वित्तीय विवरणों का फार्म (गैर–लाभकारी संगठन)
संगठन का नामः केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधन परिषद्, नई दिल्ली

संलग्नक-IV (भाग-II)

नयी पेंशन योजना के संबंध में 31 मार्च, 2012 को यथास्थिति तुलनपत्र

(आंकड़े रुपयों में)

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011	अदायगियाँ	चालू वर्ष 2011–2012	पिछला वर्ष 2010–2011
पूंजीगत निधि			निवेश खाता		
नयी पेंशन योजना	6,923,405.00	3,129,680.00	नियोक्ता के अंशदान पर ब्याज बाबत		3,306,869.00
कर्मचारियों का अंशदान	2,356,427.00	1,725,894.00	सामान्य खाते से		
नियोक्ता का अंशदान	2,356,427.00	1,725,894.00	वर्ष के दौरान खरीदा गया एसटीडीआर रू 3950000.00		
कर्मचारियों के अंशदान पर ब्याज	91,469.00	192,334.00	जोड़ रू 7256869.00		
एस.टी.डी.आर. पर ब्याज	196,694.00	106,869.00	घटाइये:एसटीडीआर का नकदीकरण		
बचत बैंक खाते में ब्याज	24,682.00	42,734.00	रू 7256869.00	शून्य	
जोड़	11,949,104.00		इति शेष	11,496.00	3,616,536.00
घटाइये:सीआरए.पीएफआरडीए की भुगतान	11,937,608.00		जोड़	11,496.00	6,923,405.00
जोड़	11,496.00	6,923,405.00			

हं.
लेखा अधिकारी
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

हं.
लेखापाल (आ.ले.)
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

हं.
निदेशक
कें.हो.अ.प., नई दिल्ली

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् के लेखाओं पर, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा–परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

1. हमने नियंत्रक एवं महालेखा–परीक्षक (कर्त्तव्य, पवित्तयां एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अंतर्गत दिनांक 31 मार्च, 2012 को यथास्थिति केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् के संलग्न तुलन–पत्र और उस तारीख को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय लेखे तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखे की लेखा परीक्षा कर ली है। लेखा–परीक्षा का कार्य वर्ष 2012–13 तक के लिए सौंपा गया था। ये वित्तीय विवरण तैयार करना केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी, अपनी लेखा–परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. हमने अपनी लेखा–परीक्षा, भारत में आमतौर पर स्वीकार किए जाने वाले लेखा–परीक्षा मानकों के अनुसार की है। इन मानकों में अपेक्षा की गई कि हम इस बारे में तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए अपनी लेखा–परीक्षा योजना बनाएं और लेखा–परीक्षा करें कि क्या वित्तीय विवरण सारवान मिथ्या विवरणों से मुक्त है। किसी लेखा–परीक्षा में, परीक्षा आधार पर, धनराशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों में प्रकटन के आधार जांच करना शामिल होता है। किसी लेखा–परीक्षा में, इस्तेमाल किए गए लेखांकन मानकों और प्रबंधन द्वारा तैयार किए गए महत्वपूर्ण आंकलनों का मूल्यांकन करना तथा वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा–परीक्षा में हमारी राय के लिए एक तर्कसंगत आधार दिया गया है :

3. अपनी लेखा–परीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि –
   i) हमने ऐसी सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के लिए आवश्यक थे।
   ii) इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन–पत्र, आय एवं व्यय लेखे/प्राप्ति एवं भुगतान लेखे, वित्त मंत्रालय द्वारा अनुमादित फोरमेट पर तैयार किए गए हैं।
   iii) हमारी राय में, जहां तक ये लेखा बहियों की जांच से प्रतीत होता है, केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् द्वारा लेखाओं की उचित लेखा बहियां और अन्य सुसंगत रिकार्ड रखे गए हैं।
   iv) हम आगे रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं कि :

क. **तुलन पत्र**

क.1. **देयताएँ**

क.1.1 परिषद् ने ₹ 32.65 लाख का एस.पी.एस.एस. सॉफ्टवेयर खरीदा है जिसको स्टॉक में दर्ज किया गया है, इसे दिसम्बर, 2011 में परिषद् में इंस्टॉल किया गया। यद्यपि ₹ 32.65 लाख एक महत्वपूर्ण राशि है जिसको चालू देयताओं में नहीं दर्शाया गया है। परिणाम स्वरूप इस राशि ₹ 32.65 लाख द्वारा देयताओं की न्यूनोक्ति हुई है।

क.1.2 कर्मचारियों के ग्रेच्यूटी प्रावधानों, पेंशन और छुट्टी भुनाना आदि को केन्द्रीय स्वायत्त निकाय हेतु निर्धारित एकरूप प्रारूप के अनुसार बीमाकिक आधार पर तैयार नहीं किया गया है।

क.2 **परिसंपत्तियाँ**

क.2.1 निवेश (सामान्य भविष्य निधि)

जी.पी.एफ/सी.पी.एफ. के निवेष हेतु पैटर्न की अनुपालना नहीं भविष्य निधियों के निवेश हेतु वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की दिनांक 14.08.2008 की अधिसूचना स.एफ. (88)/2006–पी. आर. द्वारा निवेश पैटर्न के अनुसार परिषद् ने भविष्य निधियों की समस्त राशि (रू 14.49 करोड़) बैंक में सावधि जमाओं के रूप में जमा कराई है।

ख. **सामान्य**

ख.1 परिषद् विभिन्न मूल्य आधारित प्रकाशनों को प्रकाशित एवं वितरित करती है। यद्यपि लेखाओं में दर्शाये अथ शेष, जोड़, विक्रय और इति शेष प्रकाशन विभाग के स्टॉक रिकार्ड से निम्नानुसार मेल नहीं खाता है :–

	लेखाओं के अनुसार	स्टॉक रिकार्डस के अनुसार	अंतर
अथ शेष	6820827	4047719 + 224400(आई.जे.आर.एच.)=4272119	2548708
जोड़िए :वर्ष के दौरान प्रकाशन	979277	1156232 + 157644(आई.जे.आर.एच.)=1313876	–334599
घटाईये :वर्ष के दौरान विक्रय	589651	487064 + 43800(आई.जे.आर.एच.)=530864	58787
इति शेष	7210453	4672402 + 248700(आई.जे.आर.एच.)=4921102	2289351

अंतरों को मिलाया जाना है और संशोधित शेष लेखाओं में दर्शाया जाना है।

ग. **सहायता अनुदान**

परिषद् ने आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से सहायता अनुदान के रूप में ₹ 4890.00 लाख (योजनागत : ₹ 3220 लाख और गैर योजनागत : ₹ 1670 लाख) प्राप्त किये। परिषद् ने सम्पूर्ण अनुदान राशि ₹ 4890.00 लाख (योजनागत : ₹ 3220.00 लाख और गैर योजनागत : ₹ 1670.00 लाख) का उपयोग किया।

घ. **प्रबंधन पत्र** : लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं की गई कमियों को सचिव, केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् को उपचारात्मक/संशोधानात्मक कार्यवाही हेतु एक अलग प्रबंधन पत्र जारी कर सूचित किया जाएगा।

v) पिछले पैराग्राफों में दी गई हमारी टिप्पणियों की शर्त के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन–पत्र और आय एवं व्य लेखा/प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, लेखा बहियों से मेल खाते हैं।

vi) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर टिप्पणीयों के साथ पठित तथा ऊपर उल्लिखित महत्त्वपूर्ण मामलों एवं इस लेखा–परीक्षा रिपोर्ट के साथ संलग्न अनुबंध–1 में उल्लिखित अन्य मामलों की शर्त के अधीन, उक्त विवरण भारत में आम तौर पर स्वीकार किये जाने वाले लेखांकन सिद्धातों के अनुरूप, एक सही और उचित तस्वीर पेश करते हैं :

(क) जहां तक यह, 31 मार्च, 2012 को यथास्थित केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिशद् के व्यवसाय के तुलन–पत्र से संबंधित है, और

(ख) जहां तक यह, उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय एवं लेखा से संबंधित है।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 11.02.2013

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा–परीक्षक
के लिए और उसकी ओर से

ह०/–
महानिदेशक लेखा–परीक्षा
(केन्द्रीय व्यय)

लेखा रिपोर्ट का परिशिष्ट

1. **आन्तरिक लेखा परीक्षा की पर्याप्तता**
   - सामान्य वित्तीय नियमों के प्रावधानों के अंतर्गत चाही गई के.हो.अ.प. की वर्ष 2011–12 के लिए आंतरिक लेखा परीक्षा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के पी.आर.वेतन एवं लेखा कार्यालय द्वारा नहीं की गई है।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता**
   - महत्त्वपूर्ण अग्रिमों का प्रबंधन नियंत्रण प्रभावकारी नहीं था चूंकि वर्ष 2004–05 से अग्रिमों का समायोजन लम्बित है।

3. **परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली**

   परिषद् के पास 31.01.2012 को स्थिर परिसंपत्तियाँ रू 13.68 करोड़ है, यद्यपि सामान्य वित्तीय नियमों में उल्लेखित फॉर्म 40 के अनुसार स्थाई परिसंपत्तियाँ रजिस्टर उपयोग में नहीं लिया गया है।
   - वर्ष 2011–12 हेतु अचल परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन कर लिया गया है और कोई विसंगति नहीं पायी गई है।

4. **माल–सूचियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली**
   - पुस्तकों तथा प्रकाशनों, लेखन सामग्री तथ अन्य उपभोज्य मदों जैसी माल–सूचियों का भौतिक सत्यापन 31.03.2012 तक कर लिया गया है।

5. **बकाया धन राशि के भुगतान में नियमितता**
   - दिनांक 31.03.2012 को यथास्थिति के अनुसार सांविधिक देय राशियों के संबंध में 6 महीने से अधिक का भुगतान बकाया नहीं है।

अस्वीकरण

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

ANNUAL REPORT
2011-2012

English Version

अंग्रेजी रूपान्तर

ANNUAL REPORT 2011-2012 CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

CONTENTS

Subject	
Preface	1
Abbreviations	3
Objectives	4
Administrative Report	5
– Management of the Council	7
– Organizational setup	8
– Governing Body	9
– Scientific Advisory Committee	10
– Standing Finance Committee	13
– Ethical Committee	13
– Special Committee for Clinical Research	16
– Special Committee for Drug Standardization	17
– Special Committee for Human Pathogenetic Trial (Drug Proving)	18
– Representation of SC/ST in the Council Services	19
– Budget	19
– Right to Information Act 2005	19
Technical Report	21
• Research Assignments	23
• Clinical Research	28
• Clinical Verification	38
• Homoeopathic Pathogenetic Trial (Drug Proving)	42
• Drug Standardisation	45
• Survey, Collection & Cultivation of Medicinal Plants	48
• Collaborative Research	53
• Extra Mural Research	60
• Gender Issues	64
Publications and Library	65
Other Activities	69
– National Campaign on Homoeopathy for Mother and Child Care	71
– Meetings of Committees	73
– Homoeopathic Pharmacopoeia Committee (HPC)	75
– Workshops/Seminars/CMEs	76
– Health Melas/Exhibitions	78
– AYUSH Research Portal	80
List of Institutes/Units	82
Accounts	85

ANNUAL REPORT 2011-2012 CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

PREFACE

It is a matter of great pride for me to be part of Central Council for Research in Homoeopathy and presenting the Annual Report for the year 2011-12. Though I joined the Council in the month of July 2012 but I have been associated with this organization for quite some time. I am thankful to my colleagues for apprising me regarding the activities of the Council during few of the meetings held prior to my joining. The significant achievements of the Council are being reflected in this report.

During 2011-12, the term of the policy making committees, like Governing body, Scientific Advisory Committee (SAC), Standing Finance Committee (SFC) and Ethical Committee (EC) got over and for reconstitution of these committees, initiatives were taken. The SAC, SFC, EC and three Special Committees of Clinical Research, Drug Standardization and Human Pathogenetic Trial were reconstituted in January 2012.

As the Council is working through 28 Units/Institutes across the country there is definite need to have proper infrastructure including the building, OPD, IPD and basic laboratory facilities for each one of these centers. During the reporting year the Council has initiated the work for construction of the building of Regional Research Institute of Homoeopathy RRI (H) at Mumbai and Gudivada. The Council has also been offered two acres of land by Martin Charitable Trust for establishment of RRI (H) at Coimbatore. There are also proposals for increasing the number of beds in the Institutes at Gudivada and Kolkata. The upgradation of Clinical Research Unit, Agartala to RRI (H), Agartala is on the anvil as the Council has been allotted two acres of land by Revenue Department, Govt. of Tripura.

The Scientists of the Council are working on various research assignments. This report highlights the accomplishments of these activities under the heads of Clinical Research, Clinical Verification, Drug Proving, Drug Standardization, Survey, Collection & Cultivation of Medicinal Plants. Other than these aspects the Council is co-ordinating Homoeopathy research projects approved under the Extra-Mural Research Scheme of Department of AYUSH and has also collaborated with organizations of repute for carrying out various research projects. The details and status of projects, under EMR and Collaborative research, during the reporting year have also been given in this annual report. The articles related to the research studies taken up by the Council which got published during the reporting year have been mentioned along with the abstracts in the respective sections.

The Council has taken up three research projects which are gender specific and also conducted Mother and Child Health clinics and Community awareness camps through its centers. As per the instructions of the Department of AYUSH the Council is maintaining the Gender Budgeting Cell and keeping a record of gender specific issues. The information related to it is also reflected in this document.

The 'National Campaign on Homoeopathy for Mother and Child Care' which was launched in 2007 was concluded in this reporting year. The Council has conducted Community awareness camps (CAC) and Mother and Child Health (MCH) Clinics throughout these years and

has brought awareness among masses about the potential role of Homoeopathy for MCH care. Workshops and Orientation programmes for homoeopathic practitioners at various levels are also being organized under this National Campaign. Other than the National Campaign, Council has also reached to common man through its participation in Health Melas/ Exhibitions organized from time to time. The officers from the Council also participated as resource persons and delegates in various seminars, workshops and CMEs. The Liga Medicorum Homeopathica Internationalis was the mega event in which the Council participated in full strength.

Documentation and Publication along with the Library is indispensible section for the dissemination of research findings to the profession and also for providing material for further enhancing the knowledge. The publications of the Council and information about the books, journals and other reading materials that are being maintained in the library are presented here. AYSUH research portal has also been developed by Department of AYUSH and the Council has uploaded the abstracts and the full articles which are available free of cost for spreading the research information.

I take this opportunity to thank the Department of AYUSH for the support and encouragement because of which we are able to accomplish our goals. I sincerely appreciate and acknowledge the hard work and team spirit of my colleagues for carrying out the good work in the field of homoeopathic research. Last but not the least my gratitude towards the experts from different scientific fields for their guidance in carrying out the work smoothly.

(Dr. R. K. Manchanda)
Director General

ABBREVIATIONS

AIDS	Acquired Immuno Deficiency Syndrome
CAC	Community Awareness Camps
CCRH	Central Council for Research in Homoeopathy
COLL	Collaborative Section
CR	Clinical Research
CRI (H)	Central Research Institute for Homoeopathy
CRU (H)	Clinical Research Unit for Homoeopathy
CV	Clinical Verification
CVU	Clinical Verification Unit
DOC	Documentation & Publication
DP	Drug Proving
DPRU	Drug Proving Research Unit
DS	Drug Standardization
DSU	Drug Standardisation Unit
EC	Extension Centers
EMR	Extra Mural Research
HDRI	Homoeopathic Drug Research Institute
HIV	Human Immuno deficiency Virus
HOPD	Homoeopathic Out Patient Department
HPT	Homoeopathic Pathogenetic Trial
HTC	Homoeopathic Treatment Centre
ICMR	Indian Council for Medical Research
IEC	Information Education & Communication
ISM&H	Indian Systems of Medicine and Homoeopathy
JIPMER	Jawahar Lal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research
MCH	Mother & Child Health
MDNIY	Morarji Desai National Institute of Yoga
NE	North East
PEC	Project Evaluation Committee
RO (H)	Research Officer (Homoeopathy)
RO (P)	Research Officer (Pharmacognosy)
RRI (H)	Regional Research Institute for Homoeopathy
SCCMP	Survey Collection & Cultivation of Medicinal Plants
WHO	World Health Organisation

ANNUAL REPORT 2011-2012 CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

OBJECTIVES

The Central Council for Research in Homoeopathy (CCRH) was established on 30th March, 1978 under the Societies Registration Act XXI of 1860 with the following main objectives:-

- To undertake research programs in Homoeopathy, on scientific lines.
- To undertake experimental studies in connection with causation, mode of spread, prevention and treatment of diseases.
- To initiate, aid, develop, co-ordinate scientific research in different aspects of Homoeopathy: Fundamental and Applied.
- To propagate knowledge and disseminate information pertaining to research in Homoeopathy.
- To exchange information with other institutions, associations and societies interested in the objectives similar to those of CCRH.

ADMINISTRATIVE REPORT

MANAGEMENT OF THE COUNCIL

GOVERNING BODY

President
(Union Minister of Health & Family Welfare)

Vice President-I
(Union Minister of State for Health & Family Welfare)

Vice President-II
(Eminent Researcher/Teacher/Professional in Homoeopathy)

- Standing Finance Committee
- Scientific Advisory Committee
- Ethical Committee

ORGANIZATIONAL SETUP

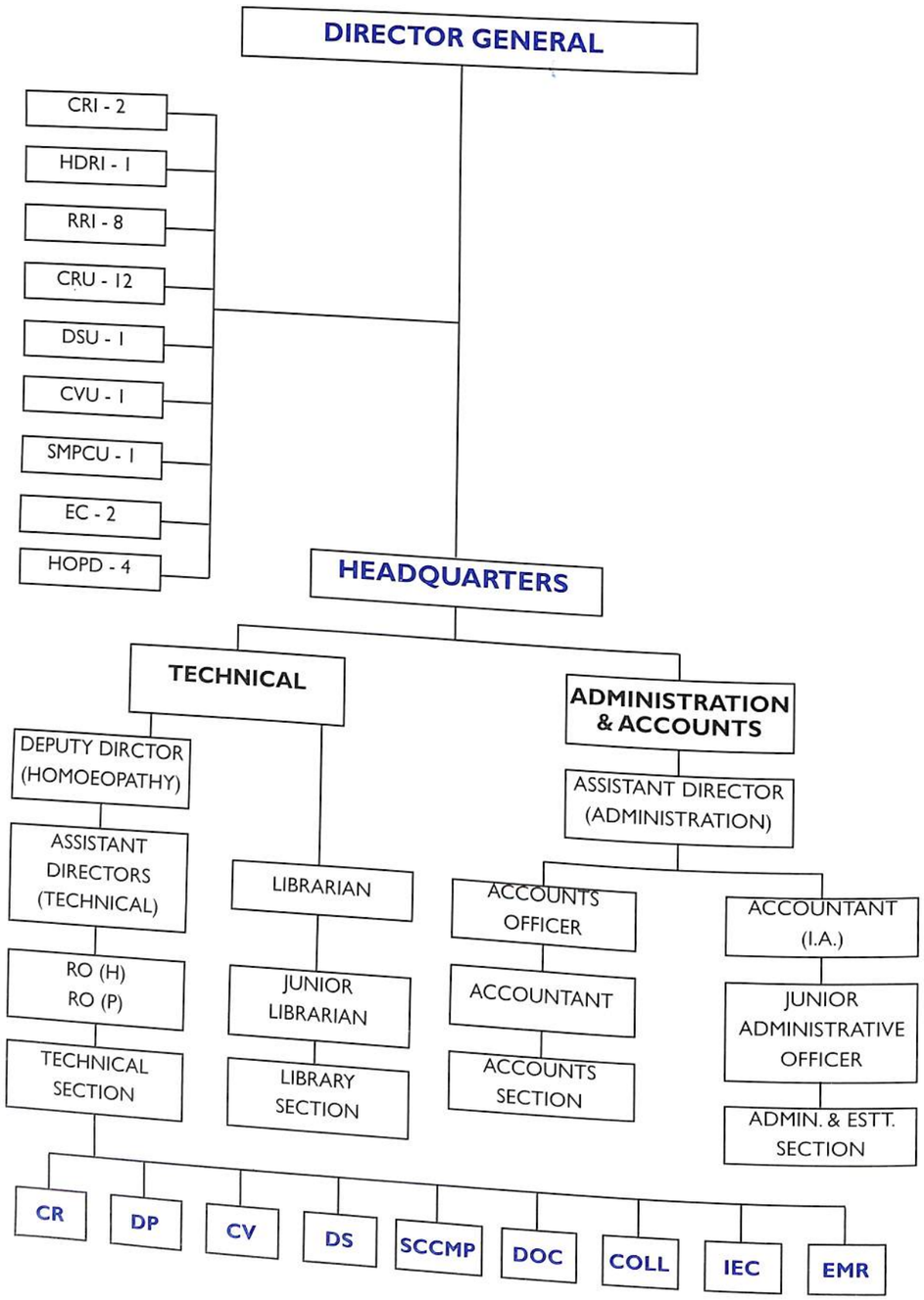

GOVERNING BODY

The Governing Body (GB) of the Council was re-constituted on 26th February 2009 for a period of three years, by the Hon'ble Union Minister for Health and Family Welfare, in his capacity as the President of the Governing Body.

The term of Governing Body has been expired on 25th February 2012. The Council has sent the proposal to Hon'ble Health & Family Welfare Minister for re-constitution of Governing Body vide letter No. 1-20/2012-CCRH/Mon/GB Const./1162 dated 17/02/12. As it was not reconstituted till 31st March 2012, thus continued working and the framework of GB is as mentioned below:

1. President - Hon'ble Union Minister for Health and Family Welfare
2. Vice – President I (Official) - Hon'ble Union Minister of State for Health and Family Welfare
3. Vice – President II (Non-official) - Dr. Diwan Harish Chand
   1, Hanuman Road, Connaught Place,
   New Delhi-110001

OFFICIAL MEMBERS

1. Additional Secretary & F.A., Ministry of Health & Family Welfare, Nirman Bhavan, New Delhi
2. Joint Secretary, Deptt. of AYUSH, IRCS Building, New Delhi

NON-OFFICIAL MEMBERS

1. Experts in Homoeopathy

a. Dr. V.K. Gupta
   C – 3/29, Rajouri Garden, New Delhi

b. Prof. (Dr.) K. Janardhan Reddy,
   Former Additional Director (Homoeo.), Govt. of Andhra Predesh
   H.No. 3-5-199/A15, Street No. 5, Narayanaguda, SBH, Himayatnagar Lane, Hyderabad.

c. Dr. R. Gnanasambandam,
   President, Tamil Nadu Homoeopathy Medical Council,
   #6, Lloyds 2nd Lane, Royapettah, Chennai – 600014, Tamilnadu

d. Dr. Pa.U. Lenin,
   110, Fourth Cross, Jawahar Nagar, Boomianpet, Puducherry- 605001

e. Dr. B. T. Rudresh
   'Madilu', 54 E, 2nd Cross, BSK 3rd Stage, 3rd Phase,
   4th Block, Kathriguppa, Bangalore – 85

2. Experts in Botany & Pharmacology

a. Dr. R. K. Sharma
   HOD, Botany, Central Drug Research Institute, Lucknow – 226 001

b. Dr. J. Mohanasudaram
Professor of Pharmacology and Dean, Government Stanley Medical College & Hospital,
Chennai – 600001

3. Expert in Modern Medicine

a. Dr. D. Sengupta
Consultant in Medicine, 83, Lucknow Road, Timarpur, Delhi – 110 054

4. Ex-Officio Members

a. Director, National Institute of Homoeopathy, Kolkata

b. Director General , CCRH – Member Secretary

Hon'ble Minister of Health and Family Welfare presiding the Meeting of meeting of Governing Body of the Council

SCIENTIFIC ADVISORY COMMITTEE

The Scientific Advisory Committee and other Special Committees of the Council were re-constituted by Hon'ble Union Minister for Health and Family Welfare (in his capacity as the President of the Governing Body of CCRH) for a period of three years with effect from 21st July, 2006 which ceased on 20th July 2009. Secretary (AYUSH) allowed the existing SAC to continue till new Scientific Advisory Committee is formed.

1. Dr. Diwan Harish Chand — Chairman
I, Hanuman Road,
New Delhi-110001.

2. Dr. S.P. Singh — Member
Advisor (Homoeo),
Deptt. of AYUSH, IRCS Building,
I, Red Cross Road,
New Delhi.

3. Dr. V.K. Gupta — Member
C-3/29, Rajouri Garden,
New Delhi-110027.

4. Dr. M.P. Arya — Member
67/2, Oberoi House,
Nal Stop, Karve Road,
Pune

5. Dr. V.V. Nagaraja Rao — Member
Flat No. 5 and 8,
Nandini Mansion,
1-10-234, Ashok Nagar,
Hyderabad

6. Dr. Rathin Chakravarty — Member
5, Subal Koley Lane,
P.S. Shibpur, Howrah-711 101

7. Dr. Satya Narayan Singh — Member
Principal,
Narayanshree Homoeopathic Medical College,
Pushpa Nagar, Bhopal

8. Dr. Pa.U. Lenin, — Member
110, Fourth Cross
Jawahar Nagar, Boomianpet,
Puducherry-605 001.

9. Prof. L.K. Nanda, — Member
Professor,
Dr. A.C. Homoeopathic Medical College & Hospital,
Unit-3, Bhubaneswar-751 001

10. Dr. Aditya Kaushik, — Member
O-14, Parwana Vihar,
Sector-9, Rohini, Delhi-110085

11. Director General, CCRH — Member-Secretary

The Hon'ble Minister of Health and Family Welfare reconstituted the SAC on 17th January 2012 and the tenure of the committee will be for three years.

1. Dr. V.T. Augustine — Chairman
401, Mandakini Enclave,
Alaknanda, New Delhi-110019

2. Adviser/Jt. Adviser/Dy. Adviser (H) — Member
Dealing with CCRH, Deptt. of AYUSH,
Delhi-110001

3. Dr. V.K. Gupta — Member
C-3/29, Rajouri Garden,
New Delhi-110027

4. Dr. M.P. Arya — Member
67/2, Oberoi House,
Nal Stop, Karve Road,
Pune, Maharashtra-411004

5. Prof. (Dr.) C.Nayak — Member
Former Director General CCRH,
House No. 47C, C-4D Block,
Janakpuri, New Delhi-110058

6. Dr. Rathin Chakravarty — Member
5, Subal Koley Lane,
P.S. Shibpur, Howrah-711 101

7. Dr. R.K. Manchanda — Member
Deputy Director,
CSC Building, Block-B,
Homoeopathic Department of ISM & H,
Preet Vihar, Delhi-110092

8. Prof. L.K. Nanda — Member
Plot No. 409-B,
Paika Nagar, Delta Square,
Post Baramunda,
Bhubaneshwar-751003

9. Dr. V.K. Chauhan — Member
Principal,
Dr. B.R. Sur Homoeopathic Medical College,
Hospital and Research Centre,
Nanak Pura, New Delhi-110021

10. Dr. D. K. Sharma — Member
Professor & Consultant Medicine at
Vardhman Mahavir Medical College & Safdarjung Hospital

(Ministry of Health & Family Welfare),
New Delhi-110029

11. Director General, — Member-Secretary
Central Council for Research in Homoeopathy,
61-65, Institutional Area, D-Block,
Janakpuri, New Delhi-110058

STANDING FINANCE COMMITTEE

The Council has a Finance Committee with the following members:

1. The Joint Secretary — Chairman
Deptt. of AYUSH,
IRCS Building,
Red Cross Road, New Delhi.

2. Additional Secretary-cum-FA — Member
MH&FW, Nirman Bhavan
New Delhi or his nominee

3. Dr. Diwan Harish Chand — Member
1, Hanuman Road, Connaught Place,
New Delhi-110001.

4. Dr. V.K. Gupta — Member
C-3/29, Rajouri Garden, New Delhi.

5. Director General, CCRH — Member - Secretary

ETHICAL COMMITTEE

1. Dr. D. Sen Gupta — Chairman
2/3-4, Roop Nagar,
Delhi-110007

2. Dr. R.K. Varshney — Member
4649/21, Darya Ganj, New Delhi-110002

3. Sh. Sudhir Gandotra — Member
R-10, IIIrd Floor, Khirki Extn.,
Malviya Nagar, New Delhi-110017

4. Dr. Umesh Kansar — Member
Additional Professor

Deptt. of Medicine,
Safdarjung Hospital, New Delhi-110029

5. Dr. D.R. Lohar — Member
Director, Homoeopathic Pharmacopoeia Laboratory,
Opposite M-Block, Sanjay Nagar,
Near N.T.H., Kamla Nehru, Ghaziabad

6. Dr. S.C. Goswami — Member
67, Vaishali, Pitampura, Delhi-110034

7. Prof. P. R. Mangla — Member
EB 210, Maya Enclave, New Delhi – 110064

8. Dr. P. Roy Vaid — Member
1490/21D, Near Jim Khana Club,
Faridabad

9. Dr. (Mrs.) Lubna Khan — Member
B-3, Sector-19, Noida

10. Dr. Surender Singh — Member
Assistant Prof. Pharmacology
AIIMS, New Delhi

11. Dr. S.N. Sahu — Member
Deputy Advisor (H),
Deptt. of AYUSH, IRCS Building, New Delhi

12. Dr. Vikram Singh — Member
Deputy Director
CCRH, New Delhi

13. Dr. Anil Khurana — Member
Assistant Director (H),
CCRH, New Delhi

14. Director General, CCRH — Member Secretary

The Hon'ble Minister of Health and Family Welfare reconstituted the Ethical Committee on 17th January 2012 and the tenure of the committee will be for three years.

1. Dr. D. Sen Gupta (from 17.01.12 to 08.02.13) — Chairman
2/3-4, Roop Nagar,
Delhi-110007

2 Dr. Umesh Kansara (Nominated as Chairman on 28.02.12) — Member
Additional Professor
Deptt. of Medicine,
Safdarjung Hospital, New Delhi-110029

3. Dr. R.K. Varshney — Member
4649/21, Darya Ganj,
New Delhi-110002

4. Sh. Sudhir Gandotra — Member
R-10, IIIrd Floor, Khirki Extn.,
Malviya Nagar, New Delhi-110017

5. Dr. S.C. Goswami — Member
67, Vaishali, Pitampura,
Delhi-110034

6. Dr. P. Roy Vaid — Member
1490/21D, Near Jim Khana Club,
Faridabad

7. Dr. Surender Singh — Member
Assistant Prof. Pharmacology
AIIMS, New Delhi

8. Dr. Mrs. Madhu Aggarwal — Member
Professor, Deptt. of Obstetrics and Gynaecology,
Dr. B.R. Sur Homoeopathic Medical College and Hospital,
Nanak Pura, New Delhi-110021

9. Dr. Rajesh Sagar — Member
Additional Professor,
Deptt. of Psychiatry,
All India Institute of Medical Sciences,
Ansari Nagar, New Delhi-110029

10. Dr. Anil Khurana — Member
Assistant Director (H),
CCRH, New Delhi

11. Director, Homoeopathic Pharmacopoeia Laboratory, — Member
Opposite M-Block, Sanjay Nagar,
Near N.T.H., Kamla Nehru, Ghaziabad

12. Director General, CCRH — Member Secretary

The Hon'ble Minister of Health and Family Welfare reconstituted three Special Committees on 17th January 2012 and the tenure of the committees will be for three years.

SPECIAL COMMITTEE FOR CLINICAL RESEARCH

1. Dr. V.K. Gupta
   C-3/29, Rajouri Garden,
   New Delhi-110027 — Chairman

2. Dr. K.M. Dhawale
   Dr. M.L. Dhawle Memorial Trust's BMC's Mother & Child Care Centre, 3rd Floor,
   Harishankar Joshi Marg,
   Dahisar East, Mumbai-400068 — Member

3. Dr. V.K. Chauhan
   Principal,
   Dr. B.R. Sur Homoeopathic Medical College,
   Hospital and Research Centre,
   Nanak Pura, New Delhi-110021 — Member

4. Director
   National Institute of Homoeopathy,
   Block-GE, Sector-III,
   Salt Lake City- Kolkata-700106 — Member

5. Dr. Harsh Nigam
   37/51, Shivala Road,
   Kanpur-208001 — Member

6. Adv./Jt. Adv./Dy.Adv.(H)
   Dealing with CCRH,
   Deptt. of AYUSH,
   Delhi-110001 — Member

7. Dr. Md. Quasim
   B-36, Hazrat Nizamuddin West,
   New Delhi-110013 — Member

8. Dr. S.K. Bhattacharya
   Head of Department,
   Materia Medica,
   National Institute of Homoeopathy,
   Kolkata-700106 — Member

6.

9. Dr. Alok Pareek
   Pareek Hospital and Research Centre,
   4/10, Bagh Farzana,
   Civil Lines, Agra-282002 — Member

10. Director General, CCRH — Member

SPECIAL COMMITTEE FOR DRUG STANDARDIZATION

1. Dr. P.N. Varma
   Technical Advisor
   Dr. William Schwabe India Pvt. Ltd. (WSI),
   A-36, Sector-60, Phase-III,
   Noida-201304 — Chairman

2. Dr. C.D. Tripathy
   HOD, Deptt. of Pharmacology,
   Vardhman Mahavir Medical College,
   Safdarjung Hospital,
   New Delhi-110029 — Member

3. Dr. Rakesh Shukla
   Senior Scientist,
   Central Drug Research Institute,
   Lucknow-226001 — Member

4. Dr. D.S. Bhar
   Managing Director,
   Hahnemann Publishing Company Pvt. Ltd.,
   165, Bipin Behary Ganguly Street,
   Kolkata-700012 — Member

5. Dr. Veerabrahmachary
   Dr. Brahamachary's Homoeopathy Centre,
   358, III stage, 4th Block, 8th Main,
   Basavdeswari Nagar,
   Bangalore-560049, Karnataka — Member

6. Dr. P.V. Venkataraman
   President,
   Tamil Nadu Homoeopathic Doctors Association,
   33, First Main Road, Lake Area
   (Near Velluvar Kottam), Nungambakkam,
   Chennai-600034 — Member

7. Director — Member
Central Institute of Medicinal and Aromatic Plants,
P.O. CIMAP, Near Kukrail Picnic Spot,
Lucknow-226015

8. Director — Member
Homoeopathic Pharmacopoeia Laboratory,
Kamla Nehru Nagar, Ghaziabad District,
Ghaziabad-201002

9. Dr. G.P. Garg — Member
Senior Chief-chemist,
Department of AYUSH-110001

10. Dr. Surender Singh — Member
Assistant Professor,
Department of Pharmacology,
A.I.I.M.S. Ansari Nagar, New Delhi-110029

11. Director General, CCRH — Member Secretary

SPECIAL COMMITTEE FOR HUMAN PATHOGENETIC TRIAL (DRUG PROVING)

1. Dr. N. Mohanty — Chairman
Plot No. 92,
Dharama Vihar,
Khandagiri Square,
Bhubaneswar-751013

2. Dr. Girish Gupta — Member
Gaurang Clinic & Centre for Homoeopathic Research,
B-1/16, Sector-A, Near Rajshree Talkies, Kapoorthala,
Aliganj, Lucknow-226024

3. Dr. Madhu Aggarwal — Member
Dr. B.R. Sur Homoeopathic Medical College & Hospital,
New Delhi-110021

4. Dr. Arvind Kothe — Member
Principal,
Shri Kamaxidevi Homoeopathic Medical College & Hospital,
Shiv Shal, Shiroda, Goa-403103

5. Dr. Ajit Kulkarni — Member
Homoeopathic Consultant,
Prestige Chambers, Powai naka,
Ravivar peth, Satara, Maharashtra-415110

6. Dr. G.R. Mohan — Member
Principal,
Dev's Homoeopathic Medical College,
Deva Nagar, Anki, Reddy Pally,
Keesara-Mandal, RR District-501301

7. Dr. D.K. Gupta — Member
Homoeopathic Consultant,
Block-B-1A/33A,
Janakpuri, New Delhi-110058

8. Director General, CCRH — Member Secretary

REPRESENTATION OF SCHEDULED CASTES / SCHEDULED TRIBES IN THE COUNCIL SERVICES

The Council is following the orders and guidelines, issued from time to time by the Government of India in respect of reservation and representation of SC/ST in the services of the Council. The number of sanctioned posts, filled up posts, SC/ST and OBC employees working in the Council as on 31.3.2012 were as under:

Group	Number of Sanctioned Posts	No. of posts filled	SC	ST	OBC
A	127	01	--	--	--
B	52	00	--	--	--
C	178	08	--	01	02
D	99	06	02	--	01

BUDGET

The following table shows the budget of the Council for the year 2011- 2012.

ALLOTTED BUDGET ESTIMATE	PLAN (in lakhs)					TOTAL PLAN (in lakhs)	NON-PLAN (in lakhs)
2011-12 (Budget Esti.)	General Area Plan	Capital Assets	S.C.P. for Sch. Caste	Tribal Area Plan	Med. Edu. Trg. & Res.		
	1,861.51	977.50	279.99	158.00	115.00	3392.00	1480.00

RIGHT TO INFORMATION ACT 2005

The Right to Information Act 2005 came into force in the Council on 14th October 2005 in order to ensure greater and more effective access to information. This act gives the citizen a right to information at par with the Members of Parliament and the Members of State Legislatures.

Only such information is required to be supplied under Act, which already exists and is held by the public authority. The policy authority is not supposed to create information, or to interpret information, or to solve the problems raised by the applicants, to furnish replies to hypothetical questions. During the year 2011-12, 151 applications have been received from the citizens and the same were responded in order. Out of them one appeal was filed with the Central Information Commission (CIC) and it was disposed with the remarks "The CIC satisfied with the reply of Public Information Officer".

TECHNICAL REPORT

The Council has undertaken following research activities during the year (2011-12)

- Clinical Research
- Clinical Verification
- Drug Proving
- Drug Standardization
- Survey, Collection and Cultivation of Medicinal Plants
- Collaborative Research
- Extra Mural Research

RESEARCH ASSIGNMENTS (2011-12) (Unit/Institute wise)

Sl. No	Name of the State/U.T.	Name of Institute/Unit	Assignments and other Activities
1.	**Andaman and Nicobar**	Clinical Research Unit (H) M.B. 31, Middle Point, Mahatma Gandhi Road, Port Blair -744101.	**Research Projects:** 1. Clinical Research a) Leptospirosis (RCT) b) Benign Prostatic Hyperplasia (RCT) 2. Clinical Verification Research of 23 drugs **Other activities assigned:** 1. Mother and Child Clinic 2. Community awareness camps on Mother and Child care
2.	**Andhra Pradesh**	Regional Research Institute (H) Dr. GGH Medical College Campus, Eluru Road, Krishna Dt., Gudivada-521301	**Research Projects:** 1. Clinical Research a) Benign Prostatic Hyperplasia (RCT) b) Diabetic Distal Symmetric Polyneuropathy (RCT) c) Cervical Spondylosis (RCT) 2. Drug Proving Research Program 3. Clinical Verification Research of 23 drugs **Other activities assigned:** 1. Mother and Child Clinic 2. Community awareness camps on Mother and Child care 3. Extra Mural Research a) Depression
3.		Drug Standardization Unit (H) Q.U.B. 32, Room No. 4, Vikram Puri. Habsiguda, Hyderabad -500007.	**Research Projects:** 1. Clinical Research a) Diabetic Distal Symmetric Polyneuropathy (RCT) 2. Drug Standardization **Other activities assigned:** 1. Mother and Child Clinic 2. Community awareness camps on Mother and Child care
4.		D.S.U. Extension Unit, Princess Durra Shehvar Children Hospital, Purani Haveli, Hyderabad -500002	**Research Projects:** 1. Clinical Research a) Cervical Spondylosis (RCT) **Other activities assigned:** 1. Mother and Child Clinic 2. Community awareness camps on Mother and Child care
5.		Clinical Research Unit (H) Old Maternity Hospital Campus, Tirupathi- 517507.	**Research Projects:** 1. Clinical Research a) Benign Prostatic Hyperplasia (RCT) b) Diabetic Distal Symmetric Polyneuropathy (RCT) **Other activities assigned:** 1. Mother and Child Clinic 2. Community awareness camps on Mother and Child care
6.	**Arunachal Pradesh**	Central Research Unit (H) Vivek Vihar, Itanagar – 791113	**Research Projects:** 1. Clinical Verification Research of 23 drugs **Other activities assigned:** 1. Mother and Child Clinic 2. Community awareness camps on Mother and Child care
7.	**Assam [N.E]**	Regional Research Institute (H) Rabha Bhawan, Khalipara, Odel Bakara, Guwahati-781019	**Research Projects:** 1. Clinical Research a) Chronic Rhinosinusitis (RCT) b) Uterine Fibroid **Other activities assigned:** 1. Mother and Child Clinic 2. Community awareness camps on Mother and Child care

21.	**Tamil Nadu**	Clinical Research Unit (H) No. B-32, 3 Cross Street, A.G.S. Colony (Sea Side) Kottivakkam, Chennai- 600041	**Research Projects:** 1. Clinical Research a) Diabetic Distal Symmetric Polyneuropathy (RCT) b) Uterine Fibroid c) HIV/AIDS (RCT) **Other activities assigned:** 1. Mother and Child Clinic 2. Community awareness camps on Mother and Child care 3. Collaborative Research a) Anti diabetic potentials of Syzyzium and Cephalandra indica- University of Madras b) Berberis Vulgaris for Urolithiasis- University of Madras
22.		Survey of Medicinal Plants and Collection Unit (H) 3/126, Indira Nagar, Emerald Post, Ooty, Nilgiri Distt-643 209	Survey, Collection & cultivation of medicinal plants 1. Supply of 08 assigned drugs to various Drug Standardization units of the Council 2. Cultivation of medicinal plants in Homoeopathy specially exotic and not easily available
23.		Clinical Research Unit (H), 1st Cross, Mangalakshmi Nagar, (Behind New Bus Stand), Puducherry-605013.	**Research Projects:** 1. Clinical Research a) Diabetic Distal Symmetric Polyneuropathy (RCT) b) Cervical Spondylosis (RCT) **Other activities assigned:** 1. Mother and Child Clinic 2. Community awareness camps on Mother and Child care
24.	**Tripura**	Clinical Research Unit (H), ¼, Main Road Colonel Chowmuhani, Krishna Nagar, P.O. Agartala- 799001	**Research Projects:** 1. Clinical Verification Research of 23 drugs **Other activities assigned:** 1. Mother and Child Clinic 2. Community awareness camps on Mother and Child care
25.	**Uttar Pradesh**	Homoeopathic Drug Research Institute (H), Campus of National Homoeopathic Medical College and Hospital, 1, Viraj Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226010	**Research Projects:** 1. Clinical Research a) Urolithiasis (RCT) 2. Drug Proving Research Program 3. Clinical Verification Research of 23 drugs **Other activities assigned:** 1. Mother and Child Clinic 2. Community awareness camps on Mother and Child care 3. Collaborative Research a) Immunomodulation and antioxidant action of homoeopathic medicine- IVRI-Izzatnagar b) Pharmacological evaluation of homoeopathic medicines- CDRI, Lucknow
26.		Ext. Centre of HDRI, Lucknow at Gorakhpur	**Research Projects:** 1. Clinical Research a) Viral Encephalitis **Other activities assigned:** 1. Extra Mural Research a) Benign neoplastic lesions of breast

27.		Central Research Institute (H), A-1/1. Sector-24, NOIDA.	**Research Projects:** 1. Clinical Research a) Cervical Spondylosis (RCT) b) Uterine Fibroid c) Benign Prostatic Hyperplasia (RCT) d) Chronic Rhinosinusitis (RCT) e) Urolithiasis (RCT) f) Schizophrenia (RCT) g) Distress during climacteric (Menopausal) years (RCT) 2. Drug Proving Research Program 3. Clinical Verification Research of 23 drugs 4. Drug Standardization **Other activities assigned:** 1. Mother and Child Clinic 2. Community awareness camps on Mother and Child care
28.	**West Bengal**	Clinical Research Unit (H), Gokhel Road (Near Matri Bhandar), Arobindopally, Siliguri - 734401	**Research Projects:** 1. Clinical Research a) Diabetic Distal Symmetric Polyneuropathy (RCT) b) Urolithiasis (RCT) from 12th March, 2012 **Other activities assigned:** 1. Mother and Child Clinic 2. Community awareness camps on Mother and Child care 3. Collaborative research a) Drug De-addiction - SPYM, New Delhi
29.		Dr. Anjali Chatterjee Regional Research Institute (H), 50, Rajendra Chatterjee Road, Kolkata-700 046	**Research Projects:** 1. Clinical Research a) Cancer (RCT) b) Urolithiasis (RCT) 2. Drug Proving Research Program 3. Clinical Verification Research of 23 drugs **Other activities assigned:** 1. Mother and Child Clinic 2. Community awareness camps on Mother and Child care 3. Extra Mural Research a) Spectral standardization of potentized homoeopathic medicines b) Diabetes and hyperlipidemia 4. Collaborative Research a) Cancer regression - Bose Institute, Kolkata

1
CLINICAL RESEARCH

The Council has laid emphasis on clinical evaluation of homoeopathic medicines in certain disease conditions of national health importance and also in clinical conditions for which no curative treatment is available in conventional medicine and in some other diseases which are common in different parts of the country. The Council has taken up 8 new multi-centre and 6 unicentric clinical studies (Randomized Control Trials) on protocols formulated in consultation with experts of modern medicine and Homoeopathy. These are being conducted at the Institutes and Units located both in general and tribal areas.

During reporting year studies on Uterine fibroid, Attention Deficit Hyperactivity Disorder, Influenza like illness and Haemorrhoidal disease were concluded and compilation of the data has been made. The manuscript for Distress During Climacteric (Menopausal) Years has been published in *Journal of Alternative and Complementary Medicine*, Diabetic Foot Ulcer in *American Journal of Homoeopathy*, Acute Tracheo-Bronchitis in the *International Journal of Biomedical Research* and Acute Otitis Media in Journal *Homeopathy*. The article on Chronic Sinusitis has been accepted for publication in Journal *Homeopathy*. The manuscripts for Benign Prostatic Hyperplasia and Chronic Bronchitis have been submitted for publication and the manuscripts for studies on Schizophrenia, Depressive Episode, Leptospirosis and Vitiligo concluded in 2010-11 are under compilation.

During the reporting year the protocols for 13 new studies mentioned below were approved by the Ethical Committee and Scientific Advisory Committee of the Council. The enrollment is initiated for studies on Cervical spondylosis and Menopause in the month of February, 2012 and March, 2012 respectively. The enrollment in the rest of the studies could not be initiated due to delay in administrative approval for engagement of Allopathic Consultants, engagement of SRF (H). Pre-trial preparations (supply of research medicines, training to investigators, engagement of Allopathic Consultants, engagement of SRF (H), and partial modifications in some of the protocols etc.) for initiating the studies were taken up.

I. Ongoing studies

A. Enrollment initiated:

1. A multi centre randomized double blind placebo controlled clinical trial of predefined homoeopathic medicines in **Cervical Spondylosis** pain management.
2. Sepia in **Menopausal** Symptoms: A multi-centre randomized double blind placebo controlled clinical trial.

B. Pre-trial preparation for enrollment:

1. To evaluate the efficacy of homoeopathic medicines as an add-on therapy to standard conventional treatment in patients of **Schizophrenia**: randomized placebo controlled cross over trial.
2. A randomized double blind placebo controlled multicentric trial on the effects of homoeopathic medicines on **Chronic Rhinosinusitis.**
3. Effectiveness of homeopathic medicines-vs-placebo as add on to institutional management protocol for **Viral encephalitis (VE)** - A randomized, placebo controlled trial.

4. Comparative trial in the management of **Alcohol dependence**: standard Allopathy treatment vs. Homoeopathy- a randomized trial.
5. Homoeopathic therapy for lower urinary tract symptoms in men with **Benign Prostatic Hyperplasia**: An open randomized multicentric placebo controlled clinical trial.
6. A randomized, placebo controlled, cross-over, clinical trial of homoeopathic medicines in **Autism.**
7. Adjuvant homoeopathic management for **Breast cancer** patients experiencing side effects from chemotherapy – An observational pilot study.
8. Lycopodium clavatum in **Urolithiasis:** A randomized, double blind, placebo controlled clinical trial.
9. A randomized controlled trial to evaluate the efficacy of homoeopathic treatment in **HIV Infection** (Pre-ART) – Multi-centre study.
10. A randomized open controlled trial of predefined homeopathic medicines on **Acute Adenolymphangitis (ADL) due to Lymphatic Filariasis.**
11. A single-blind, open randomized, placebo-controlled trial of add-on homoeopathic therapy in patients of severe **Leptospirosis** on conventional care.

II. Studies concluded

1. A multicentric randomized clinical trial of homoeopathic medicines in LM Potencies vis-à-vis. centesimal potencies on Symptomatic **Uterine Fibroid.**
2. Homoeopathic management for **Attention Deficit Hyperactivity Disorder** in children: a randomized placebo controlled pilot study.
3. Effect of individualized homoeopathic treatment in **Influenza like illness** - a multicentric, single blind, randomized, placebo controlled study.
4. Effect of homoeopathic LM potencies in acute attacks of **Hemorrhoidal disease**: A multicentric randomized single blind placebo controlled trial.

I. ONGOING STUDIES

A. Enrollment initiated

1. A multi centre randomized double blind placebo controlled clinical trial of predefined homoeopathic medicines in Cervical Spondylosis pain management.

Cervical Spondylosis is a degenerative disease associated with ageing and also occupation. The growing geriatric population and sedentary occupation, increases the incidence of cervical spondylosis. To validate the role of homoeopathic medicine in cervical spondylosis pain management, Council has undertaken the double blind placebo control trial with predefined homoeopathic medicines.

This multicentre study is being conducted at Drug Standardization (Ext.) unit, Hyderabad; Regional Research Institute (H), Navi Mumbai; Regional Research Institute (H), Jaipur; Central Research Institute (H), Kottayam; Regional Research Institute (H), Gudivada; Central Research Institute (H), Noida and Clinical Research Unit (H), Puducherry. The study has two arms viz. homoeopathic intervention and placebo. Two series of medicines are being used, one comprises of medicines in 30C dilution manufactured by a licensed homoeopathic pharmaceutical company approved by the Council, the other comprises of identical matching placebo. Assessment shall be done as per Visual Analogue Scale (VAS) and Cervical Spondylosis Pain Management Scale (CSPMS). Patients' Global Impression of Change (PGIC) scale and Clinical Global Impression (CGI) scale will be used for assessment. The study was initiated in March 2012. So far 54 patients have been screened and 22 patients enrolled during the reporting period.

2. Sepia in menopausal symptoms: A multi-centre randomized double blind placebo controlled clinical trial.

Homoeopathic treatment is safe, cost-effective and can be made accessible to the women for better management of menopausal symptoms.

Sepia was found as the most frequently indicated and useful medicine in the previous study on Menopause conducted by the Council. Therefore, Sepia was chosen for this double blind RCT. This multicentre study shall be conducted at Regional Research Institute (H), Navi Mumbai, Maharashtra; Clinical Research Unit (H), Ranchi, Jharkhand; Regional Research Institute (H), Puri, Odisha and Central Research Institute (H), Noida. The study has two arms viz. homoeopathic intervention and placebo. Two series of medicines are being used, one comprises of Sepia in 200C dilutions manufactured by a licensed homoeopathic pharmaceutical company approved by the Council and the other comprises of identical matching placebo. The main outcome measures shall be the assessment of symptoms utilizing 'The Greene Climacteric Scale'. The study was initiated in February 2012. So far 32 patients have been screened.

B. Pre-trial preparation for enrollment:

1. To evaluate the efficacy of homoeopathic medicines as an add-on therapy to standard conventional treatment in patients of schizophrenia, an open randomized placebo controlled cross over trial.

The Council has conducted an open study on Schizophrenia from October 2005- October 2010 at one of its centres with positive results. Therefore, Council has initiated the Randomized Controlled Trial entitled "To evaluate the efficacy of homoeopathic medicines as an add-on therapy to standard conventional treatment in patients of schizophrenia, an open randomized placebo controlled cross over trial" at its three centres out of which two are having IPD facilities. The third centre at Ranchi will undertake the study in collaboration with Central Institute of Psychiatry, Ranchi. The study duration proposed is for a period of 3 years and 6 months. The objectives shall be to compare the effects of homoeopathic medicines as an add on to conventional medicines on symptoms of schizophrenia.

2. A randomized double blind placebo controlled multicentric trial on the effects of homoeopathic medicines on chronic rhinosinusitis.

The Council has conducted an open study on chronic sinusitis from October 2005- March 2010 at eight of its centres with positive results. Therefore, to evaluate the efficacy of homoeopathic medicines on chronic rhinosinusitis, 'A randomized double blind placebo controlled multicentric trial on the effects of homoeopathic medicines on chronic rhinosinusitis' is being conducted by Central Council for Research in Homoeopathy at its four institutes for a duration of 18 months (6 months for enrollment + 3 months treatment + 3 months observation period + 6 months for data analysis and manuscript preparation) with primary objective to evaluate the changes in total symptoms score (TSS) and the changes in Sino nasal outcome test -22 (SNOT-22).

3. Effectiveness of homoeopathic medicines-vs-placebo as add on to institutional management protocol for Viral Encephalitis (VE)-A randomized, placebo controlled trial.

A randomized, placebo controlled trial to see the effectiveness of homoeopathic medicines-vs-placebo as add on to institutional management protocol for viral encephalitis (VE) shall be carried out by Central Council for Research in Homoeopathy in collaboration with ICMR and BRD Medical college, Gorakhpur, Uttar Pradesh. The duration of study shall be for 3 years. The objectives will be to see the effectiveness of homoeopathic medicines as an add-on therapy in Viral Encephalitis along with standardized institutional management protocol which will be provided by investigators of modern medicine at BRD Medical College. All the investigations will be carried by National Institute of Virology, Field station, a unit of ICMR at BRD Medical College, Gorakhpur.

4. Comparative trial in the management of alcohol dependence: standard Allopathy treatment vs. Homoeopathy- a randomized trial.

Keeping in view the per capita alcohol beverage consumption in Kerala by persons above 15 years of age in the year 2010 found to be 11.1 liter/person, a clinical study is to be carried out to compare the effect of homoeopathic medicines in the management of alcohol dependence with Allopathy at

Central Research Institute for Homoeopathy, Kottayam, Kerala on both sexes, age ranging between 15 to 60 years, presenting with signs and symptoms of alcohol dependence. Diagnosis of alcohol dependence shall be made as per ICD-10 criteria. Screening will be done by using CAGE scale in OPD of the Institute. Enrolled cases will be divided into two groups-Homoeopathy group & Allopathy group as per randomization chart. Enrolment will be done for one year with a follow-up of one year of each case enrolled in the study. Assessment of improvement of cases during study will be done as per internationally accepted scoring method "Severity of Alcohol Dependence Questionaire (SADQ)". WHOQOL short questionnaire will be used at baseline and at end of the study for both the groups to assess improvement in Quality of life.

5. Homoeopathic therapy for lower urinary tract symptoms in men with benign prostatic hyperplasia: An open randomized multicentric placebo controlled clinical trial.

Benign Prostatic Hyperplasia is a widely prevalent condition among older men. Prevention of progression is an important patient goal. Though it is an infrequent cause of death but prevention of progression is an important patient goal. Available conventional therapies like Alpha adrenergic blocking agents, 5 Alpha – reductase inhibitors result in 25% shrinkage of prostate gland, 20% improvement in symptom scores. The results of the evidence based observational studies conducted by CCRH at its Institutes/Units from October 2005 to September, 2010 (Unpublished data) as well as in collaboration with Homoeopathic Research Foundation, Lucknow from July 2006 to September 2009 published in Indian Journal of Research in Homoeopathy and under Extra Mural Research Scheme at Bhubaneshwar were found to be useful and positive.

The aim of the present study is to validate the effect of homoeopathic therapy, in a randomized placebo controlled setting. The primary end point of the study is to compare the International Prostate Symptom Score changes at Base line and at completion of the study. The study with three parallel arm design shall be conducted at Central Research Institute, Noida and Kottayam, Regional Research Institute, Gudivada and Clinical Research Unit, Tirupati, Gangtok and Port Blair. First arm per the randomization will receive the homoeopathic constitutional intervention, the second arm homoeopathic constitutional remedy along with organ remedy and the third arm will be prescribed Placebo.

6. A randomized, placebo controlled, cross-over, clinical trial of Homoeopathic medicines in autism.

Autism is a pervasive developmental disorder that can significantly impair functioning and development of a child. It is one of the major childhood disorder impairing functions and quality of life. The disease first appears during infancy or childhood, and generally follows a steady course. Autistic disorder is believed to occur at a rate of about 8 cases per 10,000 children. By definition, the onset of autistic disorder is before the age of 3 years, although in some cases it is not recognized until a child is much older.

It is said that pharmacotherapy plays a minor role, but important in the treatment of Autism. There is no medication available in the treatment of autism for which benefits outweigh side effects in a majority of cases. The unspecific drugs most often used are Vit B6, Neuroleptics and sedating drugs. Haloperidol is most commonly prescribed neuroleptic for symptoms of autism, but none of these is able to establish a cure till date.

Complementary and Alternative Medical (CAM) therapies are commonly used by parents for their suffering children. Parents usually seek homoeopathic treatment for autism. But for an assertion to be scientific we need authentic studies and recorded results. Therefore, establishing the effectiveness of homoeopathic treatment is an essential need of the time. It is an obligation for homoeopathic system to sort out ways for precise and effective individualized prescription in each case so as to be beneficial to the suffering humanity. For this a well planned controlled trial with homoeopathic medicines is

to be conducted. This study will help to establish and re-prove homoeopathic management as an effective therapeutic system for treating autism in children. The results learned from this single blind randomized placebo controlled cross over trial shall be published to the medical fraternity.

Keeping in view this aspect - A randomized, placebo controlled, cross over, clinical study is to be carried out, to evaluate the efficacy of homoeopathic medicines in the management of Autism at CRI (H), Kottayam.

This study focuses on individualization of homoeopathic drugs in each and every aspect of the case.

The primary objective of the study is to evaluate the effectiveness of homoeopathic therapy in the treatment of Autism and the secondary objectives are to find out a group of medicines effective in management of Autism, to identify the prominent indications of the remedies found useful in Autism and also to find out improvement in quality of life.

The study shall be a randomized controlled single blind cross over clinical trial carried out on diagnosed (as per ICD-10) cases of Autism. Two groups will be made, one receiving homoeopathic medicines selected on the basis of individualization and the other one shall receive placebo. After one year of follow up cross over trial will be followed.

The period of trial shall be for three years which includes one year for enrollment and one year for follow up and this will be followed by cross over trial for one year.

Participants from both sexes aged between 3 to 16 years with clinical presentation of Autism as per Inclusion Criteria will be enrolled in the study. Detailed screening by the Project Consultant in the presence of investigating officer. Those who are potentially eligible for the study (inclusion criteria present and all exclusion criteria absent) will then be subjected to a *Baseline assessment* based on CARS, ATEC, VSMS, AHS, CGI scale by the Project consultant. Diagnosed cases will go for clinical trial as per guidelines in the protocol. Baseline scores are to be found out for comparison after the completion of study.

The primary study end point is 50% reduction in baseline score according to CARS and ATEC and the secondary study end points are **c**omparison between 2 groups in improvement or in relief, **i**mprovement in adaptability of the patient to his environment, **o**ccurrence of any untoward side effect and **c**hange in quality of life.

7. Adjuvant homoeopathic management for breast cancer patients experiencing side effects from chemotherapy - A pilot study.

While chemotherapy can be quite effective in treating certain cancers, chemotherapy drugs reach all parts of the body, not just the cancer cells. Because of this, there may be many side effects during the treatment. Homoeopathic literature has many drugs in its armamentarium which can combat the side effects of chemotherapy. Therefore, the present study is proposed to find the usefulness of homoeopathic medicines for combating side effects in patients undergoing chemotherapy for breast cancer.

An observational pilot study of homoeopathic medicines in combating the side effects of chemotherapy in breast cancer patients will be carried out by Central Council for Research in Homoeopathy, at its Dr. Anjali Chatterjee Regional Research Institute for Homoeopathy, Kolkata. Female participants of age 18 years and above, with any stage of any type of breast cancer undergoing chemotherapy and presenting with side effects reporting within 2 weeks of starting chemotherapy, shall be enrolled in the study. Homoeopathic medicines shall be prescribed after case taking on the basis of presenting totality of symptoms. Assessment shall be done as per Edmonton Symptom Assessment Scale (Revised Version), EORTC QLQ-C30 and QLQ-BR23, at base line and at the end of the treatment. On conclusion of the study, the data obtained shall be statistically analyzed with the help of a suitable statistical package (SPSS statistical package version 16) to see the usefulness

of homoeopathic medicines in combating the side effects of chemotherapy in breast cancer patients and the results shall be disseminated to the medical fraternity.

8. *Lycopodium clavatum* in Urolithiasis: A randomized, double blind, placebo controlled clinical trial.

A multicentre prospective observational study conducted by CCRH from 2005 to 2010 showed the therapeutic usefulness of homoeopathic medicines in dissolution/expulsion of urinary calculus and relief of renal calculus related symptoms. In this study *Lycopodium clavatum* was found to be most useful medicine. Based on the results of this study, CCRH has decided to take up a randomized double blind placebo controlled trial to evaluate the effectiveness of Homoeopathic medicine *Lycopodium clavatum* against placebo in treatment of urinary calculi.

The study shall be conducted in the following centres: Central Research Institute (H), Noida, Homoeopathic Drug Research Institute, Lucknow, Regional Research Institute (H) at Shimla, Jaipur & Kolkata and Clinical Research Unit (H), Siliguri. After fulfilling the inculsion criteria, patients suffering from urinary calculi shall be randomized to receive either *Lycopodium clavatum* or placebo. Both groups shall be assessed on USS scoring chart and ultrasonography. This will further help in verification of the symptoms of this drug, which is one of the secondary objectives of the study.

9. A randomized controlled trial to evaluate the efficacy of homoeopathic treatment in HIV Infection (Pre-ART) – multi centre study.

The Council has proposed to undertake a study in HIV infected (Pre-ART) patients. This study shall be a randomized comparative trial between Homoeopathic medicines and Placebo in pre-ART HIV positive patients between the age of 18 to 50 years, both males and females irrespective of their religion and caste that have not started ART yet (Pre ART group). ART centers located nearby to the study centers of Council will refer HIV positive cases who are having CD4 count between 350/cmm - 500/cmm (Pre ART group) to the Investigators of study. Study shall be of 2 years and 6 months, which includes 1 year enrollment, 1 year follow up and 6 months for data compilation. The patients will be divided into two groups as per the randomization chart. One group will be on homoeopathy treatment & other will be on placebo**.** In-charge/officer from ART center will be involved in study as co-investigator and Consultant/Counsellor will assist the investigators in the management of patients enrolled in study. Outcome parameter shall be to assess changes in CD4 count and viral load, frequency of acute episodes and quality of life of patients at the end of study.

The Protocol for this study has been drafted in consultation with the experts of Homoeopathy and Modern Medicine. The study is to be undertaken at Regional Research Institute (H), Mumbai and Clinical Research Unit (H), Chennai of CCRH. The Protocol has been approved by the Ethical and Scientific Advisory Committees of the Council and submitted to NACO for the clearance of their Ethical Committee to initiate the study.

10. A randomized open controlled trial of predefined homoeopathic medicines on Acute Adenolymphangitis (ADL) due to Lymphatic Filariasis.

Central Council for Research in Homoeopathy had carried out a multi centre open clinical trial for evaluating usefulness of homoeopathic medicines in filariasis between the years 1980-2003 which indicated the positive results. As the Council has not yet conducted a randomized open controlled trial on acute adenolymphangitis (ADL) due to Lymphatic Filariasis, the present study has been taken up with defined outcome parameters.

This study shall be conducted at Regional Research Institute, Puri, Odisha. Both males and females in the age group of 15 to 60 years with the presence of signs and symptoms of acute ADL shall be included in the study population. The study will have two parallel arms. One arm as per the randomization group will receive the homoeopathic intervention from the predefined homoeopathic medicines as per the principles of homoeopathy. The other arm will receive conventional treatment

as per the requirement of the case by the allopathic consultant. The Primary end point of the study will be the clinical improvement in acute ADL attack as evident from the ADL scoring scale.

11. A single-blind, randomized, placebo-controlled trial of add-on homoeopathic therapy in patients of severe Leptospirosis on conventional care.

The Council has conducted an open pilot study on Leptospirosis of mild intensity from August 2009- December 2010 through one of its centres at Port Blair in collaboration with ICMR, Port Blair and Community Health Centres at islands of Andamans and Nicobar (Diglipur, Mayabandar and Rangat) with positive results. Therefore to evaluate the efficacy of homoeopathic medicines on severe leptospirosis, 'A single-blind, randomized, placebo-controlled trial of add-on homoeopathic therapy in patients of severe leptospirosis on conventional care' shall be carried out by Central Council for Research in Homoeopathy in collaboration with ICMR, Port Blair, and Community Health Centre, Diglipur, Andamans, for a duration of 1 year and 3 months. The objectives are to see the effectiveness of homoeopathic medicines as an add-on therapy in severe Leptospirosis along with standard conventional care.

STUDIES CONCLUDED

1. A multicentric randomized clinical trial of homoeopathic medicines in LM potencies vis-à-vis. centesimal potencies on symptomatic uterine fibroid.

Duration of study- June 2009 to November 2011

Uterine fibroids (leiomyomas) are common benign smooth muscle tumors of the uterus. They are found approximately in 25% to 35% women of reproductive age group having substantial impact on women's health. Untreated cases are likely to get complicated and the treatment option commonly left is hysterectomy. Cost of fibroid treatment and risk of recurrence are both high. Several studies suggest that homoeopathic medicines have positive results in managing cases of uterine fibroids. Both form of potencies i.e. LM potency & Centesimal potency have been used successfully, but a comparative evaluation of the efficacy of both potencies in a standardized set up was never undertaken. Thus, Central Council for Research in Homeopathy conducted a multicentric randomized clinical trial of homoeopathic medicines in LM potencies vis-à-vis Centesimal potencies during June 2009 to November 2011 at its six study Centers viz. Central Research Institutes for Homoeopathy at Noida, and Kottayam, Regional Research Institutes for Homoeopathy at Shimla, Guwahati and Puri, Clinical Research Unit for Homoeopathy at Chennai. Duration of the study was for 2½ years including follow up period of one year. A total of 878 patients were screened and 216 patients were enrolled during the study period (LM group, n=108; CM group, n=108). During the reporting period, the study was concluded in November 2011 and acquisition of data was completed. Verification of data is under process which will be followed by data analysis and preparation of manuscript. The study has been registered in Clinical Trial Registry of India, CTRI/2011/12/002211.

2. Homoeopathic management for attention deficit hyperactivity disorder – a randomized placebo controlled pilot study.

Duration of study- June 2009 to November 2011

Attention Deficit Hyperactivity Disorder (ADHD) is prevalent psychiatric disability in children and adolescent with global prevalence of 5% in people under the age of 19. In India the prevalence is 15.5% with inattention predominance. Parents usually seek homoeopathic treatment for ADHD, thus, a randomized placebo controlled trial was carried out at CRI (H), Kottayam, Kerala, a premier institute under Central Council for Research in Homeopathy for psychiatric/mental disorders, from June 2009 to November 2011 to evaluate the efficacy of individualized homoeopathic medicines in the management of ADHD. The duration of this study was for 2½ years including one year follow up period.

A total of 133 children were screened for ADHD out of which 61 were eligible for participating in the study. Out of 61 children enrolled, data of 18 children were not analyzed due to following reasons: randomization chart was not followed for 07 children and 12 children dropped out during the study period. Therefore a total of 42 children (Homeopathy group, n=22, placebo group, n=20) were analyzed. Nine medicines were used to treat 22 patients in homeopathy group. *Calc. carbonica* (n=8), *Lycopodium clavatum*(n=5), *Phosphorus*(n=3), *Hyoscyamus niger*(n=2), *Argentum nitricum*(n=1), *Belladonna*(n=1), *Pulsatilla nigricans*(n=1) and *Sulphur*(n=1). The outcome in ADHD index, after 12 months of treatment was calculated. Mild improvement was observed in 77% patients in homoeopathy group only. 23% and 25% remained static in homoeopathic and placebo group respectively. No significant improvement and worsening was found in 55%, and 20% respectively in placebo group only. The study has been registered in Clinical Trial Registry of India, CTRI/2011/12/002305.

3. Effect of individualized homoeopathic treatment in Influenza like Illness-A multicentric, single blind, randomized, placebo controlled trial.

Duration of the study-June 2009 to December 2010

The Council had undertaken a multicentric randomized, placebo controlled study of individualized homoeopathic treatment in Influenza like Illness in June 2009 at 09 centres viz. Central Research Institute (H), Noida; Regional Research Institutes (H), Puri, Kolkata, Imphal, Shimla and Guwahati and Clinical Research Units(H), Chennai, Port Blair and Siliguri. The study aimed at evaluating the effects of homoeopathic medicines in the treatment of Influenza like illness. The duration of study was of 2 years including follow up period of 30 days. A total of 447 patients were enrolled in the study, out of which 399 patients had completed the follow up, 30 patients were dropped out, 16 were referred for appropriate medical care for various reasons and in remaining 2 cases violation of protocol was noted. The data verification of the enrolled patients has been completed and the statistical analysis of the data is under way. The paper shall be prepared and published after the analysis is over. The study has been registered in Clinical Trial Registry of India, CTRI/2012/04/002590.

4. Effect of homoeopathic LM potencies in acute attacks of hemorrhoidal disease: A multicentric randomized single blind placebo controlled trial.

Duration of study- June 2009 to December 2010

Hemorrhoids are a common anorectal disease. So to investigate the effectiveness of individualized homoeopathic medicines in LM potencies in acute attack of hemorrhoidal disease a multi-centre randomized controlled single blind parallel group trial was conducted at six centers under Central Council for Research in Homoeopathy; subjects were enrolled between June 2009 and September 2010 from six centers under CCRH: Regional Research Institute (H), Jaipur, Gudivada, Kolkata; Clinical Research Unit (H), Siliguri, Agartala, and Tirupathi. Patients diagnosed with acute attack of hemorrhoidal disease were randomized to receive either individualized homoeopathic medicine in LM potencies or placebo for a period of 90 days. Data of patients were analyzed with intention to treat approach. The study has been registered in Clinical Trial Registry of India, CTRI/2012/04/002541.

A total of 501 patients were screened, out of which 279 patients (Homoeopathy, n=140, Placebo, n=139) were enrolled. Out of these enrolled patients, data of 264 patients was analyzed and compared (Homoeopathy: n=137; Placebo: n=127). There is a statistically significant difference (p=0.0001) between the homeopathy group as compared to placebo group in the individual symptoms and Total Symptom Score. Eighteen medicines were used to treat these 137 patients, randomized to homoeopathic group. The most useful medicines are: *Phosphorus* (n=30), *Sulphur* (n=25), *Nux vomica* (n=21), and *Acid nitric* (n=16).

MONITORING

Discussion on protocol of HIV- RCT study with experts

Meeting to finalize DDSP RCT Protocol in progress

There were 13 new Clinical research studies in progress and 04 continued from previous years at various Centers were concluded during the period 01.04.2011 to 31.03.2012. The review of the research work being carried out by the respective investigators related to following clinical research studies was done either by calling them to Headquarters along with the relevant records or site visits by the monitoring team. The schedule of monitoring of clinical research studies carried out during 2011-12 is given below:

1. INTERNAL AND EXTERNAL REVIEW:

Following studies were reviewed by the coordinators at CCRH headquarters.

Sl. No.	Short Study-Title	Institute/ Unit	Place of study	Date(s) & place of review	Name of experts who reviewed
1.	Uterine Fibroid	RRI(H)	Guwahati	10th – 12th October 2011, CCRH Hqrs.	Dr. S.N. Sahu, Deputy Advisor, Dept. of AYUSH, New Delhi Dr. Kusum Chand Honorary Professor, Nehru Homoeopathic Medical College and Hospital, Delhi Dr. Madhu Agarwal Asst. Professor, Dr. B. R. Sur Homoeopathic Medical College, Delhi Dr. Sangeeta Ajmani Gynaecologist, Kasturba Hospital, Delhi
		RRI(H)	Shimla		
		RRI(H)	Puri		
		CRU(H)	Chennai		
		CRI(H)	Noida		
		CRI(H)			
2.	Attention Deficit Hyperactivity Disorder	CRI(H)	Kottayam	10th – 13th October 2011, CCRH Hqrs.	Dr. S.N. Sahu, Deputy Advisor, Dept. of AYUSH, New Delhi. Dr. K.M. Dhawle Director, Dr. M.L. Dhawle Memorial Trust , Mumbai. Dr. Rajesh Sagar, Additional Professor, Department of Psychiatry, All India Institute of Medical Sciences, New Delhi. Dr. Saran Kochhar Professor, Gondia Homoeopathic Medical College, Nagpur.

2. MONITORING AT SITE

Sl. No.	Short Study-Title	Institute/ Unit	Place	Date(s)	Venue
1.	Uterine Fibroid	CRU(H)	Chennai	7th and 8th July, 2011	CRU(H), Chennai
		RRI(H)	Puri	14th & 15th July, 2011	RRI(H), Puri
		RRI(H)	Guwahati	25th April, 2011	RRI(H), Guwahati
		CRI(H)	Kottayam	18th - 20th April, 2011	CRI(H), Kottayam
2.	Attention Deficit Hyperactivity Disorder	CRI(H)	Kottayam	18th - 20th April, 2011	CRI(H), Kottayam
3.	Viral Encephalitis	HDRI	Lucknow	16th - 18th December, 2011	HDRI, Lucknow at B.R.D. Medical College & Hospital, Gorakhpur

2
CLINICAL VERIFICATION

Homoeopathic Materia Medica contains signs and symptoms produced during proving of the drugs on healthy human volunteers, toxic effects as observed during accidental poisoning or prolonged use of the drug and clinical symptoms observed when used therapeutically. Thus, the symptomatic data need to be clinically verified when prescribed in the clinical settings.

The Council had undertaken the clinical verification programme to clinically verify pathogenetic effects (symptoms) of 86 drugs, including those proved by the Council. Studies on these drugs have already been concluded. The preparation of a Materia Medica on remaining 34 drugs is in progress.

During the year under report, study on 23 drugs are in progress which was initiated in June 2010 at ten centers, which are given below:

1. Central Research Institute (H), Noida
2. Homoeopathic Drug Research Institute, Lucknow
3. Regional Research Institute (H), Shimla
4. Regional Research Institute (H), Gudivada
5. Regional Research Institute (H), Puri
6. Regional Research Institute (H), Imphal
7. Dr. Anjali Chatterjee Regional Research Institute (H), Kolkata
8. Clinical Research Unit (H), Port Blair
9. Clinical Research Unit (T), Shillong
10. Clinical Verification Unit (H), Patna

From April 2011, another four centers were also included in the study, and those are :

1. Clinical Research Unit (H), Agartala
2. Clinical Research Unit (H), Itanagar
3. Clinical Research Unit (H), Dimapur
4. Clinical Research Unit (H), Aizawl

The primary objective of the study is to verify the proving symptoms of 23 drugs (Drug proving conducted by the Council) and the secondary objective is to ascertain the clinical symptoms, if found, in response to these drugs. A materia medica and a repertory on these drugs have been compiled as a ready reckoner for the investigators' use in the O.P.Ds.

During the reporting year a total number of 3440 patients were registered to clinically verify the symptoms of the following 23 drugs. The drug wise data obtained from the study centers is tabulated below:

Sl. No.	Name of Medicines	No. of patients enrolled during the reporting period (April'11 to March'12)	Therapeutic indications evolved
1.	*Agave americana*	105	Dyspepsia, Gastritis, Low Backache, Vertigo.
2.	*Andrographis paniculata*	322	Allergic Rhinitis, Dyspepsia, Headache, Influenza like illness, Pharyngitis.
3.	*Argemone mexicana*	304	Abdominal Colic, Dermatitis, Dysentery, Dyspepsia, Gastritis
4	*Bacopa monniere*	89	Pain of Cervical Spondylosis, Dysmenorrhoea, Headache.
5	*Chelone glabra*	45	Constipation, Headache.
6	*Clerodendron infortunatum*	30	Dysentery, Insomnia.
7	*Coleus aromaticus*	56	Dysentery, Indigestion, Piles.
8	*Cornus circinata*	59	Conjunctivitis, Dysentery, Gastritis
9	*Cuprum oxydatum nigrum*	87	Dermatitis, Dyspepsia, Dysentery, Urticaria.
10	*Ficus religiosa*	62	Gastritis, Gingivitis, Headache, Piles, Stye, Upper Respiratory Tract Infections, Vertigo.
11	*Formic acid*	101	Dyspepsia, Gastralgia, Headache, Myalgia, Spermatorrhoea.
12	*Hydrocotyle asiatica*	117	Bronchitis, Constipation, Dysuria, Lumbar Spondylosis, Osteo-arthritis, Rhinitis.
13	*Juglans regia*	116	Acne, Colitis, Dermatitis, Dyspepsia, Dysentery, Gastralgia, Headache, Pimples.
14	*Liatris spicata*	116	Acute Otitis Media, Arthritis, Constipation, Dermatitis, Diarrhoea, Dysentery, Dysmenorrhoea, Dyspepsia, Gastritis, Headache, Heat Stroke.
15	*Mimosa humalis*	92	Constipation, Headache, Indigestion, Rheumatism, Upper Respiratory Tract Infections, Urinary Tract Infections.
16	*Ocimum sanctum*	329	Acne, Acute Rhinitis, Alopecia, Apthous inside mouth, Constipation, Gastritis, Pharyngitis, P.I.D., Sinusitis, Stomatitis, Stye, Viral fever.
17	*Paraffin*	228	APD, Bronchitis, Constipation, Dyspepsia, Gastritis, Headache, Laryngitis, Pharyngitis, Rhinitis, Upper Respiratory Tract Infection,
18	*Pothos foetidus*	68	Acute & Chronic Rhinitis, Bronchial asthma, Gastritis, Influenza like illness, Pharyngitis, Upper Respiratory Tract Infections.

ANNUAL REPORT 2011-2012 CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

19	*Senega*	498	Acne, APD, Arthritis, Bronchial asthma, Bronchitis, Cervical spondylosis, Constipation, Dyspepsia, Headache,
			Pharyngitis, Toothache, Upper Respiratory Tract Infections, Viral fever.
20	*Skookum chuck*	211	Dermatitis, Diarrhoea, Dyspepsia, Gastritis, G.E.R.D., Headache, Migraine, Vertigo.
21	*Thymol*	101	Migraine, Myalgia, Sinusitis, Upper Respiratory Tract Infections, Urinary Tract Infections, Vertigo.
22	*Thyroidinum*	59	Arthralgia, Dyspepsia, Pharyngitis, Vertigo.
23	*Tinospora cordifolia*	245	APD, Dysentery, Gastritis, Gingivitis, Headache, Pharyngitis, Rhinitis, Scabies, Toothache, U.T.I., Viral fever.
Total research cases		**3440**	

Publications

Articles on Clinical Verification

1. *Cassia fistula*- A multicentric clinical verification study
   Indian Journal of Research in Homoeopathy Vol. 5 No. 2, April-June 2011, pp. 20-29

Abstract

Introduction: Clinical verification programme is an ongoing research programme of the Central Council for Research in Homoeopathy since its inception under which many Indian and rarely used drugs in Homoeopathy have been undertaken. *Cassia fistula* is a flowering plant and known for its use as folk remedy for tumors, burns, hematuria, malaria, rheumatism, syphilis and skin diseases like leprosy, pimples, ulcers, erysipelas and even in cancer. Council has undertaken an observational study on *Cassia fistula* from October 2005 to March 2010, to determine its therapeutic effect through clinical verification.

Objectives: The primary objective was to clinically verify the symptomatology of *Cassia fistula* as observed during the proving conducted by the Council on this drug and the secondary objective was to ascertain the clinical symptoms.

Methods: In this multicentre study, 129 patients from all age groups and of both sexes were enrolled. These patients were drawn from the OPDs of respective institutes and units of the Council following the exclusion and inclusion criterion as per protocol and obtaining written informed consent from patients. Their presenting signs and symptoms were recorded in a predefined case recording proforma and special attention was paid to the casuations of appearance of symptoms and all of their general symptoms as per homoeopathic point of view. Thereafter, repertorizing the symptoms if *Cassia fistula* was found to be the nearest similimum medicine for the enrolled cases, the medicine was prescribed in different potencies like 6c, 30c and 200c in ascending order, according to the need of the case and following homoeopathic principles and the progress was noted in follow up sheets to determine the effect of the medicine.

Result: The result obtained was analyzed after the conclusion of the study. It was found that many of the symptoms of the proving of the drug conducted by the Council was found to be present in the patients clinically and subsequently verified. Apart from these, some clinical symptoms also emerged during the study, exploring the wider area of the medicine for its therapeutic use.

Discussion: It was found that 95 proving symptoms of *Cassia fistula* were verified during the study and most of the symptoms were of gastrointestinal system, respiratory system, head, ear and musculoskeletal systems. The therapeutic madication of the medicine are congestion, catarrh, pain, flatulent, arthritis, neurotic and right sidedness.

Conclusion: *Cassia fistula* may be considered as a remedy for various clinical conditions like anorexia, confusion, constipation, coryza, earache, fever, headache, lethargy, nasal obstruction, pain in abdomen, pain in knee joint, sneezing, sleeplessness, stiffness of joints, arthritis, cervical pain, tonsillitis and weakness. It is also found that the proving symptoms of drug were also amply verified and the clinical symptoms verified during the study have widened its scope for use in various therapeutic conditions.

Keywords: Homoeopathy; clinical verification; *Cassia fistula*

2. *Alfalfa*- A multicentric clinical verification study
   Indian Journal of Research in Homoeopathy Vol. 5 No. 3, July-September 2011, pp. 36-43

Abstract

Introduction: *Alfalfa* is a flowering plant and known for its use as a medicine in toning up the appetite and digestion and favorably influencing nutrition. Disorders like anorexia, nervousness, insomnia, diabetes, lethargy and malnutrition are mainly within its therapeutic range. The Council had undertaken an observational study on *Alfalfa* from October 2005 to March 2010, to determine its therapeutic effect through clinical verification.

Objectives: The primary objective was to clinically verify the symptomatology of *Alfalfa* as observed during the proving conducted by the Council on this drug and the secondary objective was to ascertain the clinical symptoms.

Methods: In this multicentre study, 169 patients from all age groups and both sexes were enrolled from the OPDs of respective Institutes and Units of the Council following the exclusion and inclusion criteria as per protocol. The informed written consents from the patients were also taken. Their presenting signs and symptoms were recorded in a predefined case recording proforma. Thereafter, on repertorizing the symptoms of each patient, if *Alfalfa* was found to be the similimum or very closely similar to the symptoms of the patient, then the case was enrolled. The medicine was prescribed in different potencies like 6c, 30c and 200c in ascending order, as per the need of the case and in accordance with homoeopathic principles. The progress was noted in follow up sheets to determine the effect of the medicine.

Result: The result obtained from the enrolled patients was analysed and it was found that many of the symptoms obtained by proving of the drug (conducted by the Council) were present in the patients clinically and thus stood verified. Apart from these, how many clinical symptoms (symptoms which were not exhibited during the proving of the *Alfalfa*, but got cured in the sick, after the administration of the medicine) were also emerged during the study, exploring the wider area of the medicine for its therapeutic use.

Discussion: Fifty five symptoms of *Alfalfa*, including its proving symptoms (obtained by the Council), were verified during the study and most of these symptoms were of gastrointestinal system, respiratory & nervous system, head, back and sleep. The essence of the medicine lies in its properties like digestive, anti-inflammatory, neurotic and antipyretic.

Conclusion: *Alfalfa* may be considered as a remedy for various clinical conditions like anorexia, coryza, depression, dry cough, fever, headache, irritability, lethargy, sleeplessness, sneezing, cervical pain and weakness. Since Fifty five proving symptoms of the drug were verified during the study, it may be concluded that the drug symptoms were amply verified.

Keywords: Homoeopathy; clinical verification; *Alfalfa*

ANNUAL REPORT 2011-2012 CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

3

HOMOEOPATHIC PATHOGENETIC TRIAL (DRUG PROVING)

The main objective is to elicit the pathogenetic response of the drugs on apparently healthy human volunteers in homoeopathic potencies.

Drug proving or Homoeopathic Pathogenetic Trial (HPT) is one of the important activities and the Council has undertaken it as a continuing research programme since its inception. It is a double-blind, randomized, multicentric study and conducted at six centers of the Council viz. Central Research Institute (H), NOIDA (Uttar Pradesh), Central Research Institute (H), Kottayam (Kerala), Homoeopathic Drug Research Institute, Lucknow (Uttar Pradesh), Dr. Anjali Chatterjee Regional Research Institute (H), Kolkata (West Bengal), Regional Research Institute (H), Gudivada (Andhra Pradesh) and extension Unit of Regional Research Institute (H), Puri at Dr. A. C. Homoeopathic Medical College & Hospital, Bhubaneswar (Orissa).

The emphasis is laid on proving of drugs of indigenous origin and fragmentarily proved drugs whose standardization studies (physico-chemical and pharmacognostic) have been completed by the Council.

The proving of following five drugs in 6C & 30C potencies was completed during the year 2011-12.

S.No.	Name of the Drug	Centers	Pathogenesis
1.	*Datura metel*	DPRU, Kolkata HDRI, Lucknow RRI, Gudivada	The symptoms produced include headaches with what type of characteristics and modalities, sneezing with burning sensation in nose and eyes, dry cough, distension of abdomen, flatulence, diarrhoea with burning sensation, bruised sprain like pain in extremities with characteristics, fever with chill, skin eruptions etc.
2.	*Foeniculum vulgare*	DPRU (H), Kolkata HDRI, Lucknow CRI (H), Kottayam CRI (H), Noida	The symptoms include throbbing, bursting headaches with characteristics better by pressure, tight bandage, earache, coryza with sneezing, acne, pimples on face, throat pain, tonsillitis, dysmenorrhoea, early menses, dry cough, backache, pain in extremities, sleeplessness, etc.
3.	*Gymnema sylvestre*	DPRU (H), Kolkata HDRI, Lucknow RRI (H), Gudivada DPU (H), Bhubaneswar Ext. Unit of RRI (H), Puri	The symptoms include irritability, vertigo, headaches with characteristics and modalities, coryza with sneezing, toothache, bleeding gums, throat pain, stomatitis, nausea, vomiting, epigastric pain, pain in abdomen, diarrhoea, dysmenorrhoea, dry cough, backache,

			sleeplessness, fever with hot flushes and sweating, bodyache, itching sensation all over the body with red rashes, etc.
4.	*Hygrophilla spinosa*	DPRU, Kolkata CRI (H), Noida DPU (H), Bhubaneswar Ext. Unit of RRI (H), Puri	The symptoms include anxiety, vertigo, weakness, dullness, heaviness of head and headaches with characteristics and modalities, earache, burning sensation in eyes, nose, throat, aphthous ulcers with burning sensation in mouth, coryza, sneezing with watery nasal discharge, nausea, vomiting, pain in abdomen, diarrhoea, constipation, urticaria with burning sensation, fever with bodyache, etc.
5.	*Magnolia grandiflora*	CRI (H) Kottayam CRI (H), Noida DPU, Bhubaneswar Ext. Unit of RRI (H), Puri	The symptoms include vertigo, headaches with some characteristics and modalities, coryza with watery nasal discharge, tonsillitis, throat pain, pain in abdomen, diarrhoea, constipation, pain in extremities, fever, bodyache, palpitation, hoarseness of voice, etc.

Publications

Articles on Drug Proving of following drugs have been published in *Indian Journal of Research in Homoeopathy* during the year 2011-12

1. ***Amoora rohituka*: A multicentric double blind homoeopathic pathogenetic trial Indian Journal of Research in Homoeopathy. Vol.5 No. 1: pages 6-14**

Abstract: *Amoora rohituka* was proved by the Central Council for Research in Homoeopathy through double-blind placebo-controlled method. The study was conducted at three centers viz. DPRU, Kolkata, Ext. Unit of RRI (H), Puri at Bhubaneswar and CRI (H), Kottayam. The drug was proved in two potencies (6C and 30C) on 53 apparently healthy volunteers who were selected after conducting pre-trial medical examination by the medical specialists and routine laboratory investigations. The study consisted of three phases. In first phase of proving, volunteers were given 56 doses of placebo divided in 04 doses per day for 14 days. In next two phases, 56 doses of pre selected potencies or placebo as per the randomization were consumed in divided doses same as in first phase. The symptoms generated during the trial period were noted by the volunteers and elaborated by the Proving Masters. Some of the symptoms have been reproved which are mentioned in different literatures after the fragmentary proving. The drug produced mental symptoms like irritation, easily angered, anxiety, mood changeability, impulsiveness and nervousness. Various types of headaches, symptom like sneezing, coryza, dry cough, irritation and soreness of throat, tonsillitis developed during drug proving. The drug also produced symptoms of gastro-intestinal tract such as loud eructation and distension of abdomen soon after eating. New and reproved pathogenetic response elicited during the proving trial expands the scope of use of the *Amoora rohituka* and will benefit the research scholars and clinicians. These symptoms will carry more value when verified clinically.

2. ***Andrographis paniculata*: A multicentric double blind homoeopathic pathogenetic trial. *Indian Journal of Research in Homoeopathy*. Vol.5 No. 2: pages 9-14**

Abstract: *Andrographis paniculata* was proved by the Central Council for Research in Homoeopathy through double-blind placebo-controlled method as per Drug Proving Protocol of the Council. The study was conducted at three centers viz. DPRU at Kolkata, Midnapore and Ghaziabad. The drug was proved in two potencies (6C and 30C) on 39 apparently healthy volunteers who were selected

after conducting pre-trial medical examination by the medical specialists and routine laboratory investigations. The study consisted of three phases. In first phase of proving, volunteers were given 56 doses of placebo divided in 04 doses per day for 14 days. In next two phases, 56 doses of pre selected potencies or placebo as per the randomization were consumed in divided doses same as in first phase. The symptoms generated during the trial period were noted by the volunteers and elaborated by the Proving Masters. During proving the drug produced mainly nasal, gastro-intestinal and fever symptoms. The drug also produced different types of headache, fever with chilliness, restlessness and weakness. New and reproved pathogenetic response elicited during the proving trial expands the scope of use of the drug *Andrographis paniculata* and will benefit the research scholars and clinicians. These symptoms will carry more value when verified clinically.

3. ***Asclepias currasavica*: A multicentric double blind homoeopathic pathogenetic trial. *Indian Journal of Research in Homoeopathy*. Vol.5 No. 3: pages 6-14**

Abstract: *Asclepias currasavica* was proved by the Central Council for Research in Homoeopathy through randomized, double-blind, placebo-controlled method as per Drug Proving Protocol of the Council. The study was conducted at four centers viz. DPRU, Kolkata, DPRU, Midnapore, CRI (H), Kottayam and RRI (H), Gudivada. The drug was proved in two potencies (6C and 30C) on 67 apparently healthy volunteers who were selected after conducting pre-trial medical examination by the medical specialists and routine laboratory investigations. The study consisted of three phases. In first phase of proving, volunteers were given 56 doses of placebo divided in 04 doses per day for 14 days. In next two phases, 56 doses of pre selected potencies or placebo as per the randomization were consumed in divided doses same as in first phase. The symptoms generated during the trial period were noted by the volunteers and elaborated by the Proving Masters. The drug produced mental symptoms like restlessness, fear of being alone and fear of ghost, difficulty in concentration, depression and dullness. During proving, the drug produced different types of headache, upper respiratory tract infection with symptoms like sneezing, coryza, dry cough, tickling sensation and pain in throat etc. The drug also produced symptoms in gastro-intestinal tract which is manifested with pain and burning in stomach with vomiting of undigested food, flatulence, borborygmus and distension of abdomen. The pathogenetic response elicited during the proving trial expands the scope of use of the drug *Asclepias currasavica* and will benefit the research scholars and clinicians. These symptoms will carry more value when verified clinically.

4. ***Bacopa monnieri*: A multicentric, randomized, double blind homoeopathic pathogenetic trial. Indian Journal of Research in Homoeopathy. Vol.5 No. 4: pages 22-27**

Abstract: *Bacopa monnieri* was proved by the Central Council for Research in Homoeopathy through randomized, double-blind, placebo-controlled method as per Drug Proving Protocol of the Council. The study was conducted at two centers viz. DPRU Kolkata and Midnapore. The drug was proved in three potencies (6C, 30C and 200C) on 32 apparently healthy volunteers who were selected after conducting pre-trial medical examination by the medical specialists and routine laboratory investigations. The study consisted of four phases. In first phase of proving, volunteers were given 56 doses of placebo divided in 04 doses per day for 14 days. In next three phases, 56 doses of pre selected potencies or placebo as per the randomization were consumed in divided doses same as in first phase. The symptoms generated during the trial period were noted by the volunteers and elaborated by the Proving Masters. The drug produced different types of headache, dryness and pricking pain in throat, burning sensation in eyes, burning pain in rectum, cramping pain in umbilicus with loose stool and palpitation were produced during the study. The pathogenetic response elicited during the proving trial expands the scope of use of the drug *Bacopa monnieri* and will benefit the research scholars and clinicians. These symptoms will carry more value when verified clinically.

4
DRUG STANDARDISATION

Drug Standardisation ensures quality, safety and efficacy of a drug. It encompasses a number of parameters, which define the quality of homoeopathic drug and pharmaceutical uniformity. The studies were continued in the Central Research Institute (H), Noida and Drug Standardisation Unit (H), Hyderabad for pharmacognostic and physico-chemical evaluation of Homoeopathic drugs. Standardisation studies on the following drugs have been undertaken during the year 2011-12.

S. No.	Pharmacognostic Study	Common Names	S. No.	Physico-chemical Study	Common Names
1.	*Amygadalus persica*	Peach, Aru	1.	*Amygdalus persica*	Peach, Aru
2.	*Heliotropium peruvianum*	Heliotrope	2.	*Heliotropium peruvianum*	Heliotrope
3.	*Pyrus malus*	Apple, Seb	3.	*Pyrus malus*	Apple, Seb
4	*Coffea tosta*	Roasted coffee	4.	*Coffea tosta*	Roasted coffee
5.	*Rosamarinus officinalis*	Rosemary, Rusmari	5.	*Rosamarinus officinalis*	Rosemary, Rusmari
6.	*Ficus carica*	Common fig, Anjir	6.	*Ficus carica*	Common fig, Anjir
7.	*Buxus sempervirens*	Boxwood	7.	*Buxus sempervirens*	Boxwood
8.	*Citrus limonum*	Lemon, Baranimbu	8.	*Citrus limonum*	Lemon, Baranimbu
9.	*Vitex trifolia*	Pani-ki-sanbhalu	9.	*Vitex trifolia*	Pani-ki-sanbhalu
10.	*Cephaelis ipecacuanha*	Ipecac	10.	*Pimenta officinalis*	All spice
11.	*Symplocos racemosa*	Lodh	11.	*Urea pura*	Urea
			12.	*Methylene blue*	Methylene blue
			13.	*Acidum butyricum*	Butyric acid

Publications

I Journals

1. **Standardisation of *Ammi visnaga* L. fruit – A homoeopathic drug, Indian Journal of Research in Homoeopathy 2011, Volume 5 (1) : 15-18.**

Abstract

Ammi visnaga L. is an annual herb belonging to the family Apiaceae. The dried ripe fruits of this

plant are powerful bronchial antispasmodic, cures asthma, besides a strong photosensitiser. The fruit is small, 2 – 2.5 mm in diameter, oval or ellipsoid to lanceolate, each mericarp in transection appears as a pentagon, vittae are present in the secondary ridges; primary ridges possess glandular lacunae; endosperm is enclosed by a testa; aleurone grains are present in the endosperm besides a few sphaeraphides. The powder microscopic and organoleptic characters are provided. Physico-chemical parameters of raw drug viz., extractive values, ash values, formulation, besides weight per ml., total solids, alcohol content along with Thin Layer Chromatographic (TLC) and Ultra Violet Spectroscopic (UV) studies have been undertaken for mother tincture.

2. Pharmacognostic and Physico – chemical evaluation of *Bellis perennis* L. – A Homoeopathic durgs, Journal of Research and Education in Indian Medicine 2011, Volume XVII (3&4):1-8.

Abstract

Pharmacognostic and physico-chemical standardisation of *Bellis perennis* L. a potent homoeopathic drug is presented. The leaves are fleshy, spatulate or obovate, arising as a basal tuft from rhizome. Roots are stout and firm. The epidermal cells of leaf in surface are wavy to sinuate. Stomata occur on both sides. Leaf surface possess uniseriate conical hair. Midvein shows an adaxial groove. Mesophyll is undifferentiated with feeble patches of palisade. Aerenchymatous spaces occur towards adaxial side at midvein. Vascular bundle is single, bicollateral in midvein enclosed by endodermis and pericycle. The leaf base is succulent and sheathed. Rhizome is up to 0.6 cm thick, oval to rounded with slight angles. Vascular tissue consists of a ring of collateral v. bundles. Leaf trace bundles and branch traces occur outside the vascular ring. Roots up to 0.7 cm thick, oval, oblong or elliptic in outline with undulations. Cortex is interspersed with secretory cavities. V. bundles are bicollateral and appear as a chain. Root gap bundles and trace bundles occur outside the vascular ring. The physico-chemical parameters of raw drugs *viz.*, extractive values, ash values, formulation besides alcohol content, weight per ml, total solids, TLC and UV studies are given for the mother tincture.

3. Standardisation of homoeopathic drug *Aquilegia vulgaris* L., Indian Journal of Research in Homoeopathy 2011,5(2): 15-19.

Abstract

In this present investigation, drug standardization studies are undertaken for quality assurance of a homoeopathic drug *Aquilegia vulgaris*. In Homoeopathy, it has been reported to have clinical indications for clavus hystericus and globus hystericus in women, sleeplessness and dysmenorrhoea. To establish the drug in the system, the standardization studies are mandatory and the useful parts of the plant drug are analyzed according to the standards of Homoeopathic Pharmacopoeia of India. The pharmacognostic and physico-chemical studies of the leaf and petiole are undertaken in present study. The diagnostic macro and microscopical characters of leaf and petiole, moisture content, ash and extractive values of crude drug are presented. The formulation of mother tincture is given. Thin layer chromatography (TLC) and Ultraviolet (UV) spectrometry are also undertaken for setting the pharmacopoeial standards of the drug.

4. Quality control and pharmacopoeial standardization of *Borago Officinalis* L. in Homoeopathic system. Asian Journal of Homoeopathy 2011, 5(2): 22-25.

Abstract

The use of plants to cure human ailments is as old as human civilization. To ascertain the genuineness of the raw drugs as well as the finished products (mother tinctures), standardization parameters are strictly followed as scientific benchmarks for ensuring quality, efficacy and safety. The present paper deals with the physico-chemical standardization of whole plant of *Borago officinalis* L.

Parameters studied for raw drug; extractive values, total ash, sulphated ash, acid insoluble ash; formulation and preparation of mother tincture by percolation method; physico-chemical profile; UV visible spectroscopy, TLC studies besides pH, weight per ml., total solids, alcohol content for finished product are given. The data obtained will help in authenticating genuineness and quality of drug.

5. Quality assurance of Indian botanicals used in homoeopathy with pharmaco anatomical profile of *Oenothera biennis*., Journal of Medicinal and Aromatic Plant Sciences 2011, 33 (2) :198-203.

Abstract

The present paper reveals an account of Indian botanicals, status of pharmacopoeial standards and factors affecting the quality assurance of medicinal plants used in Homoeopathy especially in Indian scenario. The authentication of a crude drug is of prime importance for preparation of quality finished product in Homoeopathy. Its requisite is most evident when there is a global baffling problem of potency identification especially in higher dilutions. The present communication also deals with pharmaco-antomical studies of an exotic medicinal plant *Oenothera biennis* L. of the family Onagraceae for laying down standards for quality assurance. The plant is mainly used for chronic involuntary diarrhoea in Homoeopathy. The studies involve macroscopial, qualitative and quantitative microscopial characteristics of root, stem and leaf of the plant. The observations may be used as a part of pharmacopoeial standards.

6. Analysis of Forskolin in Homoeopathic tinctures by validated HPCL method. International Journal of Aromatic Plants, 2012, 2(1): 195-199.

Abstract

A simple short and easiest procedure for quantitative determination of Forskolin in inhouse and market sample was performed to evaluate homoeopathic mother tincture in which Forskolin can be regarded as one of the active constituents. This method comprises of extraction of Forskolin from coleus genuine and coleus market sample and it's analysis by UV and HPLC methods. Forskolin was used as internal standard. This method was successfully applied to the analysis of mother tinctures obtain from Coleus Forskolii and further comparison of them with standard of Forkolin. Thus the determination of Forskolin can be used as a convenient and sufficient method of standardization of selected homoeopathic mother tinctures.

7. Hypoglycaemic activity of Indian Medicinal plants in Streptozotocin diabetic rats. Journal of Research and Education in India Medicine, 2012, 18(1): 33-43.

Abstract

In the present study, the hypoglycaemic effect of alcoholic extracts of *M.charantia, A.marmelos and E.jambolana* was studies in Streptozotocin (STZ) induced diabetes. Rats were made diabetic by intra-peritoneal injection of STZ (30 mg/kg) in citrate buffer. On confirmation of diabetes after 48 hrs of injection, alcoholic extract of medicinal plant (250 or 500 mg/kg) or glibenelamide (300µg/kg) administered orally to rats for 30 days. These three plants produced dose and duration dependent hypoglycaemia very similar to that of glibenclamide. At the end of one month, serum glucose levels of STZ diabetic rats with daily doses of 500 mg/kg of any one of the alcoholic extract were 'more or less' comparable to that of normal rats. The anti-diabetic effect of these plants might be due to enhanced insulin section from the viable β-cells of islets of Langerhans as evidenced by presence of more viable β-cells and less necrotic changes in the pancreas of diabetic rats as compared to that of control diabetic rats. Thus, these plants appear to be better alternative for the diabetic patients who are prone to develop side effects with the regular use of synthetic hypoglycaemic drugs as these are also plants devoid of any untoward/toxic effects.

II Preparation of Monographs for Homoeopathic Pharmacopoeia of India (HPI)

As per the action plan of Homoeopathic Pharmacopoeia for the year 2011-12, following ten Monographs were prepared by the Council and submitted to Homoeopathic Pharmacopoeia Committee (HPC). These monographs were approved by the Committee in its 99th, 100th and 101st meetings held on 23.08.2011, 04.01.2012 & 19.03.2012 respectively.

1. *Cirtus decumana*
2. *Euphorbia hypericifolia*
3. *Origanum majorana*
4. *Vanilla planifolia*
5. *Eugenia jambos*
6. *Vitex trifolia*
7. *Wrightia tinctoria*
8. *Citrus limonum*
9. *Solanum tuberosum*
10. *Cicer arietinum*

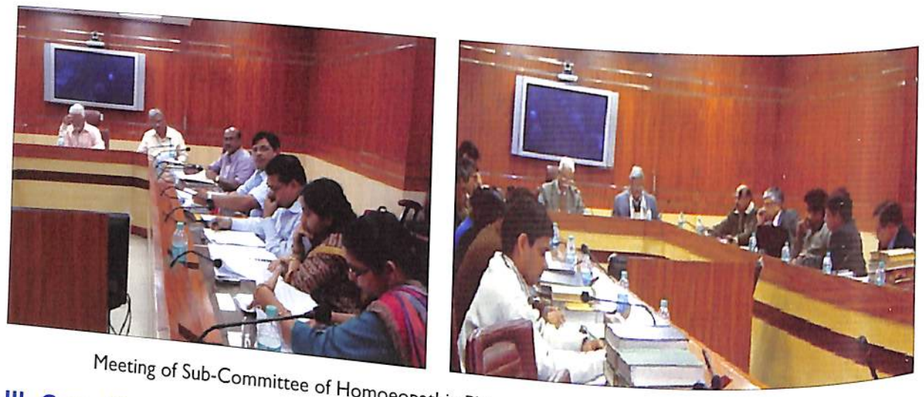

Meeting of Sub-Committee of Homoeopathic Pharmacopoeia Committee in progress

III Council's inputs on drugs standardisation to Homoeopathic Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad for preparation of Monographs:

Drug standardization data on the following eight (08) drugs were provided to Homoeopathic Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad for preparation of Monograph and consideration in 100th and 101st meeting respectively.

In 100th HPC meeting:

1. *Cassia fistula*
2. *Coffea tosta*
3. *Cytisus scoparius*
4. *Mullein flower*

In 101st HPC meeting:

1. *Aquilegia vulgaris*
2. *Galinsoga parviflora*
3. *Cucurbita citrullus (Citrullus lanatus)*
4. *Anantherum muricatus (Vetiveria zizaniode)*

5
SURVEY, COLLECTION & CULTIVATION OF MEDICINAL PLANTS

A Survey of Medicinal Plants and Collection Unit (SMPCU), located at Emerald, Nilgiri District, Tamil Nadu conducts survey for collection of medicinal plants used in Homoeopathy and supplies raw drug samples to the Central Research Institute (H), Noida and Drug Standardization Unit (H), Hyderabad for standardization studies. The Unit also cultivates exotic and indigenous medicinal plants used in Homoeopathy and maintains the garden. Following work has been carried out during 2011-12.

A. Survey, Collection and Supply of raw drugs

1. Fourteen raw drug plant materials were collected from field.
2. Supplied following raw drug plant materials to Central Research Institute (H), NOIDA and to Drug Standardization Unit, Hyderabad for drug standardization studies:

Drug Standardization Unit, Hyderabad		Central Research Institute (H), Noida	
S.No.	Name of the Drugs	S.No.	Name of the Drugs
1.	*Borago officinalis* L.	1.	*Coffea arabica* L. *(=Coffea tosta)*
2.	*Citrus limon* (L.) *Burm.f.*	2.	*Ficus carica* L.
3.	*Cicer arietinum* L.	3.	*Heliotropium arborescens* L.
4.	*Coffea arabica* L. *(=Coffea tosta)*	4.	*Malus sylvestris* (L.) *Mill.*
5.	*Ficus carica* L.	5.	*Prunus persica* (L) *Batsch*
6.	*Heliotropium arborescens* L.	6.	*Rosmarinus officinalis* L.
7.	*Malus sylvestris* (L.) Mill.		
8.	*Prunus persica* (L) *Batsch*		
9.	*Rosmarinus officinalis* L.		
10.	*Vitex trifolia* L.		
11.	*Wrightia tinctoria* (*Roxb.*) R.Br.		

3. The following four raw drug plant materials have been supplied to the Director, Homoeopathic Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad.

S.No.	Name of the Drugs
1.	*Buxus sempervirens* L.
2.	*Sarothamnus scoparius* (L.) W.D.J *Koch*
3.	*Verbascum thapsus* L.
4.	*Coffea arabica* L.

4. Following four (04) raw drug plant materials cultivated in the Research Garden, have been sold out to various Homoeopathic Pharmacies.

S.No.	Name of the Drugs
1.	*Cineraria maritima* L.
2.	*Digitalis purpurea* L.
3.	*Achillea millefolium* L.
4.	*Rosmarinus officinalis* L.

B. Cultivation of Medicinal plants

The Unit has a research garden in 12.7 acres of land for cultivation of medicinal plants used in Homoeopathy at Emerald Post, Distt. Nilgiri, Tamil Nadu. Total seventy two medicinal plants, used in Homoeopathy (62 exotic and 10 indigenous) were cultivated in research garden during the year 2011-12.

Exotic plants

1. *Achillea millefolium*
2. *Agave americana*
3. *Agropyron repens*
4. *Ammi visnaga*
5. *Anagallis arvensis*
6. *Anthoxanthum odoratum*
7. *Apium graveolens*
8. *Argemone mexicana*
9. *Argemone ochroleuca*
10. *Armoracia rusticana*
11. *Artemisia annua*
12. *Artemisia dracunculus*
13. *Asclepias curassavica*
14. *Asparagus officinalis*
15. *Borago officinalis*
16. *Capsella bursa-pastoris*
17. *Chrysanthemum leucanthimum*
18. *Chrysanthemum parthenium*
19. *Cinchona officinalis*
20. *Cineraria maritima*
21. *Cochlearia armoracia*

Achillea millefolium

Beds of Artemisia annua L.

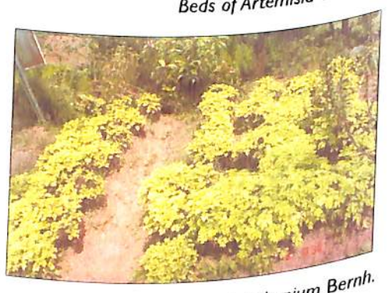

Chrysanthemum parthenium Bernh.

22. *Datura arborea*
23. *Digitalis purpurea*
24. *Echinacea purpurea*
25. *Eschscholtzia californica*
26. *Exogonium purga*
27. *Fagopyrum esculentum*
28. *Fragaria vesca*
29. *Fumaria officinalis*
30. *Ginkgo biloba*
31. *Hedera helix*
32. *Heliotropium peruvianum*
33. *Iris florentina*
34. *Iris germanica*
35. *Lycopersicum esculentum*
36. *Magnolia grandiflora*
37. *Matricaria chamomilla*
38. *Melissa officinalis*
39. *Mentha spicata*
40. *Nasturtium officinale*
41. *Oenothera biennis*
42. *Origanum vulgare*
43. *Pastinaca sativa*
44. *Petroselinum crispum*
45. *Prunus persica*
46. *Raphanus sativa* var. *nigra*
47. *Rosmarinus officinalis*
48. *Rumex acetosella*
49. *Saccharum officinarum*
50. *Salvia officinalis*
51. *Sambucus nigra*
52. *Santolinia chamaecyparissus*
53. *Silybum marianum*
54. *Solanum nigrum*
55. *Symphytum officinale*

Nursery raising: Cinchona officinalis L.

Beds of *Cineraria maritima L.*

Drying of harvested leaves of *Digitalis purpurea L.*

56. *Taraxacum officinale*
57. *Thymus vulgaris*
58. *Trifolium pratense*
59. *Trifolium repens*
60. *Tropaeolum majus*
61. *Verbascum thapsus*
62. *Viola odorata*

Indigenous plants

1. *Adhatoda vasica*
2. *Andrographis paniculata*
3. *Centella asiatica*
4. *Citrus aurantium*
5. *Coleus forskohlii*
6. *Datura metel*
7. *Polygonum hydropiper*
8. *Polygonum punctatum*
9. *Syzygium cumini*
10. *Vetiveria zizanioides*

Heliotropium peruvianum L.

Adhatoda zeylanica Medicus

C. Herbarium

The Herbarium of the Survey of Medicinal Plants & Collection Unit located at Emerald, Tamil Nadu, India has been officially recognized, by the National Institute of Science Communication and information Resources, New Delhi and listed in the directory, "Handbook on Herbaria – in India and Neighbouring Countries". It has been allotted an international acronym "SMPRGH".

113 herbarium sheets have been accessioned during the year 2011-12 and bringing the total number of herbarium sheets to 8732.

6
COLLABORATIVE RESEARCH

Homoeopathic system is gaining popularity for its clinical effectiveness although there are controversies for lack of plausible explanation of its mode of action. Since inception, research has been an integral part of homoeopathy. However, in recent past the research for getting explanation of basic laws of Homoeopathy has gained momentum. Numerous researches have been carried out both at fundamental/pre-clinical and clinical level.

Such types of research need fundamental/basic researchers and good laboratory infrastructure. Due to limited infrastructure facilities with the Council, the Council has collaborated with various Institutes of excellence to utilize the potential of best of the brains, in order to yield the maximum results. The main objective of the collaborative studies is to conduct evidence-based, inter-disciplinary research studies and to validate the efficacy/concepts of Homoeopathy on scientific parameters. A brief account of the work done on collaborative studies is as follows: -

STUDIES CONCLUDED

1. Role of homoeopathic medicines in cancer regression and rejuvenation of depressed immune system
Duration: July 2008 – June 2011

A study in mice model was conducted in collaboration with Bose Institute, Kolkata, to explore the role of homoeopathic medicines in cancer regression and rejuvenation of depressed immune system. It aimed at evaluation of the role of homoeopathic medicines, in tumor growth and to understand the apoptogenicity of homoeopathic medicines on cancer cells with emphasis to explore the immuno-modulatory properties.

The results revealed that homoeopathic medicines are capable of regressing cancer cells and rejuvenate depressed immune system. The results also yielded specific information about homoeopathic medicines used in the studies as follows:

- *Thuja 30C* and *Merc. sol.* 30C efficiently induced apoptosis in p53 wild type expressing MCF- 7 breast cancer cell line.
- *Sulphur* 6C, 30C and 200C was potent against non-small-cell lung cancer cell line.
- *Silicea* 200C showed pronounced effect on colon carcinoma cell line displaying p53+/Ras gene mutation.
- *Calcarea carb.* 6C normalized CD4+cells in different immune organs of tumor bearing host. It also restored T cell population by normalizing T cell proliferation.

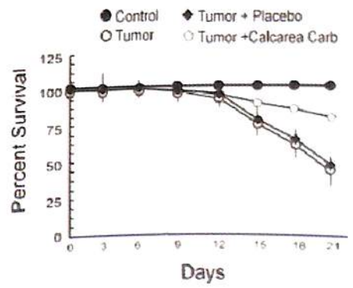

Figure – I: Graphical depiction of survival rates in untreated and *Calcarea carb* treated tumor-bearing mice.

2. **Studies on anti-diabetic properties of homoeopathic preparation of *Syzygium jambolanum* and *Cephalandra-indica***
Duration: July 2008 – June 2011

Type-2 diabetes mellitus (T2DM) is rapidly emerging as one of the greatest global health challenges of the 21st century. The major pathophysiological event contributing to the development of T2DM is the resistance of target tissues to insulin, which may be associated with abnormal insulin secretion. With the aim to explore the anti- diabetic properties of homoeopathic preparation of *Syzygium jambolanum* and *Cephalandra-indica* in mother tincuture(Q), 6C and 30C , a study was undertaken at Dr. ALM Post Graduate Institute of Basic Medical Sciences, University of Madras. The study aimed at identification of molecular mechanism underlying antidiabetic properties of these two remedies in Type-I and Type-II diabetic rat models. The present study was designed, keeping in mind the hypothesis that homoeopathic preparations of *Syzygium jambolanum* and *Cephalandra indica* can modulate the expression of insulin signaling molecules in diabetic rats.

In the experimental setup, after 30 days of treatment, insulin, cholesterol, triglycerides, lipoproteins (LDL and HDL), glucose uptake, oxidation and expression of insulin signaling molecules were assessed in gastrocnemius muscle. Diabetic rats showed a significant decrease in glucose uptake and oxidation as well as low levels of IR, IRS-1, p-IRS-1 Tyr632, Akt, p-AktSer473 and GLUT4 protein expression. The changes were brought back to normal or near normal levels after treatment with homeopathic preparations.

The study concluded that the homeopathic preparations of *Syzygium jambolanum* (6C, 30C) and *Cephalandra indica* (30C) improve the expression of insulin signaling molecules and thus glucose homeostasis. However, these are more effective in type-2 diabetic animal model than type-1 model.

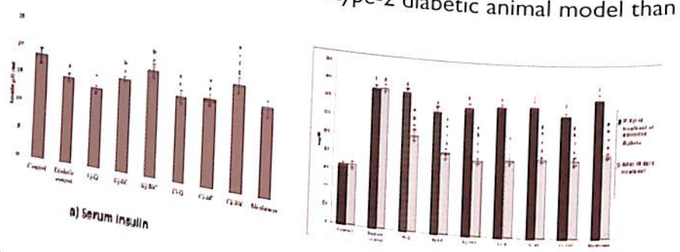

Figure – II: Effect of homeopathic preparation of *Syzygium jambolanum* and *Cephalandra indica* on (a) serum insulin and (b) fasting glucose of type-2 diabetic adult male rat

3. **Protective role of Homoeopathic preparation of *Berberis vulgaris* to alleviate kidney stone disease and its influence on molecular events leading to Calcium oxalate crystal deposition**
Duration: February 2010 – January 2012

Berberis vulgaris is one of the commonly used organopathic remedies in Homoeopathy used clinically for alleviating conditions due to renal stones in various potencies. A pre clinical study on mice model was undertaken in collaboration with Dr. ALM Post Graduate Institute of Basic Medical Sciences, University of Madras, to explore the protective role of homoeopathic preparation of *Berberis vulgaris* in alleviating kidney stone disease and its influence on molecular events leading to Calcium oxalate crystal deposition. Since kidney stone disease is associated with oxalate load and oxidative stress, with the study aimed at exploring the effectiveness of *Berberis vulgaris* in Q, 6X, 30C and 200C potency against these markers.

The salient features of the study findings can be summarized as: -

- The present findings indicate that *Berberis vulgaris* reduces the toxic effects of oxalate on renal cells through its antioxidant property.

- Urinary constituents were restored to near normal levels by *Berberis vulgaris* in 200C in comparison to 30C.
- Renal marker enzymes were normalized at 30C and reverted back to normalcy at 200C.
- *Berberis vulgaris* sufficiently minimized hyperoxaluria-induced macromolecular damage.
- Marked histological changes were noted in ethylene glycol treated rats confirming nephrotoxic effect of oxalate, but treatment with *Berberis vulgaris* prevented these morphological changes, which confirmed its nephro-protective role.
- *Berberis vulgaris* administration also ameliorated the aberrant changes like alterations in the levels of THP and IgG Kappa, thus reducing the risk of stone formation. It also altered levels of anti and pro-apoptotic proteins thus reduced the incidence of apoptosis indicating its beneficial role against cell damage.

Dosage used	Nucleation	Aggregation
Mother tincture	49.78629	-228.7
6C	22.29685	Complete inhibition
30C	35.53871	Complete inhibition
200C	63.25563	Complete inhibition

Figure – III: Effect of different potencies of *Berberis vulgaris* on in-vitro *Calcium oxalate* nucleation and aggregation

4. **To evaluate certain homoeopathic medicines for their immuno- modulatory and antioxidant potential**
Duration: April 2009 – March 2012

It is hypothesized that homoeopathic medicines benefit patients by their immuno-modulatory and antioxidant potential, but there is insufficient laboratory evidence to prove this fact. The present study aimed to evaluate the immuno-modulatory and antioxidant potential of homoeopathic preparations viz. *Azadirachta indica, Selenium, Mercurius solubilis, Emblica officinalis*, along with herbal preparation of *Withania somnifera* and *Commiphora mukul* in in-vitro and in-vivo models. The study was undertaken in collaboration with Indian Veterinary Research Institute, Izatnagar.

The following results were obtained:

In-vitro

6C potency was better among all tried potencies, followed by 30C, 200C and 1M. The trend was common for both immuno-modulatory as well as antioxidant potentials.

Antioxidant potential

The antioxidant potential of homoeopathic medicines in different potencies and herb(s) are given here in decreasing order: - *Azadirachta indica* (6C), *Selenium* (6C), *Mercurius solubilis*. (6C), *Withania somnifera*, *Azadirachta indica* (30C), *Selenium* (30C), *Mercurius solubilis* (30C), *Emblica officinalis*, *Selenium*(200C), *Commiphora mukul*, *Mercurius solubilis* (200C), *Azadirachta indica* (1M), *Selenium* (1M) and *Mercurius solubilis* (1M).

Immuno-modulatory potential

The immuno-modulatory potential of homoeopathic medicines in different potencies and herb(s) are given here in decreasing order: *Selenium* 6C, *Selenium* (30C), *Azadirachta indica* 6C, *Azadirachta indica* 30C, *Mercurius solubilis* (6C) and better herb(s) / extracts were *Withania somnifera* followed by *Commiphora mukul*.

In-vivo

Antioxidant activity evaluation

- The antioxidant potential of homoeopathic medicines in different potencies and herb(s) are given

here in decreasing order: *Azadirachta indica* (6C), *Selenium* (6C), *Mercurius solubilis* (6C), *Withania somnifera*, *Azadirachta indica* (30C), *Selenium* (30C) and *Emblica officinalis*.

Immuno-modulatory activity evaluation

Cellular immune response: The efficacy order of normalizing cellular immune response of homoeopathic immuno-modulators and herbs were *Selenium* (6C), *Withania somnifera*, *Selenium* (30C), *Azadirachta indica* (6C), *Azadirachta indica* (30C), *Mercurius solubilis* (6C), *Commiphora mukul* (in decreasing order of their efficacies)

5. **A multicentric open clinical study to evaluate the efficacy of indicated homoeopathic medicines. I) In the management of lapse of alcohol and opioid drug addictions II) in the management symptoms of withdrawal symptoms of alcohol and opioid drug addiction and III) in the prevention of relapse of alcohol and Opioid drug abuse**
Duration: September 2008 – August 2011

A collaborative study was undertaken with Society for Promotion of Youth & Masses, at its units at New Delhi and Darjeeling, to evaluate the effectiveness of indicated Homoeopathic medicines in the:-

i) management of lapse of alcohol and opioid drug addictions
ii) management symptoms of withdrawal symptoms of alcohol and opioid drug addiction and
iii) prevention of relapse of alcohol and Opioid drug abuse.

The study enrolled 147 subjects out of 198 subjects screened for alcoholism and 97 subjects enrolled out of 127 screened for opiod addiction. The analysis of data is under progress.

ONGOING STUDIES

1. Pharmacological evaluation of homoeopathic medicines

A pre-clinical study on 'Pharmacological evaluation of homoeopathic medicines' has been undertaken with CDRI, Lucknow since Februray 2011 with objectives to utilize the inferences obtained from the study to review pharmacological activity of medicines in different concentrations in mice. The interim study results are promising and can be summarized as:-

- *Lycopodium* 30C has affected significantly with lowering the values of diastolic, systolic and arterial blood pressure; heart rate parameters at different time point. Temperature was found reduced in *Lycopodium* 1M upon administration in rats. In essence, *Lycopodium* 30C was effective to some extent in cardiovascular function.
- In memory function, it is found that rats have shown learning and improved memory in all potencies of *Lycopodium* in chronic administration.
- In anti-inflammatory activity, the effect of *Lycopodium* was tested and it was found that *Lycopodium* Q has dampened the inflammation at 1st h, 3rd and 4th h in paw of rat vs control. *Lycopodium* 30C at 3rd and 4th h, *Lycopodium* 200C at 1st h and *Lycopodium* 1M at 1st h have shown significant decrease in inflammation.
- In gastric ulcer model, *Lycopodium* (Q, 30C, 200C and 1M) has shown significant protection (55-67%) against alcohol induced gastric ulcer.

2. A multicentric study on action of homoeopathic medicines & potencies on heart rate variability (HRV) and blood flow variability (BFV) using medical analyzer system

'A multicentric study on action of homoeopathic medicines and potencies on heart rate variability (HRV) and blood flow variability (BFV) using medical analyzer system' was undertaken with the aim to explore the validation of effectiveness of homoeopathic preparations on physiological variablities. The interim finding of the study was published in The Journal of Alternative and Complimentary Medicine, in 2011 (Volume 17(8)) wherein it has been concluded that it is possible to record the

response of homoeopathic medicines on physiologic parameters of the autonomic nervous system. Till date a sample of 135 has been achieved.

3. Efficacy of Arnica montana in Muscle Fatigue Using Electro-Physiological Markers: A Randomized, Double Blind and Cross-over Trial - A pilot study

A pilot study for 'Efficacy of Arnica montana in Muscle Fatigue Using Electro-Physiological Markers: A Randomized, Double Blind and Cross-over Trial' has been conducted by CCRH in collaboration with Biomedical Engineering Unit, AIIMS. The study has significantly enhanced the scientific outcome using the tools for assessment of muscle fatigue done with appropriate physiological multilevel parameters.

The exploratory trial is aimed at measuring muscle fatigue using techniques like Impedance Plethysmography (IPG), Electromyography (EMG), Photoplethysmography (PPG), Pulse Transit Time (PTT), Electrocardiography (ECG) and scales like Visual Analog Scale (VAS) & Rate of Perceived Exertion (RPE). The study is in its interim stage where more subjects are being targeted to achieve the objectives.

STUDIES INITIATED

1. Efficacy of homoeopathic therapy on duration of labour

Homoeopathy has been used clinically in various obstetrical conditions including labour since inception, but there is a paucity of reported randomized trials in this area.

A randomized, placebo controlled trial titled, 'Efficacy of homoeopathic therapy on duration of labour' has in collaboration with Sri Aurbindo Institute of Integral Health and Research, Cuttack. The primary objective of this study is to ascertain the efficacy of homoeopathic therapy on duration of labour. The study will throw light on the use of 07 homoeopathic medicines (*Actea racemosa, Belladona, Caulophyllum, Gelsemium, Nux vomica, Pulsatilla and Secale cor.*) in management of prolonged labor.

2. In vitro studies of some homoeopathic medicines on the proliferation and differentiation of neural stem cell

The Council has undertaken a pioneering study with School of Biotechnology, West Bengal University of Technology, West Bengal, titled 'In vitro studies of some homoeopathic medicines on the proliferation and differentiation of neural stem cell' (March 2012). The study will reveal the influence of homoeopathic medicines on the proliferation and differentiation of neural stem cells and will also determine the relative efficacies of potentized homoeopathic medicines regarding their possible actions on neural stem cells in vitro. The study holds its importance because of the fact that if homoeopathic medicines are found effective on differentiation of neural stem cells, may help to combat various neurological conditions like Motor Neuron Diseases, Parkinsonism, Alzheimer and other Dementias etc.

3. Safety and efficacy studies of Homoeopathic drugs and Preliminary pharmacological studies of Homoeopathic drugs

Certain homoeopathic medicines e.g. *Bellis perennis, Curcuma longa, Rauwolfia serpentine, Ricinus communis, Tribulus terrestris and Terminalia arjuna* have been used in varying degree of clinical success since many years, but their safety efficacy studies and pharmacological actions have seldom studied on animal models. Keeping this view in mind and to explore further, Council has undertaken two studies, 'Safety and efficacy studies of Homoeopathic drugs' and 'Preliminary pharmacological studies of Homoeopathic drugs' with Department of Pharmacology, All India Institute of Medical Sciences, New Delhi (March 2012). These two studies will reveal the convulsant, cardiovascular activity, anti-inflammatory, analgesic and acute & sub-acute toxicity of the mother tinctures of *Bellis perennis, Curcuma longa, Rauwolfia serpentine, Ricinus communis, Tribulus terrestris, Trerminalia arjuna*. This will further help to standardize the mentioned drugs and their clinical uses.

PUBLICATIONS

1. An Exploratory Study on Scientific Investigations in Homeopathy Using Medical Analyzer. *The Journal of Alternative and Complementary Medicine*. 2011; 17(8): 705-710.

The study was undertaken to observe the action of homeopathic medicines on physiologic variability of heart rate and blood flow which otherwise is not measurable. It was an attempt to explore autonomic response of selective homeopathic medicines, in healthy persons, using Medical Analyzer System (MAS) (Electronics Division, Bhabha Atomic Research Centre, Mumbai, India). The Pre- and post-interventional variability spectra of heart rate and blood flow of 77 subjects were recorded with the MAS, after administration of *Aconitum napellus* (6C, 10M), *Arsenicum album* (200 C, 1M), *Gelsemium sempervirens* (200C, 1M), *Phosphorus* (200C, 1M), *Pulsatilla nigricans* (200C) and *Sulphur* (200C, 1M) versus placebo controls. The amplitude of the peaks viz. low-frequency, medium-frequency, and high-frequency was measured for postintervention analysis. An increase in the amplitude of any valid peak by 100% or a decrease by 50% was considered as significant change. It was observed that *Aconitum napellus* produced a response in heart rate variability (HRV) with 30C potency and in blood flow variability with 1M potency. *Sulphur* 200C and 1M, *Gelsemium* 200C and *Pulsatilla* 200c, produced a 62.5% response in HRV against the placebo response of 16.6%. *Gelsemium*, *Phosphorus*, and *Sulphur* produced a response in blood flow variability with 1M potency (Fig IV), similar to the response of *Aconitum napellus* 1M. These data suggests that it is possible to record the response(s) of homeopathic medicines on physiological parameters of the autonomic nervous system.

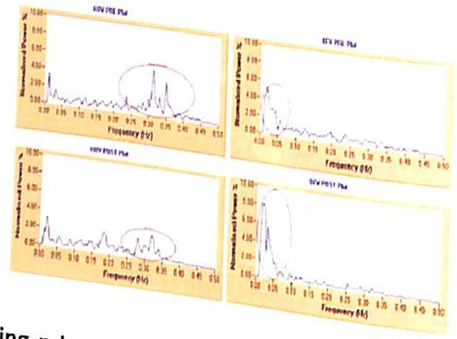

Figure – IV: The pre and post intervention (*Sulphur* 1M) average spectrum of HRV and BFV. In HRV the 3rd peak decrease in amplitude to almost half whereas in BFV the first peak amplitude nearly doubles.

2. Suckling mice of 'Belladonna 200' fed mothers evade virulent Nakayama strain Japanese encephalitis virus infection. *International Journal of Microbiological Research 2 (3): 252-257, 2011.*

In many countries the prevalence of Japanese encephalitis (JE) is still increasing producing a significant number of deaths and disability-adjusted life years. There is no effective medicine against the disease and vaccination of rural poor population and pig population in a wide endemic zone appears not practicable. Thus it is the need of hour to venture all possible sources to find out a remedy against this disease. The study was aimed to explore the preventive effect of *Belladonna* 200C in suckling mice model against JE. In experimental group, mother mice were treated with *Belladonna* 200C in two groups; group I treated for 7 days and group II treated for 14 days. In control group, the mother mice were not treated with *Belladonna* 200. The suckling mice in each group were challenged with JE virus following standard protocol.

The average survival rate of the control group (n=96) where mothers were not treated with the medicine was 47.92%; in the experimental group I (n=67) of suckling mice where mothers were treated with *Belladonna* 200C for 7 days was 80.60%, and the rate in the experimental group II (n=53) of suckling mice where mothers were treated with the medicine for 14 days was 79.24%. The differences between control group and experimental groups were highly significant (p value <0.01). However, there was no significant difference between the two experimental groups. (Fig V: a, b, c)

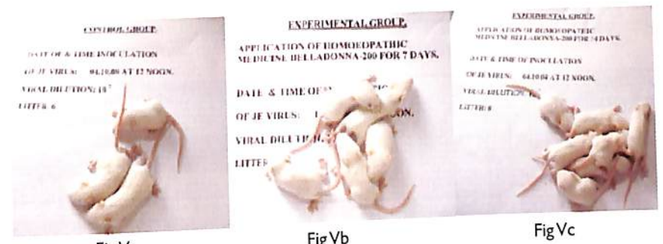

Fig Va Fig Vb Fig Vc

Fig V: Survived suckling mice after 30 days of inoculation of JE virus

a: control group

b: experimental groups where mother was fed where mother mice was fed with Belladonna 200C for 07 days

c: experimental groups where mother was fed where mother mice was fed with Belladonna 200C for 14 days

3. Homeopathy emerging as nanomedicine. *International Journal of High Dilution Research 2011; 10(37): 299-310.*

Homeopathic medicines are prepared through a characteristic process known as potentization, where serial dilutions are performed with strong strokes at each step of dilution. Homeopathy is controversial because most medicines do not contain one single molecule of the corresponding starting substance. Therefore, this study was undertaken to investigate a possible nanoscience mechanism of action of homeopathic medicines. Ultra-pure samples were prepared and were examined under scanning (SEM) and transmission electron microscope (TEM) along with selected area nanodiffraction (SAD) and energy-dispersive X-ray analysis (EDX). Also trace element analysis (TEA) for silicon was performed. Homeopathic medicines showed not to be 'nothing', but exhibited nanoparticles and conglomerates of them, which had crystalline nature and were rich in silicon. During the violent strokes involved in potentization, information arising from the serially diluted starting-substance might be encrypted by epitaxy on silicon-rich crystalline nanoparticles present in the resulting homeopathic medicine. The 'size' of the information encrypted on nanoparticles might vary together with the degree of dilution. As homeopathic medicines exhibit healing effects, these nanoparticles along with the interfacial water on their surface might carry this information, which biological systems are able to identify to the target. As various forms of *Silica* are known to interact with proteins and cells of the immune system, homeopathy might represent a nanomedicine system. Possible confirmation, however, requires further research in materials and interfacial water.

7
EXTRA – MURAL RESEARCH

Central Council for Research in Homoeopathy is monitoring the research projects related to Homoeopathy under the Extra Mural Research (EMR Scheme) of the Department of AYUSH.

A meeting of the Internal Scrutiny Committee (ISC) was held on 5th April 2011 to scrutinize 4 new proposals and 2 follow-up proposals. The proposals were sent back to the Principal Investigators (PI) for modifications. A meeting of the Project Evaluation Committee was held on 22nd September 2011, under the Chairmanship of Joint Secretary, Department of AYUSH. On the basis of the recommendations made by the Project Evaluation Committee (PEC), 4 follow up proposals and 3 concluded studies were considered for the release of the grant under the EMR Scheme of Department of AYUSH. Out of three new proposals cleared by the ISC, one new proposal was also approved by the PEC. Another meeting of the ISC was held on 22nd December 2011, where 4 new proposals and 1 new proposal were screened.

The following new studies are initiated during the year:

1. Effects of potentised homoeopathic medicines prepared at different dates using plant based bioassays as a model – Institute of Minerals and Materials Technology, CSIR, Bhubaneswar.
2. Identification of mode and pathway of antidiabetic action of ultra molecular dilutions of alloxan on alloxan induced diabetic rabbit – Department of Experimental Medicine & Biotechnology, PGIMER, Chandigarh.

EMR review meeting

S. No.	Name of the organization & Principal Investigator	Title of the project	Duration of the study
1.	Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry. Dr V S Negi	Immunological studies in Rheumatoid Arthritis treated with Homoeopathic drugs.	3 years
2.	Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry. Dr V S Negi	Modulation of cytokine profile by homoeopathic drugs in Rheumatoid arthritis: In-vitro studies.	2 years

Ongoing studies

S. No.	Name of the organization & Principal Investigator	Title of the project
1.	Dr. A.C. Homoeopathic Medical College and Hospital, Bhubaneswar, Orissa. Dr L K Nanda	Biochemical and molecular basis of evaluation of efficacy of *Rauwolfia serpentine* in its crude (Q) and potentised (6C and 30C) preparations on hypertension-induced rat models.
2.	Andhra Pradesh Homoeopathic Association Multi-Specialty Clinic, Hyderabad. Dr G R Mohan	A study of depressive disorders in Hyderabad urban population with a Homoeopathic approach.
3.	Bengal Engineering & Science University, West Bengal. Prof C R Mahata	Spectral standardization of potentised homoeopathic medicines.
4.	Purte Priya Memorial Sri Ram Medical and Homoeo Research Centre, Gorakhpur, U.P. Dr Purnima Shukla	Homoeopathic Management of Benign Neoplastic Lesions of breast – An evidence based study.
5.	Institute of Minerals and Materials Technology, CSIR, Bhubaneswar. Dr N K Dhal	Shelf life studies of potentised homoeopathic medicines using plant based bio-assays as a model.
6.	Post Graduate Institute of Medical Education & Research, Chandigarh Dr Dibyajyoti Banerjee	Identification of mode and pathway of anti-diabetic action of ultra-molecular dilutions of *alloxan* on *alloxan* induced diabetic rat.

Publications

S.No.	Publications	Abstract
1.	'In-vitro evaluation of homoeopathic drugs for antioxidant activity' Indian Drugs. 2011:48 (12):45-47.	In the present in vitro study, 5 homoeopathic drugs namely, *Acid phos, Ignatia amara, Nux vomica, Phosphorus* and *Zincum metallicum* with 4 different concentrations of each were subjected to evaluation of their antioxidant activity using reducing power assay. The highest activity was exhibited by *Nux vomica* (30c). In general, the reduction ability was found to tbe the highest with the lowest concentration (30c) in 4 out of 5 selected drugs. This supports the principle of homoeopathic medicine "as the concentration decreases the activity of drug increases".

2.	'Evidence based clinical study on the effect of Homoeopathic drugs in cases of Ovarian Cyst'. Indian Journal of Research in Homoeopathy. 2011;5(1): 36-42.	Background and objectives: Patients with persistent ovarian cyst for more than 6 months which do not respond to hormone therapy usually, require surgical treatment. Surgery should be avoided as much as possible in unmarried and childless women where future reproductive functions are of prime concern. There are a few claims by homoeopathic physicians to have treated cases of ovarian cyst with homoeopathic medicines. Such claims, however, have neither been scientifically documented nor published. To give scientific support to such sporadic claims, a clinical study was carried out to evaluate the usefulness of homoeopathic medicines for treatment of patients suffering from ovarian cyst. Methods:A total of 73 patients suffering from ovarian cyst were enrolled, as per inclusion criteria out of which 48 completed the study according to protocol. Medicines selected on the basis of principles of homoeopathy were prescribed and changes in the size of ovarian cyst were assessed at the end of 1 year on the basis of pre and post treatment ultrasonography reports and hormonal tests. Results: After comparing pre and post treatment ultrasonography reports, the difference in mean values of maximum dimension of ovarian cyst was found to be statistically significant (p value < 0.05). Cyst was totally resolved in 8 (16.67%) patients, 10 (20.83%) patients had reduction in the size of the cyst, 21(43.75%) patients remained same while 9(18.75%) did not improve. Natrum muriaticum (n=7), pulsatilla(n=3), Sepia(n=3), Calcarea carbonicum (n=2) were found to be most useful homoeopathic medicines. Conclusion: The preliminary results obtained from this observational study are encouraging. The study indicates positive role of homoeopathic therapry in the management of ovarian cysts. Such study with bigger size through randomized controlled trial is needed for further validation.
3.	'Neuroprotective effects of Bellis perennis and Hypericum perforatum on PC12 cells'. Indian Journal of Research in Homoeopathy. 2011;5(3):27-35	The rat pheochromocytoma (PC12) cell line is widely applied as model to study a variety of neuronal functions. Upon addition of nerve growth factor (NGF), these cells undergo differentiation characterized by an increase in acetylcholinesterase (AchE) activity, and extension of neurite-like processes. Oxidative stress is implicated in the pathogenesis of neurodegenerative disorders and the purpose of this study was to evaluate the effect of *Bellis perennis* (Be) and *Hypericum perforatum* (Hy) (6C and 30C) on healthy neuronal cells. Both homoeopathic medicines have been studied at three different concentrations of 2µl/ml, 4µl/ml and 8 µl/ml for 96 in PC12 cells differentiated with NGF.The cell viability was tested by MTT (3-{4,5-dimethylthiazol-2-yl}-2,5-diphenyl tetrazolium boromide) and NRU (Neutral Red Uptake). To observe the oxidative damage and evaluate the antioxidative status after exposure to homoeopathic medicines, the level of thiobarbituric acid reactive species (TBARS), glutathione (GSH) level, activities of glutathione peroxidase (GPx), glutathione reductase (GR), AcetylCholine Esterase (AChE), Na^+K^+ ATPase and Monoamine Oxidase (MAO) were assayed.These results were compared with positive control (90% alcohol). The content of LPO was significantly decreased in drug treated groups as compared with positive control while the level of GSH was significantly increased.The activities of all other enzymes were significantly restored in drug treated groups as compared to positive control. In conclusion, these medicines have preventive role on differentiated PC 12 cells.

Onsite monitoring

S. No.	Research study title and site	Experts
1.	'Immunological studies in Rheumatoid Arthritis treated with homoeopathic drugs' and 'Modulation of Cytokine profile by homoeopathic drugs in Rheumatoid Arthritis: in-vitro studies' at Jawaharlal Institute of Post Graduate Medical Education & Research, Puducherry on 27th July 2011.	1. Dr.V. K. Gupta, Member, SAC, CCRH 2. Dr. P. Sachdanandam HOD, Dept of Biochemistry, University of Madras 3. Dr. Anil Khurana, Assistant Director (H), CCRH Hqrs, New Delhi
2.	'Homoeopathic Management of Benign Neoplastic Lesions of breast – An evidence based study' at Purte Priya Memorial, Sri Ram Medical & Homoeo Research Centre, Gorakhpur, U.P on 19th March 2012	1. Dr.V. K. Gupta, Member, SAC, CCRH, New Delhi 2. Dr. Girish Gupta, Lucknow. Member, Drug Proving Sub-Committee, CCRH, New Delhi. 3. Dr. Nilima Singh, MD (O & G), Lucknow. 4. Dr. Anil Khurana, Assistant Director (H), CCRH Hqrs, New Delhi
3.	'Spectral standardization of potentised homoeopathic medicines' at Bengal Engineering & Science University, West Bengal on 7th September 2011.	1. Dr.Alok Kumar, Director General In Charge, CCRH, New Delhi. 2. Dr. Anil Khurana, Assistant Director (H), CCRH Hqrs, New Delhi

8
GENDER ISSUES

Most of the research studies conducted by the Council are gender neutral. There are only three gender specific clinical research studies 'Benign Prostatic Hypertrophy' in men and 'Menopause' & 'Breast Cancer side effect' for women. In Clinical verification and Drug proving studies, the gender distribution is random.

Council has also constituted a Gender Budgeting Cell as per direction from Department of AYUSH to monitor gender specific issues.

Council has been conducting Mother and Child Health Clinics and Community awareness camps since 2009-10 at its various Institutes/Units subsequent to initiation of National Campaign on Homoeopathy for Mother & Child care in the year 2007.

The following table shows the total attendance of the patients in the OPDs of the Institutes/Units of the Council, percentage of females in the OPDs, women related to Clinics and Community awareness camps and their relative participation in the research areas of the Council.

Activity	Total	Women	Women %
General OPD attendance	453019	262296	57.90%
Research cases Enrolled	3679	1894	51.48%
MCH OPD clinics & community awareness camps	57201	17142	29.97%
Total	**513899**	**281332**	**54.74%**

PUBLICATIONS AND LIBRARY

ANNUAL REPORT 2011-2012 CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

9
PUBLICATIONS

The Central Council for Research in Homoeopathy (CCRH) has been publishing the research studies, activities & events carried out by the scientists of the Council in Indian Journal for Research in Homoeopathy, CCRH newsletter and books. The handouts on topics of interest for homeopathic profession and studies done by the scientists of the Council have been published from time to time to popularize Homoeopathy. The publications of CCRH during this reporting year are as mentioned below:

1. **Indian Journal for Research in Homoeopathy (IJRH)**

a. **Contents of Vol.5, No.1**

- Enhanced Super continuum generation in water in the presence of ultra dilute solutions
- *Amoora rohituka:* A Multicentric double blind homoeopathic pathogenetic trial
- Standardisation of *Ammi visnaga* L. Fruit – A homoeopathic drug
- *Curcuma longa* – A Multicentric clinical verification study
- A prospective multicentre observational study to evaluate the role of homoeopathic therapy with a group of predefined homoeopathic medicines in the management of gastroenteritis
- Evidence based clinical study on the effect of homoeopathic medicines in cases of ovarian cysts

a. **Contents of Vol.5, No.2**

- Putative protective effect of *Cadmium chloride* high diluted solution on LLC-
- PK1 cell intoxicated by high concentration of this same metal: an isopathic in vitro assay
- *Andrographis paniculata*-A multicentric, randomized, double-blind homoeopathic pathogenetic trial
- Standardisation of homoeopathic drug *Aquilegia vulgaris* L.
- *Cassia fistula* – A multicentric clinical verification study
- A multicentric observational study to ascertain the role of homoeopathic therapy in urolithiasis
- A case of Colloidal Nodular Goiter

b. **Contents of Vol.5, No. 3**

- Germination and vigor of lettuce seeds (*Lactuca sativa* L.) pelleted with homoeopathic preparations *Alumina* and *Calcarea* carbonica subjected to toxic levels of aluminum
- *Asclepias currasavica*–A multicentric, randomized, double-blind homoeopathic pathogenetic trial
- Standardisation of homoeopathic drug – *Syzygium Jambos* (L.) Alston.
- A prospective multicentre observational study to evolve the usefulness of group of homoeopathic medicines in the management of acute tracheobronchitis
- Neuroprotective effect of *Bellis perennis* and *Hypericum perforatum* on PC12 cells
- *Alfalfa* – A multicentric clinical verification study
- Study of Homoeopathic Medicines through Clinical Verification – A New perspective (Voume-I & II)

2. **CCRH News; Issue No.58, 59, 60, 61 (In Press)**

3. **Annual Report (2010-11)**

4. **Handouts**

The Council has been bringing out handouts for the common man giving information regarding various disease conditions and role of Homoeopathy in treating and preventing them. There various disease conditions and role of Homoeopathy in treating and preventing them. There are many bilingual handouts which are distributed among the public in the Health Melas and Exhibitions. During the reporting year three handouts in English have been translated in Hindi. They are as mentioned below:

- Dengue The culprit could be breeding in your neighbourhood
- Smile in Injuries too with Homoeopathy
- Malaria The culprit could be closer than you think!

5. A 'Catalogue' of priced publications has also been published and sent to the homoeopathic medical colleges.

LIBRARY

Books	-	156
Number of titles accessioned	-	35
- WHO Publications	-	11
- Number of books received as Complementary	-	110
- Number of books procured		10449
Total books as on 31.03.2012		
Journals	-	25
Number of Journal subscribed	-	03
- Foreign	-	13
- Indian	-	06
- WHO Periodicals		

DOCUMENTATION

Information Services

- Providing reprographic service - 4
- Providing reference service - 8
- Answering queries received through post/telephone
- Helping readers in getting their required information in time

Bibliographic Lists

- CHLAS
- MEDICO ABSTRACTS (Being updated from time to time)

WEBSITE

- Updating website as and when required

OTHER ACTIVITIES

ANNUAL REPORT 2011-2012 CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

ANNUAL REPORT 2011-2012 CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

NATIONAL CAMPAIGN ON HOMOEOPATHY FOR MOTHER AND CHILD CARE

The Department of AYUSH had formally launched National Campaign on Homoeopathy for Mother and Child Care in November 2007 to propagate & promote Homoeopathy in public health with due emphasis on its inherent strengths, in the care of Mother & Child with the following objectives:-

- To sensitize all stake holders i.e. Policy makers, Program evaluators, Opinion makers, Homoeopathic, Allopathic and physicians from other streams and NGOs regarding the strengths of Homoeopathy in Mother and Child Care
- To provide a platform for exchange and orientation of knowledge among homoeopathic and physicians from Allopathic and other streams concerning the scope of Homoeopathy in Mother and Child Care

In the first phase of campaign, a 'National Workshop' on Homoeopathy for Healthy Mother and Happy Child was held at New Delhi in November 2007. This was the beginning of a series of State Level & District Level campaigns, proposed for propagating the strengths of Homoeopathy, and capacity building of Homoeopathic practitioners. The homoeopathic medical colleges were also involved for conducting Community Awareness Programmes and MCH Clinics.

By doing so, in the year 2011-12, homoeopathic services were rendered to a larger group of population, making inroads at the grass root level. As the campaign has ended in the month of March 2012, no Community Awareness Camps shall be organized henceforth. However, due to huge popularity amongst people and established infrastructure, the Council shall continue to run the MCH OPD Clinic at various centers.

Community Awareness Camps

Funds were released to 57 Homoeopathic Medical Colleges & 26 CCRH Research Centers for conducting the Community Awareness Camps. These camps have proved to be an indispensible part of the National Campaign as it creates maximum awareness about the role of Homoeopathy in treating the conditions related to Mother & Child Care. Camps are organized at grass root levels, in the remotest areas thus giving maximum benefit to the people in need. Achievements obtained through the Community Awareness Camps are placed below in the table:

S. No.	Description	Total No. of Camps	Total No. of Patients benefitted
1.	Community Awareness Camps through Homoeopathic Medical Colleges	300	36,530
2.	Community Awareness Camps through CCRH Units/ Institutes	235	28,450

MCH OPD Clinics

96 Homoeopathic Medical Colleges & 26 Research Centers of CCRH continued with the MCH OPD Clinics, which were established earlier during the campaign. A large number of people have benefitted from these clinics & role of Homoeopathy has been established in treating the common conditions associated with Mother & Child Care. Number of patients who attended the Clinics is placed below in the table:

MCH OPD Clinics	CCRH Research Centers	Homoeopathic Medical Colleges
No. of Clinics	26	30
Patients attended		
Obstetric	11,110	7012
Paediatric	25,620	11310
Total	**36,730**	**18,322**

Feedback Proforma

The National Campaign has ended in the month of March 2012. A comprehensive report of the Campaign is being prepared by Council, which highlights the events and achievements of the Campaign. For the same, a Feedback Proforma, including reviews on the Campaign, was designed by the Council and sent to all Homoeopathc Medical Colleges, CCRH Research Centers & State AYUSH Directorates, who were involved in the Campaign.

Meetings of Committees

SL. No.	Meeting	Venue	Date
1.	**Governing Body:**		
	16th meeting of Governing Body	Ministry of Health and Family Welfare, Nirman Bhawan, New Delhi	28th October, 2011
2.	**Scientific Advisory Committee:**		
	• 50th meeting of Scientific Advisory Committee	CCRH headquarters	30th June, 2011
	• 51st meeting of Scientific Advisory Committee		23rd March, 2012
3.	**Standing Finance Committee:**		
	• 55th Meeting of Standing Finance Committee	Department of AYUSH	21st October, 2011
	• 56th Meeting of Standing Finance Committee		9th December, 2011
	• 57th meeting of Standing Finance Committee		9th March, 2012
4.	**Ethical Committee:**		
	• 13th meeting of Ethical committee	CCRH headquarters	7th June, 2011
	• 14th meeting of Ethical Committee		28th June, 2011
	• 15th meeting of Ethical Committee		28th February, 2012

Scientific Advisory Committee Meeting in progress

Ethical Committee Meeting at CCRH

5.	**Miscellaneous Technical Meetings:**		
	Meeting for finalization of the sample size of Chronic Sinusitis, RCT study to be initiated in 2011-12	CCRH headquarters	9th May, 2011
	Monitoring the lecture in Hindi Workshop	CRI(H), Kottayam	17th – 20th May, 2011
	Meeting with Coordinators for training cum finalization of the protocol on Chronic Sinusitis, RCT study to be initiated in 2011-12.	CCRH headquarters	18th – 19th May, 2011
	Meeting with experts for training cum finalization of the protocol on Benign Prostatic Hyperplasia, RCT study to be initiated in 2011-12	CCRH headquarters	23rd – 24th May, 2011
	Meeting with experts for training cum finalization of the protocol on Schizophrenia, RCT study to be initiated in 2011-12	CCRH headquarters	30th – 31st May, 2011
	Meeting for finalization of Protocol for RCT on Leptospirosis	CCRH headquarters	20th June, 2011
	Meeting on IMR Policy of CCRH	CCRH headquarters	23rd June, 2011
	Meeting on working module for Integrated Hospital Management System.	CCRH headquarters	18th – 19th July, 2011
	Technical officers meeting for 12th Plan of the Council	CCRH headquarters	9th August, 2011
	Training program Pharmacist(s)/Dispenser(s) from RRI(H), Guwahati, RRI(H), Jaipur, RRI(H), New Shimla and CRI(H), Noida, for the study on Chronic Rhino Sinusitis (RCT)	CCRH headquarters	18th – 19th August, 2011
	Meeting with Malaysian delegate, Mr. S. Sevanthinanthan, Principal Assistant Director, TCM Division, Malaysia	Central Council for Research in Ayurveda & Siddha	26th August, 2011
	AE-PCOS Meeting	All India Institute of Medical Sciences, New Delhi	29th -30th August, 2011
	Workshop of Clinical Trials Registry for members of Ethics Committee	ICMR, New Delhi	26th September, 2011
	Meeting at Gorakhpur for making preliminary arrangements for establishing the Extension centre of HDRI, Lucknow.	Gorakhpur	16th- 18th December, 2011
	Meeting at CRI(H), Noida to discuss the protocol on Allopathic part of Urolithiasis (RCT).	CRI(H), Noida	4th January, 2012
	Meeting with Dr. C. M. Pandey for analyzing data of concluded studies on Benign Prostatic Hyperplasia, Leptospirosis, Chikungunya and re-analysis of Diabetes Distal Symmetric Polyneuropathy article.	CCRH headquarters	27th - 28th January, 2012
	Meeting for the issues related to draft Intra Mural Research Policy.	CCRH headquarters	17th February, 2012

Homoeopathic Pharmacopoeia Committee (HPC)

One The Homoeopathic Pharmacopoeia Committee (HPC) was constituted in 1962 for the purpose of preparing Homoeopathic Pharmacopoeia of India (HPI). Nine (09) Volumes of HPI and one (01) Homoeopathic Pharmaceutical Codex have been published till date.

As the per Action Plan for Pharmacopoeial work, HPC has recommended the preparation of monographs on 250 new drugs with a target of 45 drugs (35 by HPL, Ghaziabad and 10 by CCRH) in the year of 2011-12.

Following forty five (45) monographs are approved by the HPC in above three meetings:

S.No.	Name of the drugs
1	*Citrus decumana*
2	*Euphorbia hypericifolia*
3	*Origanum majorana*
4	*Vanilla planifolia*
5	*Aconitum radix*
6	*Acorus calamus*
7	*Arnica radix*
8	*Azadirachta indica folia*
9	*Botulinum*
10	*Buxus sempervirens*
11	*Fragaria vesca*
12	*Rhus glabra*
13	*Rosmarinus officinalis*
14	*Citrus limonum*
15	*Eugenia jambos*
16	*Vitex trifolia*
17	*Wrightia tinctoria*
18	*Agrimonia eupatoria flos*
19	*Candida albicans*
20	*Cassia fistula*
21	*Coffea tosta*
22	*Convolvulus arvensis*

S.No.	Name of the drugs
23	*Spartium scoparium*
24	*Euphorbia pilulifera*
25	*Geranium robertianum*
26	*Rosa damascena*
27	*Aquilegia vulgaris*
28	*Anantherum muriaticatus*
29	*Anthracinum*
30	*Tetanotoxinum*
31	*Carya alba*
32	*Cereus serpentinus*
33	*Cucurbita citrullus*
34	*Dictamnus*
35	*Doryphora decemlineata*
36	*Galinsoga parviflora*
37	*Galium aparine*
38	*Geum rivale*
39	*Hedeoma pulegioides*
40	*Juniperus virginianus*
41	*Myristica sebifera*
42	*Physalis alkekengi*
43	*Rhus aromatica*
44	*Cicer arietinum*
45	*Solanum tuberosum*

Besides, the work on consolidation of HPI in two parts and improvement of Codex are in progress.

Publications

The publications of following documents are in progress.

i. 10th Volume of HPI comprising 101 drugs – Draft document under preparation and further scrutiny.

ii. Vernacular names of Medicinal Plants, incorporated in HPI – Draft document under scrutiny

Workshop/Semiars

One Seminar was organized during 2011-12. Council conducted Continuing 09 Medical Education programs for dissemination of research findings to private practitioners in the North East region.

S. No.	Events	Venue	Date	No. of participants
1.	CME on Mother & Child Disorders	RRI (H), Guwahati	26th – 27th April, 2011	29
2.	CME on Diabetics Mellitus, Allergic Rhinitis and Chronic Sinusitis	CRU (H), Dimapur	27th-28th April, 2011	40
3.	CME on Respiratory Disorders	CRU (H, Shillong	28th -29th April, 2011	20
4.	CME on Malaria, Diabetes Mellitus and Urolithiasis	RRI (H), Imphal	29th – 30th April, 2011	48
5.	Training Programme Organized for Laboratory Technicians	Pushpagiri Medical College and Hospital, Kottayam	19th-24th September, 2011	15
6.	CME on Pediatric Disorders	CRU(H), Shillong	26th - 27th September, 2011	28
7.	CME on Life Style disorders and importance of Clinical Research	RRI(H), Guwahati	28th - 29th September, 2011	51
8.	CME on HIV/AIDS and Respiratory Disorders	CRU (H), Agartala	21st & 22nd October, 2011	31
9.	CME on Respiratory Disorders	CRU (H), Siliguri	17th - 18th November, 2011	24
10.	Workshops on Biostatistics	CCRH, Hqrs.	26th November, 2011	35
11.	Technical Workshop on Accounts and Administration	CCRH, Hqrs.	7th – 8th December, 2011	40
12.	Technical Workshop on Accounts and Administration	CCRH, Hqrs.	21st – 23rd December, 2011	38
13.	CME on Skin Disorders	RRI(H), Imphal	27th-28th December, 2011	50
14.	Workshops on Biostatistics	CCRH, Hqrs.	14th January, 2012	24
15.	Workshops on Biostatistics	CCRH, Hqrs.	16th February, 2012	27
16.	Workshop on Biostatistics and Good Clinical Practices	RRI (H), Guwahati	5th - 6th March, 2012	65

CME at Shillong

CME at Imphal

CME at Guwahati

CME at Agrtala

Workshop on Biostatistics at Guwahati

Health Melas/Exhinitions

The Council participated in the following Health Melas & Exhibitions during the year 2011-12:

S. No.	Heath Mela/ Exhibition	Venue	Date
1	State Arogya Fair	Millenium Top Roof, Aizawl.	9th-12th May, 2011
2	Public Information Campaign	Jhansi, U.P.	21st-24th June, 2011
3	State Arogya Fair	Parade Ground, Dehradun	8th-11th July, 2011
4	Public Information Campaign	Pindewara, Sirohi, Rajasthan	28th - 30th September, 2011
5	MTNL Perfect Health Mela	NDMC Ground, Laxmibai Nagar, New Delhi	19th-23rd October, 2011
6	India International Trade Fair-2011	Pragati Maidan, New Delhi	14th-27th November, 2011
7	Bharat Nirman Campaign by Press Information Bureau (PIB)	Karur, Tamil Nadu	19th-21st November, 2011
8	SIKITEX	Gangtok, Sikkim	24th-25th November, 2011
9	66th Liga Medicorum Homoeopathica Internationalis (LMHI)- 2011	Sirifort Auditorium, New Delhi	1st-4th December, 2011
10	State Arogya Fair	SMS Investment Ground, Jaipur	6th-9th January, 2012
11	Bharat Nirman Jan Suchna Abhiyan by Press Information Bureau (PIB)	Pali-Jaitaran Rajasthan	22nd-24th January, 2012
12	26th Surajkund Craft Mela	Surajkund, Faridabad, Haryana	1st-15th February, 2012
13	Arogya Expo-2012	Gayatri Vihar, Palace Ground, Bengaluru	9th-13th February, 2012
14	Global Ayurveda Exhibition	Kanakakunnu Palace, Trivendrum	9th-14th February, 2012
15	National Yoga Week 2012	MDNIY, Ashoka Road New Delhi	12th-18th February, 2012
16	State Arogya Fair	International Mela Ground, Hapania, Agartala, Tripura	18th -22nd February, 2012
17	AYUSH mela 2012	Diengiei PHC, East Khasi Hills, Meghalaya.	16th March, 2012
18	Public Information Campaign of "Bharat Nirman" by PIB, Ranchi	S.S. Mor College ground, Govindapur, Dhanbad, Jharkhand	22nd-24th March, 2012

Bharat Nirman Campaign at Madurai

State Arogya Mela at Agartala

Patients being attended at the Campaign organized by PIB at Sirohi, Rajasthan

Stall of Council's Publications at LMHI, New Delhi

AYUSH RESEARCH PORTAL

The Department of AYUSH, Ministry of Health and Family Welfare, has developed an AYUSH RESEARCH PORTAL for disseminating research information related to all AYUSH Systems of Medicine (Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy). The portal provides collection of good quality research articles published in various Peer-reviewed and other Journals, under four (4) categories:

1. Clinical Research - further categorized into Evidence Grade - A, B & C ; based on "General Guidelines for Methodologies on Research and Evaluation of Traditional Medicine" published by World Health Organization (WHO)
2. Pre-clinical Research
3. Drug Research
4. Fundamental Research

This year, Central Council for Research in Homoeopathy (CCRH), has constituted three (3) Committees for AYUSH Research Portal for 'Technical Editing and Quality Control' of research articles, namely :-

1. Search and Peer Review Committee
2. Editorial Committee
3. Central Co-ordination Committee

The Council has contributed in selection of research articles and uploading the same on the said portal, in the form of abstracts and full texts (wherever available free of cost). In case of paid articles, full paper hyperlink has been provided.

During this year, 1100 articles have been uploaded on the portal by CCRH.

The portal (*http://ayushportal.ap.nic.in/*) will provide easy access to research data and wili create awareness among practitioners, researchers, policy-makers, authors, students and general public regarding research done globally on AYUSH Systems of Medicine.

Evidence Grade criteria for Clinical studies, based on levels of evidence and grading of recommendations by WHO, is as follows:

Grading of Recommendations

Grade	Recommendation
A (Evidence levels Ia, Ib)	Requires at least one randomized controlled trial as part of the body of literature of overall good and consistency addressing the specific recommendation.
B (Evidence levels IIa, IIb, III)	Requires availability of well-conducted clinical studies but no randomized clinical trials on the topic of recommendation.
C (Evidence level IV)	Requires evidence from expert committee reports or opinions and/ or clinical experience of respected authorities. Indicates absence of directly applicable studies of good quality.

Levels of evidence

Level	Type of evidence
Ia	Evidence obtained from meta-analysis of randomized controlled trials
Ib	Evidence obtained from at least one randomized controlled trial
IIa	Evidence obtained from at least one well-designed controlled study without randomization
IIb	Evidence obtained from at least one other type of well-designed quasi-experimental study
III	Evidence obtained from well-designed non-experimental descriptive studies, such as comparative studies, correlation studies and case control studies
IV	Evidence obtained from expert committee reports or opinions and/or clinical experience of respected authorities

ANNUAL REPORT 2011-2012 CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

List of Institutes/Units under CCRH

1. Central Research Institute (H)
   Sachivothamapuram,
   Kottayam(Kerala)-686532.
   Tel.: 0481-2436322, 2432238
   Email: crihktm@gmail.com

2. Central Research Institute (H)
   A-1/1. Sector-24,
   Noida.(U.P.).0120-2411320
   Email: crihnoida@gmail.com

3. Homoeopathic Drug Research Institute
   Campus of National Homoeopathic
   Medical College & Hospital,
   1,Viraj Khand, Gomti Nagar,
   Lucknow- (U.P)- 226010
   Tel.: 0522-2301030
   Email: hdri_lko@yahoo.com

4. Regional Research Institute (H)
   MTNL Hall No. 4, Shopping Centre,
   Sector – 9,
   CBD, Belapur, Navi Mumbai,
   Mumbai (Maharashtra)-400056.
   Tel.: 022-27579154
   Email: rrihmumbai@yahoo.co.in

5. Regional Research Institute (H)
   13/210-A, Club Road,
   Gudivada(A.P.)-521301.
   Tel.: 08674-243491, 08674-240028
   Email: rrihgudivada@yahoo.co.in
   rrigudivada@gmail.com

6. Regional Research Institute (H)
   C-12, Lane-1, Sector-1,
   Below B.C. S.
   New Shimla, (H.P.)-171009.
   Tel.: 0177-2670450
   Email: rrishimla@gmail.com

7. Regional Research Institute (H)
   CCRH Building, Marchi Kote Lane,
   Labanikhia Chaak,
   Puri (Orissa) - 752001.
   Tel.: 06752-225571
   Email: rri_puri@yahoo.co.in

8. Regional Research Institute (H)
   Dr. Madan Pratgap Khuteta Rajasthan
   Homoeopathic Medical College &
   Hospital, Station Road,
   Jaipur (Rajasthan)-302006.
   Tel.: 0141-2371763, 0141-2364661
   (College campus)
   Email.: rrihjaipur@yahoo.co.in,
   rrihjaipur@gmail.com

9. Regional Research Institute (H)
   Rabha Bhawan,
   Odalbakra, Kahilipara, Odel Bakara,
   Guwahati-7810034.
   Tel.: 0361-2476202
   Email : rrigua@yahoo.com,
   rrigua@gmail.com

10. Regional Research Institute (H)
    New Checkon, Maring Land, Opp.
    Trival Colony,
    Imphal (Manipur) - 795001.
    Tel.: 0385 – 2457417
    Email: rrihimphal@gmail.com,

11. Dr. Anjail Chatterjee Regional Research
    Institute (H), 50, Rajendra Chatterjee Road,
    Kolkata W.B.-700035
    Tel.: 033-25100868
    Email:dpru_kolkata@rediffmail.com

12. Drug Standardisation Unit (H)
    Q.U.B. 32, Room No. 4,
    Vikram Puri, Habsiguda,
    Hyderabad (A.P.) - 500007.
    Tel.: 040-27178188, 27403755
    Email: drhafeezullahbaig@gmail.com

13. Clinical Verification Unit (H)
    2nd Floor, Guru Govind Singh Hospital,
    Patna City, Patna – 800008 (Bihar)
    Tel.: 0612- 2631952

14. Survey of Medicinal Plants and Collection
    Unit, Indira Nagar,
    Emerald Post, Udhagamandalam,
    Ooty - 643209. (T.N.)
    Tel.: 0423 2595184
    Email: smpcuemerald@gmail.com

15. Clinical Research Unit(H)
    Old Maternity Hospital Campus,
    Tirupati - 517507. (A.P.)
    Tel.: 0877-2230466
    Email : crutpt@yahoo.co.in

16. Clinical Research Unit (H)
    B-32, 3 Cross Street,
    A.G.S. Colony
    (Sea Side) Kottivakkam, Chennai - 600090.
    Tel.: 044-24511821
    cruchennai@yahoo.co.in

17. Clinical Research Unit (H)
    Arsunday, Boreya Road,
    P.O. Boreya, Ranchi, Jharkhand - 835240.
    Tel.: 0651-2450986
    Email : crutranchi@rediffmail.com

18. Clinical Research Unit (H),
    M.B. 31, Middle Point,
    Mahatma Gandhi Road,
    Port-Blair (A&N) - 744101.
    Tel.: 03192-233073
    Email : cruhportblair@yahoo.com

19. Clinical Research Unit (H)
    Gokhel Road (Near Matri Bhandar),
    Arobindopally,
    Siliguri – 734 006.
    Tel.: 0353-2596065
    Email: cruslg@gmail.com

20. Clinical Research Unit (H)
    In front of Samphek Hotel,
    Near Sangram Bhawan,
    Development Area,
    Gangtok, Sikkim - 737101.
    Tel.: 03592-220250
    Email: crugangtok@gmail.com

21. Clinical Research Unit (H)
    Dhankheti, Near Shillong Low College,
    Shillong, Meghalaya-793001.
    0364-2504091
    Email: dr.crushillong@rediffmail.com

22. Clinical Research Unit (H)
    1/4, Main Road, Colonel Chowmuhani,
    Krishnagar, P.O.Agartala,
    Tripura (West) - 799001.
    Tel.: 0381-2309877
    Email: crut_agartala@yahoo.com

23. Clinical Research Unit (H)
    1st Cross, Mangalakshmi Nagar,
    (Behind New Bus Stand),
    Puducherry-605013.
    0413-2206879
    Email: cru_homoeo_pdy@hotmail.com

24. Clinical Research Unit (H)
    C/o Mr. M. Imti AO,
    House No. 408, A.D.C.- Court Junction,
    Duncan Colony,
    Dimapur, Nagaland 797113
    Tel.: 0-9436442238, 0386-2248151

25. Clinical Research Unit (H)
    Deptt. of AYUSH, Civil Hospital,
    Aizawl, Mizoram - 796001

26. Clinical Research Unit (H),
    North East HMC, Vivek Vihar,
    Itanagar, Arunachal Pradesh- 791113

Extension Centers

1. Drug Standardization Unit (Extension)
   Unit-CCRH, Princess Durra Shehvar
   Children & General Hospital,
   Purani Haveli,
   Hyderabad - (A.P.)-500002.
   Tel.: 040-24567754
   Email: extncruhyd@yahoo.com
   cruhyd@gmail.com

2. Extension Unit of Regional Research
   Institute (H), Puri
   at Dr.A.C. Homoeopathic Medical College
   & Hospital, Bhubaneswar, Orissa.
   Tel.: 0674-2391390

Homoeopathic OPDs

1. Homoeopathic Treatment Centre,
   139 & 140, 1st Floor,
   New Building, Safdarjung Hospital,
   New Delhi -110016.
   Tel.: 26197986, 26163072
   (M.S.Safdarjung Hospital)
   Email: htc_sjh@yahoo.co.in

2. Homoeopathic OPD at Lady Hardinge
   Medical College & Hospital,
   New Delhi

3. Homoeopathic OPD at
   Delhi Cantonment Hospital,
   Delhi Cantt., New Delhi

4. Homoeopathic OPD at Vinova Niketan,
   Nedumangadu, Thiruvananthapuram,
   Kerala

ANNUAL REPORT 2011-2012 CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

ANNUAL REPORT 2011-2012 CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

FINANCIAL STATEMENTS OF CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY
(Non-Profit organization)
For the year 2011-2012

(An autonomous body under Deptt. of AYUSH,
Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of India)

Jawahar Lal Nehru Bhartiya Chikitsa Avum Homoeopathic Anushandhan Bhawan
61-65, Institutional Area, Opp. "D" Block, Janak Puri, New Delhi - 110 058.

ANNUAL REPORT 2011-2012 CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN HOMOEOPATHY

INDEX

Particular	Page No.	Annexure
Balance Sheet for General Account	1 to 2	A
Schedules for Balance Sheet	3 to 6	
Income & Expenditure Account	7 to 8	B
Schedules for Income & Expenditure Account	9 to 15	
Statement of Last Year Advances Adjustment	16 & 16-A	
Statement of Advances to Employees	17	
Significant Accounting Policy	18 to 20	
Receipt & Payment Account	21 to 23	C
Statements for Receipt & Payment Account	24 to 31	
Receipt & Payment Account for General Provident Fund	32	D
Balance Sheet for General Provident Fund	33	E
Receipt & Payment Account for Pension Fund	34	F
Balance Sheet for Pension Fund	35	G
Receipt & Payment Account and Balance Sheet for House Building Advance	36	H
Receipt & Payment Account and Balance Sheet for New Pension Scheme	37 to 38	I

Form of Financial Statements (Non -Profit Organisation)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy.

BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH, 2012

(Figure in Rupees)

Liabilities	Schedule/ Annexure	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Capital Fund	I	565,774,937.00	486,121,033.00
Current Liabilities	7	369,643.00	442,726.00
G.P.F. Account	Annexure - I (Part - II)	160,070,308.00	143,900,924.00
Pension Fund Account	Annexure - II (Part - II)	33,242,003.00	20,176,468.00
House Building Account	Annexure - III (Part - II)	5,303,021.00	1,209,285.00
New Pension Scheme	Annexure - IV (Part - II)	11,496.00	6,923,405.00
TOTAL		**764,771,408.00**	**658,773,841.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organisation)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy.

BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH, 2012

(Figure in Rupees)

Assets	Schedule/ Annexure	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Fixed Assets	8	136,770,590.00	160,586,536.00
Current Assets	11	429,373,990.00	325,977,223.00
G.P.F. Account	Annexure - I (Part - II)	160,070,308.00	143,900,924.00
Pension Fund Account	Annexure - II (Part - II)	33,242,003.00	20,176,468.00
House Building Account	Annexure - III (Part - II)	5,303,021.00	1,209,285.00
New Pension Scheme	Annexure - IV (Part - II)	11,496.00	6,923,405.00
TOTAL		**764,771,408.00**	**658,773,841.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organisation)
Name of Entity: Central Council For Research in Homoeopathy.

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2012

(Figure in Rupees)

Schedule - I CAPITAL FUND	Amount	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Opening Balance	224,808,636.00		
Add: Assets Created during the year	9,170,762.00		
	233,979,398.00	233,979,398.00	224,808,636.00
Excess of Income Over Expenditure			
Opening Balance	261,312,397.00		
Add: Excess of Income over Expenditure	70,483,142.00		
	331,795,539.00	331,795,539.00	261,312,397.00
TOTAL		**565,774,937.00**	**486,121,033.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organisation)
Name of Entity: Central Council For Research in Homoeopathy.

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2012

(Figure in Rupees)

Schedule - 7 CURRENT LIABILITIES	Amount	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
FULL & FINAL SETTELMENT OF GIS FUND			
Opening Balance	5,676.00		
Add: Received during the year	386,428.00		
	392,104.00		
Less: Paid during the year	386,428.00	5,676.00	5,676.00
EARNEST MONEY			
Opening Balance	437,050.00		
Add: Received during the year	97,562.00		
	534,612.00		
Less: Paid during the year	188,500.00	346,112.00	437,050.00
Employees Contribution towards New Pension Scheme			
Opening Balance	-		
Add: Recovered during the year	2,374,282.00		
Less: Transferred during the year	2,356,427.00	17,855.00	-
TOTAL		**369,643.00**	**442,726.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)
Name of Entity: Central Council for Research in Homoeopathy, Janak Puri, New Delhi.

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH, 2012

(Amount in Rupees)

SCHEDULE - 8 FIXED ASSETS

S. No.	Particulars	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
		Cost/Valuation as at beginning of the year	Addition during the year	Deduction during the year	Cost/Valuation at the year end	As at the beginning of the year	On addition during the year	On deduction during the year	Total up to the year end	As at the current year	As at the previous year end
1	Leasehold land at NOIDA & Mumbai	7,261,634.00			7,261,634.00	-				7,261,634.00	7,261,634.00
2	Donated Bldg. at Puri & Kol.	2,171,041.00			2,171,041.00	721,080.00	144,996.00	-	866,076.00	1,304,965.00	1,449,961.00
3	Bldg. & boundry at Kottayam, NOIDA & Ooty	102,880,977.00			102,880,977.00	549,848.00	10,233,113.00	-	10,782,961.00	92,098,016.00	102,331,129.00
4	Office Equip.	24,968,200.00	2,782,012.00	19,903.00	27,730,309.00	9,450,951.00	4,822,442.00	19,323.00	14,254,070.00	13,476,239.00	15,517,249.00
5	Vehicle	3,112,429.00	666,067.00		3,778,496.00	1,960,530.00	595,073.00		2,555,603.00	1,222,893.00	1,151,899.00
6	Furniture & Fixture	21,347,613.00	2,234,365.00	25,635.00	23,556,343.00	7,442,806.00	2,357,474.00	21,554.00	9,778,726.00	13,777,617.00	13,904,807.00
7	Computer & Peripheral	28,636,408.00	743,420.00		29,379,828.00	21,057,216.00	5,244,981.00	-	26,302,197.00	3,077,631.00	7,579,192.00
8	Elect. Install.	418,581.00	32,777.00		451,358.00	235,725.00	35,104.00	-	270,829.00	180,529.00	182,856.00
9	Library Books	5,318,847.00	402,775.00		5,721,622.00	5,318,847.00	402,775.00	-	5,721,622.00	-	-
10	Tubewell & Water Pipe	588,953.00	-		588,953.00	32,457.00	55,650.00	-	88,107.00	500,846.00	556,496.00
11	Lab. Equip	28,643,724.00	2,309,346.00	21,117.00	30,931,953.00	24,813,238.00	2,269,382.00	20,887.00	27,061,733.00	3,870,220.00	3,830,486.00
						-		-	-		
	TOTAL	**225,348,407.00**	**9,170,762.00**	**66,655.00**	**234,452,514.00**	**71,582,698.00**	**26,160,990.00**	**61,764.00**	**97,681,924.00**	**136,770,590.00**	**153,765,709.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non Profit Organization)
Name of Entity: Central Council For Research in Homoeopathy,
Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2012

(Figure in Rupees)

SCHEDULE - 11 CURRENT ASSETS		Amount	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Bank Balance				
Council's	3,233,602.00			
W.H.O.				
U.C.L.A.	718,703.00			
	3,952,305.00	3,952,305.00		
Internet Banking Account		1,000.00		
		3,953,305.00	3,953,305.00	4,045,365.00
Loan & Advances to Employees				
Computer Advance		955,790.00		
Scooter Advance		204,670.00		
Car Advance		757,323.00		
Cycle Advance				
Festival Advance		193,965.00		
Pay Advance				
Medical Advance		10,000.00		
		2,121,748.00	2,121,748.00	2,940,302.00
Other Advances to Units/Institutes				
Contingent Advance	82,115,191.00	309,561,629.00		
Grant-in-aid advance	12,355,595.00			
	94,470,786.00	94,470,786.00		
T.A. Advance		194,563.00		
L.T.C. Advance		168,770.00		
		94,834,119.00	94,834,119.00	309,797,823.00
Advance for work in Progress			310,337,955.00	
Salary				
Opening Balance		9,112,026.00		
Less: Adjusted		9,112,026.00		
		-		
Add : Paid during the year PLAN		6,274,635.00		
NON-PLAN		4,258,839.00	10,533,474.00	9,112,026.00

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

SCHEDULE - 11 - Continued

(Figure in Rupees)

	Amount	Current year 2011-2012	Previous year2010-2011
Imprest Advance			
Opening Balance	280,411.00		
Add : Granted during the year	10,000.00		
	290,411.00		
Less: Received back	-	290,411.00	
Security Deposit -			
Opening Balance	78,833.00		
Add : Granted during the year	6,292.00	-	
	85,125.00		
Less: Received back	3,780.00	81,345.00	78,833.00
Amount recoverable from Staff on account of G.I.S.			
Opening Balance	2,874.00		
Add: Paid during the year	578,700.00		
	581,574.00		
Less: Recovered during the year	577,800.00	3,774.00	2,874.00
Amount recoverable from Staff on account of Individual L.I.C..			
Opening Balance	-		
Add: Paid during the year	231,049.00		
	231,049.00		
Less: Recovered during the year	231,049.00		
Priced Publications			
Opening Balance	6,820,827.00		
Add: Paid during the year	979,277.00		
	7,800,104.00		
Less: Recovered during the year	589,651.00	7,210,453.00	
Amount recoverable from Pension fund account on account of I.Tax deposited in respect of Pensioners from the General account of the Council			
Opening Balance	-		
Add: Received during the year	7,406.00	7,406.00	-
Less: Written - off during the year	-		
TOTAL		**429,373,990.00**	**325,977,223.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Sdtatements (Non-Profit Organisation)
Name of Entity: Central Council for Research in Homoeopathy.

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st March, 2012.

(Figure in Rupees)

INCOME		Schedule	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Grants/Subsidies				
Plan	322,000,000.00			
Non-Plan	167,000,000.00			
Total	489,000,000.00	13		
Less Capitalised	9,170,762.00	8		354,325,680.00
	479,829,238.00		479,829,238.00	
Grant from Rashtriya Ayurveda Vidyapeeth		13	492,700.00	
GIA for NMPB to Ooty				1,500,000.00
Interest Earned		17	3,393,391.00	2,510,586.00
Other Income		18	539,873.00	234,933.00
Excess of Expenditure over Income				37,272.00
Total			**484,255,202.00**	**358,608,471.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non Profit Organization)
Name of Entity: Central Council For Research in Homoeopathy,

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2012

(Figure in Rupees)

EXPENDITURE			Schedule	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Establishment Expenditure					
PLAN		125,665,483.00	20		
General Area Plan		11,565,255.00	20		
Spl. Comp. Plan		11,921,707.00	20		
Tribal Area Plan		149,152,445.00			
Total Plan		106,242,467.00	20 (A)	255,394,912.00	262,311,471.00
NON-PLAN		255,394,912.00			
Other Administrative Expenditure					
PLAN	62,939,679.00		21		
General Area Plan	2,965,697.00	65,905,376.00	21		
Med. Edu. Trg. (NER)		1,558,669.00	21		
Spl. Comp. Plan		1,407,038.00	21		
Tribal Area Plan		68,871,083.00			
Total Plan		56,478,533.00	21 (A)	125,349,616.00	77,636,708.00
NON-PLAN					
GIA for NMPB to Ooty					1,500,000.00
Expenditure (Against UCLA Grant)			Ann. - C	245,946.00	
Exp. Against GIA received from Rashtriya Ayurveda Vidyapeeth			Ann. - C	172,700.00	
Employer Contribution (New Pension Scheme)				2,356,427.00	1,725,894.00
Interest on New Pension Scheme				91,469.00	234,646.00
				-	13,384.00
Loss on auctioned items (Rs. 2,01,344.00 (-) 1,87,960.00)				4,000,000.00	
Amount transferred to House Building Asdvance Fund				26,160,990.00	15,186,368.00
Depreciation				70,483,142.00	
Excess of Income over Expenditure*				**484,255,202.00**	**358,608,471.00**
	Total				
Significant Accouncts Policy			24		

*To the extent the expenditure on account of advances not routed through Income & Expenditure Account.

Form of Financial Statements (Non Profit Organization)
Name of Entity: Central Council For Research in Homoeopathy,

Schedule forming part of Income & Expenditure Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

SCHEDULE - 13 GRANTS/SUBSIDIES		Current year 20011-2012	Previous year 2010-2011
Central Government			
Plan General Area Plan	162,000,000.00		
General Area Plan (Capital Work)	90,000,000.00		
Spl. Comp. Plan for Sch. Caste	20,000,000.00		
Tribal Area Plan	20,000,000.00		
Medical Edu. Research (NER)	30,000,000.00		
	322,000,000.00		
Non-Plan	167,000,000.00	489,000,000.00	487,200,000.00
Grant from Rashtriya Ayurveda Vidyapeeth		492,700.00	
TOTAL		**489,492,700.00**	**487,200,000.00**

SCCHEDULE -17 - INTEREST EARNED	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Saving Bank Account with State Bank of India	2,922,475.00	2,128,685.00
On Interest bearing loan to employees.	470,916.00	381,901.00
TOTAL	**3,393,391.00**	**2,510,586.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT AS AT 31.03.2012

(Figure in Rupees)

SCHEDULE - 18 OTHER INCOME	Plan	Non-Plan		Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Royalty				51,162.00	
Insurance Claim	15,550.00			15,550.00	
Sale of Plants		64,250.00		64,250.00	14,325.00
Fee for R.T.I.	1,074.00			1,074.00	1,227.00
C.G.H.S. Recovery	353,075.00			353,075.00	152,800.00
Contribution for use of Staff car					15,912.00
Profit on sale of auctioned items		25,784.00		25,784.00	
Misc. Receipts					
Cost of I. Card	75.00		75.00		
Rent from Ostrio Cafa, NOIDA	11,550.00		11,550.00		
Non collection of cheque by KB, Mumbai (P/Y)	2,194.00				
Sale of Tender Form	900.00		900.00		
Against untrceable item from I/c of Imphal	2,484.00				
Unidentified Excess amount remitted by the Units	3,425.00	200.00	3,625.00		
Sale of old catridge	5,300.00	-	5,300.00		
Sale of Old (Raddi papers) -	2,850.00		2,850.00		
Total	**28,778.00**	**200.00**	**28,978.00**	28,978.00	50,669.00
TOTAL				**539,873.00**	**234,933.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Schedule under General Area Plan, Spl. Comp. Plan for Sch. Caste and Tribal Area Plan. forming part of Income & Expenditure Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

SCHEDULE - 20 ESTABLISHMENT EXPENSES	Current year 2011-2012			Previous year 2010-2011		
	GAP	SCPSC	TAP	GAP	SCPSC	TAP
Salaries	66,275,883.00	5,632,702.00	5,991,373.00	51,289,708.00	5,341,163.00	4,969,613.00
Allowances & Bonus	56,223,862.00	5,911,724.00	5,850,067.00	48,367,306.00	4,617,050.00	4,182,267.00
Others (Specify)						
Over Time Allowance	16,045.00	-		31,498.00		
Medical Reimbursement Expenses	848,136.00	14,743.00	11,462.00	1,488,630.00	352,400.00	3,237.00
L.T.C. Expenses	979,909.00	6,086.00	68,805.00	2,391,103.00	73,497.00	113,975.00
CGHS Payment	1,321,648.00			2,575,149.00		
TOTAL	**125,665,483.00**	**11,565,255.00**	**11,921,707.00**	**106,143,394.00**	**10,384,110.00**	**9,269,092.00**

R.P. Gadi
Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Padmini J
Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Schedule under Non - Plan forming part of Income & Expenditure Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

SCHEDULE - 20 (A)- ESTABLISHMENT EXPENSES	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Salaries	57,794,145.00	47,603,932.00
Allowances & Bonus	47,806,122.00	38,106,523.00
Expenses on Employee's Retirement Terminal Benefits		49,600,000.00
Others (Specify)		
Over Time Allowance	17,436.00	7,791.00
Medical Reimbursement Expenses	265,567.00	452,875.00
L.T.C. Expenses	359,197.00	743,754.00
TOTAL	**106,242,467.00**	**136,514,875.00**

R.P. Gadi
Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Padmini J
Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy
Schedule under General Area Plan, Spl. Comp. Plan for Sch. Caste and Tribal Area Plan. forming part of Income & Expenditure Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

SCHEDULE - 21 OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES	Current year 2011-2012			Previous year 2010-2011		
	GAP	SCPSC	TAP	GAP	SCPSC	TAP
Wages	7,664,988.00	25,663.00	146,980.00			
Electricity & Power	2,370,893.00	13,155.00	40,224.00	2,226,705.00	12,016.00	28,460.00
Water Charges	192,482.00	14,160.00		152,283.00	16,658.00	
Insurance	15,576.00			25,230.00		
Repair & Maintenance	2,621,115.00	37,003.00	26,454.00	4,226,990.00	95,347.00	25,132.00
Rent, Rates & Taxes	1,635,865.00	866,268.00	401,840.00	1,308,214.00	425,096.00	348,160.00
Vehicle Running & Maintenance	809,252.00			721,585.00		
Vehicle Hiring for official purpose	602,975.00			640,177.00		
Postage, Telephone & Commun. Charges	787,404.00	56,621.00	76,192.00	918,341.00	115,541.00	47,608.00
Printing & Stationery	3,023,680.00	75,336.00	77,721.00	3,314,275.00	119,438.00	106,725.00
Travelling & Conveyance Expenses	2,874,303.00	388,595.00	493,475.00	5,736,289.00	181,056.00	284,516.00
Exp. on Collaborative Study	10,337,066.00			5,317,859.00		
Expenses on Seminar and Workshops	1,624,877.00			8,135,239.00		
Subscription Expenses	276,314.00		751.00	138,483.00		
Expenses on Fees	95,700.00			28,050.00	1,600.00	3,500.00
Audit Remuneration				36,850.00		
Professional Charges	249,070.00			321,545.00		
Expenditure on Hindi Committee	889,977.00			56,298.00		
Expenditure on Advertisement & Publicity	1,107,532.00			8,148,342.00	25,856.00	
Consultant Charges	572,222.00	1,000.00	3,500.00	1,629,248.00	43,000.00	20,000.00
Expenditure on Investigation	146,975.00	200.00	400,107.00	380,657.00	4,843.00	
Expenditure on Medicine	913,113.00	37,243.00	66,711.00	332,442.00	43,787.00	131,711.00
Expenditure on Diet	1,506,500.00			1,675,815.00		
Expenditure on Sundries	1,471,617.00	13,514.00	18,941.00	1,652,259.00	18,661.00	17,994.00
Expenditure on Provers & Consultants	321,160.00			355,200.00		
Exp. on Nat.Comp.on Hom. For Mother & C C (Annex. - D)	19,633,101.00			12,179,767.00		

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Continued : SCHEDULE - 20 OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES

SCHEDULE - 21 OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES	Current year 2011-2012			Previous year 2010-2011		
	GAP	SCPSC	TAP	GAP	SCPSC	TAP
Exp. On Med. Edu. Training (NER) (Annex. - E)	2,965,697.00			3,951,447.00		
Miscelleneous Expenditure	1,195,922.00	29,911.00	54,249.00	2,400,522.00	22,369.00	54,333.00
TOTAL	65,905,376.00	1,558,669.00	1,407,038.00	66,029,562.00	1,475,226.00	1,098,838.00

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Schedule under NC for MCH forming part of Income & Expenditure Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

ANNEXURE - (A) - EXPENDITURE STATEMENT OF NC for MCH	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Expenditure		
Salary		54,000.00
T.A. & Conveyance	5,436,464.00	3,163,381.00
Miscelleneous Expenditure	7,015,166.00	7,079,194.00
Vehicle Running & Maintenance		17,546.00
Postage & Telephone	55,200.00	37,331.00
Printing & Stationery	3,663,979.00	978,855.00
Rent		410,231.00
Medicine	1,651,454.00	213,001.00
Sundries	57,017.00	216,468.00
Exp. On Lab. Investigation	55,954.00	5,560.00
Exp. On Advt. & Publicity	192,471.00	4,200.00
TA Exp. On MCCH - NER	233,455.00	
Misc. Exp. MCCH - NER	931,344.00	
Printing & Stationery MCCH - NER	287,806.00	
Medicine MCCH - NER	52,691.00	
TOTAL	**19,633,001.00**	**12,179,767.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Schedule under Medical Education Training (NER) forming part of Income & Expenditure Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

ANNEXURE - (B) - EXPENDITURE STATEMENT (Medical Edu.Trg.-North East Region)	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Expenditure		
Honorarium	97,700.00	78,400.00
T.A. & Conveyance	2,288,472.00	1,898,151.00
Miscelleneous Expenditure	368,101.00	1,510,895.00
Medicine		85,744.00
Sundries		43,556.00
Water Charges	2,999.00	
Printing & Stationery	204,675.00	334,533.00
Postage & Telephone		168.00
Repair & Maintenance	1,750.00	
Rent	2,000.00	
TOTAL	**2,965,697.00**	**3,951,447.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Schedule under Non - Plan forming part of Income & Expenditure Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

SCHEDULE - 21 (A) - OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Wages	1,448,741.00	
Exp. On Retirement Benefits	49,200,000.00	
Electricity & Power	348,916.00	302,236.00
Water Charges	31,987.00	12,985.00
Insurance	27,156.00	11,597.00
Repair & Maintenance	255,757.00	1,621,941.00
Rent, Rates & Taxes	868,846.00	1,072,918.00
Vehicle Running & Maintenance	87,477.00	105,533.00
Hiring of Vehicle for official purpose		12,359.00
Postage, Telephone & Comm. Charges	342,989.00	397,250.00
Printing & Stationery	381,105.00	696,185.00
Travelling & Conveyance Expenses	1,698,227.00	2,003,118.00
Exp.on Lab. Investigationi	37,074.00	
Expenses on Fees	7,230.00	2,850.00
Expenses on Advt. & Publicity	24,363.00	9,056.00
Exp. On Subscription		17,196.00
Lease Cess/Rent	159,313.00	612,097.00
Expenditure on Medicines	409,816.00	358,364.00
Expenditure on Diet	67,949.00	60,837.00
Expenditure on Sundries	496,255.00	817,072.00
Consultants	169,500.00	179,532.00
Expenditure on Provers & Consultants	93,036.00	234,760.00
Miscelleneous Expenditure	263,816.00	477,186.00

Continued : SCHEDULE - 20 (A) - OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES

SCHEDULE - 21 (A) - OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Professional Charges	58,980.00	28,010.00
TOTAL	**56,478,533.00**	**9,033,082.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Annexure-C

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Expenditure Schedule under CME Programme through RAV forming part of Income & Expenditure Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

ANNEXURE - (C) EXPENDITURE STATEMENT OF CME PROGRAME (R.A.V)	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Allowance	29,000.00	
Printing & Stationary	8,165.00	NIl
Misc. Exp.	87,332.00	Nil
Travelling & Conveyance Allowances	48,203.00	
TOTAL	**172,700.00**	**Nil**

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Schedule under U.C.L.A forming part of Income & Expenditure Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

-OTHER EXPENSES OUT OF U.C.L.A FUND	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Salary/Allowance	72,700.00	
Postage & Telephone charges	4,546.00	
Stationery	19,998.00	
Travelling & Conveyance	122,534.00	
Misc. Exp.	26,168.00	
TOTAL	**245,946.00**	**Nil**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy
(STATEMENT OF LAST YEAR ADVANCES ADJUSTMENT)

(Figure in Rupees)

Head	General Area Plan*	Spl. Com. Plan Sch. Caste	Tribal Area Plan	TOTAL PLAN	Non-Plan	UCLA	Adjusted through Bills	Recd. through Cash	Total Adjustment
LTC Expenses	10,238.00		28,245.00	38,483.00			38,483.00	18,917.00	57,400.00
T.A. & Conveyance(GAP + HM)	36,936.00			36,936.00	49,771.00		86,707.00	92,087.00	178,794.00
Medical Expenses	96,900.00			96,900.00			96,900.00		96,900.00
Allowances & Bonus	2,831,209.00			2,831,209.00		72,700.00	34,242,600.00	4,951,591.00	39,194,191.00
Elect. & Power				-	2,500.00				
TA & Conveyance Exp.	5,219,430.00	24,000.00		5,243,430.00	21,276.00	122,534.00			
Repair & Maintenance	111,126.00			111,126.00	45,590.00				
Water charges	2,999.00			2,999.00					
Vehicle Running & Maint.	28,989.00			28,989.00	10,000.00				
Postage & Telephone	57,230.00		324.00	57,554.00	1,440.00	4,546.00			
Printing & Stationery	4,107,636.00	900.00	2,452.00	4,110,988.00	49,999.00	19,998.00			
Miscelleneous Exp.	13,960,500.00	400.00	1,040.00	13,961,940.00	27,165.00	26,168.00			
Rent	2,000.00			2,000.00					
Insurance	10,826.00			10,826.00					
Medicine	1,785,477.00			1,785,477.00	44,257.00				
Sundries	509,825.00			509,825.00	134,441.00				
Exp. On Lab. Investigation	55,954.00			55,954.00					
Exp. On Advt. & Publicity	192,471.00			192,471.00	9,776.00				
Exp. On Diet	49,303.00			49,303.00					
Professional Charges				-	12,000.00				
Exp. For CME (R.A.V.)	171,928.00				171,928.00				
TOTAL (A)	29,240,977.00	25,300.00	32,061.00	29,298,338.00	408,215.00	245,946.00	34,464,690.00	5,062,595.00	39,527,285.00

* **Please see Annexure F for detail under GAP, MCCH, HM, MET-NER**

Continued : STATEMENT OF LAST YEAR ADVANCES ADJUSTMENT

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy
(STATEMENT OF LAST YEAR ADVANCES ADJUSTMENT)

(Figure in Rupees)

Head	General Area Plan	Spl. Com. Plan Sch. Caste	Tribal Area Plan	TOTAL PLAN	Non-Plan	UCA	Adjusted through Bills	Recd. through Cash	Total Adjustment
Assets									
Vehicle/Ambulance	666,067.00			666,067.00					
Furniture	261,321.00		9,500.00	270,821.00	195,200.00				
Computer/Printer	366,887.00	129,062.00		495,949.00	44,929.00				
Lab. Equipments	385,985.00			385,985.00	1,465,219.00				
Office Equipment	214,378.00			214,378.00	633,994.00				
Books					139,649.00				
TOTAL B	**1,894,638.00**	**129,062.00**	**9,500.00**	**2,033,200.00**	**2,478,991.00**				
TOTAL (A) + (B)	**31,135,615.00**	**154,362.00**	**41,561.00**	**31,331,538.00**	**2,887,206.00**	**245,946.00**	**34,464,690.00**	**5,062,595.00**	**39,527,285.00**

* Please see Annexure F for detail under GAP, MCCH, HM, MET-NER

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Annexure - F
2011-2012
16 A

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

(STATEMENT OF LAST YEAR ADVANCES ADJUSTMENT)

(Figure in Rupees)

Head	General Area Plan	MCCH	MCCH (NER)	Health Mela	Med. Edu. Trg. (NER)	Coll. Study	TOTAL	UCLA
LTC Expenses	10,238.00						10,238.00	
T.A. & Conveyance(GAP + HM)	28,490.00			8,446.00			36,936.00	
Medical Reimbursement	96,900.00						96,900.00	
Allowances & Bonus	2,000.00				29,800.00	2,799,409.00	2,831,209.00	72,700.00
Insurance	10,826.00						10,826.00	
TA & Conveyance Exp.	2,484.00	4,604,174.00	137,885.00	47,806.00	320,102.00	106,979.00	5,219,430.00	122,534.00
Repair & Maintenance	109,376.00				1,750.00		111,126.00	
Water charges					2,999.00		2,999.00	
Vehicle Running & Maint.	28,989.00						28,989.00	
Postage & Telephone	2,030.00	55,200.00					57,230.00	4,546.00
Printing & Stationery	7,617.00	3,663,979.00	287,806.00	71,596.00	76,638.00		4,107,636.00	19,998.00
Miscelleneous Exp.	117,133.00	5,507,069.00	727,332.00	109,645.00	141,000.00	7,358,321.00	13,960,500.00	26,168.00
Rent					2,000.00		2,000.00	
Medicine	19,392.00	1,651,454.00	52,691.00	61,940.00			1,785,477.00	
Sundries	447,924.00	57,017.00		4,884.00			509,825.00	
Exp. On Lab. Investigation		55,954.00					55,954.00	
Exp. On Advt. & Publicity		192,471.00					192,471.00	
Exp. On Diet	49,303.00						49,303.00	
TOTAL (A)	**932,702.00**	**15,787,318.00**	**1,205,714.00**	**304,317.00**	**574,289.00**	**10,264,709.00**	**29,069,049.00**	**245,946.00**

Continued : STATEMENT OF LAST YEAR ADVANCES ADJUSTMENT Annexure -F

Head	General Area Plan	MCCH	MCCH (NER)	Health Mela	Med. Edu. Trg. (NER)	Coll. Study	TOTAL	UCLA
Assets								
Vehicle/Ambulance	666,067.00						666,067.00	
Furniture	175,556.00				85,765.00		261,321.00	
Computer/Printer	58,137.00				308,750.00		366,887.00	
Lab. Equipments	27,020.00				358,965.00		385,985.00	
Office Equipment	173,848.00				40,530.00		214,378.00	
TOTAL (B)	**1,100,628.00**	-			**794,010.00**	-	**1,894,638.00**	-
TOTAL (A) + (B)	**2,033,330.00**	**15,787,318.00**	**1,205,714.00**	**304,317.00**	**1,368,299.00**	**10,264,709.00**	**30,963,687.00**	**245,946.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

STATEMENT OF ADVANCES TO GOVERNMENT SERVANTS

(Fig. in Rupees)

Head	Opening Balance	Granted during the year	TOTAL	Adjusted during the year 2011-2012	Balance outstanding as on 31.03.2012
Computer Advance	1,292,964.00	144,000.00	1,436,964.00	481,174.00	955,790.00
Scooter Advance	260,230.00	84,000.00	344,230.00	139,560.00	204,670.00
Car Advance	1,099,228.00		1,099,228.00	341,905.00	757,323.00
Medical Advance	106,900.00		106,900.00	96,900.00	10,000.00
Festival Advance	179,490.00	496,500.00	675,990.00	482,025.00	193,965.00
Pay Advance	1,490.00	46,738.00	48,228.00	48,228.00	-
TOTAL	**2,940,302.00**	**771,238.00**	**3,711,540.00**	**1,589,792.00**	**2,121,748.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: Central Council For Research in Homoeopathy, Janak Puri, New Delhi

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2012

SCHEDULE - 24 SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1 **Accounting Convention:** The financial statement are prepared on the basis of historical cost convention and on accrual basis.

2 **Inventory Valuation :** Stores (Including machinery and spares) are valued at cost.

3 **Fixed Assets :** Fixed assets are stated at cost of acquisition inclusive of taxes, incidental and direct expenses related to acquisition are capitalized at cost.

4 ***Depreciation :*** Fixed Assets are valued at cost less accumulated depreciation. Depreciation of fixed assets for the year has been provided on the Written down value of assets at the following rates

	Item	Rates
1	*Office Equipment*	25%
2	*Electrical Installation*	15%
3	*Laboratory/Hospital Equipment*	40%
4	*Vehicle*	20%
5	*Furniture & Fixture*	15%
6	Computer & Peripherals	60%
7	Books	100%
8	Building	10%
9	Tubewell and Waterpipe	10%

The above rates of depreciation has been adopted from the Income Tax Rules as provided under Income Tax Rules 1962 and approved by competent authority.

5 ***General Provident Fund :*** *The Council is maintaining a separate General Provident Fund Account for its employees as per G.P.F. Rule, 1960 at Annexure - I.*

The Receipt and Payment Account and the Balance Sheet for the General Provident Fund Account is attached with the Annual Account of the Council at Annexure - I.

6 **Retirement Benefits :** Retirement benefits have been met out from the amount transferred from the Grants-in-Aid received from Department of AYUSH and Credited to the Pension Fund Account. A Separate account viz. Pension Fund Account is being maintained by the Council. Receipt and Payment Account and Balance Sheet of Pension Fund Account is attached with the Annual Accounts of the Council at Anexure - II.

7 **House Building Advance :** The Council is maintaining a separate House Building Advance account for its employees

The Receipt and Payment account and the Balance Sheet for the House Building Advance Account is attached with the Annual Account of the Council at Annexure - III.

8 **Investment :** Council has not made any investment other than the amount deposited in fixed/term deposit with the State Bank of India..

9 **Corpus/Capital Fund :** This represents the accumulated balance of Excess of Income over expenditure mainly, the values of fixed assets acquired from grants-in-aid.

10 **Contingent liability :** Council has no contingent liability on the Balance sheet date.

11	**Change of Accounting policies and material effect:**	During the year accounts has been prepared in uniform format of accounts, which is applicable to central autonomous bodies, on or after 1.04.2001. Since the new format does not provide place for G.P.F., Pension Fund Account and House Building Account fund, the same has been separated from the financial statement and annexed to this financial statement (may be seen at Annexure - I, II and III)
13	**The current assets includes cash and bank balances, advances to the employees and Advances to other Units/Institutes etc.**	
14	**There are no foreign currency transactions in the year**	
15	**Previous year figures have been regrouped whereever necessary.**	
16	***Figures have been rounded off to nearest rupees from 2011-2012.***	

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A)
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organisation)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy.

RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE YEAR ENDED ... 31.03.2012

(Figure in Rupees)

RECEIPTS		Current Year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Opening Balance			
a) Bank Balance (Incl. Rec. & Rec.)	3,045,621.00		
b) W.H.O.			
c) UCLA	718,333.00		
	3,763,954.00	3,763,954.00	
d) Internet Banking Account		1,000.00	3,431,370.00
Grants received			
a) From M.H.F.W., New Delhi			
PLAN			
GAP	162,000,000.00		
GAP (Cap.Work)	90,000,000.00		
SCPSC	20,000,000.00		
TAP	20,000,000.00		
NER	30,000,000.00		
	322,000,000.00		
NON-PLAN	167,000,000.00		
	489,000,000.00	489,000,000.00	487,200,000.00
Rashtriya Ayurveda Vidyapeeth			
(i)		172,700.00	
(ii)		320,000.00	
For NMPB to Ooty			1,500,00..00

PAYMENTS		Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Expenses			
a) **Establishment Expenses**			
PLAN			
GAP (State -A)	126,407,094.00		
SCSP (State -A)	11,711,593.00		
TAP (State -A)	11,848,514.00		
	149,967,201.00		
NON-PLAN (St. B)	**106,882,546.00**		
	256,849,747	256,849,747.00	263,228,447.00
b) **Administrative Expenses**			
PLAN			
GAP (State -C)	168,103,652.00		
SCSPC (State -C)	1,563,369.00		
TAP (State -C)	1,435,922.00		
	171,102,943.00		
NON-PLAN (St. D)	59,483,297.00		
Priced Publications		979,277.00	
Exp. CME (RAV) (Annexure -C)		772.00	
WHO (II) (Annexure - C)			

Continued

(Figure in Rupees)

RECEIPTS	Current Year 2011-2012	Previous year 2010-2011	PAYMENTS	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Interest Received					
a) On Bank Deposit	2,922,475.00	2,128,685.00	GIA (for NMPB to Ooty)		1,500,000.00
b) On Loan & Advances	470,916.00	381,901.00	U.C.L.A. (Annexure - C)		246,316.00
Other Income			**Expenditure on Fixed Assets**		
a) Misc. Receipts	28,978.00	50,669.00	**PLAN**		
b) Receipt against auctioned item	30,675.00	187,960.00	GAP (State. - E) 3,678,405.00		
			SCPSC (State. - E) 7,225.00		
c) Sale of Priced Publication	521,478.00	330,389.00	TAP (State. E) 37,100.00		
d) Sale of Plants	64,250.00	14,325.00	NC for MCCH (St. E) -		
e) Sale of Old Vehicle			**MET (NER) (St. E)** -		
f) Other Receipts/Journal's Subs.	68,173.00	44,205.00	3,722,730.00		
g) Sale of Trg. Modules (NCHMCC)			**NON-PLAN (St. E)** 935,841.00		
h) Staff car use		15,912.00	4,658,571.00	4,658,571.00	23,650,597.00
Any other Receipts					
a) Cash receipts against Adv.			**Other Payments**		
I. TA Advance	92,087.00	165,109.00	**a) Loans & Advances to Staff**		
ii LTC Advance	18,917.00	33,278.00	i Car Advance		
iii Contingent Advance	155,842.00	2,725,396.00	ii Scooter Advance	84,000.00	84,000.00
iv GIA/Cont adv. (MET - NER)	1,516,325.00	1,032,676.00	iii Computer Advance	144.000.00	390.000.00
v GIA/Cont. adv. (MCCH)	3,227,328.00	1,765,034.00			
vi GIA/Adv. (Coll. Study)	52,096.00				

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Continued

(Figure in Rupees)

RECEIPTS	Current Year 2010-2011	Previous year 2009-2010	PAYMENTS	Current year 2010-2011	Previous year 2009-2010
b) Received from L.I.C. of India towards full & final payment	386,428.00	1,081,652.00	**b) Festival Advance**	496,500.00	453,00.00
c) Recoveries against Advances			**c) Payment made against recoveries**		
i Festival Advance	482,025.00	418,500.00	I. Income Tax	20,962,641.00	10,946,604.00
ii Scooter Advance	139,560.00	187,694.00	ii. GPF	38,664,037.00	35,188,805.00
iii Car Advance	341,905.00	381,980.00	iii. GIS Premium	578,700.00	551,400.00
iv. Cycle Advance		1,360.00	iv. Individual LIC Prem.	231,049.00	165,443.00
v. Computer Advance	481,174.00	508,180.00	v. Deputationist Rec.	184,620.00	170,620.00
vi,. Pay Advance Rec.		80,075.00	vi T & Credit Soc.	840,796.00	568,684.00
vii. Pay Advance Rec. P/Y	1,490.00		vii Tfd. To HBA Fund	4,074,704.00	58,768.00
			viii Remittence of HRA	392,609.00	159,393.00
			ix Licence Fee	16,686.00	4,655.00
			x LS & PC transferred to Pension Fund		200,715.00
			xi Refund of Bank Guarantee		61,146.00
Earnest Money Deposit	97,562.00	120,00.00			
Security	3,780.00		**d) Payment made against receipt of G.I. Scheme fund**	386,428.00	1,125,750.00
-			**e) Employee's Cont. tfd to NPS A/c.**	2,356,427.00	1,725,894.00
Employee Contribution Tier - I (New Pension Scheme)	2,374,282.00	1,725,894.00	**f) Interest on NPS**	91,469.00	234,646.00
Other Recoveries			**g) Council's Cont. tfd. To NPS A/c.**	2,356,427.00	1,725,894.00
i Income Tax	20,955,235.00	10,946,604.00			
ii. GPF Subs. & Adv.	38,664,037.00	35,188,805.00			
iii. GIS Premium of Staff	577,800.00	550,450.00	**Security Deposit**	6,292.00	
iv Individual LIC premium of Staff	231,049.00	170,390.00			
v. Deputationist's recoveries	184,620.00	170,620.00	**Refund E.M.D.**		188,500.00

Continued

(Figure in Rupees)

RECEIPTS	Current Year 2011-2012	Previous year 2010-2011	PAYMENTS	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
vi Rec. of H.B. Advance	74,704.00	58,768.00	Imprest advance granted during the year	10,000.00	280,411.00
vii. T & C.S. Society	840,796.00	568,684.00			
viii. C.G.H.S. Recovery	353,075.00	152,800.00			
ix. Fee for R.T.I.	1,074.00	1,227.00	**Closing Balance**		
x HRA recovery for remittance	392,609.00	159,393.00	a) Bank Balance		
xi. Donation for P.M.N./NDF Relief Fund		138.00	Council's regular grant		
xii. Licence Fee	16,686.00	4,432.00	(Incl. Rec & Rec.) 3,233,602.00		
xiii. Bank Guarantee		61,146.00	WHO		
xiv. Rec. of Immediate Relief		8,000.00	U.C.L.A. 718,703.00		
xv. Recovery of LS & PC		200,715.00	3,952,305.00	3,952,305.00	3,763,954.00
xvi. Royalty	51,162.00		**b) Internet Banking Account**	1,000.00	1,000.00
xvii. Insurance Claim	15,550				
TOTAL	**569,093,797.00**	**553,754,416.00**	**TOTAL**	**569,093,797.00**	**553,754,416.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy
Schedule under General Area Plan, Spl. Comp. Plan for Sch. Caste and Tribal Area Plan. forming part of Receipt & Payment Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

STATEMENT (A) ESTABLISHMENT EXPENSES	Current year 2011-2012			Previous year 2010-2011		
	GAP	SCPSC	TAP	GAP	SCPSC	TAP
Salaries	66,275,883.00	5,632,702.00	5,991,373.00	51,252,708.00	5,334,138.00	4,969,613.00
Allowances & Bonus	56,223,862.00	5,911,724.00	5,850,067.00	48,367,306.00	4,617,050.00	4,182,267.00
Other (Specify)						
Over Time Allowance	16,045.00			31,498.00		
Medical Reimbursement	751,236.00	14,743.00	11,462.00	1,488,630.00	152,400.00	3,237.00
L.T.C. Expenses	969,671.00	6,086.00	40,560.00	2,308,283.00	73,497.00	113,975.00
L.T.C. Advance	84,070.00	-	-	10,400.00		47,000.00
Medical advance				10,000.00		
CGHS Payment	1,321,648.00			2,575,149.00		
Total	**125,642,415.00**	**11,565,255.00**	**11,893,462.00**	**106,043,974.00**	**10,177,085.00**	**9,316,092.00**
(-) Pre-Paid Salary Adjustment	4,152,957.00	603,322.00	652,287.00	3,138,773.00	602,319.00	455,144.00
(+) Outstanding Salary for the year 2011-2012	4,917,636.00	749,660.00	607,339.00	4,152,957.00	603,322.00	652,287.00
TOTAL	**126,407,094.00**	**11,711,593.00**	**11,848,514.00**	**107,058,158.00**	**10,178,088.00**	**9,513,235.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Schedule under General Non-Plan forming part of Receipt & Payment Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

STATEMENT (B) - ESTABLISHMENT EXPENSES	Current Year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Salaries	57,794,145.00	47,594,027.00
Allowances & Bonus	47,806,122.00	38,106,523.00
Expenses on Employees Retirement & Terminal Benefits		49,600,000.00
Others (Specify)		
Over Time Allowance	17,436.00	7,791.00
Medical Reimbursement	265,567.00	452,874.00
L.T.C. Expenses	359,197.00	625,549.00
L.T.C. Advance	84,700.00	
Total	**106,327,167.00**	**136,386,764.00**
(-) Pre-paid salary adjustment	3,703,460.00	3,611,258.00
(+) Outstanding salary of the year 20011-12	4,258,839.00	3,703,460.00
TOTAL	**106,882,546.00**	**136,478,966.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy
Schedule under General Area Plan, Spl. Comp. Plan for Sch. Caste and Tribal Area Plan. forming part of Receipt & Payment Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

STATEMENT (C) Other Administrative Expenses etc.	Current year 2011-2012			Previous year 2010-2011		
	GAP	SCPSC	TAP	GAP	SCPSC	TAP
Wages	7,662,988.00	25,663.00	146,980.00			
Electricity & Power	2,370,893.00	13,155.00	40,224.00	2,226,705.00	9,747.00	28,460.00
Water Charges	192,482.00	14,160.00		152,283.00	16,598.00	
Insurance	4,750.00			25,230.00		
Repair & Maintenance	2,511,739.00	37,003.00	26,454.00	4,140,291.00	92,316.00	21,782.00
Rent, Rates & Taxes	1,635,865.00	866,268.00	401,840.00	1,295,714.00	398,732.00	348,160.00
Vehicle Running & Maintenance	780,263.00			721,585.00		
Vehicle Hiring	602,975.00					
Postage, Telephone & Communication Charges	785,374.00	56,621.00	75,868.00	914,171.00	115,541.00	47,608.00
Printing & Stationery	3,016,063.00	74,436.00	75,269.00	3,299,023.00	119,122.00	74,275.00
Travelling & Conveyance Expenses	2,843,329.00	364,595.00	493,475.00	5,420,990.00	149,010.00	235,284.00
Exp. on Coll. Study (TA Rs.72357)	72,357.00			130,887.00		
Exp. On Vehicle hiring				640,177.00		
Exp. on HM/Seminar/WS (TA- Rs.579955 + Cont. Rs.740605)	1,320,560.00			7,550,225.00		
Subscription Expenses	276,314.00		751.00	138,483.00		
Expenses on Fees	95,700.00			12,050.00	1,600.00	3,500.00
Audit Remuneration				36,850.00		
Consultant Exp.	572,222.00	1,000.00	3,500.00	1,629,248.00	43,000.00	20,000.00
Exp. on Investigation	146,975.00	200.00		400,107.00	147,001.00	4,843.00
Professional Charges	249,070.00			317,545.00		

Continued

(Figure in Rupees)

STATEMENT (C) Other Administrative Expenses etc.	Current year 2010-2011			Previous year 2009-2010		
	GAP	SCPSC	TAP	GAP	SCPSC	TAP
Expenses on Advertisement and Publicity	1,107,532.00			7,805,842.00		25,856.00
Exp. on Hindi Committee (TA 360531+ Cont.529446)	889,977.00			56,298.00		
Exp. on Medical Edu. Training (North East Region) (Annexure - B)	2,391,408.00			1,628,853.00		
Exp. on Nat. Comp.on Homo. Mother & Child Care (Detail in Ann. -A)	2,640,069.00			2,473,239.00		
Medicine	893,721.00	37,243.00	66,711.00	316,568.00	40,065.00	124,267.00
Diet	1,457,197.00			1,625,815.00		
Sundries	1,023,693.00	13,514.00	18,941.00	1,643,191.00	18,661.00	17,994.00
Provers	321,160.00			355,200.00		
Miscelleneous Expenses	1,078,789.00	29,511.00	53,209.00	2,211,733.00	21,681.00	49,333.00
T.A. Advance (GAP Rs. 30,000.00 + CS 18753+HM 5810)	54,563.00	30,000.00	5,000.00	36,000.00		40,000.00
Grant--in-aid/Contingent Adv. For NCHMCC (Detail in Annexure - A)	7,137,895.00			26,492,718.00		
Contingent Advance (GAP Rs.554061+HPC 17000)	571,061.00		27,700.00	9,412,035.00	154,362.00	15,000.00
Advance for Capital Work at CRI (H), NOIDA, Kttm., Gdv. & Kolkata	90,000,000.00			99,069,008.00		
Cont. Advance & GIA for Collaborative Study (Rs.6345700)	6,345,700.00			2,867,600.00		
Cont adv. & .Grant-in-aid for MET (NER) (Annexure - B)	27,050,968.00			8,896,250.00		
TOTAL	168,103,652.00	1,563,369.00	1,435,922.00	193,941,914.00	1,327,436.00	1,056,362.00

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Schedule under General Non-Plan forming part of Receipt & Payment Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

STATEMENT (D) - ESTABLISHMENT EXPENSES	Current Year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Electricity & Power	302,236.00	208,459.00
Wages	1,448,741.00	
Electricity & Power	346,416.00	302,236.00
Water Charges	31,987.00	11,985.00
Insurance	27,156.00	11,597.00
Repair & Maintenance	210,167.00	951,753.00
Rent, Rates & Taxes	868,846.00	1,071,818.00
Vehicle Running & Maintenance	77,477.00	100,033.00
Postage, Telephone & Communication Charges	341,549.00	393,658.00
Printing & Stationery	331,106.00	636,006.00
Travelling & Conveyance Expenses	1,627,180.00	1,974,704.00
Expenditure on Subscription		17,196.00
Expenditure on Fees	7,230.00	2,000.00
Professional Charges	46,980.00	28,010.00
Expenses on Advertisement & Publicity	14,587.00	9,056.00
Lease Rent for Ooty	159,313.00	612,097.00
Miscelleneous Expenses	236,651.00	405,054.00
Exp. On Lab. Investigation	37,074.00	-
Medicine	365,559.00	335,306.00

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Continued

(Figure in Rupees)

STATEMENT (D) - ESTABLISHMENT EXPENSES	Current Year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Diet	67,949.00	60,837.00
Sundries	361,814.00	761,381.00
Provers & Consultants	93,036.00	234,760.00
Expenditure on Vehicle hiring		12,359.00
Consultant	169,500.00	78,000.00
T.A. Advance	105,000.00	27,794.00
Contingent Advance	3,307,979.00	2,904,922.00
Exp. On Retirement Benefits	49,200,000.00	
TOTAL	59,483,297.00	10,942,562.00

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Annexure-A

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Schedule under NC for MMCH forming part of Receipt & Payment Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

ANNEXURE - (A) EXPENDITURE STATEMENT OF WHO	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Expenditure		
T.A. & Conveyance	832,290.00	369,396.00
Miscelleneous Expenditure	1,508,097.00	2,103,843.00
TA Exp. MCCH (NER)	95,570.00	
Cont. Exp. MCCH (NER)	204,112.00	
TOTAL	**2,640,069.00**	**2,473,239.00**
Advances		
Grant-in-aid for NC for Monther and Child Care	6,009,895.00	26,492,718.00
Contingent advance	1,128,000.00	
TOTAL	**7,137,895.00**	**26,492,718.00**
TOTAL	**9,777,964.00**	**28,965,957.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Annexure-B

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Schedule under Medical Education Training (NER) forming part of Receipt & Payment Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees

ANNEXURE - (B) EXPENDITURE STATEMENT (Medical Edu.Trg.-North East Region)	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Expenditure		
Honorarium	67,900.00	68,400.00
T.A. & Conveyance	1,968,370.00	903,644.00
Miscelleneous Expenditure	227,101.00	597,699.00
Printing & Stationery	128,037.00	59,110.00
TOTAL	**2,391,408.00**	**1,628,853.00**
Advances		
Grant-in-aid		388,000.00
Contingent advance	12,914,968.00	8,508,250.00
Contingent advance (Capital Work)	14,136,000.00	
TOTAL	**27,050,968.00**	**8,896,250.00**
TOTAL	**29,442,376.00**	**10,525,103.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Annexure-C

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Expenditure Schedule under W.H.O. forming part of Receipt & Payment Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

ANNEXURE - (C) EXPENDITURE STATEMENT OF CME Programme (R.A.V.)	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Allowance		Nil
Perinting & Stationery	772.00	Nil
Misc. Exp.		
Travelling & Conveyance Allowances	**772.00**	**Nil**
TOTAL		

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Expenditure Schedule under UCLA forming part of Receipt & Payment Account as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

ANNEXURE - (C) EXPENDITURE STATEMENT OF UCLA	Current year 2011-2012	Current year 2010-2011
Expenditure on Travelling Allowance		246,316.00
Misc. Exp.		**246,316.00**
Contingent Advance		
TOTAL		

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Schedule under G.A.P, S.C.S.P., for SC., T.A.P., N.P. forming part of Receipt & Payment as at 31.03.2012

(Figure in Rupees)

STATEMENT (E) - ASSETS CREATED DURING THE YEAR 2010-2011

Head	General Area Plan	Sch. Caste Comp. P.	Tribal Area Plan	NC for MCCH	Total Plan	Non-Plan	MET (NER)
Land & Building					-		
Laboratory Equipment	22,689.00				22,689.00	435,453.00	
Furniture & Fixture							
Cabinet/Racks	91,651.00				91,651.00	3,640.00	
Table/Chair	261,386.00	3,000.00	1,600.00		265,986.00	86,450.00	
Wooden Partition/Sign Board	1,320,617.00				1,320,617.00		
Computer & Peripharials					-		
UPS/Voltage Stabilizer	28,188.00	4,225.00			32,413.00	22,845.00	
Computer/Server	133,385.00				133,385.00		
Printer					-	2,399.00	
Software	4,000.00				4,000.00	7,500.00	
Books	260,840.00				260,840.00	2,286.00	
Office Equipments							-
Sound sys./seving mac./drill mch. Etc	23,816.00				23,816.00		
Photocopier Machine	488,452.00				488,452.00	227,391.00	
Camera/TV/DVD	511,879.00				511,879.00		
Water Purifier	265,000.00				265,000.00		
Referigerator/Water Cooler					-	15,200.00	
Kitchen Equipment	3,528.00				3,528.00		
Misc.	67,980.00				67,980.00	14,960.00	
Fax Machine	38,998.00				38,998.00		
Air Conditioner	111,529.00				111,529.00	39,708.00	
EPABX Board/Inverter/Generator	10,250.00		35,500.00		45,750.00	69,449.00	
LCD Projector/Plazama	10,000.00				10,000.00		
Elect. Installation	24,217.00				24,217.00	8,560.00	
TOTAL	**3,678,405.00**	**7,225.00**	**37,100.00**	**-**	**3,722,730.00**	**935,841.00**	

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Annexure - I (Part-I)

Receipt & Payment Account for the year ended 31.03.2012 in respect of General Provident Fund Account

(Figure in Rupees)

RECEIPTS	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Opening Balance		
Bank Balance	12,616,995.00	2,433,611.00
Amount transferred from General Account on account of GPF Subs.	38,664,037.00	35,188,805.00
Amount tfd. from Pension Fund A/c. (Excess payment of GPF recovered from Pension and tfd. To GPF A/c.)	66.00	
Amount of G.P.F. Received in r/o Sh. R.R. Banerjee		200,000.00
Sh. S..Yobu from Chennai		176,288.00
Amount of STDRs matured and encashed during the year	9,000,000.00	107,412,932.00
Income on Investment and Deposits		
Int. on STDR	2,578,048.00	19,419,935.00
Int. on SB A/c.	116,080.00	
Excess credit given by the Bank		75.00
GRAND TOTAL	**62,975,226.00**	**164,831,646.00**

PAYMENTS	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Payment on account of GPF		
i) Advance & withdrawals made during the year	36,330,446.00	32,285,121.00
Investment made during the year	26,009,999.00	119,929,530.00
Bank Charges	-	
Closing Balance	634,781.00	12,616,995.00
Bank Balance		
GRAND TOTAL	**62,975,226.00**	**164,831,646.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Annexure - I (Part-II)

Balance Sheet as at 31.03.2012 in respect of General Provident Fund Account

(Figure in Rupees)

LIABILITIES	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
GPF Capital Fund		
a) Opening Balance	136,203,633.00	123,004,779.00
b) Add: Subs. of the staff	38,664,037.00	35,565,093.00
c) Add: Interest allowed on GPF A/C of the subs.	11,407,882.00	9,918,882.00
	186,275,552.00	**168,488,754.00**
d) Less: Withdrawal		
i) Withdrawal	36,330,446.00	32,285,121.00
(A)	**149,945,106.00**	**136,203,633.00**
Reserve & Surplus		
a) Opening Balance	7,697,291.00	8,305,056.00
b) Interest recd on SB A/C.	116,080.00	86,150.00
c) Int. accrued on STDRs	13,719,647.00	9,224,892.00
d) Excess payment recovered	66.00	75.00
	21,533,084.00	**17,616,173.00**
Less Interest allowed on G.P.F. A/c	11,407,882.00	9,918,882.00
(B)	**10,125,202.00**	**7,697,291.00**
TOTAL ((A) + (B))	**160,070,308.00**	**143,900,924.00**

ASSETS	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Investment account		
a) Opening Balance	127,929,530.00	115,412,932.00
b) Less: amount of STDRs matured during the year	9,000,000.00	107,412,932.00
	118,929,530.00	**8,000,000.00**
c) Add: amount of STDRs purchased during the year	26,009,999.00	119,929,530.00
(A)	**144,939,529.00**	**127,929,530.00**
Amount of interest accrued on STDRs but not received		
a) Opening Balance	3,354,399.00	13,463,292.00
b) Add: during the year	13,719,647.00	9,224,892.00
	17,074,046.00	**22,688,184.00**
Less: Received during the year	2,578,048.00	19,333,785.00
(B)	**14,495,998.00**	**3,354,399.00**
Closing Balance		
Bank Balance (C)	634,781.00	12,616,995.00
TOTAL ((A) + (B) + (C))	**160,070,308.00**	**143,900,924.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Annexure - II (Part-I)

Receipt & Payment Account for the year ended 31.03.2012 in respect of General Provident Fund Account

(Figure in Rupees)

RECEIPTS	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Opening Balance		
Saving Bank Account No. 19806	20,176,468.00	2,222,094.00
Amount received on account of L.S and Pension Contribution in respect of		
Prof.C. Nayak (Pro-rata)		956,535.00
Prof.C. Nayak (LS & PC)		200,715.00
Interest on Saving Bank Account	412,540.00	77,299.00
Amount transferred from General Account to Pension Fund Account	49,600,000.00	49,600,000.00
Amount recovered on account of Income Tax	440,916.00	
Amount to be TFd.To Gen.A/C	7,406.00	
GRAND TOTAL	**70,237,330.00**	**53,056,643.00**

RECEIPTS	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Pension Payment made during the year	20,618,97.00	15,836,097.00
Arrear of Pension	1,239,237.00	
Payment made during the year on account of Retirement Gratuity and Comm.Value of Pension	14,184,339.00	17,044,078.00
DA arrear	511,797.00	
Income Tax paid to the Govt out of Pension Fund A/c.	433,510.00	
Income Tax paid to the Govt Out of General A/c.	7,406.00	
Excess payment of GPF recovered from Pension and transferred to GPF Account	66.00	
Bank Charges		
Colsing Balance		
Saving Bank Account No. 19806	33,242,003.00	20,176,468.00
GRAND TOTAL	**70,237,330.00**	**53,056,643.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Annexure - II (Part-II)

Balance Sheet as at 31.03.2012 in respect of Pension Fund Account

(Figure in Rupees)

LIABILITIES	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Pension Fund Account		
Opening Balance	20,176,468.00	2,222,094.00
Add: Amount of Interest received on S.B. A/c.	412,540.00	77,299.00
Amount transferred from General Account	49,200,000.00	49,600,000.00
Amount to be transferred to General Account of the Council	7,406.00	
Amount received from CCRAS & PAO, BBSR on account of LS & Pension Contribution in respect of Prof. C. Nayak		1,157,250.00
TOTAL	**69,796,414.00**	**53,056,643.00**
Less: Payment made on account of DCRG/Gratuity, Comm. Value of pension	14,184,339.00	17,044,078.00
Bank Charges	-	
Pension Payments & arrear	22,370,072.00	15,836,097.00
(-)	36,554,411.00	32,880,175.00
GRAND TOTAL	**33,242,003.00**	**20,176,468.00**

ASSETS	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Colsing Balance	33,242,003.00	20,176,468.00
GRAND TOTAL	**33,242,003.00**	**20,176,468.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Annexure - III (Part-I)

Receipt & Payment Account for the year 2011-2012 for House Building Advance

(Figure in Rupees)

RECEIPTS	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Opening Balance	642,339.00	563,756.00
Amount transferred from General Account	4,000,000.00	
Interest received on Saving Bank Account	93,736.00	19,815.00
Recoveries of H.B.A. through General Account	74,704.00	58,768.00
TOTAL	**4,810,779.00**	**642,339.00**

PAYMENTS	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
House Building Advance Paid during the year	64,804.00	-
Closing Balance	4,745,975.00	642,339.00
TOTAL	**4,810,779.00**	**642,339.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Annexure - III (Part-II)

Balance Sheet as at 31.03.2012 for House Building Advance

(Figure in Rupees)

LIABILITIES	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Capital Fund House Building Account Opening Balance	1,209,285.00	1,189,470.00
Add: Interest received on S.B. Account	93,736.00	19,815.00
Amount tra Int. on HBA Gen. Account of the Council	4,000,000.00	-
TOTAL	**5,303,021.00**	**1,209,285.00**

ASSETS	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
HBA Recoverable from Staff Opening Bal. Rs 566946.00 (+) Paid during the year Rs. 64804.00 Total Rs. 631750.00 (-) Recovered Rs. 74,704.00	557,046.00	566,946.00
Closing Balance Bank Balance	4,745,975.00	642,339.00
TOTAL	**5,303,021.00**	**1,209,285.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Annexure - IV (Part-I)

Receipt & Payment Account for the year 2011-2012 for New Pension Scheme

(Figure in Rupees)

RECEIPTS	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Opening Balance	3,616,536.00	3,087,368.00
Employee's Contribution transferred from General Account	2,356,427.00	1,725,894.00
Employer's contribution transferred from General Account	2,356,427.00	1,725,894.00
Amount of Interest due for the year 2010-11, transferred from Gen. Account	91,469.00	42,312.00
Interest on Employees Contribution	196,694.00	192,334.00
Interest on STDR	24,682.00	106,869.00
Interest on S.Bank account	7,256,869.00	42,734.00
STDR Encashed during the year		
TOTAL	**15,899,104.00**	**6,923,405.00**

PAYMENTS	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Investment account STDR Purchased Add. Interest	3,950,000.00	3,200,000.00 106,869.00
TOTAL	**3,950,000.00**	**3,306,869.00**
Amount of NPS paid to CR Agency, PFRDA	11,937,608.00	
Closing balance	11,496.00	3,616,536.00
TOTAL	**15,899,104.00**	**6,923,405.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Form of Financial Statements (Non-Profit Organization)
Name of Entity : Central Council for Research in Homoeopathy

Annexure - IV (Part-II)

Balance Sheet as at 31.03.2012 for New Pension Scheme

(Figure in Rupees)

LIABILITIES	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Capital Fund		
New Pension Scheme	6,923,405.00	3,129,680.00
Employees contribution	2,356,427.00	1,725,894.00
Employeer's contribution	2,356,427.00	1,725,894.00
Interest on Employees contribution	91,469.00	192,334.00
Interest on STDR	196,694.00	106,869.00
Interest on S.B. Account	24,682.00	42,734.00
TOTAL	11,949,104.00	
Less: Paid to CRA, PFRDA	11,937,608.00	
TOTAL	**11,496.00**	**6,923,405.00**

ASSESTS	Current year 2011-2012	Previous year 2010-2011
Investment Account		3,306,869.00
Opening Balance Rs. 3306869.00		
STDR Puchased during the year Rs. 3950000.00		
Toatal Rs. 7256869.00		
Less:		
STDR Encashed Rs. 7256869.00	Nil	
Closing Balance	11,496.00	3,616,536.00
TOTAL	**11,496.00**	**6,923,405.00**

Sd/-
Accounts Officer
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Acctt. I/A
C.C.R.H., New Delhi

Sd/-
Director General
C.C.R.H., New Delhi

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the accounts of Central Council for Research in Homoeopathy for the year ended 31 March 2012

1. We have audited the attached Balance Sheet of Central Council for Research in Homoeopathy as at 31 March 2012, the Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account for the year ended on that date under Section 20 (1) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & conditions of Service) Act, 1971. The audit has been entrusted for the period up to 2012-13. These financial statements are the responsibility of the Central Council for Research in Homoeopathy's management. Our responsibility is to express an opinion in these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc, if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i) We have obtained all the information and explanation, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii) The Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report have been drawn up in the format prescribed by the Government of India, Ministry of Finance.

iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Central Council for Research in Homoeopathy, in so far as it appears from our examination of such books.

iv) We further report that:

A. Balance Sheet

A.1. Liabilities

A.1.1. The council had acquired SPSS software worth ₹ 32.65 lakh which was taken in stock and installed in the council in December 2011. Though the amount of ₹32.65 lakh was outstanding, the same was not shown as current liability. This resulted in understatement of liability as well as Assets by ₹ 32.65 lakh.

A.1.2. Provision for gratuity, pension, and leave encashment as required in the common format of accounts for Central Autonomous Bodies was not made on actuarial basis.

A.2. Assets

A.2.1. Investment (GPF)

Non-adherence to the pattern for investment of GPF/CPF

The Council had invested the entire provident fund balances (₹ 14.49 crore) in term deposit with banks in contravention of the pattern of investment prescribed by the Government of India, Ministry of Finance vide notification No. F.5 (88)/2006-PR dated 14-08-2008.

B. General

B.1.The Council publishes and distributes several priced journals. However the figures of opening balance, addition, sales and closing balances shown in the accounts did not match with those in the stock records maintained in the publication section as detailed below:

	As per accounts	As per stock records	Difference
Opening balance	6820827	4047719+224400 (IJRH)= 4272119	2548708
Add: printed during the year	979277	1156232+157644 (IJRH)= 1313876	-334599
Less sold during the year	589651	487064+43800 (IJRH)= 530864	58787
Closing balance	7210453	4672402+248700 (IJRH)=4921102	2289351

Difference needs to be reconciled and correct balances be reflected in the accounts.

C. Grant-in-aid

The Council received grant-in-aid of ₹ 4890.00 lakh (Plan: ₹3220 lakh and Non Plan: ₹1670 lakh) from the Department of AYUSH, Ministry of Health and Family Welfare. The Council utilized the entire grant of ₹ 4890.00 lakh (Plan₹ 3220.00 lakh and Non Plan ₹1670.00 lakh).

D. **Management letter:** Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the Secretary, Central Council for Research in Homoeopathy, through a management letter issued separately for remedial/corrective action.

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income and Expenditure Account/Receipts and Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India;

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Central Council for Research in Homoeopathy as at 31 March 2012; and

b. In so far as it relates to Income and Expenditure Account of the surplus for the year ended on that date

For and on behalf of the C & AG of India

Place: New Delhi
Dated: 11-02-2013

Director General of Audit
(Central Expenditure)

Annexure to Audit Report

1. Adequacy of Internal audit system

- Internal audit of CCRH for the period 2011-12 has not been conducted by the Pr. Pay & Account Office of the Ministry of Health & Family Welfare as required under the provisions of GFR.

2. Adequacy of Internal Control System

- The managements monitoring of outstanding advances was not effective as advances were lying unadjusted since 2004-05.

3. System of physical verification of Assets

- The Council has fixed assets of ₹13.68 crore as on 31.03.12, however the fixed assets register has not been maintained in form 40 as prescribed in GFR.
- The physical verification of fixed assets for the period 2011-12 has been conducted and no discrepancy was found.

4. System of physical verification of inventory

- The physical verification of inventory like books and publication, stationery and other consumable has been conducted up to 31.03.2012.

5. Regularity in payment of dues

- As per accounts, no payments for over six months in respect of statutory dues were outstanding as on 31.03.2012.